विद्या परं दैवतम्

IIM

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

Indian Institute of Management Visakhapatnam

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम
6वीं वार्षिक रिपोर्ट 2020-2021

Indian Institute of Management Visakhapatnam
6th Annual Report 2020-2021

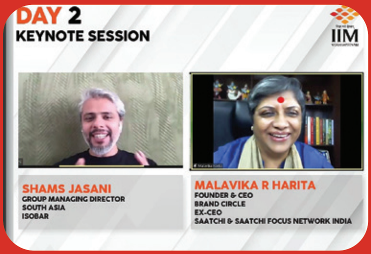

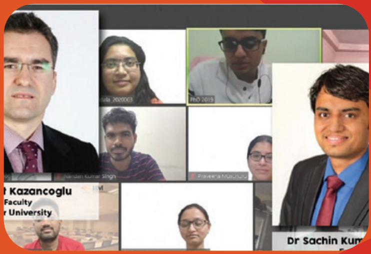

विद्या परं दैवतम्

IIM
भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम
Indian Institute of Management Visakhapatnam

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

6ठी वार्षिक रिपोर्ट 2020-2021

विषयवस्तु

अध्यक्ष का संदेश		2
निदेशक का संदेश		3
1.	शासी निकाय	4
2.	कार्यक्रम	6
3.	कार्यकारी शिक्षा	17
4.	संकाय	18
5.	अनुसंधान और प्रकाशन	20
6.	उद्यमिता	22
7.	बुनियादी सुविधाएं	25
8.	भूतपूर्व छात्र गतिविधियां	28
9.	नीति और पहल	28
10.	कार्मिक और प्रशासन	29
11.	वित्तीय स्थिति	31
12.	विवरण	32
13.	निदेशक की रिपोर्ट	49
14.	लेखा का विवरण	64

अध्यक्ष का संदेश

हरि एस. भारतीय

प्रिय हितधारक,

इस 'शताब्दी में एक बार' आई वैश्विक महामारी के कारण हुई अभूतपूर्व अव्यवस्था के बावजूद, संस्थान ने विगत वर्ष में धैर्य, दृढ़ संकल्प और दृढ़ता के साथ अपनी क्षमता साबित की, , नई सामान्य स्थिति के लिए स्वयं का समायोजन और अनुकूलन किया।

मैं केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा संस्थान की प्रगति, विकास और सुचारू कामकाज के लिए दी गई सहायता के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

संस्थान की विभिन्न पहलें सुविचारित हैं और एक विवेकशील बोर्ड द्वारा समर्थित हैं। मैं इस अवसर पर बोर्ड के अपने साथी सदस्यों को उनके बहुमूल्य सुझावों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

संस्थान की स्थापना से लेकर केवल पांच वर्ष, तथा आईआईएम अधिनियम 2017 के लागू होने से केवल तीन वर्ष की अवधि, हालांकि एक संस्थान के जीवन काल में बहुत कम है, फिर भी यह महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

यह खुशी की बात है कि संस्थान आज कई मोर्चों पर प्रथम-प्रस्तावक लाभ प्राप्त कर रहा है, तथा अपने साथियों के समूह में एक विशिष्ट स्थान बनाए हुए है। इसे व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है कि संस्थान ने कम समय में अच्छा नाम कमाया है। अतएव, मजबूत नींव रखने और इसे एक बेहतरीन संस्थान के रूप में आकार देने के प्रयासों के लिए निदेशक और उनके शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारियों की टीम बधाई के लिए पात्र हैं।

युवा, अनुभवी और अनुसंधान-उन्मुख उम्मीदवारों की प्रबंधन-शिक्षा महत्वाकांक्षाओं को संबोधित करने वाले विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के साथ ही, संस्थान नीति, निर्देशों और अभ्यास के सही मिश्रण के साथ प्रबंधकीय प्रतिभा की एक समृद्ध संभावनाओं का निर्माण कर रहा है।

32% छात्राओं, 28% महिला संकाय और वंचित वर्गों के 51% छात्रों के साथ, संस्थान समावेशिता और लैंगिक समानता पर अत्यधिक ध्यान दे रहा है।

महामारी से उत्पन्न कई चुनौतियों के बावजूद संस्थान के स्थायी परिसर का निर्माण अच्छी तरह से प्रगति कर रहा है। यह आशा की जाती है कि खोए हुए समय को अच्छी तरह से पूरा किया जाएगा, तथा परिसर 2022 के मध्य तक पंचतारांकित गृह रेटेड सुविधा के रूप में पूरी तरह से तैयार हो जाएगा।

संस्थान प्रबंधन शिक्षा के उभरते आयामों, जैसे ईएसजी (पर्यावरण, समाज और शासन) पर उचित ध्यान दे रहा है। अपनी रणनीति के मूल में डिजिटलीकरण के साथ, संस्थान के मजबूत हाइब्रिड या "फिजिटल" बुनियादी ढांचे का लाभ उठाते हुए, विभिन्न ज्ञान चाहने वालों को विशिष्ट मूल्य-वर्धन के साथ अद्वितीय सीखने का अनुभव प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। सामाजिक उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता बढ़ रही है, तथा प्रौद्योगिकी-आधारित और महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्ट-अप को बड़े पैमाने पर पोषित किया जा रहा है।

संक्षेप में, संस्थान अपने "नई पीढ़ी" के टैग से काफी आगे बढ़ते हुए, कार्य-निष्पादन की अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचने तथा उत्कृष्टता के नए शिखरों को मापने के लिए लगातार नवोन्मेष कर रहा है।

संस्थान ने पिछले पांच वर्षों में सरकार, व्यवसाय और समाज में जो सद्भावना अर्जित की है, उसने उद्देश्य की ईमानदारी और प्रतिबद्धता की गहरी भावना के साथ आईआईएम अधिनियम 2017 में निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए स्वयं को फिर से समर्पित करने के लिए एक आदर्श लॉन्चपैड पर रखा है।

हरि एस. भारतीय
अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स
आईआईएम विशाखापट्टणम

दिनांक: 29-10-2021

निदेशक का संदेश

प्रो. एम.चंद्रशेखर

प्रिय बहुमूल्य/ महत्वपूर्ण संरक्षक,

संस्थान ने वर्ष 2020-21 के दौरान और अनेक महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किए हैं। हमें इस बात पर गर्व है कि वर्ष–दर–वर्ष, अपनी प्रबंधन–शिक्षा आकांक्षाओं को साकार करने की प्रतिस्पर्धा में छात्रों की बढ़ती संख्या हमें तरजीह दे रही है, जो हम क्या हैं, और हम क्या पाना चाहते हैं, की पुष्टि करता है।

हमारे नए जमाने के साथियों में हमारा संकाय–दल सर्वोपरि रहा है। यह शीर्ष संस्थानों से शिक्षा, अनुसंधान और अनुभव में प्रभावशाली प्रमाणन के विवेकपूर्ण मिश्रण से उत्पन्न नए ज्ञान और सीखने के अवसरों को कक्षा में लाता है।

यह प्रतिबद्धता हमारे छात्रों की शिक्षा के परिणामों में परिलक्षित होती है, जब वे अखिल भारतीय प्रतियोगिताएं जीतते हैं और 100% नियुक्तियां दर्ज करते हैं।

अनुभवी पेशेवरों के लिए हमारा अनुकूलित एमबीए प्रोग्राम तीसरे वर्ष में प्रवेश करने के लिए तैयार है। प्रतिष्ठित उद्यमों से आने वाले ये प्रतिभागी अपने नेतृत्व कौशल को सुधारने के लिए प्रदान की जा रही नई और अनुभवात्मक शिक्षा का सफलतापूर्वक लाभ उठा रहे हैं। उनकी उत्साहजनक प्रतिक्रिया पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है, जो हमारे द्वारा दिए जाने वाले मूल्य का सत्यापन है।

डिजिटल गवर्नेंस एंड मैनेजमेंट में हमारा विशेष एमबीए प्रोग्राम, जो राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस डिवीजन, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है, अपनी तरह की पहली पहल है, जो अवधारणा से लेकर कमीशनिंग तक डिजिटल इंडिया परियोजनाओं के पूर्ण जीवन–चक्र को कवर करते हुए प्रबंधकीय क्षमता का निर्माण कर रहा है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, जिनमें आईएएस भी शामिल हैं, इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का हिस्सा हैं। अतएव, हम पर आशा और विश्वास दर्शाने के लिए, हम इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

दो वर्षीय महात्मा गांधी राष्ट्रीय फैलोशिप कार्यक्रम का संचालन करने के लिए हमें चुनने के लिए हम कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के भी आभारी हैं। हमारा काम युवाओं को सार्वजनिक नीति और प्रबंधन में प्रशिक्षित करना है ताकि वे बिहार और अरुणाचल प्रदेश के साथ–साथ हमारे अपने राज्य– आंध्र प्रदेश के हर जिले में कौशल–विकास में एक सुविधाजनक भूमिका निभा सकें।

एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर आईआईएमवी–फील्ड, आईआईएमवी फाउंडेशन फॉर इनक्यूबेशन, एंटरप्रेन्योरियल लर्निंग एंड डेवलपमेंट, एक सेक्शन–8 कंपनी की स्थापना है, जिसने कम समय में अच्छा ध्यानाकर्षण किया है। इसके अलावा, इलेक्ट्रोनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाय) के तहत एक प्रौद्योगिकी ऊष्मायन और उद्यमिता विकास (TIDE) केंद्र के रूप में, कंपनी प्रौद्योगिकी–आधारित उद्यमों और महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्ट–अप को प्रोत्साहन दे रही है।

संस्थान सरकार और कारोबार के लिए क्षमता निर्माण के लिए एक बहुप्रतीक्षित स्रोत के रूप में उभरा है। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान हमने 619 लाभार्थियों को 16,250 प्रतिभागी–घंटों का प्रशिक्षण दिया।

आईआईएम अधिनियम हमें प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए भारत और विदेशी

संस्थाओं के साथ सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। हमने इस उद्देश्य के लिए आईआईएम बेंगलूर तथा आंध्र यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस के साथ करार किये हैं।

हम सुशासन प्रथाओं में ट्रेंड–सेटर भी हैं। उदाहरणार्थ, हमने सबसे पहले आईआईएम अधिनियम के अंतर्गत विनियमों को प्रकाशित किया, जिसने दूसरों के लिए एक मॉडल के रूप में कार्य किया। हम अपनी वेबसाइट पर हर पखवाड़े में अपने परिसर–निर्माण की प्रगति का एक ड्रोन–कैप्चर वीडियो भी डाल रहे हैं।

हमारा भविष्य बहुत आशादायी है। आईआईएम अधिनियम और नई शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों का अनुसरण करते हुए अच्छी नागरिकता, ज्ञान और कौशल से संपन्न मानव पूंजी के निर्माण के लिए हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ है।

हमारे प्रतिबद्ध प्रयास को उत्प्रेरित करने के लिए, मैं और संस्थान में मेरी टीम हमेशा केंद्र और राज्य नेतृत्व के प्रति, हमारे अच्छे कामकाज में योगदान देने वाले हमारे बोर्ड, और समितियों तथा सभी हितधारकों के प्रति उनके निरंतर संरक्षण और हमारी प्रगति और सफलता में भागीदारी के लिए आभारी रहेंगे।

प्रो. एम.चंद्रशेखर
निदेशक, आईआईएम विशाखापट्टणम

दिनांक: 29-10-2021

1. गवर्निंग निकाय (प्रकाशन की तिथि पर अद्यतन किया गया)

1.1 गवर्नर बोर्ड

अध्यक्ष हरि एस. भारतीय सह–अध्यक्ष एवं संस्थापक, जुबिलंट भारतीय समूह	
सदस्य	
पी के बैनर्जी, आईएसएस संयुक्त सचिव (प्रबंधन, एमसी एवं छात्रवृत्ति), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	सतीश चंद्र, आईएएस विशेष मुख्य सचिव, उच्च शिक्षण, आंध्र प्रदेश सरकार
उमा सुधीन्द्र सुरक्षा रणनीतिज्ञ तथा संस्थापक एवं प्रबंधन भागीदार, गो मैजिक ट्रेल्स; सह–संस्थापक आई एम एव्हरी वूमन	प्रसाद दहापुते प्रबंध निदेशक दि वरहद ग्रुप
सतीश रेड्डी चेयरमैन डॉ.रेड्डी'ज़ लैबोरेटरीज़	नौशाद डी फोर्ब्स सह–अध्यक्ष फोर्ब्स मार्शल ग्रुप ऑफ कंपनीज़
जी रघुराम पूर्व निदेशक भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलूर	राजीव कपूर, आईएएस (सेवानिवृत्त) भारत सरकार के पूर्व– सचिव तथा पूर्व निदेशक, एलबीएसएनएए
मालविका हरिता विख्यात भूतपूर्व छात्रा, आईआईएम बेंगलूर संस्थापक, ब्रांड सर्किल	अमीता चटर्जी मैनेजिंग ट्रस्टी, एकम फाउंडेशन, मुंबई
बी श्रीरंगाचार्युलु असोसिएट प्रोफेसर, आईआईएम विशाखापट्टणम	दीपिका आर गुप्ता असिस्टंट प्रोफेसर, आईआईएम विशाखापट्टणम
एम चंद्रशेखर निदेशक भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखापट्टणम	

कलीम वी खान, बोर्ड के सचिव, आईआईएम विशाखापट्टणम

1.2 भवन एवं कार्य समिति

अध्यक्ष

सतीश रेड्डी

चेयरमैन, डॉ.रेड्डीज़ लेबोरेटरीज़ तथा सदस्य (बीओजी), आईआईएम विशाखापट्टणम

सदस्य

उमा सुधीन्द्र सुरक्षा रणनीतिज़्स तथा संस्थापक, "गो मैजिक ट्रेल्स" तथा सदस्य (बीओजी)	लिगी फिलिप, एफएनएई, एफआरएससी संस्थान की चेयर प्रोफेसर, सिविल अभियांत्रिकी विभाग तथा डीन (आयोजना), आईआईटी मद्रास
राजीव मिश्रा प्राचार्य, सर जे जे स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर मुंबई विश्वविद्यालय	वी नागादेवरा भूतपूर्व प्रोफेसर, डीन तथा निदेशक (प्रभारी) चेयरमैन, बिल्डिंग समिति; आईआईएम बेंगलूर
के. वेंकट रमण रेड्डी, आईएएस मेट्रोपोलिटन कमीश्नर, विशाखापट्टणम महनगरीय क्षेत्र विकास प्राधिकरण	एम चंद्रशेखर निदेशक, आईआईएम विशाखापट्टणम

अमित बरन चक्रबर्ती असिस्टंट प्रोफेसर, आईआईएम विशाखापट्टणम	आर. साईकृष्ण राजु प्रमुख (परियोजनाएं), आईआईएम विशाखापट्टणम (सदस्य – संयोजक)
आमंत्रित : 1. सुशांत बालिगा (भूतपूर्व : अतिरिक्त महानिदेशक, सीपीडब्ल्यूडी), परामर्शदाता (भवन एवं कार्यननर्न), आईआईएम विशाखापट्टणम 2. प्रो. बी.श्रीरंगाचार्युलु, संकाय प्रभारी (भवन और कार्य), आईआईएम विशाखापट्टणम	

1.3 वित्त, निवेश तथा लेखापरीक्षा समिति

अध्यक्ष

अमीता चटर्जी

मैनेजिंग ट्रस्टी, एकम फाउंडेशन, मुंबई तथा सदस्य (बीओजी), आईआईएम विशाखापट्टणम

सदस्य

दर्शना एम डबराल संयुक्त सचिव तथा वित्तीय सलाहकार शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	प्रसाद दहापुते प्रबंध निदेशक, दि वरहद ग्रुप तथा सदस्य (बीओजी)
पद्मिनी श्रीनिवासन असोसिएट प्रोफेसर (वित्त एवं लेखा) आईआईएम बेंगलूर	ए राधाकृष्ण वित्तीय नियंत्रक तथा कंपनी सेक्रेटरी बर्कले'ज़ शेयर्ड सर्विसेज़
श्रीनिवास कुमार अलामुरु, आईए व एएस (सेवानिवृत्त) पूर्व महालेखाकार (ए एंड ई), आंध्र प्रदेश	एम. चंद्रशेखर निदेशक, आईआईएम विशाखापट्टणम
दीपिका गुप्ता मुख्य लेखापरीक्षा कार्यकारी, आईआईएम विशाखापट्टणम तथा सदस्य (बीओजी)	नंदिता गुंडाला अधीक्षक (वित्त एवं लेखा) आईआईएम विशाखापट्टणम (सदस्य–संयोजक)
आमंत्रित: नीना पांडेय,समन्वयक (प्रशासन)	

बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, भवन और कार्य समिति तथा वित्त, निवेश और लेखापरीक्षा समिति की बैठकों का ब्योरा विवरण 1 में दिया गया है।

1. कार्यक्रम

संक्षिप्त विवरण

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापत्तनम में वर्तमान में चार दीर्घ अवधि के कार्यक्रम प्रस्तावित किए गए हैं – प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी), पीएचडी कार्यक्रम, अनुभवी पेशेवर के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीईएक्स) तथा डिजिटल शासन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) –डीजीएम)।

2.1 पीएचडी कार्यक्रम

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टणम (आईआईएमवी) का पीएचडी कार्यक्रम एक शोध–गहन डॉक्टरेट कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य अनुसंधान में उच्च गुणवत्ता वाला प्रशिक्षण प्रदान करना है। आईआईएमवी भारतीय प्रबंधन संस्थान बैंगलूर (आईआईएमबी) के संरक्षण और मार्गदर्शन में रहा है, जो प्रबंधन शिक्षा में अभिस्वीकृत अग्रणी है।

संस्थान के पीएचडी कार्यक्रम का उद्देश्य मुख्य रूप से भावी विद्वानों को उच्च गुणवत्ता वाले प्रकाशनों के माध्यम से अनुसंधान के उनके चयनित क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षण देना है। यह कार्यक्रम विद्वानों को अत्यधिक कुशल शिक्षक बनने के लिए भी तैयार करेगा।

पीएचडी कार्यक्रम के दूसरे बैच का उद्घाटन 20 जुलाई, 2020 को हुआ। कार्यक्रम में कुल 6 छात्रों को प्रवेश दिया गया।

2.1.1 शैक्षणिक

विशेषज्ञता के क्षेत्र

पीएचडी कार्यक्रम में वर्ष 2020 में विशेषज्ञता के चार क्षेत्रों, अर्थात् निर्णय विज्ञान (1 छात्र), वित्त और लेखा (2 छात्र), विपणन (1 छात्र) और उत्पादन और परिचालन प्रबंधन (2 छात्र) में छात्रों को प्रवेश दिया।

पीएचडी कार्यक्रम की संरचना

कार्यक्रम में दो चरण शामिल हैं, अर्थात, कोर्सवर्क और थीसिस। कार्यक्रम की सामान्य अवधि पांच वर्ष है, जिसमें दो वर्ष का पाठ्क्रम कार्य, व्यापक परीक्षा और थीसिस कार्य, जिसमें थीसिस प्रपोजल डिफेंस शामिल है; तथा अंतिम थीसिस मूल्यांकन और डिफेंस शामिल हैं।

चरण 1 – कोर्सवर्क

इस चरण में पीएचडी कार्यक्रम के पहले दो वर्ष शामिल हैं। इस चरण में शोध और स्वतंत्र अध्ययन शामिल है। पहले चरण को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के लिए दूसरे शैक्षणिक वर्ष के अंत में व्यापक परीक्षा (लिखित और मौखिक) उत्तीर्ण करना आवश्यक है।

चरण 2 – थीसिस कार्य

चरण 1 के पूरा होने पर, छात्र थीसिस का काम शुरू करते हैं, जिसमें एक थीसिस प्रपोज़ल तथा एक अंतिम थीसिस–मूल्यांकन और डिफेंस शामिल है।

2.1.2 संस्थागत सहायता

संस्थान पर्याप्त वित्तीय और संरचनागत सहायता प्रदान करता है। पीएचडी कार्यक्रम के होनहार छात्रों को पहले वर्ष में 30,000 रुपये की मासिक वृत्ति मिलेगी, जो ट्यूशन फीस माफी के अतिरिक्त, अधिकतम पांच वर्षों के लिए 10% वार्षिक वेतनवृद्धि के साथ होगी।

छात्रों को उपलब्ध अन्य वित्तीय सहायता में शामिल हैं:

- आकस्मिकता अनुदान रुपये 75,000/- (वर्ष 1 में) तथा रुपये 25,000/- (वार्षिक, वर्ष 2 से 5 तक)
- परिवार सहित कैंपस से बाहर रहने वाले वाले छात्रों के लिए एचआरए, मासिक रु. 7,500/– या उसके समकक्ष किराया।
- स्वीकृत कागजात के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अनुदान रुपये 3,00,000/- तक, तथा राष्ट्रीय अनुदान रु. 60,000/- तक।

2.2 अनुभवी पेशेवरों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीईएक्स)

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) की डिग्री प्रदान करने के लिए अनुभवी पेशेवरों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीईएक्स) एक गैर–आवासीय सप्ताहांत कार्यक्रम है। यह विशाखापत्तणम शहर और उसके आसपास स्थित अनुभवी पेशेवरों के लिए नया ज्ञान और कौशल हासिल करने और अपने करियर को आगे बढ़ाने का एक उत्कृष्ट अवसर है।

कार्यक्रम का व्यापक लक्ष्य प्रतिभागियों को पेशेवर वृद्धि और विकास के लिए उनकी प्रबंधकीय दक्षताओं और नेतृत्व कौशल को बढ़ाने में सहायता करना; तथा उस उन्नत शिक्षा के माध्यम से, उनके संगठनों में अधिक प्रभावी ढंग से योगदान करना है।

पीजीपीईएक्स (एमबीए) कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

- पीजीपीईएक्स एमबीए डिग्री प्रदान करता है

- 2-वर्षीय (गैर–आवासीय) कार्यक्रम
- कक्षाएं शुक्रवार शाम और सप्ताहांत पर आयोजित की जाती हैं
- मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम पैक (25 पाठ्यक्रम)
- कैपस्टोन परियोजना
- आईआईएम विशाखापट्टणम भूतपूर्व छात्र स्थिति

दूसरे बैच का उद्घाटन 5 सितंबर, 2020 को किया गया। पीजीपीईएक्स 2020-22 बैच में बत्तीस छात्रों को प्रवेश दिया गया।

2.2.1 शैक्षणिक

आईआईएमवी के पाठ्यक्रम को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ पर बेंचमार्क किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारतीय संदर्भ पर ध्यान केंद्रित करते हुए गतिशील शैक्षणिक प्रथाओं के आधार पर श्रेणी में सर्वोत्तम व्यावसायिक शिक्षा प्रदान की जाती है। पाठ्यक्रम में लगातार सुधार करने पर उचित महत्व दिया जाता है, जो उत्कृष्ट संकाय के मार्गदर्शन में छात्रों के एक असाधारण समूह को गतिशील व्यावसायिक नेताओं में विकसित और परिवर्तित करने में सहायता करता है।

व्याख्यान, कक्षा में चर्चा, केस–स्टडी, वैयक्तिक और समूह परियोजनाओं, टर्म पेपर, रोल प्ले, व्यवसाय (सिमुलेशन) गेम इत्यादि के संयोजन के माध्यम से पाठ्यक्रम प्रदान और मूल्यांकित किए जाते हैं। विभिन्न शिक्षाविदों, उद्योगपतियों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा अतिथि व्याख्यान भी छात्रों के अनुभव को समृद्ध करते हैं।

2020-21 के दौरान, बाईस वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किए गए। पाठ्यक्रमों की सूची विवरण 2 के रूप में संलग्न है।

2.2.2 निदेशक की मेरिट सूची

पहले वर्ष के अंत में शैक्षणिक प्रदर्शन (संचयी ग्रेड पॉइंट औसत) के आधार पर बैच में शीर्ष 5% छात्रों को निदेशक की मेरिट सूची में शामिल किया जाता है। पीजीपीईएक्स 2019-21 के तीन छात्रों को निदेशक की मेरिट सूची के लिए चुना गया। प्रत्येक पात्र छात्र को 10,000 रुपये का पुस्तक अनुदान और गुणवत्ता प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।

2.2.3 गुणवत्ता प्रमाणपत्र

टर्म 1, 2 और 3 के अंत में शैक्षणिक प्रदर्शन (टर्म जीपीए) के आधार पर जिन छात्रों को प्रथम स्थान दिया गया है, उन्हें गुणवत्ता प्रमाणपत्र सूची में शामिल किया गया है। पीजीपीईएक्स 2019-21 के प्रत्येक टर्म के तीन छात्रों को गुणवत्ता प्रमाणपत्र के लिए चुना गया। प्रत्येक पात्र छात्र को 6000 रुपये का पुस्तक अनुदान और गुणवत्ता प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ।

2.3 डिजिटल गवर्नेंस और प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी–डीजीएम)

राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस डिवीजन (एनईजीडी), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार (जीओआई) के तत्वावधान में 2019 में डिजिटल गवर्नेंस एंड मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी–डीजीएम) की शुरुआत की गई, जिसमें मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) की डिग्री प्रदान की जाती है।

प्रतिभागियों में डिजिटल–प्रबंधन क्षमताओं को बढ़ाने की दृष्टि से यह अनुकूलित कार्यक्रम तैयार किया गया है, जिसमें सरकारी अधिकारियों के साथ–साथ निजी और सार्वजनिक उद्यमों के पेशेवर भी शामिल हैं। यह परिकल्पना की गई है कि स्नातक होने वाले उम्मीदवार डिजिटल इंडिया के पदचिह्न और प्रभाव को और अधिक व्यापक और गहन रूप से उत्प्रेरित करेंगे, जिससे अंतिम उपयोगकर्ताओं को सेवाओं की सुपुर्दगी के मात्रात्मक और गुणात्मक परिवर्तन में योगदान किया जाएगा।

पहले बैच की सफल शुरुआत के बाद दूसरे बैच की प्रवेश प्रक्रिया के दौरान राज्यों और विभागों से 114 आवेदन प्राप्त हुए। हालाँकि, कोविड–19 के कारण उत्पन्न जटिलताओं के कारण प्रवेश प्रक्रिया में विलंब हुआ। कार्यक्रम के दूसरे बैच का उद्घाटन अप्रैल–मई 2021 में किया जाएगा।

संस्थान सभी हितधारकों के लाभ के लिए एनईजीडी के साथ भागीदारी के पैमाने और दायरे में मजबूती से, बढ़ने के लिए तत्पर है। यह आशा की जाती है कि सरकारी अधिकारियों के साथ–साथ कार्यक्रम से स्नातक होने वाले निजी और सार्वजनिक उद्यमों के पेशेवर परिवर्तन के चैंपियन तथा डिजिटल–परिवर्तन परियोजनाओं के प्रबंधकों के रूप में नेतृत्व करेंगे, जो नागरिकों को सेवा–सुपुर्दगी की दक्षता और शासन की प्रभावशीलता पर बेहतर ध्यान केंद्रित करेंगे।

2.3.1 शैक्षणिक

कार्यक्रम दो वर्षों में 4 सेमेस्टर में फैला हुआ है। यह पारंपरिक और वर्चुअल क्लास–रूम मोड के विवेकपूर्ण संयोजन के साथ एक मिश्रित–लर्निंग मॉडल है। यह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा

प्रस्तुत किए जा रहे ऐसे (ऑन–लाइन) कार्यक्रमों के महत्व और बढ़ती प्रवृत्ति के अनुरूप है। पाठ्यक्रम–सुपुर्दगी का यह मिश्रित–मोड कामकाजी पेशेवरों की ज्यादा लंबे समय के लिए काम से दूर होने संबंधी बाधाओं को संबोधित करता है, जो आमतौर पर परिसर, आवासीय कार्यक्रमों में पूरी तरह से आवश्यक होता है।

कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए एक तन्मयतापूर्ण और सक्रिय शैक्षिक अनुभव के लिए डिज़ाइन किया गया है। चयनित उम्मीदवारों को एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान / विश्वविद्यालय में लगभग 2 सप्ताह के 'घरेलू घटक' के साथ–साथ 'अंतर्राष्ट्रीय घटक' को पूरा करना होगा।

इसके अलावा, प्रतिभागियों को व्यावहारिक महत्व की एक कैपस्टोन परियोजना को अंजाम देना होगा, जिसमें डिजिटल गवर्नेंस और प्रबंधन क्षेत्र में कार्यान्वयन की संभावना हो।

2020-21 के दौरान, तीन वैकल्पिक पाठ्यक्रमों का प्रस्ताव किया गया। पाठ्यक्रमों की सूची विवरण 3 के रूप में संलग्न है।

2.3.2 शैक्षणिक सम्मान

सेमेस्टर 1 और 2 के अंत में अकादमिक प्रदर्शन (सेमेस्टर जीपीए) के आधार पर अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले छात्र प्रथम रैंक धारक हैं और उन्हें 6000 / - का पुस्तक अनुदान और मेरिट प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है।

2.3.3 उत्कृष्ट व्याख्यान श्रृंखला

कक्षा में सीखने के साथ डिजिटल प्रौद्योगिकियों में काम करने के व्यावहारिक अनुभव के साथ पूरक के रूप में व्याख्यानों की एक अनूठी श्रृंखला शुरू की गई। डिजिटल गवर्नेंस और प्रबंधन के क्षेत्र में व्यापक अनुभव रखने वाली विशिष्ट हस्तियों को हमारे छात्रों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस तरह का पहला व्याख्यान 31 अक्तूबर, 2020 को श्री जे सत्यनारायण, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, एमईआइटीवाय द्वारा आयोजित किया गया था। उन्होंने "डिजिटल परिवर्तन – चुनौतियां और अवसर" विषय पर समूह को समृद्ध किया। दूसरी विख्यात वक्ता सुश्री एस राधा चौहान, आईएएस [यूपी: 88] थीं (वर्तमान में यूपी सरकार में। पहले पी एंड सीईओ, एनईजीडी में); उन्होंने 6 फरवरी, 2021 को "विघटनकारी ई–गवर्नेंस प्लेटफॉर्म" पर श्रोताओं को संबोधित किया।

2.4 प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी)

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) की डिग्री के लिए प्रमुख दो वर्षीय पूर्णकालिक आवासीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम छात्रों को तेजी से जटिल और गतिशील वैश्विक परिदृश्य में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एक वर्ष में तीन टर्म्स में फैला यह कार्यक्रम दो वर्षों के बीच ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के साथ वैचारिक और विश्लेषणात्मक तर्क की नींव रखता है और छात्रों को कारोबारी माहौल की गतिशीलता में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

2.4.1 शैक्षणिक

एमबीए के पाठ्यक्रम को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ पर बेंचमार्क किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारतीय संदर्भ पर ध्यान केंद्रित करते हुए गतिशील शैक्षणिक प्रथाओं के आधार पर श्रेणी में सर्वोत्तम व्यावसायिक शिक्षा प्रदान की जाती है। ऐसे पाठ्यक्रम का निर्माण करने पर उचित महत्व दिया जाता है, जो प्रभावशाली शैक्षणिक एवं प्रमाणित रिसर्च वाले संकाय के मार्गदर्शन में छात्रों के एक असाधारण समूह को गतिशील व्यावसायिक नेताओं के रूप में विकसित और परिवर्तित करने में सहायता करता है। विभिन्न प्रसिद्ध शिक्षाविदों, उद्योगपतियों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों के अतिथि व्याख्यान भी छात्र–अनुभव को समृद्ध करते हैं।

व्याख्यान, कक्षा में चर्चा, केस स्टडी, वैयक्तिक और समूह परियोजनाओं, टर्म पेपर, रोल प्ले, बिजनेस (सिमुलेशन) गेम्स आदि के संयोजन के माध्यम से पाठ्यक्रम की सुपुर्दगी और मूल्यांकन किया जाता है।

2020-22 के पीजीपी बैच में कुल 153 छात्रों को प्रवेश दिया गया। कक्षा की प्रोफ़ाइल का एक स्नैपशॉट यह दर्शाता है कि अनुसूचित जाति के 28 छात्र, अनुसूचित जनजाति के 11छात्र, 49 महिला छात्र, कार्य का अनुभव वाले 85 छात्र और इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि वाले 117 छात्र हैं।

वर्ष 2020-21 के दौरान, अड़तालीस वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किए गए। पाठ्यक्रमों की सूची विवरण 4 के रूप में संलग्न है।

2.4.2 निदेशक की मेरिट सूची

पहले वर्ष के अंत में शैक्षणिक प्रदर्शन (संचयी ग्रेड पॉइंट औसत) के आधार पर बैच में शीर्ष 5% छात्रों को निदेशक की मेरिट सूची में शामिल किया गया है। निदेशक मेरिट सूची के लिए पीजीपी 2019-21 के सात छात्रों का चयन किया गया। प्रत्येक पात्र छात्र को 10,000

रुपये का पुस्तक अनुदान और गुणवत्ता प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ।

2.4.3 गुणवत्ता प्रमाणपत्र

जिन छात्रों को सत्र 1, 2 और 3 के अंत में शैक्षणिक प्रदर्शन (टर्म जीपीए) के आधार पर प्रथम स्थान दिया गया है, उन्हें मेरिट प्रमाणपत्र सूची में शामिल किया गया है। पीजीपी 2019-21 के प्रत्येक सत्र के सात छात्रों को मेरिट सर्टिफिकेट के लिए चुना गया है। प्रत्येक पात्र छात्र को 6000 रुपये का पुस्तक अनुदान और गुणवत्ता प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ।

2.4.4 वित्तीय सहायता

संस्थान वित्तीय सहायता की आवश्यकता वाले छात्रों को सहायता प्रदान करता है। वित्तीय सहायता नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी छात्र वित्तीय कारणों से संस्थान में शिक्षा से वंचित न रहे। सभी छात्र जिनकी वार्षिक घरेलू आय आईएनआर 6,00,000/- से कम है, आवेदन करने के लिए पात्र हैं। वित्तीय कठिनाइयों वाले अन्य छात्रों पर भी विचार किया जाता है।

वित्तीय सहायता समिति सहायता पाने वालों की संख्या और सहायता की राशि निर्धारित करने के लिए दो चरणों वाली प्रक्रिया अपनाती है। पहले चरण में, आवेदकों का दो मानदंडों पर मूल्यांकन किया जाता है – आय (पारिवारिक आय + आईआईएमवी में शामिल होने से पहले व्यक्तिगत आय) और बकाया ऋण (बशर्ते उन्हें विशिष्ट उपभोग के लिए नहीं लिया गया हो)। इस रेटिंग के आधार पर उन्हें संकाय के पैनल के साथ व्यक्तिगत बातचीत के लिए बुलाया जाता है।

इन आपसी बातचीतों के दौरान, संकाय पैनल आवेदकों के रैंक के क्रम पर पहुंचने के लिए प्रत्येक आवेदक की तरलता, ऋण योग्यता और वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करता है। इन मापदंडों के भारित औसत अंकों के आधार पर, आवेदकों को समिति की सिफारिशों के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

वर्ष 2020-21 के दौरान, 16 छात्रों को कार्यक्रम शुल्क में छूट के रूप में 34.25 लाख रुपये की राशि वित्तीय सहायता के रूप में उपलब्ध कराई गई।

लाभार्थियों का विवरण नीचे दिया गया है:

वित्तीय सहायता 2020-21			
संवर्ग	लागू	स्वीकृत	मंजूर की गई राशि
ईडब्ल्यूएस	16	8	INR 34,25,000/-
सामान्य	2	1	
एनसी–ओबीसी	7	2	
अनु.जाति	5	1	
अनु. जनजाति	2	3	
डीएपी	1	1	
कुल	33	16	

2.4.5 उपाधियां प्रदान करना

कोविड–19 महामारी जारी रहने के कारण वर्ष 2020-21 के दौरान वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित नहीं किया गया। डिग्री प्राप्त करने के लिए पात्र सभी छात्रों को अगले वार्षिक दीक्षांत समारोह में डिग्री/प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

2.4.6 नियुक्तियाँ

ऑफिस ऑफ कैरियर डेवलपमेंट सर्विसेज (सीडीएस) ने स्टूडेंट्स प्लेसमेंट कमेटी के साथ मिलकर वर्ष के दौरान समर और फाइनल प्लेसमेंट की सुविधा प्रदान की।

2.4.7 समर प्लेसमेंट –पीजीपी 2020-22

आईआईएम विशाखापट्टणम ने एक बार फिर अपना नाम सार्थक किया है और 2020-2022 के एमबीए बैच के लिए 100% समर प्लेसमेंट पूरा कर लिया है। उद्योग जगत के अग्रणियों द्वारा छात्रों को आला भूमिकाओं की पेशकश की गई है, तथा कुछ छात्र स्टाइपेंड और प्रस्तावित भूमिकाओं के संबंध में एक रिकॉर्ड बनाने जा रहे हैं। निरंतर सफलता जीवन का एक तरीका है और हमारे छात्रों ने इसे एक बार फिर साबित कर दिया है।

रोलिंग के आधार पर आयोजित, समर प्लेसमेंट सीज़न में 50 से अधिक कंपनियों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया और अनेक प्रस्ताव दिए।

2.0 लाख रुपये के उच्चतम वजीफे के साथ, शीर्ष चतुर्थांश के लिए 1.17 लाख रुपये और शीर्ष 10 प्रतिशत के लिए 1.46 लाख रुपये के वजीफे के साथ, संस्थान ने

पिछले वर्ष के 62,264 रुपये की तुलना में औसत वजीफे में 20.4% की भारी वृद्धि देखी। इन आंकड़ों ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए और नए मानक स्थापित किए।

इस सीजन में आईटी, बीएफएसआई, एडटेक, मैन्युफैक्चरिंग, एफएमसीजी, हॉस्पिटैलिटी और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे उच्च विकास वाले क्षेत्रों की कंपनियों ने भाग लिया। कुछ प्रमुख नियोक्ता, जिन्होंने आईआईएम विशाखापट्टणम में सहभाग लिया और उन्हें नौकरियां दीं, उनमें से कुछ हैं बॉश, डालमिया भारत, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, आईओसीएल, लुब्रीज़ोल, एमटीआर, मॉडर्न फूड्स, आउटलुक, आरबीआई, टैफे, टाटा एआईजी, वी–गार्ड, यस बैंक। सभी रिक्रूटर्स ने सेल्स एंड मार्केटिंग, उत्पाद प्रबंधन, एनालिटिक्स, एचआर, वित्त और परिचालन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न प्रबंधन कार्यों में भूमिकाओं की पेशकश की।

ऐसे कठिन समय में भी संस्थान में छात्रों में निरंतर विश्वास और आत्मविश्वास दिखाया गया है, जो कठिन चुनौतियों का सामना करने और कठिन परिस्थितियों में भी अपनी योग्यता साबित करने की उनकी क्षमता का एक उदाहरण है।

2.4.8 अंतिम प्लेसमेंट – पीजीपी 2019-21

संस्थान ने अपने प्रमुख स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) के लिए 2019-21 के बैच के लिए अंतिम प्लेसमेंट सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस साल कोविड–19 महामारी और बाजार में मंदी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, नियोक्ताओं ने संस्थान में निरंतर विश्वास दिखाया, और अंतिम प्रक्रिया पूरी तरह से वर्चुअल मोड पर आयोजित की गई। 100% प्लेसमेंट की यह विरासत हमारे सम्मानित नियोक्ताओं के अटूट समर्थन और हमारे छात्रों के प्रयासों के द्वारा ही संभव हुई है।

रोलिंग आधार पर आयोजित, प्लेसमेंट सीज़न में 100 से अधिक कंपनियों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया तथा अनेक प्रस्ताव दिए।

अमेज़ोन, अमूल, डिलॉइट, फरैंकलिन टेंपलटन, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, इनमोबि, केपीएमजी, एमटीआर, एनसीआर कॉर्पोरेशन, टाटा एआईए, टीवीएस मोटर्स, येस बैंक, ज़ेटवेर्क – को कॉरपोरेट जगत में प्रमुख रिक्रूटर्स में गिना जाता है।

क्षेत्र–वार ब्रेक–अप

आईटी/आईटीईएस ने 36% के साथ नई प्रतिभाओं पर बड़ा दांव लगाना जारी रखा, इसके बाद बीएफएसआई (11%) का स्थान रहा। अन्य क्षेत्रों में विनिर्माण (9%), फिनटेक (6%), परामर्श (5%), एडटेक (4%), रसद सेवाएँ (4%), एफएमसीजी (3%), ई–कॉमर्स (2%), विलासिता (1%) और डिजिटल मीडिया (1%) शामिल हैं।

संस्थान में छात्रों में निरंतर विश्वास और आत्मविश्वास बनाए रखने के परिणामस्वरूप इस वर्ष भी अनेक शीर्ष नियोक्ताओं ने उन्हें नौकरी दी। केपीएमजी ने छात्रों को सलाहकार की भूमिका के लिए भर्ती किया, जबकि फ्रैंकलिन टेम्पलटन ने सामान्य प्रबंधन प्रोफ़ाइल के लिए उन्हें काम पर रखा। टाटा एआईए और ज़ेटवेर्क ने अपने मैनेजमेंट ट्रेनी प्रोग्राम्स के लिए प्रस्ताव दिए हैं। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल में वित्त और विपणन तथा इनमोबी में लेखा प्रबंधन में भूमिकाओं के लिए भर्ती किया गया। इस सीज़न में विभिन्न उच्च–विकास क्षेत्रों की कंपनियों की सहभागिता भी देखी गई।

Key Highlights

Highest Stipend	₹ 2.0 Lakh
Average Stipend of Top 10%	₹ 1.46 Lakh
Average Stipend of Top 25%	₹ 1.17 Lakh
Average Stipend	₹ 62,264
Total No. of Recruiters	52
No. of New Recruiters	39
Students Placed	100%

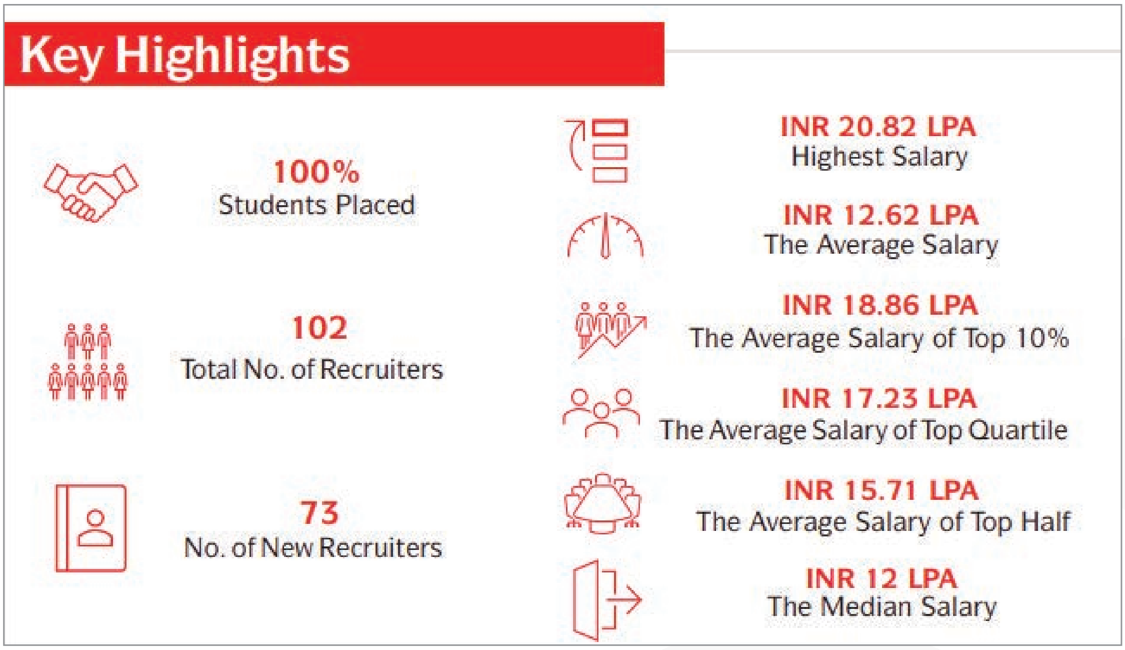

2.4.9 छात्रों की उपलब्धियां

संस्थान के छात्र बी–स्कूलों और अन्य संस्थानों/कंपनियों द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने में गर्व महसूस करते हैं और संस्थान को गौरवान्वित करते हैं। इस वर्ष भी उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर की कुछ बेहतरीन प्रतियोगिताओं को जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

उनकी उपलब्धियों की सूची विवरण 5 में संलग्न है।

2.4.10 विभिन्न छात्र क्लबों द्वारा आयोजित गतिविधियाँ

नेतृत्व पर व्याख्यान

- श्री सौरभ बजाज – मार्केटिंग हेड, डेयरी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड

  विषय: व्यावहारिक विक्रेता

  वक्ता ने ब्रांड कार्यों पर अंतर्दृष्टि प्रदान की, चाहे कोई ब्रांड किसी श्रेणी को विकसित या चोरी करना आवश्यक समझे। उन्होंने एसटीपी विश्लेषण के माध्यम से उपभोक्ताओं को समझने और उपभोक्ता अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के बारे में भी बताया। अंत में, उन्होंने ब्रांड सीढ़ी के बारे में चर्चा की– उपभोक्ता को आपके उत्पाद क्यों खरीदने चाहिए तथा ब्रांड के मार्केटिंग घटक क्या हैं।

- श्री नारायण टी वी – मार्केटिंग प्रमुख, पेपाल इंडिया

  विषय: प्रभावी विपणन संचार

  वक्ता ने मार्केटिंग कम्युनिकेशन की क्रमिक प्रक्रिया, ब्रांड बिल्डिंग, ग्राहकों को लक्षित करने में कथा कथन विधि के महत्व और महामारी के कारण बदलते समय में प्रासंगिक संदेश पर अंतर्दृष्टि प्रदान की।

- श्री आश्रय सुधीर, उत्पाद प्रबंधक गोफ्रूड गोजेक,

  द लीडरशिप टॉक्स सीरीज़ के 26वें एपिसोड के लिए।

  सम्मानित अतिथि ने "उत्पाद प्रबंधन: समस्याओं से समाधान तक" विषय पर छात्रों को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने उत्पाद प्रबंधन भूमिकाओं, उत्पाद प्रबंधकों की भूमिका के बारे में आम मिथकों के बारे में बात की और बताया कि समस्याओं से समाधान तक कैसे जाना है।

- अहमद आफताब नकवी – सीईओ और सह–संस्थापक, जीज़ूप

  विषय – हम कठोर हो रहे हैं, कठोर नवोन्मेषी हो रहे हैं।

  उन्होंने बताया कि जब हम कठिन परिस्थितियों का सामना करते हैं, तब नवप्रवर्तन होता है।

- नितिन विश्वास – सह–संस्थापक, मूनशाइन

  विषय – एक उद्यमी की यात्रा – नौकरी तलाशने

वाले से नौकरी देने वाले तक।

उन्होंने एक उद्यमी बनने की अपनी यात्रा के बारे में बात की।

- अविनाश झंगियानी – सीईओ, प्ले2ट्रांसफॉर्म

  विषय – डिजाइन विचार

  उन्होंने डिजाइन विचार और विकास के बारे में बात की।

- गेविन वान व्यक

  विषय: द अल्टिमेट मैजिक 8 बॉल – एनालिटिक्स

  उन्होंने विश्लेषिकी के क्षेत्र को विभिन्न परिप्रेक्ष्यों में समझने तथा विश्लेषिकी के क्षेत्र में कैसे आगे बढ़ना है, इस बारे में बात की।

- उमेश जोशी, एसोसिएट डायरेक्टर– परफेटी वान मेले,

  उन्होंने इन्वेंट्री को इष्टतम करने संबंधी समस्याओं और उपायों के बारे में बात की। उन्होंने उन 3 चीजों के बारे में बताया जो अप्रचलित इन्वेंट्री का सामना कर सकती हैं, अर्थात्, प्रौद्योगिकी, गुणवत्ता और वेग।

- श्रीनिवास गोंधलेकर, निदेशक, कानजेन इन्स्टीव्यूट ऑफ एशिया पेसिफिक

  उन्होंने कहा कि किसी उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता को उस उत्पाद या सेवा की उपयुक्तता के रूप में देखें, जो ग्राहक की आवश्यकतानुसार उसके इच्छित उपयोग को पूरा करती हो या उससे अधिक हो।

- श्रीमती अर्चना वेंकट, निदेशक और विपणन प्रमुख, वित्तीय सलाहकार सेवा कंपनी, डेलॉइट टौच तोहमात्सु, इंडिया

  विषय – काम पर महिलाएं: प्रभावी कैरियर प्रबंधन

  सत्र 'पेशेवर यात्रा कैसे शुरू करें और इसे सफलतापूर्वक कैसे तैयार करें' के बारे में शिक्षा से परिपूर्ण था। उन्होंने न केवल महिलाओं के लिए कार्यस्थल की गतिशीलता और कौशल अपेक्षाओं पर ध्यान केंद्रित किया, बल्कि प्रभावी कैरियर प्रबंधन के लिए सफलता के मार्ग पर कैसे चलें, इसका एक ठोस ढांचा भी दिया। उन्होंने प्रमुख महिला उद्यमियों के अपने अनुभव से छात्रों को अवगत कराया तथा उन्हें व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में संतुलन को पोषित करने के महत्व को समझने में सहायता की।

- श्री विक्टर चेंग, केस तैयार करने के विश्व विख्यात विशेषज्ञ और caseinterview.com के संस्थापक

  विषय – केस साक्षात्कार की तैयारी हेतु परामर्श

  उन्होंने न केवल इस महामारी के दौरान परामर्श की गतिकी (डायनामिक्स) पर ध्यान केंद्रित किया अपितु उस प्रभावशाली रूपरेखा के बारे में भी बताया कि केस–आधारित साक्षात्कार कैसे लिए जाएं और अटकलबाजी से कैसे बचा जाए। उन्होंने छात्रों को अपने अनुभव से बताया कि सारवृत्त (रेज्यूमे) की छंटनी कैसे की जाती है और उन्हें यह अहसास कराया कि अपने आप को प्रस्तुत करने का सबसे बढ़िया तरीका यह है कि आप अपनी सॉफ्ट स्किल्स एवं हार्ड स्किल्स में संतुलन बनाते हुए अपनी विशिष्टता को प्रदर्शित करें। असफलताओं को फीडबैक के रूप में ग्रहण करने की उनकी सीख प्रेरणादायक थी।

- श्री धीरज सूद, वीडियोजेट टैक्नोलॉजी –इंडिया एवं दक्षिण एशिया में दानाहेर कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक

  विषय – आधुनिक युग में वृद्धि की रणनीति

  एक संगठन के रूप में वीडियोजेट की कार्यप्रणाली, संपूर्ण रणनितिक प्रक्रा में आए बदलाव, आधुनिक युग में तकनीकी, डिजिटलीकरण और इन्हें अपनाने की सोच के बारे में ए बदलाव के बारे में चर्चा की गई।

- श्री पंकज राय, वेल्स फोर्गो में सीनियर वाइस प्रेसिडेंट स्ट्रेटेजी

  विषय – रणनीतिक अधिकार क्षेत्र में सही चुनाव करना!

  उन्होंने स्व–सृजित 5 सी फ्रेमवर्क के बारे में चर्चा की जिनका उपयोग व्यक्तिगत तथा पेशेवर दोनों ही परिस्थितियों में किया जा सकता है और ये 5 सी इस प्रकार हैं – क्यूरिसिटी (जिज्ञासा), कम्पैशन (करुणा), कन्विक्शन (दृढ़ विश्वास), क्रिएटिविटी (सृजनात्मकता) तथा कम्युनिकेशन (संप्रेषण) और इनका उपयोग व्यक्तिगत तथा

पेशेवर दोनों ही परिस्थितियों में किया जा सकता है। उन्होंने यह उल्लेख भी किया कि हर व्यक्ति का अपना खुद का फ्रेमवर्क होना चाहिए और निर्णय लेना व्यक्ति पर ही निर्भर है। इसके पश्चात उन्होंने इस बात पर चर्चा की कि इस महामारी के दौरम में वेल्स फोर्गो जैसी फर्में कैसे नई रणनीतियां अपना रही हैं।

- श्री मार्क कोसेन्टीनो, 'केस क्वेश्चन' के संस्थापक और 'केस इन पाइंट' के लेखक

  श्री इवान पिएकारा, 'केस इन पाइंट' के सह–लेखक तथा 'एक्यूमेन सॉल्यूशन' में सीनियर मैनेजर, 'चेंज मैनेजमेंट'

  विषय – प्रबंधक परामर्श कौशल एवं संभावना

  इस संवादात्मक सत्र में परामर्शी साक्षात्कार में सफल होने के लिए आवश्यक गुणों पर चर्चा करने के साथ–साथ इस पर भी चर्चा हुई कि शानदार एनजीओ तथा गैर–लाभप्रद कंपनियों को कैसे स्थापित किया जाए।

- अमोल नागर, परिचालन तथा आपूर्ति श्रृंखला के निदेशक

  उन्होंने इष्टतम उपयोग के लिए 'लीन एंड सिक्स सिग्मा' दृष्टिकोण पर चर्चा की जिससे यह जानने में मदद मिलती है कि किन वैध गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया जाए और चर्चा की जाए; और डिजिटलीकरण की यात्रा के बारे में भी बात हुई जो अब मैनुअल डॉटा से पूर्वानुमेय निष्पादन की और बढ़ रही है।

- श्री श्रीनिवास कन्नन, जेपी मोर्गन के हैड साउथ – कॉरपोरेट क्लाइंट बैंकिंग एंड स्पेशलाइज्ड इंडस्ट्रीज

  विषय : बैंकिंग एवं जोखिम प्रबंधन में नए प्रतिमान

  इस सत्र में प्रश्नोत्तर रखे गए जिसमें बैंकिंग के बुनियादी तथ्यों से लेकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों तथा निजी क्षेत्र के बैंकों की विभिन्नताओं के बारे में चर्चा की गई। आइबीसी के माध्यम से गैर निष्पादक आस्तियों (एनपीए) के निपटान पर ध्यान केंद्रित करते हुए कोविड–19 के मद्देनजर इसके बैंकिंग पर प्रभाव एवं निहितार्थ, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पूंजीकरण का सरकार का अभियान, तथा कतिपय बैंकों की तुलनना में अन्यों की धन एकत्र करने की क्षमता सरीखे विषयों पर इसमें चर्चा की गई।

- श्री जय कुमार शाह, टाटा कैपिटल फाइनेंसियल सर्विसेज़ के सीए, सीएफओ

  विषय : गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां : छाया बैंकिंग संकट तथा कोविड–19 के उपरांत आगे की राह

  इस वार्ता में भारतीय छाया बैंकिंग संकट की गहन विवेचना की गई, जिसमें आईएल एंड एफएस के पतन के प्रभावों एवं इसके संक्रमण जोखिम के एनबीएफसी में फैलने के बारे में चर्चा की गई। संबद्ध आवास क्षेत्र हेतु अतिरिक्त निहितार्थ चर्चा का केंद्रीय विषय था। आवास ऋण पर कोविड–19 से संबंधित स्थगन, और निकट अवधि और मध्यम समय सीमा में संग्रहण पर उनके प्रभाव की चर्चा की गई।

- श्री अंकित जिंदल, केंद्रीय माल एवं वस्तु कर (सीजीएसटी) निरीक्षक

  विषय : वित्तीय लिखतों का प्रयोग करते हुए पोर्टफोलियो प्रबंधन

  फ्यूचर्स और ऑप्शंस की बुनियादी समझ को स्पष्ट करने से लेकर अदायगी को समझने तक, व्युत्पन्न (डेरिवेटिव्स) की शब्दजाल से भरे तथ्यों के बारे में यह स्पष्ट वार्ता थी। इसमें उन्होंने अपनी निवेश यात्रा की संपूर्ण कहानी, शेयर बाजार को उन्होंने कैसे समझा, निवेश से जुड़े जोखिम, और इसकी प्रतिरक्षा के लिए उन्होंने कैसे वित्तीय डेरिवेटिव्स का उपयोग किया, इस बारे में चर्चा की।

- श्री अश्विनी बजाज, सीए, सीएस, सीएफए, एफआरएम, सीएआईए, सीआईपीएम, सीसीआरए तथा लीवरेज़्ड ग्रोथ में सीईओ

  विषय : वित्तीय क्षेत्र में कैरियर के अवसर

  उन्होंने वित्तीय जगत के कई विषयों को कवर किया, उन्होंने प्रतिभागियों से पारंपरिक लेखा प्रोफाइल से परे देखने का आग्रह किया। प्रौद्योगिकी के आने से, 'मात्रात्मक विश्लेषण' और 'वैकल्पिक निवेश' में नई भूमिकाएं परिदृश्य को बदल रही हैं। उन्होंने ग्लोबल चार्टर के लाभों के बारे में बात की और बताया कि यह एमबीए के ऊपर भी मूल्यवर्धन देता है। अंत में, उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में सफलतापूर्वक आगे बढ़ने करने के लिए नैतिकता के उच्चतम मानक को बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

कॉलोक्विम 2020 – श्रृंखला 1: पहले दिन के कार्यक्रम कंसल्टिंग क्लब के साथ ऑपरेशनल क्लब प्रक्रिया ने आयोजित किए, इसकी उप–विषयवस्तु 'रिथिंकिंग दि सप्लाई चेन स्ट्रेटेजी' थी। पैनल में थे :

- श्री प्रमोद कमार, बिजनेस हैड, सप्लाई चेन ऑपरेशन, गति–केडब्ल्यूई इंडिया।
- श्री मनोज भाटिया, वाइस प्रेसिडेंट (एशिया हैड), मोर्गन स्टेनली इंडिया।
- डॉ. अनीश अग्रवाल, डायरेक्टर – डाटा एनालिटिक्स, नेटवेस्ट ग्रुप इंडिया

'कॉलोक्विम 2020' की पहली पैनल चर्चा ने बदलती आपूर्ति श्रृंखला रणनीति के बारे में नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शुरूआत निदेशक प्रोफेसर एम. चंद्रशेखर के उद्घाटन संबोधन से हुई। आपूर्ति श्रृंखला मांग और आपूर्ति के बीच ठीक संतुलन कैसे बने, इस पर पैनलिस्टों ने सार्थक चर्चा की। उन्होंने विक्रेता संबंध प्रबंधन और वेयरहाउस निवेश करते हुए कंपनियों द्वारा अपनाई जाने वाली भविष्य की के मद्देनज़र आपूर्ति श्रृंखला रणनीति पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता के बारे में बताया।

इस कार्यक्रम में छात्रों की उत्साहजनक भागीदारी देखी गई। चर्चा के बाद छात्रों के साथ प्रश्नोत्तर हुआ। पहले दिन का रोमांचक सत्र बिजनेस क्लस्टर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुआ।

दूसरे दिन के कार्यक्रमों का आयोजन मार्केड्ज ने उप–विषयवस्तु 'डिजिटल वेव ऑफ 2020' पर किया।

दूसरे दिन की पैनल चर्चा में इस पर ध्यान केंद्रित किया गया कि किस तरह कोविड–19 परिवर्तन लाएगा, ऑनलाइन बाजार में कैसे नए ग्राहकों की वृद्धि होगी, एवं दूसरे एवं तीसरे टीयर के शहरों में पैठ के साथ कैसे न्यू इंडिया का आविर्भाव होगा।

दिन के आरंभ में समन्वयक (प्रशासन) प्रोफेसर दीपिका गुप्ता ने स्वागत संबोधन दिया। पेनलिस्टों ने कोविड के उपरांत कारोबार के लिए डिजिटल रूपांतरण के बारे में विचारोत्तेजक चर्चा करने के साथ–साथ परिवर्तन को अंगीकार करने की अपनी कहानियां भी बताईं। पैनल में थे :

- श्री हर्षवर्द्धन चौहान – वाइस प्रेसिडेंट – मार्केटिंग एंड ओमनी चैनल, स्पेंसर रिटेल एंड नेचर बास्केट
- सुश्री डोला हलदर, ब्रांड हैड, डोरटॉस, पेप्सिको इंडिया
- श्री साहिल पुरी – बिजनेस डेवेलपमेंट मैनेजर – फ्लिपकार्ट
- श्री अनुराग अय्यर – मार्केटिंग हैड – आरएसपीएल ग्रुप
- श्री सुमंत गांगुली – एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर – मुलेनलोव लिंटास ग्रुप

मुख्य वक्ता : सांसद और जी20 तथा जी7 में भारत के शेरपा श्री सुरेश प्रभु। उन्होंने 'रिशेपिंग इंडिया : रोल ऑफ बिजनेस एंटरप्राइज पोस्ट पेंडेमिक' विषय पर अपने विचार रखे।

श्री सुरेश प्रभु की सलाह थी कि अच्छे समय की याद में डूबे रहने और खराब समय का कठोरता से सामना करने के बजाय उससे सीखा जाए। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि छात्रों को महामारी से क्या सीखना चाहिए और किस तरह के अवसरों का पता लगाना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि उन्हें अच्छे नागरिक होने के साथ–साथ कोविड–19 के बाद की दुनिया में उन्हें विविध आकस्मिकताओं से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए।

कॉलोक्विम 2020 – श्रृंखला 2 : इसका आयोजन एपिक क्लब ने 'ड्यूलिटी ऑफ क्राइसिस' नामक उप–विषयवस्तु पर किया।

'कॉलोक्विम 2020' की तीसरी पैनल चर्चा 'ड्यूलिटी ऑफ क्राइसिस' नामक उप–विषयवस्तु पर थी, जिसका आयोजन 'दि एन्टरप्रियोनल पैसन एंड इनोवेशन (एपिक) क्लब' ने किया था। इसमें उन खतरों एवं अवसरों का पता लगाया गया जो इस महामारी के साथ आ रहे हैं एवं एक सफल स्टार्ट–अप के आधार के लिए दृष्टि, लक्ष्य और सुदृढ़ विचारों का सही मेल कैसे किया जाए। पैनल में थे :

- आशा संपत – संस्थापक, ब्रांड होरिजॉन
- यशवंत नाग मोचेर्ला – संस्थापक, दि थिंकशेक फैक्ट्री
- डॉ. राकेश सिन्हा – सीईओ और संस्थापक, रिफ्लेक्सिव सप्लाई चेन
- शिवकला एस – संस्थापक, थिंग्स ईटीसी, एसीटी टॉक

उन्होंने कोविड–19 के सकारात्मक पक्ष के साथ इस पर भी चर्चा की कि मूल्य निर्माण के लिए कारोबार किसी संकट को अवसर में कैसे बदल सकता है। श्रीमती शिवकला एस ने कार्यक्रम का संचालन किया।

मुख्य वक्ता : श्री अनिल कुमार चौधरी, अध्यक्ष, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि. (सेल)।

उन्होंने 'फ्यूचर ऑफ पीएसयू' विषय पर रोचक चर्चा की।

वृद्धि 2021

सभा के पहले दिन की सह–मेजबानी कन्सल्टिंग क्लब के साथ फाइनेंस एंड इकोनॉमिक्स क्लब ने की। इसमें 'थ्राइविंग इन अनसर्टेन मार्केट्स : ए फाइनेंसियल–स्ट्रेटेजी परस्पेक्टिव' विषय पर पैनल चर्चा हुई। श्री रामभूषण कनुमुरी, इन्वेस्टेक इंडिया में चीफ स्ट्रेटेजी एंड ऑपरेशन आफिसर ने महामारी के कारण आए भूवैज्ञानिक अंतरण के बारे में काफी जानकारी दी और इसके साथ ही उन्होंने प्रयोगों और नवोन्मेष में मूल्य दक्षता के बारे में कार्यपालकों के दिमाग में आ रहे बदलावों पर भी चर्चा की। पारंपरिक और स्टार्ट–अप संगठनों में डॉटा/ तकनीक के महत्व, शीर्ष कार्यपालकों द्वारा ईएसजी पर नए रूप में ध्यान केंद्रित करना, आने वाले समय में पारंपरिक एवं डिजिटल के मिश्रण के रूप में सर्वोत्तम समाधान मिलने जैसे बिंदु भी चर्चा के विषय थे। ग्राहकों तक पहुंचने के लिए प्रभावी, दक्ष एवं आसान तरीकों के बारे में उपयोगी सुझाव दिए गए।श्री वरुण धींगरा, रेनस काउंसलिंग के संस्थापक ने तकनीकी क्षेत्र की कंपनियों तथा उनके असाधारण गुणकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए इनके मूल्यांकन के बारे में चर्चा की। उन्होंने नव–सामान्य के दौरान सृजित अधिग्रहीत और लक्षित कंपनियों के बीच गतिशील परस्पर क्रिया के बारे में चर्चा की। मौजूदा गुणकों के साथ नई तकनीक वाली कंपनियों का लगभग असंभव मूल्यांकन भी समझाया गया। इस सत्र का टेकअवे था कि अनुकूलनशीलता ही कुंजी है।डॉ शाश्वत साहू, गारनर के डॉटा साइंस के डायरेक्टर ने 360-डिग्री परिदृश्य के आलोक में यह समझाया कि किस तरह ग्राहक स्वयं से संबंधित अनिश्चितताओं का पता लगाते हैं और त्वरित अंतरण के माध्यम से सक्षम बनाए गए विविध–चैनल अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करते हुए पुन: प्राप्ति एवं नवीनीकरण के लिए विभिन्न कार्य योजनाओं का संचालन करते हैं। कई ग्राहकों के साथ काम करने के उनके अनुभव ने नया दृष्टिकोण प्रदान किया कि कैसे ये ग्राहक अनिश्चितताओं का जवाब देने के तरीके का पता लगा रहे थे और प्रतिक्रिया देने, पुन: प्राप्ति करने, नवीनीकरण करने के माध्यम से आगे की योजना बना रहे थे। मल्टीचैनल अनुभव की ओर भढ़ते ध्यान पर भी चर्चा की गई।

सभा के दूसरे दिन की सह–मेजबानी प्रक्रिया–ऑपरेशन क्लब के साथ मार्केड्ज–मार्केटिंग क्लब ने की। इसमें 'रिइग्नाइटिंग बिजनेस : इनोवेटिव, इनक्लूजिव एंड इनविन्सीबिल' विषय पर पैनल चर्चा हुई।

1. श्री आशीष कुमार, नियरस्टोर के सह–संस्थापक एवं सीईओ।

   उन्होंने प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के इरादे में वृद्धि के वर्तमान रुझानों, स्टोर की मैपिंग और ऑर्डर आवंटन के लिए उपयोग की जाने वाली कार्यप्रणाली के साथ महत्वपूर्ण मेट्रिक्स डिलीवरी का समय, दूरी और भरण–दर के बारे में चर्चा की। उन्होंने आपूर्ति–श्रृंखला से जुड़े जोखिमों, जैसे कि दीर्घकालिक स्थिति, वित्तीय सहायता और लागत की स्थिरता, के बारे में चर्चा की।

2. श्री कार्तिक गुरुमूर्ति, स्विगी में ग्रोसरी (इंस्टामार्ट) के वाइस प्रेसिडेंट।

   उन्होंने हाइपरलोकल प्रारूप बनाने; हाइपरलोकल में लागत संरचना की कठिनाइयां; टियर 2 और टियर 3 शहरों में ई–कॉमर्स का विकास और गिग वर्कर्स के लिए न्यूनतम आय सुनिश्चित करने के बारे में चर्चा की। उन्होंने उपभोक्ताओं अपने यहां बनाए रखने और बार–बार आपके यहां आने और ग्राहक अनुभव के संकेतक के रूप में भरण दर और अंत में खरीद के निर्णय को खरीद के बिंदु पर स्थानांतरित करने के बारे में चर्चा की।

3. श्री सरबजीत मथारू, ब्रिजस्टोन, इंडिया में रिटेल इन्नोवेशन और ओमनी चैनल के मैनेजर।

   उन्होंने इस बारे में अपने अनुभव साझा किए कि ग्रामीण भारत में हाइपरलोकल मॉडल का विस्तार करने के लिए एंड–कंज्यूमर डिलीवरी कैसे संचालित होती है और एक समाधान के रूप में ओमनी चैनल कैसे काम करता है। उन्होंने ग्राहकों के लिए सेवा बुनियादी ढांचे के महत्व के बारे में बात की और अंत में विमुद्रीकरण के बाद उपभोक्ताओं के व्यवहार में बदलाव के बारे में बताया, अर्थात् नकदी पर निर्भरता कैसे कम हुई और कैशलेस अर्थव्यवस्था की दिशा में कैसे बढ़ा गया।

4. लोकेश नट्टू, डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशन, 21 नॉर्थ यूरोप ने बताया कि किस तरह ऑनलाइन शॉपिंग किस तरह अधिक प्रचलित हो रही है, उपभोक्ता कुछ मुख्य चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जैसे कि ऑर्डर पूरा होने में 3-4 दिन का समय लग रहा है और ऑनलाइन माध्यम से विश्वास की कमी दिखती है। यही वह जगह है जहां ई–कॉमर्स की मदद के लिए हाइपरलोकल मार्केटप्लेस सामने आते हैं। ऑनलाइन शॉपिंग की सुविधा को पड़ोस के आम स्टोर की सुलभ पहुंच और भरोसे के कारक से जोड़कर, ये मार्केटप्लेस देश के समझदार उपभोक्ता

आधार की ऑनलाइन शॉपिंग से जुड़ी चिंताओं का जवाब बन गए हैं।

मुख्य सत्र

वृद्धि – वार्षिक कारोबार सभा के इस दूसरे संस्करण में कारोबारी जगत के कुछ बड़े नामों ने शिरकत की।

वृद्धि 2.0 के पहले दिन के मुख्य सत्र में कोटक महिंद्रा असेट मैनेजमेंट कंपनी के प्रेसिडेंट सीआईओ – डेट एंड हैड–प्रोडक्ट्स लक्ष्मी अय्यर ने 'चेंजिंग टाइड्स ऑफ फाइनेंशियल वर्ल्ड – ए रिवार्डिंग कैरियर फॉर वुमैन टु ग्रो' विषय पर संबोधन दिया। उन्होंने पिछले कुछ महीनों में वित्तीय कारोबारी परिदृश्य में ए 360-डिग्री परिवर्तन पर बात करते हुए कहा कि केवल तकनीकी सक्षम संगठन ही इन परिवर्तनों से पार पा सकते हैं। सुश्री अय्यर ने मध्यम स्तर और उससे आगे काम करने वाली महिलाओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की प्रतिबद्धता का आह्वान किया।

वृद्धि 2.0 के दूसरे दिन के मुख्य सत्र में 'दि न्यू एज मार्केटिंग' विषय पर शम्स जसानी (ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर, साउथ एशिया, इसोबार) तथा मालविका आर हरिता (संस्थापक और सीईओ, ब्राइड सर्किल एंड मेंबर, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स) ने संबोधन दिया। वक्ताओं ने सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ परिस्थितियों से निपटने, लचीलेपन और लचीलेपन के महत्व और डिजिटल परिवर्तन ने ब्रांड मार्केटिंग और व्यवसाय को कैसे प्रभावित किया है और युवा ब्रांड मार्केटर्स के लिए भविष्य क्या है, इस पर अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए।

हृदय 5.0

संस्थान का मानव संसाधन का प्रमुख कार्यक्रम हृदय 5.0 है। सभा का विषय 'चेंज मैनेजमेंट' था। मुख्य वक्ता कैप्टन प्रणव प्रसून, हैड ऑफ एचआर, रेनॉल्ट इंडिया प्रा. लि. ने 'एचआर एस क्रूसेडर' विषय की शुरूआत की एवं इस पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की, इसके बाद 'टुवड्र्स ए न्यू एचआर फिलॉसफी – डू दि चेंजिंग टाइम्स मेंडेट चेंजिंग रोल फॉर द एचआर?' विषय पर पैनल परिचर्चा हुई। पैनल में शामिल थे :

- आदित्य अडयार [हैड ऑफ एचआर – पीरामल रियल्टी]
- कैप्टन प्रणव प्रसून [हैड ऑफ एचआर, रेनॉल्ट इंडिया प्रा. लि.]
- डॉ. अंकिता सिंह [सीनियर वीपी एंड ग्लोबल हैड ऑफ एचआर – सिजनेक्स डॉटामेटिक्स]
- ज्योति सिंह [एचआर हैड – डॉटाफाउंड्री एआई]
- सुदीप्तो मंडल [वीपी एंड सीएचआरओ – स्टार सीमेंट लि.]
- विप्र बब्बर [हैड एचआर इंडिया – मीरो]
- यशवंत चौहान [सीनियर मैनेजर एचआर – गेल]

पैनल का संचालन भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), विशाखापत्तनम की प्रो. अनुपमा शर्मा ने किया। चर्चा में प्रकाश डाला गया कि कैसे मानव संसाधन की भूमिका इन वर्षों में विकसित हुई है, यह न केवल एक प्रवर्तक की बल्कि एक उद्धारक की भी निभा रही है। नियोक्ता और कर्मचारी के बीच एक स्वस्थ संबंध होना आवश्यक है, सहानुभूति और विश्वास इसके दो केंद्रीय स्तंभ हैं। मानवीय होना एक और महत्वपूर्ण बिंदु है। परिवर्तन प्रबंधन के लिए नियोजित की जाने वाली प्रक्रिया और तकनीकों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया था। अच्छी कार्य संस्कृति के साथ अच्छा कार्यस्थल बनाने के लिए मूल्यों और अखंडता पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। अंग्रेजी के शब्द केयर के शब्दों के आधार पर इसका सृजन इस प्रकार किया जा सकता है अर्थात संप्रेषण (कम्युनिकेशन), अनुकूलनीयता (एडाप्टिवनेस), प्रतिक्रियात्मकता (रेसपांसिवनेस), एवं संवेदना (एम्पेथी)। एक और महत्वपूर्ण पहलू यह था कि वर्तमान और भविष्य के मानव संसाधन के अग्रणी व्यक्तियो को अपने कर्मचारियों के दिल (हृदय) और दिमाग का ख्याल रखना होगा। व्यापार, बाजार, लोगों और सक्षम कार्यों का 'मंथन' होने से परिवर्तन होगा।

दूसरे दिन का मुख्य वक्तव्य श्री सौरभ बजाज, स्किल ट्रांसफॉर्मेशन कंसलटेंट एपीएसी–कोरसेरा ने 'फ्यूचर ऑफ जॉब्स – एम्ब्रास दि चेंज' विषय पर दिया।

'चेंजिंग नेचर ऑफ दि वर्कफोर्स ऑफ दि फ्यूचर' विषय पर पैनल परिचर्चा हुई। पैनल में शामिल थे :

- सौरभ बजाज [स्किल ट्रांसफॉर्मेशन कंसलटेंट एपीएसी–कोरसेरा]
- अतुल्य गोस्वामी [एचआर हैड इंडिया रीजन – यूपीएल लि.]
- संजय चंदेल [सीनियर वीपी एंड हैड ऑफ एचआर–स्टर्लिंग]
- स्नेहा जैन पॉल [एसोसिएटिड वीपी एचआर–मान्यवर]
- सुशील त्रिपाठी [एचआर हैड गार्मेंट डिवीजन–सियाराम सिल्क मिल्स लि.]

पैनल का संचालन भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), विशाखापत्तनम की प्रो. विशाखा मजूमदार ने किया। इसमें सीखने की कला पर जोर दिया गया। अगला कदम विकसित मानसिकता, प्रभावी श्रवण कौशल और सीखे हुए को लागू करना होगा। योग्यता विकसित करना एक अन्य महत्वपूर्ण कारक है। बदलाव को अपनाने के लिए खुद को मैनेज करने और खुद को अपग्रेड करने की क्षमता होना भी उतना ही जरूरी है। परिवर्तन की प्रेरणा हमेशा अंदर से आती है। वर्तमान कार्यबल को बदलने में प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग पर चर्चा हुई। पैनल ने सचल कार्यबल की आवश्यकता और डिजिटल डार्विनवाद की अवधारणा को भी छुआ।

3. कार्यपालक शिक्षा

यह संस्थान विभिन्न प्रकार के कस्टमाइज्ड और मुक्त कार्यपालक शिक्षा कार्यक्रमों को पेश करता है।

भारतीय प्रबंध संस्थान अधिनियम, 2017 के उद्देश्यों के अनुसार अन्य बातों के साथ–साथ इस संस्थान का उद्देश्य ऐसे अग्रगण्यों को, जो वृत्तिक प्रबंधकों, उद्यमियों के रूप में योगदान दे सकते हैं, और प्राइवेट, सावर्जनिक और सामाजिक क्षेत्र में विद्यमान तथा नए प्रकट होने वाले उद्यमों के प्रबंधकर्ताओं को शिक्षित करना और उन्हें समर्थन देना; नई जानकारी और नई प्रक्रिया पद्धति की अभिवृद्धि के लिए तथा प्रबंध सिद्धांत और पद्धति में वैश्विक अग्रणीत्व का का उपबंध करने के लिए अनुसंधान, प्रकाशन, परामर्शकारी और सलाहकारी कार्य करना; उच्च क्वालिटी के प्रबंध शिक्षण का उपबंध करना तथा ज्ञान के संबंधित क्षेत्रों तथा साथ ही अंतर–विषयक अध्ययनों को प्रोन्नत करना; सामाजिक और लिंग संबंधी समानता का संवर्धन करने वाले कार्यक्रम का समर्थन करना तथा और उसका विकास करना; ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रमों और संकायों का विकास करना जो विद्या की सभी शाखाओं में शिक्षा, अध्ययन और विद्यार्जन के प्रयोजनों को अग्रसर करना है।

2020-21 की अवधि के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की सूची विवरण 6 के रूप में संलग्न है।

4. संकाय (फैकल्टी)

अपनी भर्ती गतिविधियों के माध्यम से संस्थान ने उच्च स्तर के और प्रभावशाली शिक्षण और अनुसंधान साख वाले संकाय सदस्यों अपने यहां जोड़कर अपनी साख में वृद्धि की है। भर्ती संबंधी विभिन्न समितियों के सदस्यों के सहयोग, दिशानिर्देश तथा सहयोगपूर्ण मार्गदर्शन से संस्थान ने संकाय भर्ती का पांचवा चरण एवं समाज के कमजोर वर्गों से संकाय उम्मीदवारों को भर्ती करने के लिए चलाए गए विशेष भर्ती अभियान को पूरा किया है। वर्ष 2020-21 में कुल ग्यारह नए संकाय संस्थान में शामिल हुए, जबकि दो संकाय सदस्यों ने संस्थान छोड़ दिया। इसके साथ ही, संस्थान के पास वित्त वर्ष 2020-21 के अंत तक निदेशक सहित 30 सदस्यों की संचयी संकाय संख्या है। संस्थान की निरंतर आधार पर सक्षम शिक्षकों को नियुक्त करने और बनाए रखने की महत्वाकांक्षी योजना है।

4.1 नियुक्तियां

- डॉ. सरोज कुमार पाणि को उद्यमिता क्षेत्र में 06 अप्रैल 2020 को एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ. विशाल सिंह पटियाल को उत्पादन एवं संचालन प्रबंधन क्षेत्र में 31 अगस्त 2020 को सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ. पी राजा शेखर सरमा को 07 अक्टूबर 2020 को उत्पादन और संचालन प्रबंधन क्षेत्र में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ. श्रीनिवास जोस्युला को सूचना प्रणाली क्षेत्र में 17 दिसंबर 2020 को अभ्यास के एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ सुनीता तुमकुर को प्रबंधन संचार क्षेत्र में 08 जनवरी 2021 को सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ. आलोक कुमार को उत्पादन एवं संचालन प्रबंधन क्षेत्र में 18 जनवरी 2021 को सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ. विनय यादव को 25 जनवरी 2021 को निर्णय विज्ञान क्षेत्र में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ. बालाजी सुब्रमण्यम को 01 फरवरी 2021 को संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन क्षेत्र में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ. रोहित टिटियाल को उत्पादन एवं संचालन प्रबंधन क्षेत्र में 22 फरवरी 2021 को सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ. सुशील कुमार को 25 फरवरी 2021 को उद्यमिता क्षेत्र में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।
- डॉ अंकित कुमार को अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान क्षेत्र में 31 मार्च 2021 को सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था।

4.2 त्यागपत्र

- डॉ. अनिर्बान घटक, सहायक प्रोफेसर, निर्णय विज्ञान क्षेत्र को 15 जून 2020 को अपराह्न से संस्थान की सेवाओं से मुक्त कर दिया गया।
- डॉ. जयशंकर रामनाथन, सहायक प्रोफेसर, विपणन क्षेत्र को 04 फरवरी 2021 को अपराह्न से संस्थान की सेवाओं से मुक्त कर दिया गया।

उपरोक्त के अलावा, भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) बैंगलोर और अन्य प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूलों के उद्योग विशेषज्ञों और विजिटिंग फैकल्टी ने विभिन्न कार्यक्रमों में पाठ्यक्रम पढ़ाया। संकाय सदस्यों की सूची विवरण 7 के रूप में संलग्न है।

4.3 अतिथि व्याख्यान

संस्थान अपने उच्च गुणवत्ता वाले अतिथि व्याख्यानों पर गर्व करता है, ये व्याख्यान उद्योग, शिक्षा और सरकार के प्राप्त प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा दिए गए हैं। अतिथि व्याख्यान कॉर्पोरेट जगत की गतिशीलता को समझने में छात्रों की सीखने की प्रक्रिया के पूरक हैं।

वर्ष के दौरान आयोजित अतिथि व्याख्यानों की सूची विवरण 8 के रूप में संलग्न है।

4.4 एआईबी इंडिया चैप्टर कॉन्फ्रेंस 2020

दि एकेडमी ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस (एआईबी) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय नीति के क्षेत्र में विद्वानों और विशेषज्ञों का एक प्रमुख संघ है। इसका वर्तमान मुख्यालय अमेरिका की मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के परिसर में है। यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार अनुसंधान, शिक्षा, नीति और अभ्यास के क्षेत्र में ज्ञान के सृजन, आगे बढ़ाने और प्रसार करने पर केंद्रित विद्वानों के वैश्विक समुदाय को पोषण और सशक्त बनाने के लिए समर्पित एक संगठन है; एआईबी एकल शैक्षणिक विषयों और प्रबंधकीय कार्यों की सीमाओं का अतिक्रमण करता है। 1959 में स्थापित, एआईबी के आज दुनिया भर के 93 विभिन्न देशों में 3548 सदस्य हैं। एआईबी में दुनिया भर में 17 चैप्टरों के साथ–साथ 2 साझा रुचि समूह भी हैं : एआईबी में महिलाएं(डब्ल्यूएआईबी); और अनुसंधान के तरीके।

(http://www.aib-india.org/) इंटरनेशनल बिजनेस एडवोकेसी और फोस्टरिंग रिसर्च के क्षेत्र में सक्रिय है। आईआईएम बैंगलोर के प्रोफेसर एस रघुनाथ (रणनीति क्षेत्र) एआईबी इंडिया एक्जीक्यूटिव बोर्ड के अध्यक्ष हैं। एआईबी इंडिया चैप्टर हर साल आईआईएम, डीम्ड यूनिवर्सिटी आदि के समन्वय में वार्षिक कॉन्फ्रेंस आयोजित करता है।

आईआईएम विशाखापत्तनम ने एआईबी इंडिया चैप्टर से उसके 3-दिवसीय वार्षिक कॉन्फ्रेंस के लिए भागीदारी की, यह कॉन्फ्रेंस मूल रूप से अप्रैल 2020 के महीने में होना तय था। हालांकि, कोविड–19 महामारी के कारण इस कॉन्फ्रेंस को 20 से 22 दिसंबर 2020 तक वर्चुअल रूप में आयोजित किया गया था। इस तरह के प्रतिष्ठित कॉन्फ्रेंस को बिना किसी बाधा के और कुशलता से, विशेष रूप से वर्चुअल मोड में, पहली बार आयोजित करना संस्थान के लिए गर्व की बात है और यह सीखने का बेहतर अनुभव था।

इस कॉन्फ्रेंस की विषय–वस्तु 'दि इम्पैक्ट ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस ऑन इकोनॉमिक ग्रोथ एंड रिवाइवल' थी। कॉन्फ्रेंस में विभिन्न ट्रैक, इंटरैक्टिव और प्लेनेरी सत्रों के तहत प्रतिस्पर्धी पर्चे आमंत्रित किए। 3 दिनों की इस कॉन्फ्रेंस में केस राइटिंग और पेपर डेवलपमेंट वर्कशॉप भी शामिल थीं। कॉन्फ्रेंस में पंजीकृत डॉक्टरेट छात्रों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार क्षेत्र में विद्वानों के काम को बढ़ावा देने के लिए मुफ्त एआईबी वार्षिक सदस्यता दी गई थी। कॉन्फ्रेंस 2020 के अध्यक्ष प्रोफेसर जी शैनेश, (विपणन क्षेत्र), आईआईएम बैंगलोर थे, सह–अध्यक्ष के रूप में प्रोफेसर दीपिका गुप्ता (रणनीति क्षेत्र), आईआईएम विशाखापत्तनम थीं।

कुल लगभग 103 पर्चे प्राप्त हुए, जिनमें से उचित स्क्रीनिंग के बाद, लगभग 40 पर्चों की गुप्त समीक्षा की गई और विभिन्न ट्रैक और इंटरैक्टिव सत्रों के लिए उनका चयन किया गया। सम्मेलन में कुल लगभग 50 पंजीकृत प्रतिभागी थे।

कॉन्फ्रेंस में अकादमिक जगत, शोध विद्वानों और दुनिया भर के छात्रों ने सफल और सक्रिय भागीदारी की। यद्यपि कॉन्फ्रेंस वर्चुअल मोड में आयोजित की गई थी पर यह अत्यधिक प्रभावी थी; और सामान्यत: सभी प्रतिभागियों, संकाय और शिक्षाविदों ने इसकी सराहना की और इसे उपयोगी पाया।

5. अनुसंधान और प्रकाशन

संस्थान के संकाय सदस्यों ने हमेशा अपने शोध कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अपने विस्तार और दायरे के बढ़ने के साथ संस्थान ने अपने शोध कार्यों में भी ऊंचाई हासिल की है। संस्थान के संकाय सदस्यों ने समय-समय पर अपने उत्कृष्ट शोध के माध्यम से विद्वत प्रकाशनों समूह से खुद को जोड़ा है। उनका शोध परिणाम इस प्रकार है :

जर्नल आलेख

1. अशदुज़्ज़मां, एम., जेबराजकीर्ति, सी., दास, एम., और शंकर, ए (2021). एक्लटरेशन एंड परेल स्टोर लॉयल्टी अमंग इमिग्रेंट्स इन वेस्टर्न कंट्रीज। जर्नल ऑफ मार्केटिंग मैनेजमेंट, 37(5-6), 488-519.

2. बैरन, एम., ये, एस., और चट्टोपाध्याय, बी. (2021)। लिमिटेड फ्लकचुएशन क्रेडिबिलिटी विद अनसर्टेन प्रायर्स। वेरिएंस जर्नल, 25970।

3. बिलसन डार्कु, एफ., कोनिएत्स्के, एफ., और चट्टोपाध्याय, बी. (2020)। गिनी इंडेक्स एस्टिमेशन विदिन प्रि-स्पेसीफाइड एरर बाउंड : एप्लीकेशन टु इंडियन हाउसहोल्ड सर्वे डॉटा। इकोनॉमैट्रिक्स, 8(2), 26।

4. चक्रवर्ती, पी., जावेद, एम.एस., और सरखेल, एम. (2021)। कोविड-19 पेंडेमिक एंड ग्लोबल फाइनेंशियल मार्केट इंटरलिंकेज : ए डॉयनामिक टेम्परल नेटवर्क एनालिसिस। एप्लाइड इकोनॉमिक्स, 53(25), 2930-2945।

5. चट्टोपाध्याय, बी. (2020)। एक्यूरेसी इन इंश्योरेंस बिलिंग इरर एस्टीमेशन यूजिंग ऑक्जिलरी इन्फर्मेशन। साउथ अफ्रीकन स्टेटिस्टीकल जर्नल, 54(2), 153-162।

6. चट्टोपाध्याय, बी., और बनर्जी, एस. (2021)। एस्टीमेशन ऑफ लोकेशन पैरामीटर विदिन प्रि-स्पेसीफाइड इरर बाउंड विद सेकंड-आर्डर एफफीशिएंट टू-स्टेज प्रोसीजर। साउथ अफ्रीकन स्टेटिस्टीकल जर्नल, 55(1), 45-54।

7. इस्लाम, एच., जेबराजकीर्ति, सी., और शंकर, ए. (2021)। एन एक्सपेरीमेंटल बेस्ड इनवेस्टीगेशन इनटु दि इफैक्ट्स ऑफ वेबसाइट इंटरएक्टिविटी ऑन कंस्टमर विहेवीयर इन ऑन-लाइन पर्चेज कांटेक्स्ट। जर्नल ऑफ स्ट्रेटिजिक मार्केटिंग, 29(2), 117-140।

8. जलाली, एच., अंसारीपुर, ए., रमानी, वी., और डी जियोवानी, पी. (108)। क्लोज्ड-लूप सप्लाई चेन मॉडल्स विद कंपटीशन आप्शन। इंटरनेशन जर्नल ऑफ प्रोडक्शन रिसर्च, 1-29।

9. जावेद, एम.एस. टपर, ए.वी., और धैगुडे, ए.एस. (2020)। क्रास-लिस्टेड फ्यूचर्स इंडेक्स एंड प्राइस डिस्कवरी। दि एम्पिरिकल इकोनॉमिक्स लैटर्स, 19(6)।

10. जावेद, एम.एस. टपर, ए.वी., और धैगुडे, ए.एस. (2020)। पब्लिक सेंटीमेंट्स एंड परफॉर्मेंस ऑफ इंडस्ट्रियल इंडाइसिस : एवीडेंस फ्रॉम ट्विटर हैप्पीनेस इंडेक्स। इंडियन जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल रिलेशंस, 56(1)।

11. जावेद, एम.एस. टपर, ए.वी., और धैगुडे, ए.एस. (2021)। क्राइसिस, फर्म करेक्टरस्टिक्स एंड स्टॉक परफॉर्मेंस : एविडेंस फ्रॉम हॉस्पिटलिटी एंड टूरिज्म सेक्टर। टुरिज्म रिक्रिएशन रिसर्च, 1-18।

12. जेबराजकिर्ति, सी., और शंकर, ए. (2021)। इम्पैक्ट ऑफ ऑनलाइन कन्वीनिएंस ऑन मोबाइल बैंकिंग एडॉप्शन इन्टेंशन : ए मॉडरेटिड मेडीटेशन अप्रोच। जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज, 58, 102323।

13. कृष्णन, के., मुखर्जी, ए., और बसु, एस. (2020)। बढ़ी हुई पारदर्शिता के लिए बाजार की प्रतिक्रियाएँ: एक भारतीय कथा। अर्थशास्त्र और वित्त की अंतर्राष्ट्रीय समीक्षा, 69, 663-677।

14. कुमार, ए. (2021)। पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार माल परिवहन अभ्यासों के विश्लेषण के लिए संक्रमण प्रबंधन सिद्धांत-आधारित नीति ढांचा। जर्नल ऑफ़ क्लीनर प्रोडक्शन, 294, 126209।

15. मजूमदार, बी., बसु, एस., जैन, एस. (2021) डिजिटल सशक्तिकरण और भारतीय हथकरघा केस-आधारित नीति सिफारिशें, आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 56(8), पीपी 52-59।

16. मोंडल, ए, और चक्रवर्ती, ए, बी (2021)

प्रतिकूलता के दौरान उद्यमी अभिविन्यास: स्वामित्व श्रेणियों में अंतर। अंतराष्ट्रीय जर्नल ऑफ़ उद्यमी व्यवहार और अनुसंधान।

17. मोंडल, ए, और चक्रवर्ती, ए, बी (2021) भारत से उभरते बहुराष्ट्रीय कंपनियों की सूचना और संचार प्रौद्योगिकी दत्तक ग्रहण रणनीतियां। जर्नल ऑफ ग्लोबल इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट (JGIM), 29 (5), 161-175।

18. पांडे, एन, और पाल, ए (2020) कोविड –19 महामारी के दौरान डिजिटल उछाल पर प्रभाव: अनुसंधान और अभ्यास पर एक दृष्टिकोण। सूचना प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 55, 102171।

19. पाणी, एस के, और पाटक, ए ए (2021) उभरती अर्थव्यवस्थाओं में प्लास्टिक पैकेजिंग कचरे का प्रबंधन: भारत में ईपीआर का मामला। पर्यावरण प्रबंधन जर्नल, 288, 112405।

20. राय, ए, पटियाल, वी.एस, और महेश्वरी, एस द मेडीटिंग रोल ऑफ सेल्फ - ऑफिस ऑफ जॉब चैलेंजेस एंड वर्क एंगेजमेंट: एविडेंस फ्रॉम इंडियन पावर सेक्टर एम्प्लॉइजा जर्नल ऑफ पब्लिक अफेयर्स, e2494।

21. शंकर, ए. (2021)। सुविधा उपभोक्ताओं के वेबरूमिंग इरादे को कैसे आगे बढ़ाती है? बैंक मार्केटिंग का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।

22. शंकर, ए, और जैन, एस (2021)। लक्जरी उपभोक्ताओं के वेबरूमिंग इरादे को प्रभावित करने वाले कारक: एक मॉडरेट–मध्यस्थता दृष्टिकोण। रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज जर्नल, 58, 102306।

23. शंकर, ए, और ऋषि, बी। (2020)।. मोबाइल बैंकिंग गोद लेने के इरादे में सुविधा का मामला? ऑस्ट्रेलियन मार्केटिंग जर्नल (एएमजे), 28 (4), 273-285।

24. शंकर, ए., दत्ता, बी., जेबराजकीर्ति, सी., और मुखर्जी, एस. (2020)। मोबाइल बैंकिंग सेवा की गुणवत्ता की खोज: एक गुणात्मक दृष्टिकोण। सेवा विपणन तिमाही, 41(2), 182-204।

25. शंकर, ए., तिवारी, ए.के., और गुप्ता, एम. (2021)। सस्टेनेबल मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन: महत्वपूर्ण सफलता कारकों का पता लगाने के लिए एक टेक्स्ट माइनिंग दृष्टिकोण। एंटरप्राइज़ सूचना प्रबंधन जर्नल।

26. उनियाल, एस., मंगला, एस.के., सरमा, पी.आर., त्सेंग, एम.एल., और पाटिल, पी. (2021)। आपूर्ति श्रृंखलाओं में सतत खपत और उत्पादन का आकलन करने के लिए "ज्ञान प्रबंधन" के रूप में आईसीटी। वैश्विक सूचना प्रबंधन जर्नल (JGIM), 29(1), 164-198।

27. विजयशेखर, एस.एस., भट्ट, जे.एस., और चट्टोपाध्याय, बी. (2020)। हाइपरस्पेक्ट्रल डेटा की आभासी आयाम: टाइप– I त्रुटि को नियंत्रित करने के लिए एकाधिक परिकल्पना परीक्षण का उपयोग। एप्लाइड अर्थ ऑब्जर्वेशन और रिमोट सेंसिंग में चयनित विषयों का आईईईई जर्नल, 13, 2974-2985।

केस अध्ययन

1. अनुराधा, एम.वी., राजन, सी.आर., और गांदूरी, यू.आर. (2020)। अशोक लीलैंड (पार्ट्स ए और बी) में गुणवत्ता मानसिकता को बदलना। केस जर्नल।

2. बैद, पी., और चक्रवर्ती, ए बी (2020)। महिंद्रा एंड महिंद्रा: सर्वाइविंग द ऑयल क्राइसिस, द केस सेंटर, यूके

3. रेवती के., चक्रवर्ती, ए बी (2020)। वेदांत: द सीएसआर चैलेंज, द केस सेंटर, यूके

पुस्तक

1. देब, एस., सनी, ए.एम., और मजूमदार, बी. भारत में वंचित बच्चे: : अनुभवजन्य साक्ष्य, नीतियां और कार्य। स्प्रिंगर प्रकृति।

पुस्तक का अध्याय

1. मजूमदार, बी. (2020)। कल्याणकारी राज्य में खाद्य न्याय: भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की गतिशीलता। इन अपहोल्डिंग जस्टिस (पीपी। 54-76)। रूटलेज इंडिया।

6. उद्यमिता

आईआईएमवी (IIMV) - नवाचार के लिए नींव, उद्यमशीलता को सीखना और उसमें विकास आईआईएमवी– फील्ड (IIMV-FIELD)

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) विशाखपट्टणम द्वारा नवोदित उद्यमियों का समर्थन करने के लिए अपने कदम आगे बढ़ाएं हैं, जिनके उद्यम या तो विचार में हैं या प्रोटोटाइप चरण में हैं। न केवल उद्यम के पक्ष में बल्कि क्षेत्र के लोगों के बीच उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए, संस्थान द्वारा आईआईएमवी (IIMV) - नवाचार के लिए नींव, उद्यमशीलता को सीखना और उसमें विकास आईआईएमवी– फील्ड (IIMV-FIELD) नाम से खंड 8 में कंपनी को स्थापित किया गया है। 17 जुलाई 2020 को श्री प्रसाद डहाप्यूट की अध्यक्षता में इसकी नींव रखी गई थी, बोर्ड में सदस्य कंपनी के निदेशक मंडल में प्रोफेसर एम चंद्रशेखर को एमडी और सीईओ के रूप में, प्रोफेसर मोहम्मद शमीम जावेद को निदेशक और सीओओ और प्रोफेसर दीपिका गुप्ता को निदेशक (सीएफओ और कंपनी सचिव) के रूप में शामिल किया गया है। यह माना जाता है कि आईआईएमवी (IIMV) - एफ़आईईएलडी सफल उद्यमियों के विकास के लिए एक मंच प्रदान करेगा और जो समाज में योगदान देगा और उन उद्यमों की स्थापना के लिए सुविधा प्रदान करेगा।

महिला स्टार्ट–अप कार्यक्रम (समूह – 2)

ऊष्मायन केंद्र के लिए मुख्य केंद्रित क्षेत्रों में से एक महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्ट–अप को बढ़ावा देना है। इसे ध्यान में रखते हुए, संस्थान द्वारा आईआईएम बैंगलोर में एन एस राघवन सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरियल लर्निंग (एनएसआरसीईएल) के साथ भागीदारी की, जिसमे महिला स्टार्ट–अप कार्यक्रम (डब्ल्यूएसपी) का संचालन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय प्रबंधन संस्थान बैंगलोर (IIMB) द्वारा वित्त पोषित किया गया, जो कि कोटक महिंद्रा, और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST), भारत सरकार द्वारा समर्थित किया जा रहा है। संस्थान द्वारा महिला उद्यमियों को ऊष्मायन सुविधा प्रदान की जा रही है। ऊष्मायन चरण के दौरान, प्रतिभोगियों ने पखवाड़े में अपनी प्रगति रिपोर्ट देनी होती है। संस्थान महिला उद्यमियों को ऊष्मायन सुविधा प्रदान कर रहा है। ये बैठकें व्यक्तिगत रूप से और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होती हैं।

10 मार्च 2021 को आईआईएमवी (IIMV) और आईआईएमवी– फील्ड (IIMV-FIELD) द्वारा एक लॉन्च इवेंट के साथ महिला स्टार्ट–अप कार्यक्रम 2020-21 के सहकर्मियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर डॉ अनीता गुप्ता (वैज्ञानिक–जी/सलाहकार और प्रमुख–एनएसटीईबीडी, डीएसटी) मुख्य अतिथि थीं और उन्होंने देश में स्टार्ट–अप पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करने वाली केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की ओर ध्यान आकर्षित करके महिला उद्यमियों को समर्थन दिया था।

ऊष्मायन के दौरान प्रदान किए गए प्रमुख संसाधनों में शामिल हैं:

1. संरचित सलाह
2. आईआईएमवी– फील्ड (IIMV FIELD) द्वारा आयोजित किए जा रहे उद्यमिता संबंधी कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों में प्रवेश
3. नेटवर्किंग के अवसर
4. ऊष्मायन समर्थन के लिए अधोसंरचनासुविधा
5. पुस्तकालय और ज्ञान संसाधनों तक पहुंचना
6. वित्तीय सहायता (इन्क्यूबेशन कार्यक्रम में अधिदेश के अनुसार जिसके तहत स्टार्ट–अप इनक्यूबेट किया गया है)।

फरवरी 2021 में कोहोर्ट के लिए ऊष्मायन अवधि शुरू हुई। इस कोहोर्ट में, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों के महिला उद्यमियों के नेतृत्व में 20 स्टार्ट–अप किये गए थे। कुछ स्टार्ट–अप इस प्रकार हैं:

कुला स्टूडियो, विशाखपट्टणम , आंध्र प्रदेश

कुला कपड़े के लिए एक डिजिटल फैशन और सुधार सेवाओं के प्लेटफार्म प्रदान करता है। उद्यम का ध्यान डिजाइन फिल्टर के रूप में सूचीबद्ध विभिन्न व्यवहार्य सेवाओं का उपयोग करके रिफैशन–अपसाइक्लिंग और चयनात्मक अनुकूलन पर है, जो उपयोगकर्ताओं को गैलरी से प्रेरणा लेने में सक्षम बनाता है, वेबसाइट को खोलें, उत्पाद के टेम्पलेट पर सुविधाओं को खींचें और ड्राप करें, उनकी पसंद के अनुसार अंतिम रूप दें।

हापुप, हैदराबाद, तेलंगाना

हापुप प्राकृतिक और पौष्टिक संबंधी विविध बाजरा–आधारित सर्वोत्तम बेबी फ़ूड को भारतीय स्वाद के अनुरूप बनाता है। उद्यम के स्वामित्व वाले पोषक मिश्रण वैज्ञानिक अनुसंधान द्वारा समर्थित हैं और स्थानीय पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयुक्त पारंपरिक भारतीय व्यंजनों में से एक है।

स्कूल रेडियो, विशाखपट्टणम, आंध्र प्रदेश

स्कूल रेडियो बच्चों और युवाओं को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान करता है जहां वे अपने विषय पर साथ काम करते हैं और जिनका वे सामना कर रहे हैं, उन समस्याओं का समाधान ढूंढते हैं। स्कूल रेडियो प्रोडक्शन की प्रक्रिया उनके लिए खुद को पहचानने, संलग्न करने, तलाशने और सशक्त बनाने का अवसर पैदा करती है।

शुगरशेल, हैदराबाद, तेलंगाना

उद्यम का उद्देश्य मास्टेक्टॉमी सर्वाइवर्स (स्तन कैंसर से बचने) के लिए उपयोगी, नवीन और किफायती उत्पादों को डिजाइन करना है।

प्रोजॉय फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना

उद्यम, फ़ीलगुड@ प्रोबायोटिक कैफे नए प्रकार का खाद्य और पेय ब्रांड है जो एक अनोखे तरीके से खाना परोसता है। यह उद्यम ई–कॉमर्स स्पेस में विस्तार कर रहा है और इम्युनिटी–बूस्टिंग पाउडर, फ्लेवर्ड ड्रिंक, सॉस, डिप्स और चॉकलेट जैसे प्रोबायोटिक उत्पादों का एक गुलदस्ता प्रदान करता है।

लर्निंग बुफे, हैदराबाद, तेलंगाना

सीखने में कठिनाइयों और विकासात्मक देरी वाले बच्चों की विशिष्ट सीखने की ज़रूरतें होती हैं, जिन्हें वर्तमान में पूरा नहीं किया जाता है। लर्निंग बफे एक ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म है जो सीखने में कठिनाइयों और विकासात्मक देरी वाले बच्चों के लिए सीखने के उपकरण और जो उनके संभावित विकास पर केंद्रित है, उन संसाधनों को डिजाइन और क्यूरेट करने के लिए समर्पित है।

कोको बज़, विशाखपट्टणम,आंध्र प्रदेश

कोको बज़ से बने उत्पादों के मूल्य पर अतिरिक्त ध्यान केंद्रित किया जाता है और किण्वन विधि के माध्यम से बीन की गुणवत्ता को सुधारता है।

ऑल इज वेल, विशाखपट्टणम,आंध्र प्रदेश

'ऑल इज वेल' किसी संगठन में नए कर्मचारियों को भावनात्मक रूप से सशक्त बनाने, उन्हें स्वयं–जागरूक बनाने और उन्हें स्वयं सहायता तकनीकों से लैस करने के लिए मानसिक स्वास्थ्य समाधान प्रदान करता है। संगठन में शामिल होने वाले कर्मचारी के पहले छह महीनों के दौरान सेवाएं प्रदान की जाती है।

फ्लो एक्सपीरियंस, हैदराबाद, तेलंगाना

शिक्षण संस्थानों को प्रवाह के अनुभव से लोकप्रिय छात्रों को आठ अलग–अलग कला रूपों के लिए अत्यधिक कुशल प्रशिक्षित शिक्षकों के साथ प्रदान करके, एक किफायती मूल्य निर्धारण में, सीबीएसई द्वारा दिशानिर्देशों के अनुसार असाधारण पाठ्यक्रम और मूल्यांकन विधियों को लागू करने के लिए प्रदान करने में सक्षम बनाता है।

पीपल ऑफ़ प्रिंट्स, हैदराबाद, तेलंगाना

पीपल ऑफ प्रिंट्स एक व्यक्तिगत और सामाजिक डिजाइन प्रिंटिंग कंपनी है। यह उद्यम लोगों को उनकी यादों को सबसे रचनात्मक तरीकों से फिर से जीवंत करने में मदद करता है और फोटो–प्रेमियों, फोटोग्राफरों, कलाकारों और उभरते व्यवसायों को तकनीकी रूप से उन्नत प्रिंट सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करता है।

टाइड 2.0

संस्थान भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय) द्वारा मान्यता प्राप्त टाइड 2.0 (प्रौद्योगिकी ऊष्मायन और उद्यमिता का विकास) केंद्र है।

स्टार्ट–अप जो कि आइडिएशन या प्रोटोटाइप स्टेज पर हैं, अधिमानतः इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी तकनीकों जैसे कि आईओटी, एआई / एमएल, ब्लॉकचेन, रोबोटिक्स का उपयोग करते हैं और निम्नलिखित में से किसी भी फोकस क्षेत्र में काम करते हैं जैसे कि कार्यक्षेत्र में समर्थन के लिए पात्र हैं:

- कृषि
- स्वच्छ ऊर्जा
- शिक्षा
- पर्यावरण और स्वच्छ प्रौद्योगिकी
- डिजिटल भुगतान सहित वित्तीय समावेशन।
- स्वास्थ सेवा
- अवसंरचना और परिवहन
- अन्य उभरते क्षेत्र, जैसे फिनटेक, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, कौशल विकास और महिला सुरक्षा और महिला और बच्चों के लिए पोषण।

क्रमशः आवेदन अनुदान और उद्यमी–इन–निवास श्रेणियों के तहत आमंत्रित किए गए थे। आवेदन करने की अंतिम तिथि 18 मई 2020 थी। प्राप्त 123 आवेदनों में से 71

अनुदान में और 52 ईआईआर (उद्यमी–इन–निवास) में हैं। अंतिम चयन सह पिच इवेंट के लिए 24 आवेदनों को शॉर्टलिस्ट किया गया था। 24 आवेदनों में से 12 को ईआईआर श्रेणी के लिए और 12 को अनुदान के लिए चुना गया था। 11 जुलाई 2020 को अंतिम चयन सह पिच कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

ईआईआर श्रेणी में चयनित उम्मीदवार:

(i) सागर मुखर्जी (विशाखपट्टणम) – [प्रोसेफ]

- डिजिटल रूप जो विषय (महिला सुरक्षा के लिए उपयोगी) द्वारा पूरी तरह से संकट के समय खत्म हो जाती है, जब तक एक तर्ज पर पुलिस अधिकारियों के साथ ओंर आपातकालीन संपर्कों के लिए प्रसारण के रूप में कार्य करते हैं।

(ii) राजा कुमार बोलेम (विशाखपट्टणम) – [इनोवमैक प्राइवेट लिमिटेड]

- मजबूत हार्डवेयर के साथ मशीन मॉड्युलैरिटी और आईओटी का उपयोग करते हुए, समाधान मशीन की विफलताओं पर दृश्यता प्रदान करने में मदद करता है, और समस्याओं को जल्दी से हल करता है, इस प्रकार मशीन के डाउनटाइम को कम करता है।

(iii) आयुष पटेरिया (हैदराबाद) – [स्नैज़ीअलाइन]

- एआई और आईओटी आधारित समाधान, एलाइनर 3डी प्रिंटेड, पतले, हटाने योग्य, पारदर्शी प्लास्टिक ट्रे होते हैं जो मुंह में चले जाते हैं, दांतों पर आराम से फिट हो जाते हैं और दांतों को धीरे–धीरे सही स्थिति में ले जाते हैं।

'अनुदान' श्रेणी में चयनित उम्मीदवार:

(i) प्रसाद मुद्दाम (हैदराबाद) – [हीमैक हेल्थकेयर प्रा. लिमिटेड]

- देखभाल के बिंदु – गैर–आक्रामक, नैदानिक, पहले एआई निगरानी उपकरण जो नवजात शिशुओं में उपचार और निर्वहन का अनुमान लगाता है।

(ii) जैनम निलेशकुमार मेहता (अहमदाबाद) – [अर्बन नप्स]

• अच्छी नींद के लिए वातावरण के साथ एक नैपिंग पॉड जो सोने के समय के आंकड़ों की निगरानी तथा विश्लेषण करने और उपयोगकर्ता को अनुमानित विश्लेषण की रिपोर्ट प्रदान करेगा।

ईआईआर श्रेणी के तहत चुने गए प्रत्येक उद्यम को 2,66,667 रुपये मिले और अनुदान श्रेणी के तहत चुने गए उद्यमों को प्रत्येक को 7,00,000 रुपये मिले।

टाइड 2.0 के तहत उपलब्धियां

1. इनवोमैक प्राइवेट लिमिटेड (विशाखपट्टणम, आंध्र प्रदेश) का चुनौती में चयन (CHUNAUTI) - नेक्स्टजेन स्टार्ट–अप चैलेंज कॉन्टेस्ट, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया के तहत एक ऑनलाइन चुनौती – एसपीटीआई की व्यापक ऊष्मायन योजना – अगली पीढ़ी की ऊष्मायन योजना (NGIS) के लिए चुना गया था। मशीन मॉड्यूलरिटी का उपयोग करके इनोवमैक का समाधान, और मजबूत हार्डवेयर के साथ एलओटी मशीन की विफलताओं पर दृश्यता प्रदान करने में मदद करता है और इस मुद्दे को जल्दी से हल करता है जिससे मशीन का डाउन टाइम कम हो जाता है।

2. स्नैज़ी केयर प्राइवेट लिमिटेड (हैदराबाद, तेलंगाना), को वाई–कॉम्बिनेटर त्वरक कार्यक्रम के लिए चुना गया था और अपने उद्यम के लिए प्रारंभिक चरण के वित्तपोषण को बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। स्नैज़ी द्वारा ग्राहक के दांतों को अदृश्य ब्रेसिज़ या स्पष्ट संरेखण का उपयोग करके आरामदायक और सस्ती बनाता है। टीम ने इस प्रणाली को इस तरह से डिजाइन किया है कि ग्राहक घर पर रह सके और टेली–डेंटिस्ट्री का उपयोग करके एक उच्च ऑर्थोडॉन्टिस्ट के समान पेशेवर ध्यान रख सकता है। पूरी प्रक्रिया के दौरान, रोगी और ऑर्थोडॉन्टिस्ट एक ऐप के माध्यम से संपर्क में रहते हैं, जिससे प्रक्रिया बहुत आसान और सस्ती हो जाती है।

आईआईएमवी– फील्ड (IIMV-FIELD) में आयोजित कार्यक्रमों का स्नैपशॉट

1. 30 जुलाई 2020 से और 31 जुलाई 2020 तक आईआईएमवी–फील्ड IIMV-FIELD & अध्यक्ष (उद्यमिता विकास), आईआईएमवी (IIMV) के निदेशक और सीओओ, प्रोफेसर एम शमीम जावेद, के साथ एक ई–मीट आयोजित किया गया था।

2. 18 अगस्त 2020 को एक वर्चुअल सत्र में "महिलाये जो: मिलिये आईआईएम विशाखपट्टणम के महिला स्टार्ट–अप कार्यक्रम कॉहोर्ट के सफल उद्यमियों से'' आयोजित किया गया था। यह सत्र प्रतिभागियों के लिए कुछ पूर्व छात्र महिला उद्यमियों से इंटरनेट के द्वारा

मुलाकात और उनकी यात्रा के बारे में अधिक जानने, आवेदन प्रक्रिया और महिला स्टार्ट–अप कार्यक्रम की संरचना को समझने और उनके प्रश्नों और चिंताओं को स्पष्ट करने का अवसर देने के लिए आयोजित किया गया था।

16 सितंबर 2020 को श्री प्रसाद दाहापुते, आईआईएमवी–फील्ड IIMV-FIELD के अध्यक्ष और राज्यपाल समिति सदस्य आईआईएम विशाखपट्टणम द्वारा, टाइड 2.0 के पहले समूह के लिए एक वर्चुअल परिचय संबोधन आयोजित किया गया था।

7. अधोसंरचना

7.1 अस्थायी परिसर

वर्ष के दौरान निम्नलिखित अधोसंरचना संबंधी परियोजनाएं और सुविधाओं में सुधार किया गया और पूरा किया गया:

- पोर्टा केबिनों में ऑफिस के लिए फर्नीचर का निर्माण किया गया।
- पारगमन परिसर में फर्नीचर वस्तुओं की खरीद की गई।

7.2 होस्टल

दुगुने अधिभोग के आधार पर 60 छात्रों को रहने के लिए एक छात्रावास किराए पर लिया गया था और उपयुक्त रूप से सुसज्जित किया गया था।

7.3 स्थायी परिसर

- संस्थान के स्थायी परिसर (चरण –1) के निर्माण का कार्य शापूरजी पल्लोनजी एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है।
- परियोजना प्रबंधन कर्मियों के लिए साइट कार्यालय, लगभग 3,650 वर्ग फुट की सुविधा पूरी हो गई थी। इसमें सटीक प्रतिकृति के तौर पर प्रत्येक छात्रावास के लिए कमरे, अतिथि के कमरे और संकाय/विभागाध्यक्ष कैबिन शामिल है।
- स्थायी परिसर में निर्माण के लिए सभी पूर्व–निर्माण अनुमोदन प्राप्त किए गए थे।
- संस्थान ने एपीईपीडीसीएल से 33केवी बिजली आपूर्ति के लिए आवेदन किया है और इसका काम चल रहा है।
- संस्थान ने राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल, विशाखपट्टणम स्टील प्लांट) द्वारा दी गई सहयोग राशि से से अपने कॉर्पोरेट पर्यावरण जिम्मेदारी के तहत स्थायी परिसर में वृक्षारोपण का कार्य किया है।

7.4 पुस्तकालय

आईआईएमवी पुस्तकालय ने महामारी के दौरान संस्थान के शिक्षण, सीखने और अनुसंधान गतिविधियों को बड़े पैमाने पर समर्थन दिया। सभी ई–संसाधनों को रिमोटएक्स और वीपीएन सेवाओं के माध्यम से योग्य बनाया गया था। कई प्रकाशकों द्वारा आईआईएमवी समुदाय के लिए

इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकों, ई–पत्रिकाओं तक मुफ्त पहुंचाई जाती है। इस दौरान ई–संसाधनों के बेहतर उपयोग पर पुस्तकालय द्वारा कई वेबिनार आयोजित किए।

निम्नलिखित सेवाएं प्रदान की जाती हैं:

- पुस्तकालय सामग्री का वितरण
- अनुसंधान सहायता और संदर्भ सेवा
- सूचना में साक्षरता
- डेटाबेस पर आवधिक प्रशिक्षण सत्र

7.4.1 सर्कुलेशन सांख्यिकी

पुस्तकें जोड़ी गई	03
पुस्तकें जारी की गई	166
पुस्तकें वापस हुई	167
पुस्तकों का नवीनीकरण	110
रिमोट एक्सेस लॉग–इन सत्र	5759

7.4.2 पुस्तकालय में ई–संसाधन के उपयोग

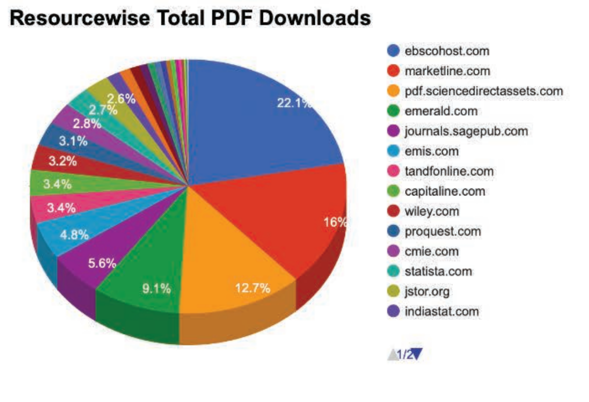

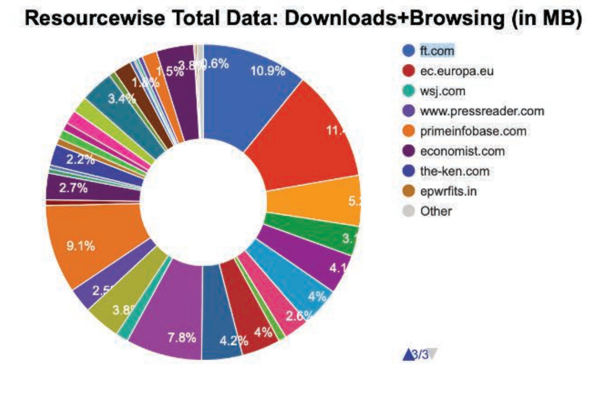

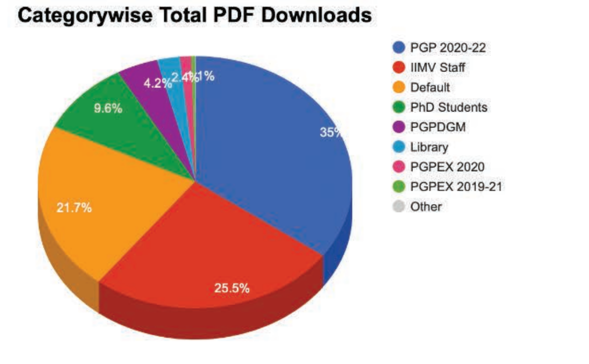

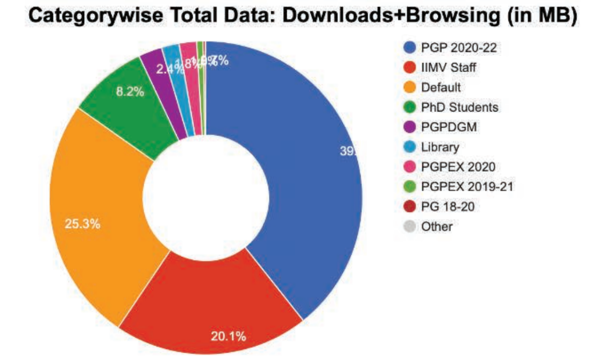

पुस्तकालय संग्रह पर प्रकाश डाला गया है जो विवरणी 9 में जोड़े गए है।

7.5 कंप्यूटर सेंटर और आईटी अधोसंरचना

कंप्यूटर केंद्र की गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं और आईटी अधोसंरचना का विवरण इस प्रकार है:

- डिजिटल परिवर्तन के तहत शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया में ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन करने के लिए कक्षाओं के लिए एकीकृत संचार (यूसी) ऑडियो विजुअल उपकरण को खरीदना और उसकी स्थापना करना।
- डिजिटल परिवर्तन के तहत शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया में ऑनलाइन परीक्षा आयोजित करने के लिए (एग्जाम सॉफ्ट, डिजी एक्जाम) ऑनलाइन परीक्षा सॉफ्टवेयर को खरीदना और उसका कार्यान्वयन किया गया।
- शिक्षा प्रबंधन प्रणाली शिक्षा प्रबंधन प्रणाली (मूडल) और मूडल सर्वर प्रशासन और रखरखाव के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी) मूडल सर्वर को होस्ट करने के लिए अमेज़ॅन वेब होस्टिंग सेवाओं की खरीद की गई।
- डिजिटल परिवर्तन के तहत शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया के घर से व्याख्यान देने के लिए संकाय के लिए ब्लूटूथ पेन टैबलेट और हेडफ़ोन की खरीद की गई।
- ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने के लिए अतिरिक्त जूम लाइसेंस की खरीद की गई।
- ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने के लिए वेबएक्स के शैक्षिक लाइसेंस की खरीद की गई।
- छात्रों के लिए क्लाउड आधारित सनाको भाषा प्रयोगशाला की खरीद और कार्यान्वयन किया गया।
- विभिन्न स्थानों पर कार्यरत आउटसोर्सिंग स्टाफ के लिए केंद्रीकृत बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली का कार्यान्वयन किया गए।
- जीईएम (GeM) पोर्टल के माध्यम से नए छात्र–छात्रावास के लिए वाई–फाई और नेटवर्क सुविधाओं की खरीद की गई।
- हाई–स्पीड इंटरनेट बैकअप लाइनों का नवीनीकरण किया गया।
- माइक्रोसॉफ्ट कैंपस अनुबंध का नवीनीकरण किया गया।
- संकाय अनुसंधान में सहायता के लिए सॉफ्टवेयर की खरीद की गई।
- संकाय और कर्मचारियों के लिए कंप्यूटिंग उपकरण और बाह्य उपकरणों की खरीद की गई।
- अन्य आईटी सहायता सेवा अनुबंधों का नवीनीकरण किया गया।

8. पूर्व छात्र गतिविधियां

शैक्षणिक संस्थान अपने पूर्व छात्रों के सक्रिय समर्थन के साथ ही महान ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं। संस्थान पूर्व छात्र समिति, पूर्व छात्र कार्यालय के समन्वय में, छात्रों के साथ अतीत और वर्तमान के साथ एक मजबूत बंधन को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। पूर्व छात्रों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए नियमित रूप से कई सत्र आयोजित किए जाते हैं जिनमें पूर्व छात्र–छात्र बातचीत जैसे परामर्श कार्यक्रम, ज्ञान–साझाकरण वेबिनार, प्लेसमेंट से संबंधित मार्गदर्शन इत्यादि शामिल हैं। इस तरह के पारस्परिक सत्रों में सरकार की छवि, उद्योग और समाज (जहां पूर्व छात्र आधारित हैं) और संस्थान परिवार के भीतर पूर्व छात्रों की नेटवर्किंग को भी बढ़ावा देने के लिए मजबूत किया जाता हैं।

प्रमुख गतिविधियों की सूची:

- 'अपने पूर्व छात्र से इसे जानें': मई 2020 से मार्च 2021 तक छात्रों के साथ पूर्व छात्रों के साथ बातचीत सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित की गई थी।
- 'पूर्व छात्र राउंड टेबल सम्मेलन': 21 अगस्त 2020 और 13 दिसंबर 2020 को उद्योग और उनके अनुभवों पर पूर्व छात्रों के विचारों को साझा करने के लिए पैनल चर्चा की गई थी।
- 'परिसर में पूर्व छात्रों से बातचीत': पीजीपी 2020-22 के उद्घाटन के हिस्से के रूप में, पूर्व छात्रों को 25 जुलाई 2020 को छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

9. नीति और पहल

9.1 दिव्यांगतों के लिए सेवाएं

संस्थान द्वारा विशेष रूप से दिव्यांग छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्राथमिकता दी जाती है। संस्थान का लक्ष्य विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए सामान पहुंचाना है ताकि उन्हें किसी भी अन्य छात्र की तरह ही अच्छा शैक्षिक अनुभव प्राप्त हो सके। संस्थान में कार्यक्रम कार्यालय संकाय और छात्रों के साथ काम करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों की कक्षाओं तक पहुंच, विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों के बैठने की व्यवस्था आदि की विधिवत पूर्ति हो। संस्थान विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों का स्वागत करता है और सक्षम वातावरण और गैर–भेदभावपूर्ण संस्कृति के निरंतर विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

विशेष आवश्यकता वाले प्रत्येक छात्र का मूल्यांकन उसके द्वारा विशिष्ट आवश्यकताओं की पहचान करने के लिए आकलन के माध्यम से किया जाता है। यह सुनिश्चित बहुत पहले से किया जाता है कि कार्यालय प्रत्येक चरण में छात्र के साथ काम कर सकता है, आवास से लेकर परिसर की पहुंच तक और किसी भी अन्य समर्थन की आवश्यकता में भी।

ओरिएंटेशन वीक के दौरान, दिव्यांग छात्रों के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता बनाने लिए एक सत्र शामिल किया जाता है। परिसर और छात्रावास परिसर लिफ्ट, रैंप, रेलिंग और मौजूदा बुनियादी ढांचे को और अधिक सुलभ बनाने के लिए सुलभ शौचालय के साथ स्थापित किए गए हैं। छात्रों और कार्यक्षेत्र में विशेषज्ञों से उत्पादक सामग्री प्राप्त के आधार पर हर साल सुधार किया गया है।

उपकरण की उपलब्ध सभी योग्य सुविधाओं का उपयोग व्याख्यान के दूरस्थ वितरण के लिए किया जाता है और प्रतिभागियों के अनुरोध के आधार पर परीक्षा आयोजित कर उपलब्ध कराया जाता है।

विकलांग छात्रों की सूची विवरणी 10 में संलग्न है।

9.2 आंतरिक शिकायत समिति

लैंगिक समानता समावेशी कार्यस्थल की आधारशिला है। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम अधिनियम 2013 के प्रावधानों के बाद, कार्यस्थल पर समान प्रथाओं के बारे में जागरूकता और संवेदनशीलता विकसित करने के लिए कई गतिविधियों का आयोजन किया गया।

आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) की पूर्व पीठासीन अधिकारी प्रोफेसर दीपिका गुप्ता ने सभी के लिए लैंगिक संवेदनशीलता, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, शिकायत निवारण गतिविधियों और आईसीसी के पदाधिकारियों की भूमिका को लेकर 5 सितंबर 2020 को ओरिएंटेशन प्रोग्राम के दौरान पीजीपी और पीजीपीईएक्स के छात्र शिकायत निवारण तंत्र की प्रक्रियाओं के बारे में एक सत्र आयोजित किया।

29 अक्टूबर 2020 को सभी छात्रों के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम अधिनियम, 2013 पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला के लिए लिंग कानूनों पर एक कॉर्पोरेट सलाहकार फर्म "Ungender.in" को शामिल किया गया।व्याख्यान वकील सुरुचि कुमार और कार्यस्थल विविधता विशेषज्ञ सुश्री पल्लवी पारीक द्वारा दिए गए थे। दोनों विशेषज्ञों ने अवधारणाओं को समझाने के लिए वास्तविक जीवन के कॉर्पोरेट परिदृश्यों को चित्रित किया। व्याख्यान के बाद प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया।

19 दिसंबर 2020 को संस्थान में काम करने वाले सभी हाउसकीपिंग और सुरक्षा कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर एक व्याख्यान तेलुगु (स्थानीय भाषा) में आयोजित किया गया था। यह व्याख्यान आईसीसी सदस्य वकील सुश्री जाहा आरा द्वारा, जिसके बाद प्रश्नोत्तर का आयोजन किया गया था।

2020-21 के दौरान आंतरिक शिकायत समिति से संबंधित कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई।

10. कार्मिक और प्रशासन

31 मार्च 2021 को, 11 अधिकारी, 26 प्रशासनिक कर्मचारी थे, जिसमें 1 लाइब्रेरी इंटर्न और 13 अकादमिक सहयोगी, परियोजना सहियोगी, अकादमिक और व्यवस्थापक सहियोगी, 3 व्यक्ति (परामर्श / सलाहकार) में शामिल हैं।

विस्तृत स्थिति जानकारी सूची विवरणी 11 में दी गई है।

कर्मियों की सूची विवरणी 12 में दी गई है।

10.1 राजभाषा कार्यान्वयन

संस्थान हर संभव तरीके से राजभाषा के प्रयोग हेतु ईमानदारी से प्रयास करता है। संस्थान ने साइन बोर्ड आदि में हिंदी भाषा के उपयोग को लागू किया है। संस्थान ने 'हिंदी दिवस' समारोह के दौरान हिंदी भाषणों, कविताओं और नारा प्रतियोगिताओं जैसी गतिविधियों का भी आयोजन किया है। संस्थान भाषा के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करने के लिए निरंतर प्रयास जारी रखता है और अपने सभी दैनिक कार्यों में हिंदी के उपयोग को प्रोत्साहित करता है।

कार्यशाला

19 फरवरी 2021 को भा.प्र.सं. में 'राजभाषा नीति, नियम एवं वार्षिक कार्यक्रम तथा तिमाही प्रगति रिपोर्ट' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।श्रीमती सुनीति शर्मा (निदेशक, राजभाषा), शिक्षा मंत्रालय ने संस्थान के शिक्षकों और कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने दर्शकों को 'राजभाषा अधिनियम, 1963' के प्रावधानों से परिचित कराकर कार्यशाला की शुरुआत की और धारा 3 के तहत खंडों के प्रावधानों पर जोर दिया। इसके बाद संघ के आधिकारिक कार्यों को हिंदी में करने के लिए 'वार्षिक कार्यक्रम (2020-2021)' से राजभाषा नीति के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देशों पर प्रकाश डाला गया। कार्यशाला के अंतिम भाग में उन्होंने संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और प्रगतिशील प्रयोग के लिए आवश्यक कदमों की ओर अग्रसर किया।

10.2 डिजिटल लेनदेन और ई-खरीद

संस्थान हमेशा डिजिटल तकनीकों को अपनाने में सबसे आगे रहा है। वर्ष 2020-21,में हुए 6500 कुल लेनदेन में से 6448 (99.20%) डिजिटल लेनदेन थे, जो पिछले वर्ष के रिकॉर्ड से आगे निकल गए थे। संस्थान ने GeM(गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस) पोर्टल के माध्यम से सामानों की खरीद पर भी काम किया है और जीओआई

के सेंट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल (CPPP) के माध्यम से माल और आपूर्ति की सोर्सिंग के लिए ई–प्रोक्योरमेंट का अनुसरण करता है।

10.3 अंशकालिक सीवीओ की नियुक्ति

केंद्रीय सतर्कता आयोग से दिनांक 09/2/2021 के संचार के बाद, प्रोफेसर दीपिका आर गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, को उनकी मौजूदा जिम्मेदारियों के अलावा, 11/2/2021 से संस्थान में अंशकालिक सीवीओ के रूप में नामित किया गया है।

11. वित्तीय स्थिति

वर्ष 2020-21 के लिए आय और व्यय को दर्शाने वाली संस्थान की वित्तीय स्थिति नीचे दी गई है:

विवरण		रुपये करोड़ में	
	पुनरावर्ती	**2020-21**	**2019-20**
1	**आय**		
	सरकार, अनुदान	18.80	15.55
	खुद का राजस्व	23.14	17.94
	कुल	41.94	33.49
2	**व्यय**	26.64	25.87
3	**अधिशेष/घाटा**	15.30	7.62
कम:	नामित निधि में स्थानांतरित किया गया	01.53	00.00
	सकल अधिशेष/घाटा	13.77	07.62
जोड़ हुआ:	घाटे को पूरा करने के लिए उपयोग की जाने वाली निधि (गैर–आवर्ती)	00.00	00.00
4	निवल बचत कार्पस/पूंजीगत निधि में स्थानांतरित किया गया	13.77	07.62
	गैर–आवर्ती		
1	रसीदें		
	एमओई से अनुदान– अस्थायी परिसर	00.00	01.65
	एमओई से अनुदान – एचईएफए संबंधित	49.52	46.90
2	व्यय		
	खरीदी गई अचल संपत्तियां– अस्थायी परिसर	03.70	03.08
	पूंजीगत व्यय – एचईएफए संबंधित	36.96	3.76
	राजस्व खर्च फंड गैर–आवर्ती प्राप्त किया गया (जैसा कि ऊपर कहा गया है)	00.00	00.00
3	कुल व्यय धन (गैर–आवर्ती) से प्राप्त किया गया	40.66	06.84

वित्त संबंधी अन्य ब्यौरे लेखा विवरण 2020-21 में संलग्न हैं।

12. विवरण

विवरण 1

गवर्नर मंडल

2020-21 के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	6

बैठकों की संख्या	तिथि
17वीं बैठक (आईआईएम अधिनियम, 2017 के तहत बीओजी की 9वीं बैठक)	08 मई 2020
18वीं बैठक (आईआईएम अधिनियम, 2017 के तहत बीओजी की 10वीं बैठक)	07 अगस्त 2020
19वीं बैठक (आईआईएम अधिनियम, 2017 के तहत बीओजी की 11वीं बैठक)	16 अक्टूबर 2020
20वीं बैठक (आईआईएम अधिनियम, 2017 के तहत बीओजी की 12वीं बैठक)	06 नवंबर 2020
21वीं बैठक (आईआईएम अधिनियम, 2017 के तहत बीओजी की 13वीं बैठक)	08 जनवरी 2021
22वीं बैठक (आईआईएम अधिनियम, 2017 के तहत बीओजी की 14वीं बैठक)	19 मार्च 2021

सदस्य का नाम	उपस्थित सदस्यों की संख्या	टिप्पणियां
हरि एस भरतिया (अध्यक्ष)	5 (17वीं, 18वीं, 19वीं, 20वीं और 22वीं)	21वीं को अनुपस्थिति अवकाश
संजय कुमार सिन्हा	1 (19वीं)	21वीं एवं 22वीं को अनुपस्थिति अवकाश, 17वीं, 18वीं व 20वीं में आए प्रतिनिधि
सुब्रत प्रधान	1 (17वीं)	संयुक्त सचिव (प्रबंधन) के प्रतिनिधि एमएचआरडी, भारत सरकार
एम. श्रीधर	1 (18वीं)	संयुक्त सचिव (प्रबंधन) के प्रतिनिधि एमएचआरडी, भारत सरकार
राकेश भूटानी	2 (18वीं और 20वीं)	संयुक्त सचिव (प्रबंधन) के प्रतिनिधि एमएचआरडी, भारत सरकार
सतीश चंद्रा, आईएएस	5 (18वीं, 19वीं, 20वीं, 21वीं और 22वीं)	17वीं को अनुपस्थिति अवकाश
उमा सुधींद्र	6	
प्रसाद दहपुते	6	
सतीश रेड्डी	6	
नौशाद फोर्ब्स	4 (17वीं, 18 वीं, 21 वीं और 22वीं)	19वीं एवं 20वीं को अनुपस्थिति अवकाश
जी रघुराम	6	
राजीव कपूर, आईएएस (सेवानिवृत्त)	5 (17वीं, 18वीं, 19वीं, 21वीं और 22वीं)	20वीं को अनुपस्थिति अवकाश
मालविका हरिता	5 (17वीं, 18वीं, 19वीं, 21वीं और 22वीं)	21वीं के लिए बैठक की अध्यक्षता की और 18वीं को अनुपस्थिति अवकाश

सदस्य का नाम	उपस्थित सदस्यों की संख्या	टिप्पणियां
अमीता चटर्जी	4 (17वीं, 18वीं, 19वीं और 21वीं)	20वीं और 22वीं को अनुपस्थिति अवकाश
एम चंद्रशेखर, निदेशक	6	
उपस्थिति में (संकाय)		
बी श्रीरंगचार्युलु	6	
दीपिका गुप्ता	6	
उपस्थिति में (बोर्ड के सचिव)		
कलीम वी खान	6	

भवन एवं निर्माण समिति

2020-21 के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	3

बैठक संख्या	तिथि
8वीं बैठक	23 जून 2020
9वीं बैठक	02 जुलाई 2020
10वीं बैठक	29 दिसंबर 2020

सदस्य का नाम	उपस्थित सदस्यों की संख्या	टिप्पणियां
सतीश रेड्डी (अध्यक्ष)	3	
लिजी फिलिप	2 (8वीं और 9वीं)	10वीं के लिए अनुपस्थिति अवकाश
राजीव मिश्रा	3	
वी नागदेवरा	3	
पी कोटेश्वर राव, आईएएस	2 (9वीं और 10वीं)	8वीं के लिए अनुपस्थिति अवकाश
अमित बारां चक्रवर्ती	3	
एम चंद्रशेखर, निदेशक	3	
आर सयकृष्ण राजू	3	
आमंत्रित		
सुशांत बालिगा	3	सलाहकार (भवन और कार्य), आईआईएम विशाखापत्तनम
बी श्रीरंगचरीयुलु	3	डीन (अकादमिक और अनुसंधान), आईआईएमवी
ए के भारद्वाज	1(8वीं)	महाप्रबंधक (इंजीनियरिंग) और प्रमुख – एसबीजी (एपी और तेलंगाना), एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड
अरुण कुमार	2 (8वीं और 10वीं)	अतिरिक्त महाप्रबंधक (अभियांत्रिकी), एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड

सदस्य का नाम	उपस्थित सदस्यों की संख्या	टिप्पणियां
स्मिट मल्ही	1(8वीं)	आर्कोप एसोसिएट्स लिमिटेड
मधु सूदन	1(10वीं)	महाप्रबंधक (शापूरजी और पल्लोनजी) और समन्वयक, आईआईएम विशाखापट्टनम परिसर परियोजना

वित्त, निवेश और लेखा परीक्षा समिति

2020-21 के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	4

बैठक संख्या	तिथि
12वीं बैठक	28 जुलाई 2020
13वीं बैठक	08 अक्टूबर 2020
14वीं बैठक	26 दिसंबर 2020
15वीं बैठक	17 मार्च 2021

सदस्य का नाम	उपस्थित सदस्यों की संख्या	टिप्पणियां
अमीता चटर्जी	4	
प्रसाद दहपुते	2(14वीं और 15वीं)	12वीं और 13वीं के सदस्य नहीं
जेएस एंड एफए, मो, जीओआई	शून्य	12वीं, 13वीं, 14वीं और 15वीं के लिए अनुपस्थिति अवकाश
पद्मिनी श्रीनिवासन	4	
एक राधा कृष्ण	4	
ए श्रीनिवास कुमार	4	
एम चंद्रशेखर	4	
सी पी विट्ठल	4	
उपस्थिति में		
दीपिका गुप्ता	4	
जी नंदिता	4	

विवरण 2

पीजीपीईएक्स कार्यक्रम में वर्ष 2020-21 में प्रस्तावित ऐच्छिक की सूची

क्र. सं	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट्	संकाय
1	अंतरराष्ट्रीय व्यापार	3.0	अमित बारान चक्रबर्ती
2	परियोजना प्रबंधन	3.0	पीआरएस सरमा

क्र. सं	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट्	संकाय
3	बिजनेस टू बिजनेस मार्केटिंग	3.0	सूर्यनारायणा वल्लुरी
4	मार्केटिंग विश्लेषण	3.0	अमित शंकर
5	कॉर्पोरेट मूल्यांकन	3.0	उत्कर्ष मजूमदार
6	परियोजना मूल्यांकन और वित्तपोषण	3.0	प्रताप गिरी
7	विज्ञापन प्रबंधन	3.0	विवेक माडुपु
8	ग्राहक संबंध प्रबंधन	3.0	संदीप पुरी
9	लीडींग डिजिटल परिवर्तन	3.0	नीना पांडे
10	कॉर्पोरेट निवेश रणनीति	3.0	प्रताप गिरी
11	वित्तीय विश्लेषण और ट्रेडिंग रणनीतियाँ	3.0	एम एस जावेद
12	व्यवधानों के युग में संचालन का प्रबंधन	3.0	पीआरएस सरमा
13	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन सेएपप	3.0	जी श्रीनिवासन
14	लग्जरी मार्केटिंग	1.5	शीतल जैन
15	डिजिटल और सोशल मीडिया प्रबंधन	1.5	अमित शंकर
16	संघर्ष और बातचीत	1.5	अनुपमा शर्मा
17	ईमोशनल इन्टेलिजन्स	1.5	जी एन राधाकृष्णन
18	स्ट्रेटेजिक सोर्सिंग	1.5	एल एन कृष्णन
19	परिपत्र अर्थव्यवस्था के लिए सतत संचालन	3.0	पीआरएस सरमा
20	अंतर्राष्ट्रीय वित्त	3.0	विनोद कुमार
21	स्मार्ट प्रबंधकों के लिए फिनटेक	1.5	विजय भास्कर मेरीसेटी
22	व्यवसाहिक वित्त	3.0	राजेश माधवन

विवरण 3

पीजीपी–डीजीएम कार्यक्रम में वर्ष 2020-21 में प्रस्तावित ऐच्छिक की सूची

क्र. सं	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट	संकाय
1.	नवीनतम तकनीकों की नींव और अनुप्रयोग: ब्लॉकचैन, टेलीमैटिक्स और एसएमएसीआई, क्वांटम कंप्यूटिंग	3	भट दित्ताकवि
2.	साइबर सुरक्षा और डेटा शासन – स्तर –2	3	एच कृष्णामुरथी
3.	प्रौद्योगिकी सेवाएं और बुनियादी ढांचा प्रबंधन	3	उपेन्द्र राव

विवरण 4

पीजीपी कार्यक्रम में वर्ष 2020-21 में प्रस्तावित ऐच्छिक की सूची

क्र. सं.	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट	संकाय
1	उन्नत विश्लेषिकी	3.0	वि नागदेवरा
2	विज्ञापन प्रबंधन	3.0	विवेक माडुपु
3	व्यापार और समाज में एआई के अनुप्रयोग	3.0	सुजॉय रॉयचौधरी
4	बी2बी प्रबंधन	3.0	सूर्यनरायण वल्लुरी
5	ब्रांड प्रबंधन	3.0	रामआनुजम श्रीधर
6	व्यापार डेटा खनन और निर्णय मॉडल	3.0	वि नागदेवरा
7	केपस्टोन व्यापार सिमुलेशन	3.0	सरोज कुमार पानी
8	कॉर्पोरेट मूल्यांकन	3.0	विनोद कुमार
9	व्यावसायिक निर्णयों के लिए डेटा विज्ञान	3.0	शिवशंकर सिंह पटेल
10	डिजिटल मार्केटिंग	3.0	मालविका आर हरिता
11	ई–कॉमर्स	1.5	सुनील चन्द्रन
12	ईमोशनल इन्टेलिजन्स एण्ड लीडरशिप	3.0	बालाजी सुब्रमण्यम
13	R . का उपयोग कर वित्तीय विश्लेषण	3.0	एम एस जावेद और के किरण कुमार
14	वित्तीय डेरिवेटिव	3.0	कावेरी कृष्णन
15	वित्तीय स्टैट्मन्ट विश्लेषण	3.0	प्रिंस डोलिया
16	स्मार्ट प्रबंधकों के लिए फिनटेक	1.5	विजय भास्कर मरीसेट्टी
17	फिक्स्ड इनकम सिक्युरिटी	1.5	प्रासेनजित चक्रबर्ती
18	एचआर एनालिटिक्स	1.5	पूरबा राव
19	उद्योग और प्रतियोगी विश्लेषण	3.0	अमित बारन चक्रबर्ती
20	नवाचार और नए उत्पाद विकास	3.0	दीपिका गुप्ता
21	अभिनव व्यापार मॉडल और रणनीति	3.0	सारोज कुमार पानी
22	अंतरराष्ट्रीय व्यापार	3.0	अमित बायरन चक्रबर्ती
23	अन्तराष्ट्रिय अर्थशास्त्र	3.0	कल्याण के
24	उद्यमिता का परिचय	3.0	सुशील कुमार
25	निवेश बैंकिंग	3.0	प्रताप गिरी
26	निवेश	3.0	संकर्षण बासु
27	व्यवसाय के कानूनी पहलू	3.0	लिऑनेल अरान्ह
28	लग्जरी मार्केटिंग	3.0	शीतल जैन
29	बैंकों और वित्तीय संस्थानों का प्रबंधन	3.0	अशोक थमपी
30	विनिर्माण प्रणालियों का प्रबंधन	3.0	बी श्रीरंगअचरेयउलू

क्र. सं.	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट	संकाय
31	मार्केटिंग विश्लेषण	3.0	अमित शंकर
32	विलय, अधिग्रहण और कॉर्पोरेट पुनर्गठन	3.0	उत्कर्ष मजूमदार
33	मौद्रिक नीति विश्लेषण और साक्ष्य	3.0	सुब्रह्मण्यम गनति
34	नया उद्यम निर्माण	3.0	सुशील कुमार
35	भविष्यिक विश्लेषण	3.0	भारगब चट्टोपाध्याय
36	कीमत निर्धारण कार्यनीति	3.0	अशोक पी अरोड़ा
37	परियोजना मूल्यांकन और वित्तपोषण	3.0	प्रताप गिरी
38	परियोजना प्रबंधन	3.0	वि नागदेवरा
39	विपणन निर्णयों के लिए अनुसंधान	3.0	अमित शंकर
40	खुदरा प्रबंधन	3.0	सुनील चन्द्रन
41	बिक्री और वितरण प्रबंधन	3.0	अमित शंकर
42	सेवा संचालन प्रबंधन	3.0	एल. एन कृष्णा
43	स्पेनिश भाषा	3.0	अबोली चौधरी
44	नेताओं के लिए रणनीतिक संचार	1.5	चंदरेजे मुखर्जी
45	रणनीतिक एचआरएम	3.0	बिशाखा मजूमदार
46	रणनीतिक मार्केटिंग	3.0	विवेक माडुपु
47	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	3.0	मिलन कुमार
48	कुल गुणवत्ता प्रबंधन और सिक्स सिग्मा	3.0	विशाल सिंह पटयाल

विवरण 5

वर्ष 2020-21 के छात्र उपलब्धियों की सूची

क्र. सं.	विद्यार्थी का नाम	प्रतियोगिता/कार्यक्रम आयोजित किया गया	स्थान
1	दर्शन शुक्ला	अनुभव – मैनेजमेंट केस स्टडी डेवलपमेंट कॉन्टेस्ट (2020), सेल और नेशनल एचआरडी नेटवर्क	द्वितीय
2	गिरिजा संकर दे	अनुभव – मैनेजमेंट केस स्टडी डेवलपमेंट कॉन्टेस्ट (2020), सेल और नेशनल एचआरडी नेटवर्क	द्वितीय
3	रुखसार चौधरी	अनुभव – मैनेजमेंट केस स्टडी डेवलपमेंट कॉन्टेस्ट (2020), सेल और नेशनल एचआरडी नेटवर्क	द्वितीय
4	चिन्मयी चौहान	बिज़विज़, आईआईएम उदयपुर का उद्यमिता प्रकोष्ठ	प्रथम
5	शालिनी सिन्हा	बिज़विज़, आईआईएम उदयपुर का उद्यमिता प्रकोष्ठ	प्रथम
6	ऊर्जा सावंत	बिज़विज़, आईआईएम उदयपुर का उद्यमिता प्रकोष्ठ	प्रथम
7	हर्षित अग्रवाल	ब्रेन स्क्वीज़र, केआईआईटी भुवनेश्वर	प्रथम
8	इतिशा त्यागी	ब्रेन स्क्वीज़र, केआईआईटी भुवनेश्वर	प्रथम

क्र. सं.	विद्यार्थी का नाम	प्रतियोगिता/कार्यक्रम आयोजित किया गया	स्थान
9	गिरिजा संकर दे	ब्रांड क्वेस्ट, एमिटी यूनिवर्सिटी	प्रथम
10	पंखुड़ी अग्रवाल	ब्रांड क्वेस्ट, एमिटी यूनिवर्सिटी	प्रथम
11	शालिनी सिन्हा	चाणक्य–द इकोनॉमिक्स केस इवेंट, एसजेएमएसओएम आईआईटी बॉम्बे	प्रथम
12	सिद्धार्थ सिंह	चाणक्य–द इकोनॉमिक्स केस इवेंट, एसजेएमएसओएम आईआईटी बॉम्बे	प्रथम
13	वैभव खण्डेलवाल	चाणक्य–द इकोनॉमिक्स केस इवेंट, एसजेएमएसओएम आईआईटी बॉम्बे	प्रथम
14	संयुक्ता साही	इकोल्यूशन –अ ग्रीन बिजनेस कॉन्टेस्ट , आईआईएम बैंगलोर	द्वितीय
15	वेदान्त भालेराव	इकोल्यूशन – अ ग्रीन बिजनेस कॉन्टेस्ट , आईआईएम बैंगलोर	द्वितीय
16	हर्षित अग्रवाल	एन्ट्रॉपी क्विज़ोटिक– टेडएक्स आईआईएम अहमदाबाद	द्वितीय
17	इतिशा त्यागी	एन्ट्रॉपी क्विज़ोटिक– टेडएक्स आईआईएम अहमदाबाद	द्वितीय
18	जसकिरत सिंह बिन्द्रा	गेट सेट एनालिसिस, गोवा इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट	प्रथम
19	रुचित सोनी	गेट सेट एनालिसिस, गोवा इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट	प्रथम
20	भावना प्रीतम	इन्वैडर, ग्रेट लेक्स इंस्टिट्यूट ऑफ मार्केटिंग	द्वितीय
21	संकेत अवसरकार	इन्वैडर, ग्रेट लेक्स इंस्टिट्यूट ऑफ मार्केटिंग	द्वितीय
22	शालिनी सिन्हा	इन्वैडर, ग्रेट लेक्स इंस्टिट्यूट ऑफ मार्केटिंग	द्वितीय
23	भावना प्रीतम	मार्कीव्यूड – मार्केटिंग प्रतियोगिता, आईआईटी जोधपुर	द्वितीय
24	रूपसिखा बनर्जी	मार्कीव्यूड – मार्केटिंग प्रतियोगिता, आईआईटी जोधपुर	द्वितीय
25	उत्कर्ष रावत	मार्कीव्यूड – मार्केटिंग प्रतियोगिता, आईआईटी जोधपुर	द्वितीय
26	चयथरा महीन्द्रन	ऑन योर मार्क, एसजेएमएसओएम आईआईटी बॉम्बे	द्वितीय
27	रूपसिखा बनर्जी	ऑन योर मार्क, एसजेएमएसओएम आईआईटी बॉम्बे	द्वितीय
28	ऊर्जा सावंत	ऑन योर मार्क, एसजेएमएसओएम आईआईटी बॉम्बे	द्वितीय
29	हर्षित अग्रवाल	ऑप्टिमस 20.1, आईआईएम शिलांग	प्रथम
30	चयथरा महीन्द्रन थेईल	प्रॉड–ओ–मेनिया, एसजेएमएसओएम आईआईटी बॉम्बे	द्वितीय
31	गेओविन पारोल	प्रॉड –ओ–मेनिया, एसजेएमएसओएम आईआईटी बॉम्बे	द्वितीय
32	नजमा नौरीन वि	प्रॉड –ओ–मेनिया, एसजेएमएसओएम आईआईटी बॉम्बे	द्वितीय
33	चेतन्य शर्मा	रुरल टू फ्रूगल , सेंटर फॉर रिसर्च एण्ड इनोवैशन इन फ्रूगल टेक्नॉलजी – फोर स्कूल	द्वितीय
34	सार्थक मित्तल	रुरल टू फ्रूगल , सेंटर फॉर रिसर्च एण्ड इनोवैशन इन फ्रूगल टेक्नॉलजी – फोर स्कूल	द्वितीय
35	शिखा खन्ना	रुरल टू फ्रूगल , सेंटर फॉर रिसर्च एण्ड इनोवैशन इन फ्रूगल टेक्नॉलजी – फोर स्कूल	द्वितीय
36	कंचन कृष्ण	स्पार्क सीजन 1, कार इज़ी	प्रथम

क्र. सं.	विद्यार्थी का नाम	प्रतियोगिता/कार्यक्रम आयोजित किया गया	स्थान
37	नामित छतबर	स्पार्क सीजन 1, कार इज़ी	प्रथम
38	सागर मुखर्जी	स्पार्क सीजन 1, कार इज़ी	प्रथम
39	कानव मेहरा	टाटा क्रूसिबल कैंपस क्विज 2021, टाटा समूह	द्वितीय
40	सिक्षा राय	टेकटोनिक्स – लेख लेखन प्रतियोगिता, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी), दिल्ली	प्रथम
41	उमेश दास	टेकटोनिक्स – लेख लेखन प्रतियोगिता, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी), दिल्ली	प्रथम
42	राजठ कृष्ण	द स्कैम नाइट राइज़, क्यूयूओडी, एसईबीएम पुणे	प्रथम
43	जील कोटेचा जील	द स्कैम नाइट राइज़, क्यूयूओडी, एसईबीएम पुणे	प्रथम
44	अतिशय जैन	एसआरएम विश्वविद्यालय	प्रथम
45	ईशिता घोष	एसआरएम विश्वविद्यालय	प्रथम
46	ऊर्जा सावंत	एसआरएम विश्वविद्यालय	प्रथम
47	दिविशा अग्रवाल	कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री राम	प्रथम
48	शुभम मित्तल	कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री राम	प्रथम
49	वैभव खण्डेलवाल	कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री राम	प्रथम
50	विजय गाइकवाड़	सिम्बाइट, एनालिटिक्स केस प्रतियोगिता, आईआईएम शिलांग	द्वितीय
51	अब्दुल अकबेर शैक	सिम्बाइट, एनालिटिक्स केस प्रतियोगिता, आईआईएम शिलांग	द्वितीय
52	कनिष्क कुमार कैन	सिम्बाइट, एनालिटिक्स केस प्रतियोगिता, आईआईएम शिलांग	द्वितीय
53	चिन्मयी चौहान	एसआरएम विश्वविद्यालय	प्रथम
54	चिन्मयी चौहान	आईआईएम उदयपुर	प्रथम
55	मिहिर फडके	अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली	द्वितीय
56	कृष्णनगिनी कालीता	अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली	द्वितीय
57	सिद्धार्थ सिंह	कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री राम	प्रथम
58	कंचन कृष्ण	मेक द केस	
59	अभिनया एस	मेक द केस	तृतीय
60	सागर मुखर्जी	मेक द केस	तृतीय
61	नामित चटतबर	मेक द केस	तृतीय
62	कंचन कृष्ण	वी गार्ड बिग आइडिया प्रतियोगिता	तृतीय
63	अबिनया एस	वी गार्ड बिग आइडिया प्रतियोगिता	तृतीय
64	सागर मुखर्जी	वी गार्ड बिग आइडिया प्रतियोगिता	तृतीय

विवरण 6

2020-21 के दौरान आयोजित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों की सूची

क्र. स	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
1	ओएफडीपी पर विश्लेषण	अगस्त 17-21, 2020	98
2	रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के लिए प्रमाणपत्र कार्यक्रम	अगस्त 20 – अक्टूबर 6, 2020	20
3	एएमओएस और प्रोसेस मैक्रो पर ओएफडीपी	सितंबर 7-11, 2020	115
4	रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के लिए प्रमाणपत्र कार्यक्रम	अक्टूबर 8 – दिसंबर 3, 2020	20
5	एनपीआईयू के परियोजना संस्थानों के लिए टीईक्यूआईपी–III के तहत पीडीटी	नवम्बर 26-28, 2020	33
6	आईओसीएल के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम (सक्षम)	नवम्बर 30- दिसंबर 5, 2020	23
7	आईओसीएल के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम (सक्षम)	14-19, 2020	35
8	एनपीआईयू के लिए टीईक्यूआईपी–III के तहत पीडीटी	दिसंबर 7-9, 2020	31
9	एनपीआईयू के लिए टीईक्यूआईपी–III के तहत पीडीटी	दिसंबर 17-19, 2020	25
10	रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के लिए प्रमाणपत्र कार्यक्रम	दिसंबर 28 – फरवरी 28, 2020	20
11	एनपीआईयू के लिए टीईक्यूआईपी–III के तहत पीडीटी	जनवरी 11-13, 2021	33
12	आईओसीएल के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम	जनवरी 11-16, 2021	28
13	ईसाई फार्मास्युटिकल्स इंडिया लिमिटेड के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम	जनवरी 23 to फरवरी 26, 2021	30
14	एनपीआईयू के लिए टीईक्यूआईपी–III के तहत पीडीटी	जनवरी 27-29, 2021	25
15	एनपीआईयू के लिए टीईक्यूआईपी–III के तहत पीडीटी	फरवरी 09-11, 2021	33
16	एनपीआईयू के लिए टीईक्यूआईपी–III के तहत पीडीटी	फरवरी 17-19, 2021	25
17	एनपीआईयू के लिए टीईक्यूआईपी–III के तहत पीडीटी	मार्च 15-17, 2021	25

ओएफडीपी = ओपन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम; पीडीटी = व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण; टीईक्यूआईपी= तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम; एनपीआईयू = राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई, शिक्षा मंत्रालय, सरकार। भारत की।

विवरण 7

31 मार्च, 2021 तक की संकाय सूची

नाम	संबंधित संस्था
एम चंद्रसेखर, निदेशक	आईआईएम विशाखापट्टनम
मोहम्मद शमीम जावेद	आईआईएम विशाखापट्टनम
बी श्रीरंगाचारीउलू	आईआईएम विशाखापट्टनम
अनुपमा शर्मा	आईआईएम विशाखापट्टनम
अमित बारन चक्रबर्ती	आईआईएम विशाखापट्टनम
कल्याण कोलूकुलुरी	आईआईएम विशाखापट्टनम
कावेरी कृष्णन	आईआईएम विशाखापट्टनम
मिलन कुमार	आईआईएम विशाखापट्टनम
दीपिका आर गुप्ता	आईआईएम विशाखापट्टनम
भारगब चट्टोपाध्याय	आईआईएम विशाखापट्टनम
विनय रामानी	आईआईएम विशाखापट्टनम
बिशाखा मजमुदार	आईआईएम विशाखापट्टनम
विवेकानंदा माडुपु	आईआईएम विशाखापट्टनम
नीना पांडे	आईआईएम विशाखापट्टनम
अमित शंकर	आईआईएम विशाखापट्टनम
प्रिंस डोलिया	आईआईएम विशाखापट्टनम
शिवशंकेर सिंह पटेल	आईआईएम विशाखापट्टनम
एम. वी. अनुराधा	आईआईएम विशाखापट्टनम
चंद्रएजे मुखर्जी	आईआईएम विशाखापट्टनम
सरोज कुमार पानी	आईआईएम विशाखापट्टनम
विशाल सिंह पटयाल	आईआईएम विशाखापट्टनम
पप्पू राजा सेखारा सरमा	आईआईएम विशाखापट्टनम
श्रीनिवास जोसयूला	आईआईएम विशाखापट्टनम
सुनिथा टुमकुर	आईआईएम विशाखापट्टनम
आलोक कुमार	आईआईएम विशाखापट्टनम
विनय यादव	आईआईएम विशाखापट्टनम
बालाजी सुब्रमनियन	आईआईएम विशाखापट्टनम
रोहित तितियाल	आईआईएम विशाखापट्टनम
सुशील कुमार	आईआईएम विशाखापट्टनम
अंकित कुमार	आईआईएम विशाखापट्टनम
अबोली चौधरी	अतिथि शिक्षक
अर्नब अधिकारी	अतिथि शिक्षक

नाम	संबंधित संस्था
अशोक पी अरोड़ा	अतिथि शिक्षक
अशोक थमी	अतिथि शिक्षक
बी सुंदर, आईएफएस	अतिथि शिक्षक
जी एन राधाकृषणन	अतिथि शिक्षक
जी श्रीनिवासन	अतिथि शिक्षक
गरिमेला सुरेश	अतिथि शिक्षक
गोविंद भट्टाचरजी	अतिथि शिक्षक
एच कृष्णामूरथी	अतिथि शिक्षक
के किरण कुमार	अतिथि शिक्षक
कृष्णा मोहन	अतिथि शिक्षक
एल एन कृष्णन	अतिथि शिक्षक
लिऑनेल अरान्ह	अतिथि शिक्षक
मालविका आर हरिता	अतिथि शिक्षक
मनीष मिश्रा	अतिथि शिक्षक
मनोज राजन	अतिथि शिक्षक
पी डी जोस	अतिथि शिक्षक
पललअब साह	अतिथि शिक्षक
प्रसेनजीत चक्रबर्ती	अतिथि शिक्षक
प्रताप गिरी	अतिथि शिक्षक
पूरबा राव	अतिथि शिक्षक
राहुल दे	अतिथि शिक्षक
राजेश माधवन	अतिथि शिक्षक
रमानुजाम श्रीधर	अतिथि शिक्षक
एस उपेन्द्र राव	अतिथि शिक्षक
संदीप पूरी	अतिथि शिक्षक
संकर्षण बासु	अतिथि शिक्षक
शीतल जैन	अतिथि शिक्षक
सुब्रह्मण्यम गनति	अतिथि शिक्षक
सुब्रह्मण्यम यादावल्ली	अतिथि शिक्षक
सुजॉय रॉयचौधरी	अतिथि शिक्षक
सुनील चंद्रन	अतिथि शिक्षक
सूरी वल्लुरी	अतिथि शिक्षक
उत्कर्ष मजूमदार	अतिथि शिक्षक
वि एन सस्तरी	अतिथि शिक्षक
वि नागदेवरा	अतिथि शिक्षक

नाम	संबंधित संस्था
विजय कुमार मरीसेट्टी	अतिथि शिक्षक
विनोद कुमार	अतिथि शिक्षक

विवरण 8

2020-21 के दौरान आयोजित अतिथि व्याख्यानों की सूची

क्र. सं	नाम	संबंधित संस्था
1	कोमल शिल्पी सिंह	व्यवसायी
2	श्री राजीव लांबा	संस्थापक – सर्वेसेंसम और न्यूरोसेंसम
3	श्रीराम श्रीनिवासन	सलाहकार – रिलायंस रिटेल
4	सुभाबरता घोष	संस्थापक और सीईओ – सेल्सियस 100 कन्सल्टिंग
5	सतेन्द्र कुमार	nurserylive.in
6	विकास बंसल	cure.fit
7	राम सिंह	आईआईएफटी
8	दीपक वर्मा	अमेज़न
9	श्री प्रिया सी	व्यापारिक सलाहकार
10	सिद्धार्थ नागपाल	सीनियर एचआर प्रोफेशनल – न्यू डेवलपमेंट बैंक
11	संजय शुक्ला	डेटा साइंस लीडर
12	दीपक मालघान	संकाय, आईआईएम बैंगलोर
13	ऋषि खरे	अतिथि शिक्षक
14	शुभरा	अतिथि शिक्षक
16	कमलिका घोष	लॉकटन कंपनियों में विश्लेषक, प्रतिभा और संस्कृति
17	सचिन कुमार मंगला	संकाय, प्लायमाउथ बिजनेस स्कूल
18	गौरव बंसल	व्यापार में फ्रेडरिक ई. बेयर प्रोफेसर, ऑस्टिन ई. कॉफ्रिन स्कूल ऑफ बिजनेस
19	गोपाल नायक	संकाय, आईआईएम बैंगलोर
20	अमूल्या गुरुतु	संकाय, ऑस्टिन ई. कॉफ्रिन स्कूल ऑफ बिजनेस

विवरण 9

पुस्तकालय संग्रह हाइलाइट्स

प्रिंटेड संग्रह

31/3/2021 तक पुस्तकालय में कुल पुस्तकें	2142
सी–डी रोम	9
कार्य – पत्र	22
सरकारी प्रकाशन और रिपोर्ट	17
ई–पाठक	2

ई–संग्रह :

ज्ञान स्त्रोत का नाम	संख्या	विवरण
ई–किताबें	12000 +	प्रोक्वेस्ट ईबुक सेंट्रल
ई–पत्रिकाएं	4963 +	एल्सेवियर, सेज, टेलर और फ्रांसिस, विले आदि।
ऑनलाइन संदर्भ स्रोत	4	विले और पालग्रेव विश्वकोश
वित्त डेटाबेस (कंपनी वित्तीय, वार्षिक रिपोर्ट, बाजार डेटा, उद्योग और कंपनी विश्लेषण, आदि)	14	1. ऐस विश्लेषक, 2. कैपिटलिन, 3. सीएमआईई प्रूवेस आईक्यू, 4. सीएमआईई प्रूस डीएक्स 5. सीएमआईई आर्थिक आउटलुक 6. ईएमआईएस इंटेलिजेंस 7. एस एंड पी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस 8. ईपीडबल्यूआरएफ़ टाइम सीरीज़ 9. प्राइम इन्फोबेस 10. प्राइम म्यूचुअल फंड 11. वेंचर इंटेलिजेंस 12. इकोनो 13. मार्केटलाइन 14. पासपोर्ट यूरोमॉनिटर

ज्ञान स्त्रोत का नाम	संख्या	विवरण
अन्य डेटाबेस	13	1. ईबीएससीओ व्यापार स्रोत पूर्ण 2. जेएसटीओआर 3. प्रोक्वेस्ट एबीआई सूचना 4. क्रिसिल रिसर्च 5. Indiastat.com (भारत विशिष्ट सांख्यिकीय जानकारी) 6. डबल्यूएआरसी 7. पासपोर्ट यूरोमॉनिटर 8. इंडियास्टेट 9. जिला मेट्रिक्स 10. ईपीडबल्यूआरएफ़ इंडिया टाइम सीरीज़ 11. सीएमआईई उद्योग आउटलुक 12. सीएमआईई कैपेक्स 13. स्टेटिस्टा
अनुसंधान सहायता उपकरण	8	Grammarly.com, टर्निटिन, स्टाटा, एसपीएसएस, एनवीआईवीओ, एमएटीएलबी, मेथेमेटिका, मिनी टैब
ऑनलाइन समाचार पत्र / पत्रिकाएं	6	1. एफटी.कॉम, 2. द इकोनोमिस्ट 3. वॉल स्ट्रीट जर्नल 4. प्रेस रीडर 5. ईटी प्राइम 6. केन
प्रिन्ट किए हुए समाचार पत्र	9	बिजनेस लाइन, बिजनेस स्टैंडर्ड, इकोनॉमिक टाइम्स, डेक्कन क्रॉनिकल, द हिंदू, टाइम्स ऑफ इंडिया, द न्यू इंडियन एक्सप्रेस, साक्षी और ईनाडु
प्रिन्ट की हुई पत्र–पत्रिकाये	38	जिसमें एचबीआर, एमआईटी स्लोअन मैनेजमेंट रिव्यू, कैलिफोर्निया मैनेजमेंट रिव्यू, द इकोनॉमिस्ट, टाइम आदि शामिल हैं।

विवरण 10

दिव्यांग छात्रों का विवरण – पीजीपी 2020-22

कुल विद्यार्थी	4
विशिष्ट सीखने की अक्षमता वाले छात्र (डिस्लेक्सिया)	1
कम दृष्टि वाले विद्यार्थी	1
सीटीडबल्यूवी वाले छात्र (कॉन्जेनिटल टैलिप्स इक्विनोवरस)	1
शारीरिक अक्षमता वाले छात्र	1

विवरण 11

संकाय और कार्मिक

अवधि	नियमित संकाय	अतिथि शिक्षक	कुल
मार्च 2020 के अनुसार	20	24	44
अतिरिक्त जोड़े गए 2020-21 के अनुसार	11	39	50
2020-21 के दौरान हटाए गए	2	24	26
मार्च 2021 के अनुसार	29	39	68

अधिकारी

अवधि	संख्या(*)
मार्च 2020 के अनुसार	13
अतिरिक्त जोड़े गए 2020-21 के अनुसार	8
2020-21 के दौरान हटाए गए	10
2020-21 के दौरान हटाए गए	11

(*) = संविदात्मक और नियमित शर्तों सहित।

अन्य कर्मचारी

अवधि	संख्या (*)
मार्च 2020 के अनुसार	22
अतिरिक्त जोड़े गए 2020-21 के अनुसार	6
2020-21 के दौरान हटाए गए	2
मार्च 2021 के अनुसार	26

(*) = संविदात्मक और नियमित शर्तों सहित।

विवरण 12

अधिकारियों की सूची (*)

क्र. सं.	नाम	पद
1	बिस्वानाथ बेहेरा	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (अकादमिक कार्यक्रम)
2	रमेश कुमार सेथुरमन	वरिष्ठ अधीक्षक (अकादमिक कार्यक्रम)
3	आर सायीकृष्णा राजू	परियोजना प्रमुख
4	नवनाथ पवार	पुस्तकालय सहायक एवं सूचना अधिकारी

5	के वि अल एन मूर्ती	विशेष कार्य अधिकारी – निदेशक कार्यालय
6	कमल कीरथी	तकनीकी अधीक्षक (सिस्टम)
7	गुंडाला नंदिता	अधीक्षक (फाइनैन्स एवं अकाउंट)
8	वि भास्कर राम	चिकित्सा अधिकारी
9	सलादी कृष्णा कंठ	वरिष्ठ सहायक इंजीनियर
10	कलीम वि खान	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
11	सोमाशेखरा एम एन	सहायक प्रबंधक (सीडीएस और अलुमिनी संबंध)

(*) = शामिल होने की तिथि के अनुसार सूचीबद्ध। अनुबंध की शर्तों पर ओएसडी, चिकित्सा अधिकारी और सहायक प्रबंधक (सीडीएस) को छोड़कर सभी नियमित शर्तों पर।

अन्य कर्मचारियों की सूची

क्र. सं	नाम	पद
1	सुनील कुमार सिन्हा	कनिष्ठ अधीक्षक (अकादमिक)
2	एम एस सुब्रह्मण्यम	कनिष्ठ अधीक्षक (प्रशासन और स्टोर)
3	विश्वनाथ टी	अकाउंटेंट
4	दीपा मोहन	सलाहकार
5	इंदु पी	कनिष्ठ अधीक्षक
6	ए जयसिम्हा रेड्डी	कनिष्ठ अधीक्षक (एचआर व एडमिन)
7	देवोंश्री मुखर्जी	कनिष्ठ अधीक्षक (अकादमिक कार्यक्रम)
8	सी पी विट्ठल	सलाहकार (फाइनैन्स व अकाउंट)
9	काव्या गेडेला	अकादमिक सहयोगी
10	सुभाश्री नायक	अकादमिक सहयोगी
11	केसावा कुमार मदम	अकादमिक सहयोगी
12	मोतुरु वेनकाटा राजा सेखर	अकादमिक सहयोगी
13	टी सुनीथा	अकादमिक सहयोगी
14	जेटटी सिवा कुमार	अकादमिक सहयोगी
15	श्रीनिवास दिनाकर नेठी	अकादमिक सहयोगी
16	वी सिवा संकर	लाइब्रेरी इंटर्न
17	कुश डबराल	ऑफिस सहयोगी
18	शशि भूषण कौशिक	सलाहकार – प्रशासन
19	कोटा वरुणा देवी	जूनियर इंजीनियर – सिविल
20	बागडे दिलीप कुमार	अकादमिक सहयोगी
21	कृष्ण कुमार	परियोजना सहायक
22	जेरेमियाह सुनाध पोलिमेटला	अकादमिक और प्रशासनिक सहयोगी
23	हरिका मधुप्रिया पीठाला	परियोजना सहायक

क्र. सं	नाम	पद
24	आर राहुल	परियोजना सहायक
25	अनुराग बनर्जी	अकादमिक और प्रशासनिक सहयोगी
26	बी नायाशैली	परियोजना सहायक

(*) = शामिल होने की तिथि के अनुसार सूचीबद्ध। सभी संविदात्मक शर्तों पर केवल 1 से 7 को छोड़कर नियमित शर्तों पर ।

14. निदेशक की रिपोर्ट

A. खंड (a), उप–धारा (1), धारा 26:

संस्थान के मामलों की स्थिति:

अपने प्रतिष्ठित बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के मार्गदर्शन में, संस्थान ने तेजी से प्रगति करना जारी रखा है। संस्थान को बोर्ड की उप–समितियों और बोर्ड द्वारा गठित समितियों द्वारा प्रदान की गई नीति– और निर्णय–समर्थन सलाह से भी लाभ हुआ है।

कोरोनावायरस [कोविड–19] महामारी के मद्देनजर, अध्यक्ष (बीओजी) के नेतृत्व में बोर्ड ने अप्रैल 2020 में ही रणनीति बनाई:

(a) शिक्षण–अधिगम प्रक्रियाओं के लिए नए दृष्टिकोण।

(b) दूरस्थ शिक्षा और शिक्षण के डिजिटलीकृत तरीके को अपनाना और मजबूत करना

(c) संस्थान के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रभाव।

(d) कोविड–उपयुक्त व्यवहार को लागू करना जैसे बार–बार हाथ की सफाई करना, मास्क पहनना, शारीरिक दूरी बनाए रखना; कोविड–19 के प्रसार को रोकने के लिए छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों को सख्त अनुपालन के लिए एसओपी जारी किए गए थे।

(e) उद्यमिता विकास (समाज में और साथ ही संस्थान के छात्रों दोनों में) पर अधिक ध्यान केंद्रित करके छात्रों के लिए रोजगार के अवसरों को कम करने और उद्यमिता की भावना और संस्कृति को मजबूती प्रदान करने के संबंध में क्षितिज पर कठिन समय का सामना करना।

(f) कोविड–19 के बाद विकसित होने वाले नए व्यवसाय मॉडल पर नए ज्ञान और शिक्षा का विकास करना।

(g) विदेशों में प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूलों के साथ सहयोग को बढ़ावा देना और महत्वपूर्ण मूल्य वर्धित के रूप में ऑनलाइन मोड में अतिथि व्याख्यान देने के लिए जाने–माने फैकल्टी की सहायता प्राप्त करना।

संस्थान ने पर्याप्त निवेश के साथ अपने डिजिटल बुनियादी ढांचे को तेजी से आगे बढ़ाया और कक्षा–वितरण और ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने का आभासी तरीका शुरू किया। प्रमाणित शिक्षण प्रबंधन प्रणाली ने संस्थान को एक साथ कई कार्यक्रमों और अनुभागों के कई पाठ्यक्रम संचालित करने में मदद की; साथ ही अध्यापन के कई तरीके [प्रश्नोत्तरी, समूह–आधारित परियोजना, ऑनलाइन (प्रॉक्टर्ड) परीक्षा आदि] में मदद की है।

यह पूरी तरह से ऑनलाइन सामग्री वितरित करने, कक्षा को सक्रिय रूप से संलग्न करने (भौतिक उपस्थिति वाली कक्षा के रूप में) को संबोधित करने और यह सुनिश्चित करने के लिए खुद को अच्छी तरह से अनुकूलित करता है कि सीखने के उद्देश्यों को परिकल्पित किया गया है। संस्थान ने सुश्री मालविका हरिता, आईआईएम बैंगलोर की प्रतिष्ठित पूर्व छात्र और सदस्य (बीओजी) के अनुभव को देश के प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूलों के साथ उनके शिक्षण कार्यों के मद्देनजर आभासी मोड में शिक्षण के संबंध में भी तैयार किया था।

ऑनलाइन छात्र– भागीदारी में एकल–समूह और उप–समूहों में ऑनलाइन वेबिनार आयोजित करने के रूप में चर्चा शामिल थी; पाठ्यक्रम और केस स्टडी का ऑनलाइन साझाकरण; यह सुनिश्चित करना कि ऑनलाइन सत्र सहभागी, प्रभावशाली और व्यावहारिक सीखने के लिए व्यावसायिक उद्यमों, सरकार और समाज के वास्तविक जीवन के कामकाज के संपर्क में प्रकृति में परस्पर संवादात्मक, सहयोगी और अनुभवात्मक हों; मात्रात्मक तकनीकों, लेखांकन के सिद्धांतों, अर्थशास्त्र, संचार कौशल आदि में प्रारंभिक (आधारभूत पाठ्यक्रम) आयोजित करना; केस–स्टडी जैसे वीडियो साझा करना; ऑनलाइन शिक्षण संसाधनों (जैसे एमओओसी) तक पहुंच प्रदान करना और प्रबंधन सीखने में सुझाई गई प्रथाओं पर उन्मुखीकरण आयोजित करना शामिल थें।

देश भर से आने वाले छात्रों के साथ, कुछ छात्रों के संबंधित अधिवासों में इंटरनेट सुविधाओं की उपलब्धता एक समस्या थी। एक समावेशी, न्यायसंगत और सामाजिक रूप से जिम्मेदार तरीके से अवसर प्रदान करने के लिए जनादेश के साथ एक सार्वजनिक संस्थान के रूप में, संस्थान ने कम इंटरनेट की पहुंच और बैंडविड्थ की उपलब्धता, पहुंच और पर्याप्तता की सहवर्ती चुनौतियों की कनेक्टिविटी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना किया, जो कि भारी ऑडियो–वीडियो सामग्री के साथ दूरस्थ शिक्षा की आवश्यकता थी, छात्रों को उनकी इंटरनेट सुविधाओं को अपग्रेड करने, सेवा प्रदाताओं को स्विच करने, अपने मोबाइल और कंप्यूटिंग उपकरणों को अपग्रेड करने, ई–कोर्सवेयर की सुविधा का लाभ उठाने और आवश्यकतानुसार उनकी हार्डकॉपी लेने के लिए सुंदर सबवेंशन प्रदान किया।

हालांकि ऑनलाइन शिक्षण व्यक्तिगत रूप से शिक्षण के बराबर नहीं हो सकता है, बेहतर तैयारी के माध्यम से संबंधित संकाय सदस्यों द्वारा अनुभव को रोचक और प्रभावी बनाया गया था; नवाचार लाए गए; गहन जुड़ाव और बातचीत; सक्रिय रूप से छात्र भागीदारी को बढ़ावा दिया गया; वीडियो स्ट्रीमिंग की तरह केस–स्टडी; वेबिनार और सिमुलेशन आयोजित किए गए; छात्रों को उनके ज्ञान और कौशल को चुनौती देने वाले लघु–परियोजनाएं दिए गए; और नियमित रूप से छात्र ध्यान की निगरानी की गई।

जब भी फैकल्टी सदस्य घर से व्याख्यान देते थे, तो यह सुनिश्चित किया जाता था कि उनके पास अच्छी इंटरनेट बैंडविड्थ हो और फॉल–बैक और असफल–सुरक्षित संचालन के लिए एक बैक–अप सुविधा भी हो।

शैक्षणिक और अनुसंधान

संस्थान ने अपनी गतिविधि प्रोफ़ाइल, पैमाने और दायरे में काफी विस्तार किया है। निम्नलिखित प्राप्त प्रगति के उदाहरण है:

A. एमबीए (2020-22) और पीएचडी 2020 बैच

15/7/2020 को एमबीए (153 छात्र) और पीएचडी (6 छात्र) के नए बैचों का उद्घाटन (वर्चुअल रूप से) किया गया। श्री पी विद्यासागर, सीएमए, सीए, सीपीए (यूएसए), प्रबंध निदेशक, क्रेडिट पोर्टफोलियो प्रबंधन, कॉमनवेल्थ बैंक, ऑस्ट्रेलिया ने उद्घाटन भाषण दिया।

उम्मीदवार प्रोफाइल – एमबीए:

पीजीपी–1 (पिछले वर्ष 123) में नामांकित 153 छात्रों में से 32% लड़कियां (पिछले वर्ष 36%) हैं। यह दल भारत के 22 राज्यों (पिछले वर्ष 19) (कुल 28 में से) का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें उत्तर–पूर्वी क्षेत्र के 4 राज्य शामिल हैं। लगभग 48% छात्र 4 राज्यों अर्थात आंध्र प्रदेश (15%); महाराष्ट्र (14%); उत्तर प्रदेश (12%); और मध्य प्रदेश (7%) से आते हैं। दिल्ली, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना का प्रतिनिधित्व लगभग 6% है।

पिछले बैच की तरह, अधिकांश उम्मीदवार (153 में से 65) इंजीनियर हैं। 153 में से 59 विज्ञान स्नातक हैं। 7 छात्रों ने पहले ही मास्टर डिग्री पूरी कर ली है। एक छात्र के पास सीएस योग्यता है, और 10 छात्र आईआईटी/एनआईटी से हैं।

कार्य अनुभव के संबंध में, इस वर्ष का बैच थोड़ा अधिक अनुभवी है। 40% उम्मीदवार फ्रेशर हैं (पिछले वर्ष 50%)। बैच का औसत कार्य अनुभव 25 महीने (पिछले साल 21.5 महीने) है। 21 छात्रों (पिछले वर्ष 14) के पास 3 वर्ष तक का कार्य अनुभव है; और 21 छात्रों (पिछले वर्ष 6) के पास 3 वर्ष से अधिक का कार्य अनुभव है।

उद्योग में, आईटी पृष्ठभूमि 153 में से 41 (पिछले वर्ष 123 में से 40) हावी है। छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों जैसे टेक स्टार्ट–अप, मार्केट रिसर्च, डेटा एनालिटिक्स, कंसल्टेंसी, मीडिया आदि में काम किया है। यह परिकल्पना की गई है कि वे कक्षा में दिलचस्प/विविध दृष्टिकोण लाएंगे।

लिंक्डइन के पोस्ट से यह जानकर ख़ुशी हुई की कई अन्य आईआईएम (दूसरी पीढ़ी के सहित) से प्रवेश के प्रस्ताव होने के बावजूद, बहुत से छात्र आईआईएम विशाखापत्तनम में शामिल हुए।

उम्मीदवार प्रोफाइल – पीएचडी:

इस वर्ष 124 आवेदन प्राप्त हुए (पिछले वर्ष 42)। आवेदन वित्त और लेखा में 27 थे (पिछले वर्ष 23); उत्पादन और संचालन प्रबंधन में 35 (पिछले वर्ष 19); मार्केटिंग में 27 (इस साल से ही शुरू); और निर्णय विज्ञान में 35 (इस वर्ष से ही शुरू)। उम्मीदवारों को पूर्व–निर्धारित एल्गोरिथम में सख्त पूर्व–साक्षात्कार स्क्रीनिंग के अधीन किया गया था। कुल 70 छात्रों ने साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त की (पिछले वर्ष 14): एफ और ए में 17 (पिछले वर्ष 6); पीओएम में 19 (पिछले साल 8); एमकेटीजी में 15; और 19 डीएस में। 70 उम्मीदवारों में से 67 ने ऑनलाइन साक्षात्कार में भाग लिया। अंतिम कुल स्कोर में, जिसमें उनके प्रोफाइल के साथ–साथ साक्षात्कार के स्कोर भी शामिल थे, 25 उम्मीदवारों ने प्रवेश के लिए अर्हता प्राप्त की।ऑफर मेरिट के क्रम में जारी किए गए थे। अंत में, 2020 के पीएचडी बैच (पिछले वर्ष 3) में 6 छात्र हैं। 6 छात्रों में से 2 छात्र एफ और ए (पिछले वर्ष 1) में हैं; पीओएम में 2 छात्र (पिछले साल भी 2); और डीएस और एमकेटीजी में प्रत्येक में 1 शामिल हुएं।

B. एमबीए (अनुभवी पेशेवरों के लिए)

इस वर्ष (पिछले वर्ष 54) 62 आवेदन प्राप्त हुए थे। प्रारंभिक जांच में 53 उम्मीदवारों को योग्य पाया गया।ऑनलाइन प्रॉक्टेड आईआईएमवी टेस्ट 12/7/2020 को आयोजित किया गया था। 120 मिनट की परीक्षा तीन वर्गों (तार्किक तर्क, मात्रात्मक क्षमता और अंग्रेजी दक्षता) के साथ बहुविकल्पीय प्रकार की थी। 49 उम्मीदवार ऑनलाइन आईआईएमवी परीक्षा (पिछले वर्ष 37) के लिए उपस्थित हुए थे।

व्यक्तिगत साक्षात्कार भी इस वर्ष 18-19 जुलाई, 2020 को ऑनलाइन आयोजित किए गए थे। साक्षात्कार में 51 उम्मीदवार उपस्थित हुए (पिछले वर्ष 43)। इसमें वे लोग

शामिल हैं जिन्होंने अन्य योग्यता परीक्षाओं को पास किया है।

प्रवेश परीक्षा में प्रदर्शन, कार्य अनुभव की प्रकृति और सीमा, एसओपी, व्यक्तिगत साक्षात्कार के साथ–साथ पिछले शैक्षणिक प्रदर्शन के समग्र स्कोर के आधार पर मेरिट सूची तैयार की गई थी। 32 छात्रों (पिछले वर्ष 27) को प्रारंभिक प्रस्ताव दिए गए थे।

प्रवेश की पेशकश करने वालों में से, 2 उम्मीदवार केंद्र सरकार से हैं। (पिछले वर्ष 3), 22 निजी क्षेत्र से (पिछले वर्ष 16), 7 सार्वजनिक क्षेत्र से (पिछले वर्ष 8), और 1 राज्य सरकार से हैं। 13 उम्मीदवार 30 वर्ष से कम आयु के हैं (पिछले वर्ष के समान); 13 उम्मीदवारों की आयु 40 वर्ष से कम है (पिछले वर्ष 8); और 6 उम्मीदवार 50 वर्ष से कम आयु के हैं (पिछले वर्ष के समान)। महिला उम्मीदवारों (पिछले वर्ष 8) को 7 प्रस्ताव दिए गए हैं।

इस साल 32 दाखिले में से 6 उम्मीदवारों के पास पहले से ही मास्टर डिग्री है। प्रस्तावित उम्मीदवार में से ज्यादातर इंजीनियर हैं जिनमें एक उम्मीदवार के पास बीबीए की डिग्री और एक के पास एलएलबी की डिग्री है। उम्मीदवारों का औसत कार्य अनुभव 9.6 वर्ष का है जिसमें उच्चतम अनुभव 25.8 वर्ष और न्यूनतम 3.4 वर्ष है।

पंजीकरण और ओरिएंटेशन 05/9/2020 को निर्धारित किया गया था। कक्षाएं 06/9/2020 से प्रारंभ हुई।

C. डिजिटल शासन और प्रबंधन में एमबीए

भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के तत्वावधान में और प्रायोजित, मिश्रित शिक्षण मोड में डिजिटल शासन और प्रबंधन में एक विशेष एमबीए प्रोग्राम, महामारी और इसके परिणामस्वरूप हुए लॉकडाउन के कारण मिश्रित–शिक्षण मोड से एक बदलाव के रूप में, देश में यह पहला प्रयास ऑनलाइन मोड में सफलतापूर्वक जारी रहा। महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, डिजिटल प्लेटफॉर्म की शक्ति का लाभ उठाते हुए, अच्छी शिक्षा दी जा सकती है।

कार्यक्रम अवधारणा से लेकर कमीशनिंग तक, डिजिटलीकरण परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन में पेशेवरों और चिकित्सकों में प्रबंधकीय क्षमताओं का निर्माण करने की आवश्यकता को पूरा करता है।

पाठ्यक्रम डिजिटल प्रौद्योगिकियों के तकनीकी और प्रबंधकीय दोनों पहलुओं को समायोजित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। वे प्रबंधन, डिजिटल शासन और नवीनतम तकनीकों, उपकरणों और तकनीकों के संपर्क के सभी कार्यात्मक क्षेत्रों को कवर करते हैं जैसे: एआई, एमएल, ब्लॉकचेन, सोशल मीडिया, एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, मोबाइल कंप्यूटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स; साइबर सुरक्षा।

अनुभव के साथ इन–क्लास लर्निंग को पूरक करने के लिए, संस्थान डिजीटल गवर्नेंस के क्षेत्र में प्रतिष्ठित व्याख्यान आयोजित कर रहा है। निम्नलिखित प्रमुख व्यक्तियों ने दिए गए कालानुक्रमिक क्रम में आज की तारीख में वार्ता दी है:

- श्री जे सत्यनारायण, आईएएस (आर), पूर्व सचिव, एमईआईटीवाई – डिजिटल परिवर्तन – चुनौतियां और अवसर (31/10/2020)
- सुश्री राधा चौहान, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार – विघटनकारी ई–गवर्नेंस प्लेटफॉर्म (06/02/2021)

कार्यक्रम के दूसरे बैच के लिए प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में, सचिव (एमईआईटीवाई), भारत सरकार ने भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों के सचिवों के साथ–साथ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को कार्यक्रम में भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए दिनांक 18/6/2020 को एक पत्र से संबोधित किया।

अपने उद्धृत पत्र में, उन्होंने बताया: ''कार्यक्रम अपने दूसरे सफल वर्ष में है। पहले बैच के प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया, जिसमें केंद्रीय मंत्रालयों और राज्यों के कई अधिकारी शामिल हैं, कार्यक्रम के उद्देश्यों को पूरा करने के बारे में अत्यधिक उत्साहजनक रहा है।''

राष्ट्रपति और सीईओ ने 17/7/2020 को कार्यक्रम के बारे में एक वेबिनार को संबोधित किया, जिसमें कार्यक्रम के सकारात्मक पहलुओं पर प्रकाश डाला गया और यह देश में डिजिटलीकरण पहल को मजबूत करने के लिए क्षमताओं का निर्माण कैसे करेगा। वेबिनार में कार्यक्रम के वर्तमान और भावी छात्रों ने अच्छी तरह से भाग लिया।

अपने पत्र दिनांक 22/7/2020 में, अध्यक्ष और सीईओ ने अवगत कराया:

"मुझे इस कार्यक्रम की अवधारणा और कार्यान्वयन के लिए आईआईएम विशाखापत्तनम की सराहना करनी चाहिए जो ई–गवर्नेंस में कौशल के साथ सरकारी संसाधनों की उपलब्धता में अंतराल को भरने में एक लंबा सफर तय करेगा।

मैंने पहले बैच की भी समीक्षा की थी और कार्यक्रम के पहले बैच के प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक रही है।

D. एनएसटीएल, डीआरडीओ का प्रमाणपत्र कार्यक्रम

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम, रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ), भारत सरकार के तहत एक प्रयोगशाला है, प्रयोगशाला ने अनुसंधान एवं विकास प्रबंधन पर अपने वैज्ञानिकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए संस्थान से संपर्क किया। तदनुसार, डीआरडीओ के प्रशिक्षण संगठन मसूरी में प्रयोगशाला और प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आईटीएम) के परामर्श से एक प्रमाणपत्र कार्यक्रम तैयार किया गया।

इस कार्यक्रम ने उच्च–प्रदर्शन, क्रॉस–फ़ंक्शनल टीमों के महत्व को रेखांकित किया जो सोच को डिजाइन करने और चुस्त कार्यप्रणाली का उपयोग करने के लिए उन्मुख हैं जो कि दिन का क्रम है। इस प्रकार, इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि कार्यक्रम में प्रदान किए गए ऐसे ज्ञान और कौशल को आत्मसात करके डीआरडीओ के वैज्ञानिक लाभान्वित हों।

आर एंड डी प्रबंधन में 3 महीने के पाठ्यक्रम में सिस्टम के डिजाइन, प्रौद्योगिकियों के विकास, प्रोटोटाइप और उत्पादों के उत्पादन के लिए अग्रणी आर एंड डी पर्यावरण के प्रबंधन में प्रतिभागियों की क्षमता बढ़ाने की परिकल्पना की गई है। यह आर एंड डी कार्यक्रमों की योजना बनाने, उपयोग के लिए प्रौद्योगिकियों को विकसित करने और लागू करने, और आर एंड डी सिस्टम में मानव और अन्य संगठनात्मक संसाधनों के प्रबंधन में प्रतिभागियों के ज्ञान और कौशल पर आधारित है।

कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को निम्नलिखित में अपनी क्षमता बढ़ाने में सक्षम बनाना है: (a) अनुसंधान एवं विकास रणनीतियों और कार्यक्रमों को तैयार करना और कार्यान्वित करना; (b) अनुसंधान एवं विकास, प्रौद्योगिकी विकास, मूल्यांकन, परिनियोजन, और व्यावसायीकरण/मूल्यांकन पर नए दृष्टिकोण लागू करना; और (c) आर एंड डी सिस्टम में मानव और अन्य संगठनात्मक संसाधनों के प्रबंधन में अर्जित कौशल और ज्ञान को लागू करना।

कार्यक्रम की मुख्य विशेषता यह थी कि इसमें प्रत्येक में 20 प्रतिभागियों के 3 बैच थे। 10 मॉड्यूल (पाठ्यक्रम) थे जैसे (a) आर एंड डी प्रबंधन की अवधारणाएं और सिद्धांत; (b) परियोजना प्रबंधन; (c) परियोजना लागत; (d) आर एंड डी पर्यावरण में ओबी और एचआर; (e) आर एंड डी प्रक्रिया; (f) अनुसंधान एवं विकास सहायता कार्य; (g) प्रौद्योगिकी प्रबंधन, व्यावसायीकरण और उपयोग; (h) एक आर एंड डी पर्यावरण में रचनात्मकता और नवाचार का पोषण; (i) जोखिम प्रबंधन; और (j) कैपस्टोन परियोजना। कुल 70 कक्षा सत्र (105 संपर्क घंटे) और 30 घंटे की कैपस्टोन परियोजना थी। कार्यक्रम अगस्त 2020 में शुरू हुआ और दिसंबर 2020 में समाप्त हुआ।

E. कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

संस्थान ने ईईपी के मोर्चे पर 2020-21 में अच्छा प्रदर्शन किया, जो सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा प्रबंधन विकास कार्यक्रमों (एमडीपी) और संकाय विकास कार्यक्रमों (एफडीपी) के लिए लगातार मांग के बाद स्रोत के रूप में उभर रहा है।

इनमें खुले (घोषित) कार्यक्रम के साथ–साथ इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इसाई फार्मास्युटिकल्स इंडिया (पी) लिमिटेड जैसे विशिष्ट ग्राहकों के लिए अनुकूलित और वितरित कार्यक्रम शामिल थे। ये क्षमता–निर्माण कार्य परिसर के साथ–साथ ऑनलाइन भी थे।

राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी) घटक के तहत कई एफडीपी आयोजित किए गए थे। प्रतिभागी–समूहों में देश भर के इंजीनियरिंग कॉलेजों (टीईक्यूआईपी परियोजना संस्थानों) के संकाय और अकादमिक प्रशासक शामिल थे।

प्रमाणपत्र कार्यक्रम नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन, भारत सरकार के लिए आयोजित किए गए थे।

आयोजित कार्यक्रमों का सारांश इस प्रकार है:

क्षमता निर्माण कार्यक्रम	छात्र (प्रतिभागी)	प्रतिभागी–घंटे
शिक्षण (गैर–डिग्री प्रदान करने वाले कार्यक्रम: उदाहरण के लिए, प्रमाणपत्र कार्यक्रम)	60	6210
एमडीपी और एफडीपी	559	10040
कुल	619	16250

F. आंतरिक राजस्व सृजन

शैक्षणिक गतिविधियों से आंतरिक राजस्व सृजन (आईआरजी) की प्रगति और स्थिति निम्नानुसार रही है:

₹ लाख में

आंतरिक संसाधन सृजन (आईआरजी)		
कार्यक्रम	2020-21 (वास्तविक)	2019-20 (वास्तविक)
पीजीपी (फ्लैगशिप प्रोग्राम)	1502.61	1343.83
अनुभवी पेशेवरों के लिए पीजीपी (इवनिंग एमबीए)	245.83	181.29
पीजीपी डीजीएम (एमईआईटीवाई, भारत सरकार के तत्वावधान में)	158.46	64.35
एमडीपी, एफडीपी और कंसल्टेंसी	198.41	84.86
अन्य (अर्थात आवेदन / पंजीकरण शुल्क संस्थान के आयोजनों आदि के लिए)	57.15	17.21
कुल	2162.46	1691.54

G. उद्यमिता विकास – प्रौद्योगिकी इनक्यूबेटर

संस्थान के उद्देश्यों में से एक, जैसा कि आईआईएम अधिनियम, 2017 में निहित है, "उन नेताओं को शिक्षित और समर्थन करना है जो निजी, सार्वजनिक और सामाजिक क्षेत्रों में मौजूदा और उभरते उद्यमों के पेशेवर प्रबंधकों, उद्यमियों और प्रबंधकों के रूप में योगदान कर सकते हैं"।

इस उद्देश्य की प्राप्ति को बढ़ाने की दृष्टि से, संस्थान ने आईआईएमवी फाउंडेशन फॉर इनक्यूबेशन, एंटरप्रेन्योरियल लर्निंग एंड डेवलपमेंट (आईआईएमवी–फील्ड) की स्थापना की, जो एक सेक्शन –8 कंपनी के रूप में 17/7/2020 को अस्तित्व में आया।

कंपनी द्वारा अनुरोध के अनुसार, आईआईएमवी की वित्त, निवेश और लेखा परीक्षा समिति (एफआईएसी) द्वारा अनुशंसित, और बोर्ड द्वारा 06/11/2020 को अपनी बैठक में अनुमोदित, वर्ष 2020-21 के लिए बजटीय सहायता के लिए 32.0 लाख रुपये का सबवेंशन पांच साल की मोहलत के साथ ब्याज मुक्त ऋण के रूप में प्रदान किया गया था और उसके बाद हर साल 31 मार्च तक पांच समान वार्षिक किस्तों में चुकाया जा सकता था।

इसके बाद से, कंपनी अपनी गतिविधियों में अच्छी प्रगति कर रही है। महिला स्टार्ट–अप कार्यक्रमों के संस्करण 1 और 2 में (आईआईएम बैंगलोर के तत्वावधान में और उसके सहयोग से आयोजित), आईआईएम विशाखापत्तनम (और अब आईआईएमवी–फील्ड) ने कुल 45 उद्यमियों को इनक्यूबेशन सुविधाएं और सलाह, ज्ञान हस्तांतरण, मास्टर कक्षाएं, संरचित इंटरैक्टिव सत्र, नेटवर्किंग और हैंड–होल्डिंग समर्थन प्रदान किया। इनमें से 34 उद्यमी अपने उद्यम में सफल हुए हैं और लगभग 260 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया है और लगभग 145 कर्मियों को रोजगार प्रदान किया है।

उदाहरण के लिए, डबल्यूएसपी के 2020-21 संस्करण में, आईआईएम बैंगलोर में आवेदन करने वाले 890 आवेदकों में से आईआईएम विशाखापत्तनम को इनक्यूबेशन–बेस (अखिल–भारत: 10000) के रूप में चुना गया था। 36 लॉन्चपैड के चरण में पहुंचे (अखिल भारतीय: 345) और 20 को अंततः इनक्यूबेशन (अखिल भारतीय: 210) के लिए चुना गया। इसने कंपनी के उद्यमिता–विकास पदचिह्न का विस्तार किया।

एमईआईटीवाई–भारत सरकार के टेक्नोलॉजी इनक्यूबेशन एंड डेवलपमेंट ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप (टीआईडीई 2.0) केंद्र के रूप में, कंपनी ने तीन उद्यमियों को लगभग 2.66 लाख रुपये के अनुदान के साथ EiR (एंटरप्रेन्योर–इन–रेसिडेंस) सहायता प्रदान की। इसी तरह, दो उद्यमियों को 7.0 लाख रुपये की राशि के लिए प्रोटो–टाइप अनुदान सहायता प्रदान की गई थी। दो स्टार्ट–अप को वित्तीय सहायता को छोड़कर अन्य सभी सुविधाएं प्रदान की गईं। इसके अलावा, आईआईएमवी–एफ़आईईएलडी ने उद्यमिता और उद्यम प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर मास्टर कक्षाओं और कार्यशालाओं के माध्यम से 1000 से अधिक उद्यमियों को प्रशिक्षित किया था।

इस प्रकार, संस्थान धीरे–धीरे, लगातार और सफलतापूर्वक उद्यमिता विकास में अपने पदचिह्न का विस्तार कर रहा है और अपने लिए एक पहचान बना रहा है। कंपनी के निगमन के बाद, सभी उद्धृत गतिविधियों को अब आईआईएमवी–फील्ड के माध्यम से प्रसारित किया जा रहा है।

सदस्यों (बीओजी, आईआईएमवी) – सुश्री मालविका हरिता, सुश्री अमीता चटर्जी और श्री प्रसाद दहापुते (अध्यक्ष, आईआईएमवी–फील्ड) द्वारा योगदान के बल पर कंपनी की गतिविधियां अच्छी पकड़ प्राप्त कर रही हैं। जो समय–समय पर उद्यमियों के लिए कार्यशालाएं और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करते रहे हैं। सदस्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कंपनी के पदों का समर्थन भी कर रहे हैं, जिससे उन्हें विश्वसनीयता, दृश्यता और लोकप्रियता मिली है। उनके रचनात्मक हस्तक्षेपों ने कंपनी

की पहुंच और उसकी छवि और पहचान के निर्माण में योगदान दिया है।

कंपनी के फैकल्टी उद्यमियों के लिए कई मुफ्त मास्टर कक्षाएं संचालित कर रहे हैं और उन्हें देश के किसी भी इच्छुक व्यक्ति के लिए इसमें भाग लेने और इसका लाभ उठाने के लिए खुला बना रहे हैं।

इस प्रकार, आईआईईएमवी–फील्ड, अपनी स्थापना के पहले वर्ष में, नवाचार और उद्यमिता विकास की दिशा में प्रतिबद्ध प्रयास के साथ काम कर रहा है, ताकि इनक्यूबेटेड उद्यमों की स्थिरता सुनिश्चित हो सके। यह बदले में आईआईईएमवी (अभिभावक) को आईआईएम अधिनियम के तहत निहित उद्देश्यों की पूर्ति के साथ–साथ शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पहचाने गए बड़े राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के संबंध में प्रबंधन संस्थानों की लीग में खड़े होने में मदद करता है।

H. आईआईएम बैंगलोर के साथ समझौता ज्ञापन

संस्थान में डॉक्टरेट कार्यक्रमों के सुदृढ़ीकरण में विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए आईआईएम बैंगलोर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापन के तहत, संस्थान अपने डॉक्टरेट छात्रों को दूसरे वर्ष में अपने पाठ्यक्रम के एक या दो कार्यकाल के लिए आईआईएम बैंगलोर भेजेगा, ताकि बाद वाले द्वारा पेश किए जाने वाले डॉक्टरेट स्तर के पाठ्यक्रमों की बड़ी संख्या के साथ–साथ इसके शोध परिवेश से लाभ उठाया जा सके।

I. आंध्र विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन

आंध्र विश्वविद्यालय के अनुरोध के जवाब में, संस्थान ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसके दायरे में, संस्थान द्वारा शुरू किए गए एक एकीकृत बीबीए–एमबीए कार्यक्रम की गुणवत्ता को बढ़ाने की दृष्टि से शैक्षणिक सहायता और क्षमता निर्माण के माध्यम से योगदान देगा। राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (आरयूएसए 2.0) के तहत विश्वविद्यालय (नई) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में। विश्वविद्यालय द्वारा अपने नव स्थापित आंध्र यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस (एयूएसआईबी) के तहत कार्यक्रम की पेशकश की जा रही थी, जिसमें विदेशों से छात्रों को प्रवेश देने पर मुख्य ध्यान दिया गया था। एयू द्वारा यह परिकल्पना की गई है कि कार्यक्रम में कौशल–आधारित पाठ्यक्रम डिजाइन होगा जो रोजगारपरकता पर केंद्रित होगा; व्यावहारिक प्रशिक्षण और केस स्टडी के माध्यम से सीखने की पेशकश; क्रॉस–सांस्कृतिक आदान–प्रदान के लिए अवसर प्रदान करेगा; और प्रख्यात संकाय द्वारा ऑनलाइन व्याख्यान की सुविधा प्रदान किया जायेगा।

छात्र प्लेसमेंट

i. समर प्लेसमेंट (2020-22 बैच)

(a) संस्थान ने 2020-2022 के एमबीए (फ्लैगशिप प्रोग्राम) बैच के लिए 100% ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट पूरा किया। छात्रों ने उद्योग में विशिष्ट भूमिकाएँ हासिल कीं, और कुछ तो वृत्तिकाओं और अर्जित भूमिकाओं के संबंध में नए रिकॉर्ड बनाने के लिए आगे बढ़े हैं।

(b) 2.0 लाख रुपये के उच्चतम वजीफे के साथ, 1.17 लाख रुपये के शीर्ष चतुर्थांश के लिए वजीफा और 1.46 लाख रुपये के शीर्ष 10 प्रतिशत के साथ, संस्थान ने पिछले वर्ष की तुलना में 62,264 रुपये पर औसत वजीफे में 20.4% की वृद्धि देखी।

ii. अंतिम प्लेसमेंट

अंतिम प्लेसमेंट का रिकॉर्ड निम्नानुसार था:

शैक्षणिक वर्ष	2020-21	2019-20
छात्रों की संख्या	123	100
भाग लेने वालों की संख्या	102	75
नए भर्तीकर्ताओं की संख्या	73	40
उच्चतम सीटीसी	20.82	27
शीर्ष 10% का औसत सीटीसी	18.86	22
शीर्ष चतुर्थक का औसत सीटीसी	17.23	18.67
शीर्ष आधे का औसत सीटीसी	15.71	15.73
औसत सीटीसी – कुल मिलाकर	12.62	13.08
मेडियन सीटीसी	12	12
अनुभवी के कार्य का प्रतिशत	50%	71%

जैसा कि देखा जा सकता है, भर्ती एक हद तक महामारी से प्रभावित हुई थी, जिससे आईआईएम में प्लेसमेंट पर दबाव बना हुआ है।

विजनिंग एक्सरसाइज

बोर्ड की सलाह के अनुसार, संस्थान ने जनवरी 2020 में दो बीओजी सदस्यों – सुश्री मालविका हरिता और श्री राजीव कपूर के मार्गदर्शन का लाभ उठाते हुए एक विजनिंग एक्सरसाइज शुरू की। उन्होंने अध्यक्ष (एफडीईसी) प्रोफेसर नागदेवरा [आईआईएम बैंगलोर के सेवानिवृत्त प्रोफेसर और डीन] के साथ 24-25 जनवरी 2020 को आयोजित संकाय के साथ एक कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला ने संकाय को प्रतिष्ठा और विशिष्टता की इकाई के रूप में संस्थान की दीर्घकालिक स्थिरता और सफलता के लिए दृष्टि, मिशन और मूल्य विवरण तैयार करने के महत्व और प्रक्रिया को समझने और सराहना करने में मदद की।

कार्यशाला की गतिविधियाँ "गोल्डन सर्कल" के निर्माण पर केंद्रित थीं, जैसा कि सुश्री मालविका हरिता द्वारा प्रस्तुत की गई थी। गोल्डन सर्कल में तीन अवधारणाएँ शामिल थीं, जैसे, संस्था के अस्तित्व के बारे में क्यों, कैसे और क्या।

प्रतिभागियों ने संस्थान की ताकत (एस), कमजोरियों (डब्ल्यू), अवसरों (ओ) और खतरों (टी) पर विस्तार से चर्चा की। एसडब्ल्यूओटी विश्लेषण के आधार पर, कीवर्ड की पहचान की गई जो संस्थान के लिए 'क्यों' और 'कैसे' के संभावित घटकों के रूप में सभी प्रतिभागियों और हितधारकों के साथ सबसे अधिक प्रतिध्वनित होते हैं। अंत में, प्रतिभागियों ने तीन आउटपुट के बारे में बताने का मंथन किया: 1) डब्ल्यूएचवाई स्टेटमेंट के लिए छह कीवर्ड 2) एचओडब्ल्यू स्टेटमेंट के लिए छह कीवर्ड, और 3) डब्ल्यूएचवाई स्टेट को प्राप्त करने के लिए टेंटेटिव प्लान ऑफ एक्शन और टाइमलाइन।

कार्यशाला का समापन एक संचालन समिति (संकाय सदस्यों का एक समूह) के गठन के साथ हुआ, जो कार्यशाला के दौरान किए गए विचार–विमर्श का विश्लेषण करने और विज़न स्टेटमेंट पर पहुंचने के लिए आउटपुट को सारांशित करने के लिए जिम्मेदार है।

बैठकों की एक श्रृंखला में, संचालन समिति ने उक्त अभ्यास को अंजाम दिया और उसके आधार पर, अस्थायी डब्ल्यूएचवाई कथनों का एक सेट तैयार किया गया। साथ ही आगे की कार्रवाई के लिए सुझाव भी दिए।

यह अभ्यास अपने उद्देश्य के संदर्भ में संस्थान के लिए अत्यधिक महत्व रखता है (raison d'être); इसकी ताकत और यह उनका लाभ कैसे उठा सकता है; इसका विभेदक मूल्य प्रस्ताव; भविष्य में इसकी स्थिति; और बड़े पैमाने पर प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में इसका योगदान और प्रभाव।

कोविड–19 स्थिति के कारण विज़निंग एक्सरसाइज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। संस्थान सभी हितधारकों (बाहरी और आंतरिक) के सामूहिक विचारों और ज्ञान के साथ इस मामले पर आगे बढ़ रहा है।

स्थायी परिसर योजना

राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम (इंडिया) लिमिटेड द्वारा नियत निविदा प्रक्रिया के बाद, निर्माण अनुबंध को शापूरजी एंड पल्लोनजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (एसपीसीपीएल) को 12/11/2020 को 392.48 करोड़ रुपये की लागत से प्रदान किया गया था। ठेकेदार ने 22/11/2020 को लक्ष्य भवनों जैसे शैक्षणिक भवन, छात्रावास, भोजन केंद्र के पूरा होने की निर्धारित तिथि 21/11/2021(अर्थात प्रारंभ से 12 महीने) के साथ काम शुरू किया और पूरी परियोजना के पूरा होने की निर्धारित तिथि 21/05/2022 (अर्थात, चरण–I) के रूप में रखी।

यह संस्थान के लिए यह गर्व की बात है कि गृह (एकीकृत आवास मूल्यांकन के लिए ग्रीन रेटिंग) परिषद ने 26/11/2020 को कैंपस मास्टर योजना (बड़ा विकास) के लिए फाइव स्टार गृह रेटिंग से सम्मानित किया।

आज तक केवल दो आईआईएम परिसर गृह 5-स्टार रेटेड थे, आईआईएम कोझीकोड और आईआईएम उदयपुर। नए आईआईएम में से कोई भी नहीं था।

रेटिंग गृह परिषद द्वारा सफल मूल्यांकन को दर्शाती है, कि परिसर जीएचजी (ग्रीनहाउस गैस) उत्सर्जन को कम करके, ऊर्जा की खपत को कम करने और प्राकृतिक संसाधनों पर तनाव से पर्यावरण में सुधार के साथ बड़े पैमाने पर समुदाय को लाभान्वित करेगा।

वैसे, परिसर की पर्यावरण के अनुकूल योजना रेटिंग से ही देखी जा सकती है और संस्थान को पूरा विश्वास है कि किए गए सभी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करेगा।

5-स्टार रेटिंग के अनुपालन को बढ़ावा देने और निगरानी करने के एक समर्पित टीम तैनात की गई है।

2.50 लाख क्यूबिक मीटर मिट्टी की खुदाई के साथ काम अच्छी तरह से चल रहा है। प्रगति में जंगल की निकासी, सामग्री की ढुलाई, मिट्टी का काम, पीसीसी (सादा सीमेंट कंक्रीट) फुटिंग और शैक्षणिक ब्लॉक, भोजन केंद्र, छात्र छात्रावास ब्लॉक, प्रशासन और संकाय ब्लॉक, लर्निंग रिसोर्स सेंटर (लाइब्रेरी) और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी), मुख्य रिसीविंग स्टेशन (एमआरएस), एचवीएसी प्लांट (हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग), सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और ऑडिटोरियम के लिए आरसीसी(प्रबलित सीमेंट कंक्रीट) शामिल है।

साइट पर उचित स्वास्थ्य और सुरक्षा सावधानी बरती जा रही है। (गृह रेटिंग आवश्यकता) से ऊपरी मिट्टी का संरक्षण किया जा रहा था। राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम गृह (एनबीसीसी) द्वारा साइट पर अनुभवी इंजीनियरों को उचित संपूर्णता के साथ तैनात किया। लंबे समय तक चलने वाली वस्तुओं के लिए खरीद समय सीमा (साइट पर वितरण कार्यक्रम सहित) को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम गृह (एनबीसीसी) द्वारा विनिर्देशों का पालन करने के लिए एक समर्पित गुणवत्ता वाले सैल की स्थापना की गई है। साइट पर प्रयोगशाला पानी सहित निर्माण के लिए सभी सामान की जांच और उनकी सफ़ाई की जा रही है, एनबीसीसी द्वारा प्रगति की निगरानी त्रि–स्तरीय आधार पर; अर्थात, दिन–प्रतिदिन के आधार पर जोनल (साइट) स्तर पर; राज्य व्यापार समूह प्रमुख द्वारा साप्ताहिक; और परियोजना प्रबंधन समूह द्वारा मासिक कार्यालय के कार्यकारी निदेशक और नियमित निराधारों में निदेशक (परियोजना) द्वारा नियमित अंतराल पर की गई।

यह ध्यान देने–योग्य बात है कि सभी वैधानिक अनुमोदन के साथ–साथ डिजाइन और ड्राइंग काम शुरू होने से पहले ही मौजूद थे।

यह भी उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान (एनआईटी) वारंगल और एनबीसीसी द्वारा संरचनात्मक स्थिरता की जांच और मंजूरी दी गई थी। मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग (एमईपी) डिजाइनों की जांच आईआईटी दिल्ली और एनबीसीसी द्वारा की गई थी। इमारतों की मजबूती, स्थिरता और रखरखाव को इस प्रकार वास्तुशिल्प बनाने के स्तर पर संबोधित किया गया है। भूनिर्माण और वृक्षारोपण के संबंध में, आंध्र विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की सलाह का लाभ उठाया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल मूल प्रजातिया कम से कम पानी की खपत करती हो, जो चक्रवातों का सामना कर सकें, को चुना जाता है। ड्रप्स सिंचाई की सुविधा और पौधों और परिदृश्य में पानी सुनिश्चित करने के वैकल्पिक तरीके भी प्रदान किए गए हैं। भूजल निकासी के लिए एकत्रित पानी को जमा करने के लिए मुख्य ब्लॉक से दूर परिसर में जल निकाय उपलब्ध कराए गए हैं।

संस्थान द्वारा वेबसाइट पर, हर पंद्रह दिनों में निर्माण का एक ड्रोन–निर्मित वीडियो डाला जाता है, ताकि सभी हितधारकों हो रही वृद्धि को देख सकें। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) द्वारा यह पहल सबसे पहले की गई है।

साइट कार्यालय

इसके अलावा, परियोजना प्रबंधन कर्मियों के लिए एक साइट कार्यालय, लगभग 3,650 वर्ग फुट के संकाय का निर्माण पूरा किया गया था। इसमें प्रत्येक छात्रावास कक्ष, अतिथि कक्ष और संकाय/विभागाध्यक्ष केबिन का एक पूर्ण मॉक–अप (सटीक प्रतिकृति) शामिल है। कार्यालय के आसपास, पौधों की सटीक टाइपोलॉजी (कम से कम प्रत्येक में एक) जैसा कि परिसर में लगाया जा रहा है। यह बुनियादी ढांचे और वनस्पतियों को 'वास्तविक जीवन' का एहसास देने के लिए है जो आकार लेने जा रहे हैं।

स्थायी परिसर में वृक्षारोपण – आरआईएनएल (विजाग स्टील प्लांट) द्वारा वित्त पोषण

विशाखापत्तनम स्टील प्लांट की कॉर्पोरेट इकाई राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) ने संस्थान के स्थायी परिसर में वृक्षारोपण के लिए (अनुदान के रूप में) 40.0 लाख रुपये की राशि देने की इच्छा व्यक्त की। यह कॉर्पोरेट पर्यावरण उत्तरदायित्व (सीईआर), प्राकृतिक संसाधन वृद्धि योजना (एनआरएपी)/उपचार योजना (आरपी) के तहत उनके प्रयासों का हिस्सा है। तदनुसार, आर आई एन एल 23 प्रजातियों के लगभग 4500 पेड़ों के रोपण के लिए निधि प्रदान करेगा जिसमें फल देने वाले, फूल वाले, औषधीय, लकड़ी की किस्में या उनके संयोजन शामिल हैं। इस प्रस्ताव का संस्थान के वास्तुकारों और साथ ही आंध्र प्रदेश के संबंधित विभागों के मैसर्स आर्कोप द्वारा पुनरीक्षण किया गया है; और आंध्र विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग को स्थानीय परिस्थितियों, जरूरतों और किस्मों, वृक्षारोपण की लंबी उम्र, मिट्टी/इलाके के लिए उपयुक्तता आदि को ध्यान में रखते हुए।

4500 वृक्षारोपण का यह समूह 2610 वृक्षों के भंडार में जोड़ता है, जिसे संस्थान ने पहले ही परिसर में नियोजित किया है, और 1000 पेड़ जिन्हें परियोजना ठेकेदार को लगाने की आवश्यकता है।

इसलिए यह उम्मीद की जाती है कि संस्थान के पास अच्छा हरा आवरण हो, जिससे आस पास का परिवेश स्वस्थ रहे।

संस्थान का स्थापना दिवस

17 जनवरी 2021 को संस्थान का 7 वां स्थापना दिवस मनाया गया था। राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम (इंडिया) लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री पी के गुप्ता द्वारा व्याख्यान दिया गया था।

पांच वर्षों का सफ़र कॉफी टेबल बुक

संस्थान द्वारा (2015-2020) में एक 'पांच वर्षों का सफ़र'

कॉफी टेबल बुक निकाली गई। सितंबर 2015 में पुस्तक कार्य करना शुरू करने के बाद से संस्थान द्वारा पार की गई महत्वपूर्ण घटनाओं, गतिविधियों और मील के पत्थर को दर्शाती है।

नियम

जैसा कि भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अधिनियम, 2017 के तहत आवश्यक है, संस्थान ने बोर्ड की मंजूरी, शिक्षा मंत्रालय की सहमति और कानून और न्याय मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उचित मंजूरी के साथ नियमों को पूरा किया।

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) आईआईएम पहला था जिसने नियमों को अंतिम रूप दिया था। 11/2/2021 के नियमों को 26/3/2021 पर राजपत्रित–अधिसूचित किया गया था।

B. खंड (b), उप–धारा (1), धारा (26):

संस्थान द्वारा प्रस्तावित राशि जो अधिशेष भंडार को बैलेंस शीट से जारी रखा जाता है।

वर्ष 2020-21 के लेखाओं के अनुसार बोर्ड द्वारा अनुमोदित और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के कार्यालय द्वारा ऑडिट, 31/3/2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए व्यय से अधिक आय (1529.72 लाख रुपये) को प्रस्तावित किया गया था कि फैकल्टी मुआवजा रिजर्व (152.97 लाख रुपये) और कॉर्पस फंड (1376.75 लाख रुपये) में हस्तांतरण के रूप में निपटाया जाना चाहिए।

C. खंड (c), उप–धारा (1), धारा 26:

व्यय पर आय के किसी भी अधिशेष या आय की कमी के आयोजन से मांग या आयोजक की ऑडिटर की रिपोर्ट में और इस तरह की आय पर किसी भी कमी के कारणों में संकेत दिया गया है।

वर्ष 2020-21 के खातों में, सीएजी ऑडिटर की रिपोर्ट में व्यय से अधिक आय के किसी भी अधिशेष या आय से अधिक व्यय की किसी भी कमी का कोई कम या अधिक विवरण नहीं दर्शाया गया है। वास्तव में, एक सकारात्मक अवलोकन के रूप में, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने वर्ष 2020-21 के लिए संस्थान के खातों की ऑडिट पर सिस्टम ऑडिट रिपोर्ट (एसएआर) द्वारा कहा गया है कि:

- रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए बैलेंस शीट, आय और व्यय खाते और प्राप्तियां और भुगतान खाते खातों की किताबों के साथ समझौते में हैं;
- उनकी राय, जानकारी और स्पष्टीकरणों के अनुसार, लेखा नीतियों के साथ पढ़े जाने वाले वित्तीय विवरण और ऊपर बताए गए लेखा टिप्पणियों के महत्वपूर्ण मामलों की ऑडिट रिपोर्ट के अनुलग्नक में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन, भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण दें:
  - 31/3/2021 के अनुसार संस्थान के कार्यों की स्थिति बैलेंस शीट से संबंधित है; तथा
  - यह उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय और व्यय खाते से संबंधित है।

D. खंड (d), उप–धारा (1), धारा 26:

संस्थान द्वारा शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाओं की उत्पादकता ऐसे मानदंडों के अनुसार मापते हैं जो बोर्ड द्वारा देखी जा सकती है।

(i) (कोविड –19) के फैलाव पर अनुसंधान

कोविड–19 संबंधित डेटा–विश्लेषण और अनुसंधान है जिसे संस्थान द्वारा आगे बढ़ाया गया है। शोध निष्कर्षों को संस्थान की वेबसाइट पर डाला गया था। जिससे महामारी की रोकथाम, अनुमान और नियंत्रण पर शोध द्वारा राज्य–वार परिदृश्य को चित्रित किया। यह भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा किए जा रहे कार्य जैसे; मिशिगन विश्वविद्यालय; रोग गतिकी, अर्थशास्त्र और नीति केंद्र (सीडीडीईपी); जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय; कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय एट अल। अनुसंधान एसआईआर (संवेदनशील, संक्रमित, और बरामद) पर केंद्रित है; और इसके प्रकार एसआईईआर ("ई"–उजागर); महामारी के प्रसार का अध्ययन करने के एसआईईआरएस मॉडल शामिल हैं।

बोर्ड के सदस्यों और हितधारकों के लिए मॉडल उपयोगिता की बेहतर अभिमूल्यन हासिल करने के विषय में रूचि रखने वालो के लिए एक विशेष वेबिनार द्वारा अनुसंधान कार्य संचालित किया जाता है। वेबिनार से निकलने वाले सुझावों द्द्वारा नए संकेत और आयाम उजागर हुए, जिससे अनुसंधान को दायरे, केंद्र और प्रभाव में सुधार किया गया।

डैशबोर्ड द्वारा परीक्षण किए जा रहे लोगों का प्रतिशत, संगरोध का स्तर, अलगाव का स्तर अलग

हो सकता है और अनुसंधान के प्रमुख परिणामों से भारत के विभिन्न राज्यों/जिलों में कोविड–19 की परिणामी अनुमान की कल्पना की जा सकती है, [कोविड] -19 अनुमानित डैशबोर्ड – कई खातों में अनोखा अंतर बताता है। (देखें http://covid-tracker.iimv.ac.in:3939/covid/)]

यह एक अद्वितीय डैशबोर्ड है जिसने न केवल संक्रमण बढ़ने के बढ़ने का अनुमान लगाया, बल्कि प्रतिबंध को बनाए न रखने पर संक्रमण की दूसरी लहर के खिलाफ चेतावनी दी। इसने कोविड–19 प्रसार के अनुमान के साथ नियंत्रण सहायता का भी सुझाव दिया। डैशबोर्ड नेविगेशन और प्रबंधकीय पहलुओं से स्व–व्याख्यात्मक है। इससे (संवेदनशील–संक्रमित–हटाए गए मॉडल का विस्तार) ईएसआईआर की कई अन्य बारीकियों को समझने में मदद मिलती है।

अनुसंधान अनुच्छेद द्वारा कोविड–19 के लिए मानक महामारी विज्ञान मॉडल के विस्तार पर आधारित था। यह विस्तार वायरस के पूर्व–लक्षण या स्पर्शोन्मुख वाहकों के कारण संचरण को शामिल करता है। यह मॉडल एक देश के भीतर विभिन्न प्रशासनिक सीमाओं के लिए/से लोगों की आवाजाही के कारण बीमारी के प्रसार को भी दर्शाता है। मॉडल मानव ट्रांस के सहवर्ती प्रभावों के कारण पुष्टि किए गए मामलों की संख्या में संभावित वृद्धि का वर्णन करता है

सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से 15 के लिए राज्य–वार विश्लेषण के साथ, मई 2020 में कोविड–19 के अनुमान/रोकथाम पर राज्यपाल समिति सदस्यों के लिए (वेबिनार) पर प्रस्तुत किया गया था।

(ii) अनुसंधान सम्मलेन

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अकादमी (एआईबी) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय नीति के क्षेत्र में विद्वानों और विशेषज्ञों का एक प्रमुख संघ है। इसका मौजूदा मुख्यालय मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के परिसर में स्थित है। यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार अनुसंधान, शिक्षा, नीति और अभ्यास में, आगे बढ़ाने और प्रसार करने पर केंद्रित विद्वानों के वैश्विक समुदाय को पोषण और सशक्त बनाने के लिए समर्पित एक संगठन है; एआईबी एकल शैक्षणिक विषयों और प्रबंधकीय कार्यों की सीमाओं को पार करता है। 1959 में स्थापित, एआईबी के आज दुनिया भर के 93 विभिन्न देशों में 3548 सदस्य हैं। एआईबी (पश्चिमी एरोसोल सूचना ब्यूरो) (डब्ल्यूएआईबी) में महिलाएं; और अनुसंधान के तरीके: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अकादमी एआईबी में दुनिया भर में 17 अध्यायों के साथ–साथ 2 साझा रुचि समूह भी हैं।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अकादमी (एआईबी) इंडिया चैप्टर (http://www.aib-india.org/) इंटरनेशनल बिजनेस एडवोकेसी और फोस्टरिंग रिसर्च के क्षेत्र में सक्रिय है। प्रोफेसर एस रघुनाथ (रणनीति क्षेत्र), आईआईएम बैंगलोर एआईबी इंडिया कार्यकारी बोर्ड के अध्यक्ष हैं। हर साल, एआईबी इंडिया चैप्टर आईआईएम, डीम्ड यूनिवर्सिटी आदि के समन्वय में वार्षिक सम्मेलन आयोजित करता है।

एआईबी इंडिया चैप्टर सम्मेलन 2020

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) विशाखापत्तनम ने अपने 3-दिवसीय वार्षिक सम्मेलन के लिए एआईबी इंडिया चैप्टर के साथ भागीदारी की, जो मूल रूप से अप्रैल 2020 के महीने में योजनाबद्ध था। हलाकि, कोविड–19 महामारी के कारण, सम्मेलन को 20 से 22 दिसंबर, 2020 तक वास्तविकता में बदल दिया गया था। संस्थान को प्रतिष्ठित सम्मेलन को बिना किसी बाधा के और कुशलता से वर्चुअल मोड द्वारा, पहली बार अच्छा सीखने के अनुभव को आयोजित किया है।

2020 की सभा का विषय "आर्थिक विकास और पुनरुद्धार पर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का प्रभाव" था। सभा ने विभिन्न तरीकों से, पारस्परिक सत्र और पूर्ण अधिवेशन के तहत प्रतिस्पर्धी पत्र आमंत्रित किए। 3 दिनों के दौरान सभा में केस राइटिंग और कागज विकास कार्यशाला भी शामिल थी। सभा के लिए पंजीकृत डॉक्टरेट छात्रों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार क्षेत्र में विद्वानों के काम को बढ़ावा देने के लिए मुफ्त एआईबी वार्षिक सदस्यता दी गई। 2020 में सभा के अध्यक्ष प्रोफेसर जी शैनेश, (विपणन क्षेत्र), आईआईएम बैंगलोर थे, सह–अध्यक्ष प्रोफेसर दीपिका गुप्ता (रणनीति क्षेत्र), आईआईएम विशाखापत्तनम से थे।

कुल लगभग 103 पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से, उचित जांच के बाद, लगभग 40 पत्रों की बिना देखे समीक्षा की गई और विभिन्न तरीके और पारस्परिक सत्र के लिए उनका चयन किया गया। सम्मेलन के लिए कुल लगभग 50 पंजीकृत हिस्सा लेने वाले थे।

सभा ने अकादमिक बिरादरी द्वारा सफल और

ऊर्जावान भागीदारी देखी गई। सभा, हालांकि आभासी, अत्यधिक प्रभावी था; और सामान्य रूप से सभी प्रतिभागियों, संकाय और शिक्षाविदों द्वारा सराहना और स्वीकार किया गया।

(iii) अनुसंधान प्रकाशन

संस्थान के फैकल्टी ने एबीडीसी (एबीडीसी: ऑस्ट्रेलियन बिजनेस डीन काउंसिल) में सूचीबद्ध जर्नलों में शोध उत्पादन में काफी वृद्धि हुई है। एबीडीसी पत्रिकाओं में प्रकाशन को उच्च गुणवत्ता वाला माना जाता है। अनुसंधान उत्पादन के मोर्चे पर संस्थान की उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

श्रेणी	2019-20	2020-21
एबीडीसी – ए*	-	1
एबीडीसी – ए	2	15
एबीडीसी – बी	4	7
एबीडीसी – सी	1	3
अन्य (जैसे, स्कोपस)	3	1
पुस्तकें	-	1
पुस्तक अध्याय	-	1
मामले का अध्ययन (एमराल्ड, केस सेंटर यूके)	2	3
कुल	12	32
संकाय की संख्या	20	29
प्रति संकाय प्रकाशन	0.60	1.10

उ. खंड (e), उप–धारा (1) धारा 26 संस्थान के अधिकारियों और संकाय सदस्यों की नियुक्ति

संकाय नियुक्तियां

भारत सरकार के दिशानिर्देशों पर संकाय पदों द्वारा वंचित वर्गों के लिए आरक्षण के संबंध में उचित ध्यान दिया जाता है, संस्थान द्वारा एक विशेष भर्ती अभियान चलाया गया और उपयुक्त संकाय का चयन किया गया।

वर्ष के दौरान ऑनबोर्ड किए गए शिक्षकों की सूची इस प्रकार है:

कर्म संख्या	नाम (प्रोफेसर)	क्षेत्र	शामिल होने की तारीख
1	सरोज कुमार पाणी	उद्यमिता	06/4/2020
2	विशाल सिंह पटियाल	निर्णय विज्ञान	31/8/2020
3	पी आर एस शर्मा	उत्पादन और संचालन प्रबंधन	07/10/2020
4	श्रीनिवास जे	सूचना प्रणाली	17/12/2020
5	सुनीता तुमकुर	प्रबंधन संचार	08/1/2021
6	आलोक कुमार	उत्पादन और संचालन प्रबंधन	18/1/2021
7	विनय यादव	सूचना प्रणाली	25/1/2021
8	बालाजी सुब्रमण्य	ओबीएचआर	01/2/2021
9	रोहित टिटियाल	उत्पादन और संचालन प्रबंधन	22/2/2021
10	सुशील कुमार	उद्यमिता	25/2/2021
11	अंकित कुमार	अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान	31/3/2021

उपरोक्त संकाय के शामिल होने के साथ, निदेशक सहित शिक्षण–कर्मचारियों (अधिवास द्वारा 15 राज्यों से संबंधित) की संख्या 30 हो गई थी। यकीनन यह सभी नई पीढ़ी के आईआईएम में सबसे बड़ा संकाय–समूह है।

अधिकारियों की नियुक्ति

भारतीय प्रबंधन संस्थान आईआईएम अधिनियम 2017 के प्रावधानों और बीओजी–अनुमोदित विनियमों के बाद, संस्थान ने पार्श्व आंदोलन द्वारा 14 अधिकारियों को विभिन्न संवर्गों में संस्थान की नियुक्ति में शामिल किया गया।

F. खंड(f), उप–धारा (1), धारा 26

शिक्षण, अनुसंधान और ज्ञान के अनुप्रयोग में नवाचारों की प्रकृति सहित संस्थान द्वारा निर्धारित प्रदर्शन संकेतक और आंतरिक मानक।

संकाय कार्य मानदंड

मौजूदा संकाय कार्य मानदंड जून से लागू किये गए थे। 2018 के बाद से, संस्थान की गतिविधियों का पैमाना और दायरा काफी बढ़ गया। आज की तारीख में संस्थान पांच लंबी अवधि के शैक्षणिक–शीर्षक अनुदान कार्यक्रम आयोजित करता है, जैसे, स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) (फ्लैगशिप); स्नातकोत्तर कार्यक्रम (शाम एमबीए), पीजीपी–डीजीएम (इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित), पीएचडी और महात्मा गांधी राष्ट्रीय फैलोशिप एमजीएनएफ (कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित) किया जाता है।

भारतीय प्रबन्धन संस्थान (आईआईएम) अधिनियम 2017 शिक्षण, अनुसंधान और ज्ञान के संबद्ध क्षेत्रों में वैश्विक उत्कृष्टता के मानकों को प्राप्त करने के लिए संस्थान को शामिल करता है। इसलिए यह सर्वोपरि है कि संस्थान को न केवल प्रदर्शन के उच्च मानक स्थापित करने चाहिए बल्कि संकाय को उत्कृष्टता की अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

तद्नुसार संस्थान ने संकाय विकास मूल्यांकन समिति के परामर्श से संकाय कार्य मानदंडों के संशोधन की कवायद शुरू कर दी है। यह परिकल्पना की गई है कि संशोधित मानदंड न केवल संकाय के लिए प्रदर्शन के उच्च मानक स्थापित करेंगे बल्कि उच्च प्रदर्शन करने वालों को भी प्रस्तुत किया जाएगा।

संकाय द्वारा बोर्ड को प्रस्तुतीकरण

संस्थान के संकाय, क्षेत्र–वार, कार्य मानदंड के चार स्तंभों के तहत उनके योगदान पर बोर्ड को प्रस्तुतियां देने में सक्षम हैं: (i) शिक्षण (ऑनलाइन सामग्री विकास सहित); (ii) अनुसंधान; (iii) संस्थान को सेवा; और (iv) पेशे के लिए सेवा।

प्रस्तुतियों पर प्रकाश डाला गया, अन्य बातों के साथ:

(a) शिक्षण, अनुसंधान और

(b) अनुसंधान आउटपुट, परिणाम और उत्पादकता

(c) उनके कार्यक्षेत्र में रुझान और विकास

(d) प्रगति पर काम करते हैं

रणनीति क्षेत्र, निर्णय विज्ञान क्षेत्र और अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान क्षेत्र ने वर्ष के दौरान बोर्ड को प्रस्तुतियां दी।

शिक्षण और अनुसंधान में नवीनीकरण

संस्थान के संकाय ने एक शिक्षाशास्त्र तैयार किया है जो एक विवेकपूर्ण मिश्रण है:

- निर्देश: कक्षा में चर्चा, वार्तालाप गतिविधि, अनुशिक्षण, कार्यशाला, समूह में काम करना, मामले के अध्ययन का विश्लेषण, सिमुलेशन गेम्स, उद्योग–संपर्क और कार्यात्मक और क्षेत्रीय प्रबंधन में आउटरीच गतिविधियां द्वारा: (i) सरकार की ओर से नीति निर्माता; और (ii) प्रोफेसरों; उद्योग और संस्थानों से पेशेवर और व्यवसायी;
- मूल्यांकन: आश्चर्य परीक्षण, प्रश्नोत्तरी, समूह और व्यक्तिगत कार्य; केंद्रित शिक्षा और मूल्यांकन सुनिश्चित करने के लिए छोटी और बड़ी परीक्षा आदि;
- लक्ष्य निर्धारित करना और स्टॉक लेना: अनुभवों की समीक्षा, अगले कार्यकाल के लिए सीखने और योजना बनाना।
- छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए फैकल्टी–मेंटरशिप, परिकल्पना के अनुसार प्रभावी ज्ञान–हस्तांतरण और सीखने के परिणामों की सुविधा प्रदान करना।

शिक्षण को प्रभावशाली और प्रभावशाली बनाने के लिए संकाय द्वारा अपनाई गई नवीन पद्धतियों के उदाहरण हैं:

- छात्रों को बुनियादी अवधारणाओं की कल्पना करने, सिखाने, अनुकरण करने और उनकी मदद करने के लिए वेब–एप्लिकेशन तैयार करना।
- मुक्त स्रोत सॉफ़्टवेयर पर आधारित एप्लिकेशन का उपयोग करना।
- छात्रों को वास्तविक समय के वातावरण का अनुभव करने में मदद करने के लिए वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के लिए इंटरैक्टिव ऑनलाइन सिमुलेशन गेम आयोजित करना।
- प्रतिभागियों के साथ साझा मोड में विभिन्न अवधारणाओं के लिए प्रयोगशाला सत्र या डूडल/रिकॉर्ड किए गए वीडियो का उपयोग करना या तो छात्रों में रुचि विकसित करने के लिए एक अवधारणा शुरू करने से पहले, या सत्र के बाद, अतिरिक्त जानकारी/अवधारणाएं देने के लिए।
- परीक्षा के दायरे से बाहर रखते हुए विषय के

विकास की समझ में सुधार करने के लिए "वैकल्पिक पठन श्रृंखला" की शुरुआत करना। विषय की गहरी समझ प्रदान करने और छात्रों में गहरी रुचि विकसित करने के लिए कुशल चिकित्सकों और शिक्षाविदों द्वारा लिखे गए शोध पत्र। इनमें लेखों की श्रृंखला शामिल थी।

- वास्तविक जीवन की खबरों और मौलिक अनुसंधान की रूपरेखा पर आधारित छोटे मामलों का उपयोग किया जाता है।
- सिद्धांत और समाधानों की खोज से जोड़ना के लिए विश्लेषण में प्रश्नों को प्रस्तुत किया, जैसे कि मौजूदा मामले के बारे में इंटरनेट पर खोजना, यह कक्षा में पढ़ाए गए हैं। छात्रों को उन वेब लिंक्स की रिपोर्ट करने की भी आवश्यकता होती है जिनसे उन्हें जानकारी मिली। इसने सुनिश्चित किया कि एक खुली किताब, गैर-संचालित परीक्षा परिदृश्य में भी, छात्रों के लिए व्यवस्थित शिक्षा हो सकती है।

वर्ष 2020-21 के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) लक्ष्यों की तुलना में संस्थान का प्रदर्शन

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) के साथ हस्ताक्षर किए जाने वाले प्रदर्शन पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) को बीओजी द्वारा 30/6/2020 को अनुमोदित किया गया था। 30/7/2020 को मंत्रालय द्वारा अनुमोदन प्राप्त हुआ था। संस्थान ने शिक्षा मंत्रालय के मानदंडों के अनुसार, वर्ष के लिए 100 में से 81.40 का समग्र स्कोर, "बहुत अच्छा" रेटिंग हासिल किया गया था।

G. धारा 26 की उप-धारा (2)

वित्तीय वर्ष के दौरान उच्चतम पारिश्रमिक (भत्तों और ऐसे कर्मचारियों को किए गए अन्य भुगतानों सहित) प्राप्त करने वाले संस्थान के संकाय सदस्यों और अन्य कर्मचारियों सहित पांच अधिकारियों के नाम दिए गए हैं।

कथन नीचे दिया गया है:

वर्ष 2020-21 के लिए कर्मचारी सकल वेतन

क्रम संख्या	कर्मचारी आईडी	कर्मचारी का नाम	पद	शामिल होने की तारीख	कुल सकल वार्षिक वेतन (रु.)
1	20001	एम चंद्रशेखर	निदेशक	22-Mar-17	38,08,342
2	20014	विनय रमानी	सहेयक प्रोफेसर	18-Jan-19	34,89,178
3	20004	बी श्रीरंगचार्युलु	डीन (ए एंड आर)	29-Nov-17	34,30,862
4	20017	विवेकानंद मड्डुपु	सहेयक प्रोफेसर	23-Aug-19	33,11,907
5	20006	अमित बरन चक्रवर्ती	सहेयक प्रोफेसर	11-Dec-17	30,67,578

सितंबर 2015 में स्थापित, संस्थान वित्त वर्ष 2020-21 में अपने संचालन के छठे वर्ष में है।

संस्थान के अच्छे कामकाज में संकाय सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। चूंकि संस्थान प्रारंभिक वर्षों में है (प्रोजेक्ट मोड में) प्रत्येक सदस्य न केवल कई शैक्षणिक जिम्मेदारियों को संभाल रहा है, बल्कि संस्थान के विकास और विकास के लिए अच्छे परिणाम भी दे रहा है। वे अपनी-अपनी भूमिकाओं में नेतृत्व प्रदान करते रहे हैं और अकादमिक और प्रशासनिक सहायता के मामलों को कुशलता से संबोधित कर रहे हैं। शिक्षण, अनुसंधान, संस्थान की सेवा तथा पेशे के लिए सेवा और बड़े पैमाने पर संस्था निर्माण के तहत उनका प्रदर्शन, उल्लेखनीय है।

H. धारा 26 की उप-धारा (3):

उप-धारा (2) में निर्दिष्ट विवरण में यह दर्शाया जाएगा कि क्या ऐसा कोई कर्मचारी संस्थान के बोर्ड या अकादमिक परिषद के किसी सदस्य का रिश्तेदार है और यदि हां, तो ऐसे सदस्य का नाम; और ऐसे अन्य विवरण जो बोर्ड द्वारा निर्धारित किए जा सकते हैं।

संस्थान के सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, रिपोर्ट की तिथि के अनुसार, उच्च पारिश्रमिक प्राप्त करने वाले कर्मचारियों के विवरण में आने वाला कोई भी अधिकारी संस्थान के बोर्ड या अकादमिक परिषद के किसी भी सदस्य से संबंधित नहीं है।

I. धारा 26 की उप-धारा (4):

निदेशक, लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में निहित प्रत्येक आरक्षण, योग्यता या प्रतिकूल टिप्पणी पर उप-धारा (1) में निर्दिष्ट रिपोर्ट में पूरी जानकारी और स्पष्टीकरण देने के लिए भी बाध्य होगा।

वर्ष 2020-21 में नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा संस्थान के खातों के ऑडिट पर, एसएआर के माध्यम से मानव संसाधन विकास मंत्रालय (संस्थान

को एक प्रति के साथ) को अलग ऑडिट रिपोर्ट भेजी गई। यह रिपोर्ट बताती है कि:

A. प्राप्तियां और भुगतान

A.1 भुगतान

A.1.1 लेनदारों, सांविधिक और (–) ₹13.55 करोड़ की अन्य देनदारियों में वृद्धि/कमी

प्राप्तियों एवं भुगतान खातों को निर्धारित प्रारूप के अनुसार नकद आधार पर तैयार किया जाना चाहिए। हालांकि, प्राप्ति और भुगतान खाते में गैर–नकद मद जैसे विविध लेनदारों में वृद्धि/कमी, सांविधिक और अन्य देनदारियां (–) 13.55 ₹ करोड़ शामिल हैं जो सही नहीं है। गैर–नकद आइटम को रसीद और भुगतान खाते में नहीं दिखाया जाना चाहिए।

संस्थान का स्पष्टीकरण:–

यह प्रस्तुत किया जाता है कि प्राप्तियों और भुगतान विवरण में विविध लेनदारों, और सांविधिक और अन्य देनदारियों को शामिल करना संस्थान द्वारा वर्षों से अपनाई जा रही प्रथा के अनुसार है, जिसे भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक सीएजी कार्यालय द्वारा स्वीकार्य पाया गया है। बेहतर स्पष्टता और पता लगाने की क्षमता के लिए यह केवल प्रस्तुति किया जाता है।

B. सामान्य:

B.1 इसमें संकाय मुआवजा रिजर्व (एफसीआर) के लिए निर्धारित ₹ 1,52,97,175 की राशि का निवेश शामिल है और अनुसूची 2 के तहत इसका हिसाब रखा गया है: अनुसूची 5 के तहत वर्गीकृत करने के बजाय वर्तमान संपत्ति (अनुसूची 7) में नामित/निर्धारित/बंदोबस्ती निधि: निवेश निर्धारित/बंदोबस्ती निधि। गलत वर्गीकरण को सुधारने की जरूरत है।

संस्थान का स्पष्टीकरण: –

31 मार्च तक अधिशेष अवधि जमा/ बैंक शेष/प्राप्तियों के रूप में होगा और अधिशेष का कोई भी निपटान राज्यपाल समिति (बीओजी) और परिणामी निवेश को अनुमोदित किया जाएगा। दिए गए मामले में यह पहला ऐसा स्थानांतरण है, अनुसूची –7 के तहत Rs.1,52,97,175 के एफआरसी से संबंधित निवेश को दिखाया गया था – वर्ष में निवेश/समाप्ति निधि से निवेश, अर्थात., 2021-22, जब बीओजी ने अपनी स्वीकृति दी। इस प्रकार, कोई गलत वर्गीकरण नहीं दिया। अन्य सभी निवेशों के साथ वर्तमान परिसंपत्तियां और अनुसूची 5 के तहत स्थानांतरित किया गया।

B.2 वित्तीय विवरणों/खातों की वर्दी के निर्धारित प्रारूपों के अनुसार, संस्थान अनुसूची 24 के तहत खुलासा करेंगे: आकस्मिक देयताएं और खातों के लिए नोट्स, पूंजीगत प्रतिबद्धताओं/अनुबंधों का मूल्य पूंजीगत खाते पर निष्पादित किया जाना शेष है और(अग्रिमों का शुद्ध) इसके लिए प्रदान नहीं किया गया है। दिए गए मामले में यह पहला ऐसा हस्तांतरण है, 1,52,97,175 रुपये के एफसीआर से संबंधित निवेश अनुसूची –7 के तहत दिखाया गया था – अन्य सभी निवेशों के साथ वर्तमान संपत्ति और अनुसूची 5 के तहत स्थानांतरित किया जाएगा: निर्धारित/से निवेश बंदोबस्ती निधि बाद के वर्ष में, यानी 2021-22, राज्यपाल समिति बीओजी स्वीकृति प्रदान करता है। इस प्रकार, कोई गलत वर्गीकरण नहीं है।

संस्थान का स्पष्टीकरण: –

लेखापरीक्षा टिप्पणी वर्ष 2021-22 से अनुपालन के लिए ध्यान दिया जाता है।

B.3 आंध्र प्रदेश सरकार, नगर प्रशासन और शहरी विकास (एम) विकास जीओएम के माध्यम से संख्या 187 दिनांक 26.10.2020 ने 7 राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के संबंध में स्थानीय निकायों को देय वैधानिक शुल्क से संबंधित शुल्क माफ करने के आदेश जारी किए। 7 में से भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापत्तनम को भी उक्त सरकारी आदेशों के क्रमांक (B) के तहत शामिल किया गया था। तदनुसार, आरोपों को विस्कापटनम मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (वीएमआरडीए) ने 14,60,91,177 की राशि के लिए माफ कर दिया था। वीएमआरडीए शुल्क के रूप में लेकिन प्रगति/परियोजना लागत में कार्य के छूट फॉर्म भाग के लिए, वीएमआरडीए शुल्क की छूट को वार्षिक खातों की अनुसूची 24 के तहत खातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

संस्थान का स्पष्टीकरण: –

08/1/2021 को आयोजित बैठक में संस्थान ने 29/12/2020 को आयोजित अपनी बैठक में संस्थान की एपी भवन एवं कार्य समिति (बीडब्ल्यूसी) द्वारा दी गई उद्धृत छूट का विधिवत खुलासा किया था। इसे बीडब्ल्यूसी और बीओजी द्वारा नोट किया गया था, जैसा कि उक्त बैठकों के कार्यवृत्त में दर्शाया गया था। बीडब्ल्यूसी और बीओजी द्वारा भी यही उल्लेख किया गया था, जैसा कि उक्त बैठकों के कार्यवृत्त में परिलक्षित होता था। उक्त कार्यवृत्त सीएजी लेखा परीक्षा अधिकारियों के साथ साझा किए गए थे। लेखापरीक्षा टिप्पणी वर्ष 2021-22 से अनुपालन के लिए लिखी की जाती है।

नियंत्रक और महालेखा परीक्षक सीएजी द्वारा प्रस्तुतिकरण और प्रकटीकरण के बारे में ऊपर रिपोर्ट की गई वस्तु के बारे में बताया गया था, संस्थान वर्ष 2021-22 और उसके बाद के अपने खातों को स्पष्ट करते हुए अंतिम विशिष्ट अवशोषण दर (एसएआर) में निहित टिप्पणियों पर विधिवत विचार किया जाता है।

अंतिम विशिष्ट अवशोषण दर, (एसएआर) ने अन्य बातों के साथ–साथ देखा कि:

- सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो उनकी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक थे;
- रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए बैलेंस शीट और आय और व्यय खाते, प्राप्तियां और भुगतान खाते को केंद्रीय शैक्षणिक संस्थानों के लिए भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निर्धारित खातों के संशोधित प्रारूप में तैयार किया जाता है।
- उनकी राय में, संस्थान द्वारा उचित लेखा पुस्तकों और अन्य प्रासंगिक अभिलेखों का रखरखाव किया गया है, जहां तक कि ऐसी पुस्तकों की उनकी जांच से प्रतीत होता है।
- पिछले अनुछेद में बैलेंस शीट, आय और व्यय खाते और प्राप्तियां और भुगतान खाते खातों की बही के साथ और उनकी टिप्पणियों के अधीन, वे रिपोर्ट करते हैं कि रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए।
- उनकी राय जानकारी और उन्हें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, वित्तीय विवरण लेखा नीतियों और खातों पर टिप्पणियों के साथ–साथ पढ़े जाते हैं और ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों और लेखा परीक्षा के अनुलग्नक में उल्लिखित अन्य मामलों का उल्लेख करते हुए, लेखा सिद्धांतों के अनुरूप आमतौर पर भारत में स्वीकार किये जाते हैं।
- जहां तक यह 31/3/2021 को संस्थान के मामलों की स्थिति के बैलेंस शीट से संबंधित है; तथा
- जहां तक यह उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय और व्यय खाते से संबंधित है।

अंतिम विशिष्ट अवशोषण दर, (एसएआर) के अनुलग्नक में, सीएजी ने अन्य बातों के साथ–साथ कहा कि:

- आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता: आंतरिक लेखा परीक्षा एक चार्टर्ड एकाउंटेंट्स फर्म मेसर्स राव और कुमार को सौंपी गई थी, जिसने वर्ष 2020-21 के लिए आंतरिक ऑडिट पूरा किया गया था।
- आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता: आंतरिक नियंत्रण प्रणाली पर्याप्त नहीं थी क्योंकि रसीद और भुगतान खाते में गैर–नकद वस्तु को दिखाया गया था।
- अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली वर्ष 2020-21 के लिए अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन पूरा किया गया।
- सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली: वर्ष 2020-21 के लिए सूची का भौतिक सत्यापन पूरा किया गया।
- सांविधिक देय राशियों के भुगतान में नियमितता: सांविधिक देय राशियों का भुगतान नियमित रूप से किया जाता था।

भारतीय प्रबंधन संस्थान, विशाखपट्नम

14. खातों का विवरण

2020-2021

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम

बैलेन्स शीट 31 मार्च 2021 को

(राशि ₹ में)

पूंजी के स्रोत	अनुसूची	2020-21	2019-20
समग्र/पूंजी निधि	1	1,09,33,41,301	53,61,40,302
नामित/निर्धारित/अक्षय निधि पूंजी	2	4,05,65,970	2,37,12,161
चालू दायित्व, प्रावधान और ऋण	3	1,06,15,68,818	77,98,50,657
कुल		**2,19,54,76,089**	**1,33,97,03,120**

पूंजी का प्रयोग	अनुसूची	2020-21	2019-20
अचल संपत्तियाँ	4	54,98,87,600	17,79,44,728
मूर्त परिसंपत्तियाँ		14,23,83,482	14,38,30,416
अमूर्त परिसंपत्तियाँ		1,83,76,222	1,49,54,269
चालू कार्य पूंजी		38,91,27,896	1,91,60,043
निर्धारित/अक्षय निधि पूंजी से निवेश	5	4,45,97,042	2,20,96,893
दीर्घ कालिक		-	2,20,96,893
अंश कालिक		4,45,97,042	-
निवेश – अन्य	6	-	-
चालू परिसंपत्तियाँ	7	1,55,94,66,692	1,11,16,32,229
ऋण, अग्रिम और जमा	8	4,15,24,755	2,80,29,270
कुल		**2,19,54,76,089**	**1,33,97,03,120**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	23		
लेखा के आकस्मिक दायित्व एवं टिप्पणियाँ	24		

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम के लिए

Sd/-
जी. नन्दिता
अधीक्षक
(वित्त एवं लेखा)

सी.पी. विट्ठल
सलाहकार
(वित्त एवं लेखा)

Sd/-
प्रो. नीना पाण्डेय
समन्वयक (प्रबंधन)

Sd/-
प्रो. एम. चंद्रशेखर
निदेशक

दिनांक: 05-7-2021
स्थान: विशाखापट्टनम

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम

आय एवं व्यय लेखा 31 मार्च 2021 को समाप्त होने वर्ष के लिए

(राशि ₹ में)

विवरण	अनुसूची	2020-21	2019-20
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियाँ	9	19,10,22,965	15,92,33,142
अनुदान/अनुवृत्तियाँ	10	18,80,00,000	15,55,00,000
निवेशों से आय	11	1,47,73,365	1,00,04,991
अर्जित ब्याज	12	4,16,222	1,92,199
अन्य आय	13	2,48,79,136	98,86,062
पूर्व कालिक आय	14	3,43,687	34,625
कुल (क)		41,94,35,375	33,48,51,019
व्यय			
कर्मियों के भुगतान एवं लाभ (संस्थान व्यय)	15	11,36,81,004	8,89,06,566
शैक्षणिक व्यय	16	9,12,15,216	10,98,63,736
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	1,77,05,751	2,11,04,702
परिवहन व्यय	18	18,27,611	51,86,535
मरम्मत एवं रखरखाव	19	70,55,928	53,45,368
वित्तीय लागत	20	-	-
ह्रास	4	3,47,37,467	2,78,78,515
अन्य व्यय	21	-	-
पूर्व कालिक व्यय	22	2,40,653	3,98,083
कुल (ख)		**26,64,63,630**	**25,86,83,505**
आय का शेष व्यय से अधिक होने पर (ग=क–ख)		**15,29,71,745**	**7,61,67,514**
संकाय के स्थानांतरण की क्षतिपूर्ति के लिए सुरक्षित (एफ़सीआर) (ङ)		1,52,97,175	-
शेष अतिरिक्त/(कम) होने पर समग्र/पूंजी निधि में ले जाने पर (अनुसूची–1)(ङ=ग–घ)		**13,76,74,570**	**7,61,67,514**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	23		
लेखा के आकस्मिक दायित्व एवं टिप्पणियाँ	24		

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम के लिए

Sd/-		Sd/-	Sd/-
जी. नन्दिता	सी.पी. विट्ठल	प्रो. नीना पाण्डेय	प्रो. एम. चंद्रशेखर
अधीक्षक	सलाहकार	समन्वयक (प्रबंधन)	निदेशक
(वित्त एवं लेखा)			

दिनांक: 05-7-2021

स्थान: विशाखापट्टनम

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम
31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट का अनुसूचियां बनाने का भाग

(राशि ₹ में)

अनुसूची –१ समग्र/पूंजी निधि				
विवरण	2020-21		2019-20	
वर्ष के आरंभ में शेष = क + ग		**53,61,40,302**		**37,94,24,412**
अचल सम्पत्तियों के लिए पूंजी निधि का प्रारम्भिक जमा (क)	**27,88,06,794**		**21,04,29,832**	
योग: पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग की गई सीमा तक भारत सरकार से अनुदान	40,66,39,595		6,83,70,427	
योग: संपत्ति – दान/उपहार	-		6,535	
अचल संपत्तियों के लिए पूंजीगत निधि का अंतिम शेष (ख)	**68,54,46,389**		**27,88,06,794**	
कॉर्पस फंड का प्रारंभिक शेष (ग)	**25,73,33,508**		**16,89,94,580**	
योग: फंड से किए गए निवेश से आय	1,28,86,834		1,21,71,414	
योग: आय और व्यय खाते से हस्तांतरित व्यय से अधिक आय	13,76,74,570		7,61,67,514	
कॉर्पस फंड का अंतिम शेष (घ)	**40,78,94,912**		**25,73,33,508**	
वर्ष के अंत में शेष राशि = ख + घ		**1,09,33,41,301**		**53,61,40,302**

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम
31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट का भाग बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची–२ निर्दिष्ट/निर्धारित/बंदोबस्ती निधि

ब्यौरे	वर्तमान वर्ष 2020-21				पूर्व वर्ष 2019-20		
	नामित / निर्धारित निधि	बंदोबस्ती निधि दान		कुल	बंदोबस्ती निधि दान		कुल
	संकाय मुआवजा रिजर्व (एफसीआर)	भवन	गोल्ड मेडल		भवन	गोल्ड मेडल	
क.							
a) ओपनिंग बैलेंस	-	2,15,23,404	21,88,757	2,37,12,161	2,00,69,345	21,04,213	2,21,73,558
b) वर्ष के दौरान परिवर्धन	1,52,97,175	-	66,345	1,53,63,520	-	-	-
c) फंड से किए गए निवेश से आय	-	65,162	7,948	73,110	-	-	-
d) निवेश/अग्रिम पर अर्जित ब्याज	-	12,84,000	1,33,179	14,17,179	14,54,059	1,50,889	16,04,948
कुल (क)	**1,52,97,175**	**2,28,72,566**	**23,96,229**	**4,05,65,970**	**2,15,23,404**	**22,55,102**	**2,37,78,506**
ख.							
निधियों के उद्देश्यों के प्रति उपयोग/व्यय							
i) पूंजीगत व्यय	-	-	-	-	-	-	-
ii) राजस्व व्यय	-	-	-	-	-	66,345	66,345
कुल (ख)	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**66,345**	**66,345**
वर्ष के अंत में अंतिम शेष (क– ख)	**1,52,97,175**	**2,28,72,566**	**23,96,229**	**4,05,65,970**	**2,15,23,404**	**21,88,757**	**2,37,12,161**
द्वारा प्रतिनिधित्व							
नकद और बैंक बैलेंस	-	-	-	-	-	-	-
निवेश *	1,52,97,175	2,15,88,566	22,63,050	3,91,48,791	2,00,00,000	20,96,893	2,20,96,893
ब्याज उपार्जित लेकिन देय नहीं	-	12,84,000	1,33,179	14,17,179	15,23,404	91,864	16,15,268
कुल	**1,52,97,175**	**2,28,72,566**	**23,96,229**	**4,05,65,970**	**2,15,23,404**	**21,88,757**	**2,37,12,161**

*अनुसूची – 5 के तहत निवेश (2,15,88,566 रुपये और 22,63,050 रुपये) और अनुसूची – 7 (1,52,97,175 रुपये)

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम

31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट का भाग बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची २क नामित/निर्धारित/बंदोबस्ती निधि

क्रम संख्या	बंदोबस्ती का नाम	ओपनिंग बैलेंस		वर्ष के दौरान परिवर्धन		कुल		वर्ष के दौरान वस्तु पर व्यय	क्लोजिंग बैलेंस		कुल (10+11)
		बंदोबस्ती	संचित ब्याज	बंदोबस्ती	ब्याज	बंदोबस्ती (3+5)	संचित ब्याज (4+6)		बंदोबस्ती	संचित ब्याज	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	निर्दिष्ट/निर्धारित निधि										
1	संकाय मुआवजा रिजर्व (एफसीआर)	-	-	1,52,97,175	-	1,52,97,175	-	-	1,52,97,175	-	1,52,97,175
	बंदोबस्ती निधि – दान										
1	वाणी रोजा फाउंडेशन – बिल्डिंग कॉर्पस	2,00,00,000	15,23,404	-	13,49,162	2,00,00,000	28,72,566	-	2,00,00,000	28,72,566	2,28,72,566
2	वाणी रो मेमोरियल गोल्ड मेडल – कॉर्पस *	20,96,893	91,864	66,345	1,41,127	21,63,238	2,32,991	-	21,63,238	2,32,991	23,96,229
	कुल	**2,20,96,893**	**16,15,268**	**1,53,63,520**	**14,90,289**	**3,74,60,413**	**31,05,557**	**-**	**3,74,60,413**	**31,05,557**	**4,05,65,970**

* 66,345 रुपये का जोड़ अग्रिम राशि का उलट है जो पिछले वर्ष 201 9 -20 में दिया गया था।

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम

31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट का भाग बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 3- वर्तमान देयताएं, प्रावधान और ऋण			
	विवरण	वर्तमान वर्ष 2020-21	पूर्व वर्ष 2019-20
क.	वर्तमान देयताएं		
	1. कर्मचारियों से जमा	-	-
	2. छात्रों से जमा	**97,95,639**	**1,06,50,385**
	a) सावधानी जमा	**55,48,371**	**46,51,205**
	i) वर्तमान छात्रों से	54,96,961	45,99,795
	ii) पूर्व छात्रों से	51,410	51,410
	b) मैस एडवांस	**32,74,268**	**55,03,180**
	i) वर्तमान छात्रों स	32,45,429	54,74,341
	ii) पूर्व छात्रों से	28,839	28,839
	c) अन्य जमा	**9,73,000**	**4,96,000**
	i) पूर्व छात्र निधि	5,44,000	2,48,000
	ii) दीक्षांत निधि	2,72,000	1,24,000
	iii) छात्र कल्याण कोष	1,57,000	1,24,000
	3. विविध लेनदार (माल और सेवाएं)	17,26,47,275	3,75,17,256
	4. जमा–अन्य (ईएमडी, सुरक्षा जमा सहित)	**15,61,013**	**12,78,008**
	5. सांविधिक देयताएं (जीपीएफ, टीडीएस, डब्ल्यूसी टैक्स, सीपीएफ, जीआईएस, एनपीएस)	**76,30,478**	**49,57,390**
	a) अतिदेय	-	-
	b) अन्य	76,30,478	49,57,390
	6. अन्य वर्तमान देयताएं	**83,75,46,414**	**70,93,14,245**
	a) प्रायोजित परियोजनाओं के खिलाफ रसीदें	1,06,57,490	13,60,000
	b) प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्ति के खिलाफ रसीदें	-	-
	c) अप्रयुक्त अनुदान	**79,24,62,323**	**70,38,61,010**
	i) राजस्व अनुदान	-	-
	ii) पूंजीगत अनुदान	1,49,60,284	4,97,04,894
	iii) पूंजीगत अनुदान (स्थायी परिसर– एचईएफए ऋण चुकौती)	77,75,02,039	65,41,56,116
	d) अग्रिम में प्राप्त शुल्क	2,50,19,816	11,25,400
	e) अन्य देनदारियां	**94,06,785**	**29,67,835**
	i) छात्रों के लिए देय	61,43,656	10,00,409
	ii) संकाय को देय	27,82,799	13,64,007
	iii) कर्मचारियों को देय	1,98,927	1,85,066
	iv) देय – अन्य	2,81,403	4,18,353
	योग (क)	**1,02,91,80,819**	**76,37,17,284**

अनुसूची 3- वर्तमान देयताएं, प्रावधान और ऋण			
ख.	प्रावधान		
	1. ग्रेच्युटी	76,60,984	70,00,074
	2. संचित अवकाश नकदीकरण	97,48,270	59,42,582
	3. अन्य – स्टाफ भुगतान आदि के लिए बकाया देयताएं	1,33,47,477	28,92,660
	योग (ख)	**3,07,56,731**	**1,58,35,316**
ग.	ऋण – एचईएफए		
	1. ऋण	-	-
	2. ब्याज	16,31,268	2,98,057
	योग (ग)	**16,31,268**	**2,98,057**
	कुल (क+ख+ग)	**1,06,15,68,818**	**77,98,50,657**

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्नम

31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट का भाग बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची – 3 (a) प्रायोजित परियोजनाएं

क्रम संख्या	परियोजना का नाम	01.04.2020 तक प्रारंभिक राशि		रसीदें/ वर्ष के दौरान वसूली	कुल	वर्ष के दौरान व्यय	31.03.2021 तक अंतिम शेष राशि	
		क्रेडिट	डेबिट				क्रेडिट	डेबिट
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	कॉर्पोरेट डेटा प्रबंधन	-	-	5,57,760	5,57,760	5,57,760	-	-
2	टीआईडीई	13,60,000	-	20,57,000	34,17,000	12,40,332	21,76,668	-
3	एमजीएनएफ	-	-	60,80,822	60,80,822	-	60,80,822	
4	आरआईएनएल	-	-	24,00,000	24,00,000	-	24,00,000	-
	कुल	**13,60,000**	**-**	**1,10,95,582**	**1,24,55,582**	**17,98,092**	**1,06,57,490**	**-**

अनुसूची 3 (b) प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति

(राशि ₹ म)

क्रम संख्या	प्रायोजक का नाम	01.04.2020 तक प्रारंभिक राशि		लेनदेन वर्ष के दौरान		31.03.2021 तक अंतिम शेष राशि	
		क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट
1	2	3	4	5	6	7	8
1	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय	-	-	1,06,57,500	1,06,57,500	-	-
2	जनजातीय मामलों के मंत्रालय	-	-	6,50,000	6,50,000	-	-
	कुल	**-**	**-**	**1,13,07,500**	**1,13,07,500**	**-**	**-**

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम

31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट का भाग बनने वाली अनुसूचिया

(राशि ₹ में)

अनुसूची 3 (c) यूजीसी, भारत सरकार और राज्य सरकारों से अनुपयुक्त अनुदान		
ब्यौरे	वर्तमान वर्ष 2020-21	पूर्व वर्ष 2019-20
A. भारत सरकार		
बैलेंस B/F	70,38,61,010	28,67,08,736
योग: वर्ष के दौरान प्राप्तियां	**63,46,27,215**	**61,42,79,708**
राजस्व अनुदान	18,80,00,000	15,55,00,000
पूंजी अनुदान	-	1,35,00,000
पूंजीगत अनुदान (स्थायी परिसर)	44,66,27,215	44,52,79,708
योग: अप्रयुक्त अनुदानों पर ब्याज	**4,86,13,693**	**2,67,42,993**
राजस्व अनुदान	-	-
पूंजी अनुदान	22,86,132	29,99,510
पूंजीगत अनुदान (स्थायी परिसर)	4,63,27,561	2,37,43,483
कुल(a)	**1,38,71,01,918**	**92,77,31,437**
कम: धनवापसी	-	-
कम: व्यय के लिए उपयोग किया गया		
राजस्व व्यय के लिए उपयोग किया गया	18,80,00,000	15,55,00,000
पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग किया गया	3,70,30,742	3,07,87,032
पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग (स्थायी परिसर)	36,96,08,853	3,75,83,395
कुल(b)	**59,46,39,595**	**22,38,70,427**
अनुपयोगी अग्रेषित (a-b) = क	**79,24,62,323**	**70,38,61,010**
अप्रयुक्त राजस्व अनुदान	-	-
अप्रयुक्त पूंजी अनुदान	1,49,60,284	4,97,04,894
अप्रयुक्त पूंजी अनुदान (स्थायी परिसर)	77,75,02,039	65,41,56,116
B. यूजीसी अनुदान		
अप्रयुक्त अग्रेषित= B	**-**	**-**
C. राज्य सरकार से अनुदान।		
अप्रयुक्त अग्रेषित = C	**-**	**-**
कुल योग (क+ख+ग)	**79,24,62,323**	**70,38,61,010**

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम

31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट का भाग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 - अचल संपत्ति	
इस शीर्ष के अंतर्गत, वर्गीकरण और प्रकटीकरण इस प्रकार होंगे:	
1.भूमि	फ्रीहोल्ड भूमि और लीजहोल्ड भूमि शामिल है, जिसे स्पष्ट रूप से दिखाया जाना है
2. साइट विकास	
3. भवन	संस्थान के भवन जैसे कॉलेज भवन, कार्यालय भवन, कर्मचारी आवासीय भवन, छात्रावास भवन, अस्थायी संरचनाएं और शेड शामिल हैं।
4. संयंत्र और मशीनरी	एयर कंडीशनर, वाटर/एयर कूलर, जनरेटर सेट, टेलीविजन सेट, अग्निशामक आदि शामिल हैं।
5. विद्युत स्थापना	बिजली के फिक्स्चर और फिटिंग जैसे पंखे, और ट्यूब लाइट फिटिंग शामिल हैं।
6.नलकूप और जल आपूर्ति प्रणाली	नलकूपों और जल आपूर्ति प्रणालियों को एक विशिष्ट श्रेणी के रूप में दिखाया जा सकता है
7. कार्यालय उपकरण	फैक्स मशीन, फोटोकॉपियर, ईपीएबीएक्स, टाइपराइटर, डुप्लीकेटिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर आदि जैसी वस्तुओं को शामिल हैं।
8. प्रयोगशाला और वैज्ञानिक उपकरण	सूक्ष्मदर्शी, दूरबीन, विच्छेदन उपकरण, कांच उपकरण, माप उपकरण और अन्य प्रकार के प्रयोगशाला उपकरण जैसे आइटम शामिल हैं,
9 . श्रव्य दृश्य उपकरण	टेलीविजन सेट, ओवरहेड प्रोजेक्टर, टेप रिकॉर्डर शामिल हैं। डीवीडी / वीसीडी प्लेयर, कैमरा, मूवी प्रोजेक्टर आदि
10. फर्नीचर, जुड़नार और फिटिंग	डेस्क/बेंच, कैबिनेट, अलमीरा, टेबल, कुर्सियाँ, पार्टीशन आदि जैसे आइटम शामिल हैं
11. कंप्यूटर/पेरिफेरल्स	कंप्यूटर, प्रिंटर और अन्य बाह्य उपकरणों जैसे यूपीएस आदि को शामिल हैं।
12.खेल उपकरण	टेबल टेनिस टेबल, जिम उपकरण जैसे आइटम शामिल हैं।
13. वाहन	बसें, लॉरी, वैन, कार, स्कूटर आदि शामिल हैं।
14.पुस्तकालय पुस्तकें और वैज्ञानिक पत्रिकाएं	पुस्तकालय की पुस्तकों में पुस्तकें / वैज्ञानिक पत्रिकाएँ शामिल होंगी
15. अमूर्त संपत्ति	अलग से निर्दिष्ट कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, पेटेंट और व्यापार चिह्न, ई जर्नल शामिल हैं।
16. पूंजीगत कार्य–प्रगति	निर्माण के दौरान अचल संपत्तियों को इस शीर्ष के सामने तब तक दिखाया जाना चाहिए जब तक कि वे अपने इच्छित उपयोग के लिए तैयार न हों। अधिग्रहीत संयंत्र, मशीनरी और उपकरण और लंबित स्थापना और कमीशनिंग को भी यहां शामिल किया जाना चाहिए।

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम

31 मार्च 2021 बैलेंस शीट के लिए अनुसूचियां बनाने का भाग

(राशि ₹ में)

अनुसूची 4 अचल संपत्ति (कुल 4क+ 4ख + 4ङ)											
क्रमांक	परिसंपत्तियों के शीर्षक	सकल परिसंपत्तियां				वर्ष 2020-21 के लिए मूल्यह्रास				शुद्ध संपत्तियाँ	
		प्रारम्भिक जमा 01.04.2020	अनुवृद्धिया	कटौतियां/ समायोजन*	अंतिम शेष 31.03.2021	मूल्यह्रास प्रारम्भिक जमा	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	कटौतियां/ समायोजन^	कुल मूल्यह्रास	31.03.2021	31.03.2020
1	भूमि	242	-	-	242	-	-	-	-	242	242
2	साइट का विकास	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3	भवन	10,25,89,144	-	-	10,25,89,144	3,22,91,036	28,38,403	-	3,51,29,439	6,74,59,705	7,02,98,108
4	सड़कें एवं पुल	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	ट्यूबवेल और जल आपूर्ति	4,81,997	-	-	4,81,997	9,640	9,640	-	19,280	4,62,717	4,72,357
6	सीवरेज एवं जल निकासी	5,71,472	-	-	5,71,472	11,429	11,429	-	22,858	5,48,614	5,60,043
7	विद्युत स्थापन एवं उपकरण	1,67,64,975	5,10,678	-	1,72,75,653	1,12,48,699	11,88,329	-2,450	1,24,39,478	48,36,175	55,16,276
8	प्लांट एवं मशीनरी	1,03,56,951	-	-	1,03,56,951	21,08,734	5,17,848	-	26,26,582	77,30,369	82,48,217
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	कार्यालय उपकरण	39,04,377	4,28,567	-	43,32,944	7,61,067	3,24,972	-	10,86,039	32,46,905	31,43,310
11	श्रव्य/दृश्य उपकरण	3,36,73,921	60,97,142	-	3,97,71,063	94,96,199	29,82,830	-	1,24,79,029	2,72,92,034	2,41,77,722
12	कंप्यूटर एवं उपकरण	1,45,06,395	31,10,853	71,990	1,75,45,258	75,92,855	30,68,194	43,194	1,06,17,855	69,27,403	69,13,540
13	फर्नीचर, फिक्सचर्स एवं फिटिंग्स	2,83,55,424	20,00,368	-	3,03,55,792	61,00,050	22,76,683	-	83,76,733	2,19,79,059	2,22,55,374
14	वाहन	43,000	-	-	43,000	20,700	4,300	-	25,000	18,000	22,300
15	पुस्तकालय की पुस्तकें एवं जर्नल्स	34,18,954	1,363	-	34,20,317	11,96,027	3,42,031	-	15,38,058	18,82,259	22,22,927

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्नम

31 मार्च 2021 बैलेंस शीट के लिए अनुसूचियां बनाने का भाग

(राशि ₹ में)

अनुसूची 4 अचल संपत्ति (कुल 4क+ 4ख + 4ङ) Contd.

क्रमांक	परिसंपत्तियों के शीर्षक	सकल परिसंपत्तियां				वर्ष 2020-21 के लिए मूल्यहास				शुद्ध संपत्तियाँ	
		प्रारम्भिक जमा 01.04.2020	अनुवृद्धिया	कटौतियां/ समायोजन*	अंतिम शेष 31.03.2021	मूल्यहास प्रारम्भिक जमा	वर्ष के लिए मूल्यहास	कटौतियां/ समायोजन^	कुल मूल्यहास	31.03.2021	31.03.2020
16	कम मूल्य की संपत्तियाँ	-	58,258	-	58,258	-	58,258	-	58,258	-	-
	कुल (A)	**21,46,66,852**	**1,22,07,229**	**71,990**	**22,68,02,091**	**7,08,36,436**	**1,36,22,917**	**40,744**	**8,44,18,609**	**14,23,83,482**	**14,38,30,416**
17	चालू कार्य में पूंजी (ऑ)	**1,91,60,043**	**36,99,67,853**	**-**	**38,91,27,896**	**-**	**-**	**-**	**-**	**38,91,27,896**	**1,91,60,043**
क्रमांक	अमूर्त संपत्तियां	प्रारम्भिक जमा 01.04.2020	अनुवृद्धियां	कटौतिया	अंतिम शेष 31.03.2021	मूल्यहास प्रारम्भिक जमा	वर्ष के लिए ऋणमुक्ति	कटौतियां/ समायोजन	कुल ऋणमुक्ति/ समायोजन	31.03.2021	31.03.2020
18	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	51,38,495	8,80,331	-	60,18,826	46,46,314	7,98,025	-	54,44,339	5,74,487	4,92,181
19	ई–जर्नल्स	3,98,41,404	2,36,56,172	-	6,34,97,576	2,53,79,316	2,03,16,525	-	4,56,95,841	1,78,01,735	1,44,62,088
20	पेटेंट्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (ग)	**4,49,79,899**	**2,45,36,503**	**-**	**6,95,16,402**	**3,00,25,630**	**2,11,14,550**	**-**	**5,11,40,180**	**1,83,76,222**	**1,49,54,269**
कुल योग (क+ख+ग)		**27,88,06,794**	**40,67,11,585**	**71,990**	**68,54,46,389**	**10,08,62,066**	**3,47,37,467**	**40,744**	**13,55,58,789**	**54,98,87,600**	**17,79,44,728**

टिप्पणी: *

कटौतियां/समायोजन सम्पत्तियों के निस्तारण पर आधारित हैं

कटौतियां/समायोजन संशोधन (रू.2,450) और संपत्ति के निस्तारण (रू.43,194) पर आधारित हैं

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम

31 मार्च 2021 को अनुसूचियां बनाने का भाग

(राशि ₹ में)

अनुसूची4A - एमओई अनुदान से संपत्तियाँ												
क्रमांक	सम्पत्तियों का शीर्षक	सकल संपत्तियां				वर्ष 2020-21 के लिए मूल्यह्रास					शुद्ध संपत्तियां	
		प्रारम्भिक जमा 01.04.2020	अनुवृद्धियां	कटौतियां/ समायोजन	अंतिम शेष 31.03.2021	मूल्यह्रास प्रारम्भिक जमा	दर	मूल्यह्रास	कटौतियां/ समायोजन कुल	मूल्यह्रास	31.03.2021	31.03.2020
1	भूमि	-	-	-	-	-	00.00%	-	-	-	-	-
2	साइट का विकास	-	-	-	-	-	00.00%	-	-	-	-	-
3	भवन	10,25,89,144	-	-	10,25,89,144	3,22,91,036	भिन्न	28,38,403	-	3,51,29,439	6,74,59,705	7,02,98,108
4	सड़कें और पुल	-	-	-	-	-	02.00%	-	-	-	-	-
5	ट्यूबवेल और जल आपूर्ति	4,81,997	-	-	4,81,997	9,640	02.00%	9,640	-	19,280	4,62,717	4,72,357
6	सीवरेज और जल निकासी	5,71,472	-	-	5,71,472	11,429	02.00%	11,429	-	22,858	5,48,614	5,60,043
7	विद्युत स्थापन एवं उपकरण	1,67,64,975	5,10,678	-	1,72,75,653	1,12,48,699	Varies	11,88,329	-2,450	1,24,39,478	48,36,175	55,16,276
8	प्लांट एवं मशीनरी	1,03,56,951	-	-	1,03,56,951	21,08,734	05.00%	5,17,848	-	26,26,582	77,30,369	82,48,217
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण	-	-	-	-	-	08.00%	-	-	-	-	-
10	कार्यालय उपकरण	39,04,377	4,28,567	-	43,32,944	7,61,067	07.50%	3,24,972	-	10,86,039	32,46,905	31,43,310
11	श्रव्य दृश्य उपकरण	3,36,73,921	60,97,142	-	3,97,71,063	94,96,199	07.50%	29,82,830	-	1,24,79,029	2,72,92,034	2,41,77,722
12	कंप्यूटर एवं उपकरण	1,45,06,395	31,10,853	71,990	1,75,45,258	75,92,855	20.00%	30,68,194	43,194	1,06,17,855	69,27,403	69,13,540
13	फर्नीचर, फिक्सचर्स एवं फिटिंग्स	2,83,55,424	20,00,368	-	3,03,55,792	61,00,050	07.50%	22,76,683	-	83,76,733	2,19,79,059	2,22,55,374

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम
31 मार्च 2021 को अनुसूचियां बनाने का भाग

(राशि ₹ में)

अनुसूची4A - एमओई अनुदान से संपत्तियाँ Contd.

क्रमांक	सम्पत्तियों का शीर्षक	सकल संपत्तियां				वर्ष 2020-21 के लिए मूल्यह्रास					शुद्ध संपत्तियां	
		प्रारम्भिक जमा 01.04.2020	अनुवृद्धियां	कटौतियां/ समायोजन	अंतिम शेष 31.03.2021	मूल्यह्रास प्रारम्भिक जमा	दर	मूल्यह्रास	कटौतियां/ समायोजन कुल	मूल्यह्रास	31.03.2021	31.03.2020
14	वाहन	43,000	-	-	43,000	20,700	10.00%	4,300	-	25,000	18,000	22,300
15	पुस्तकालय की पुस्तकें	31,68,205	1,363	-	31,69,568	11,07,068	10.00%	3,16,956	-	14,24,024	17,45,544	20,61,137
16	कम मूल्य की संपत्तियाँ	-	58,258	-	58,258	-	-	58,258	-	58,258	-	-
कुल (A)		**21,44,15,861**	**1,22,07,229**	**71,990**	**22,65,51,100**	**7,07,47,477**	**-**	**1,35,97,842**	**40,744**	**8,43,04,575**	**14,22,46,525**	**14,36,68,384**
17	चालू कार्य में पूंजी (ऑ)	**1,91,60,043**	**36,99,67,853**		**38,91,27,896**	**-**		**-**	**-**	**-**	**38,91,27,896**	**1,91,60,043**
क्रमांक	**अमूर्त संपत्तिया**	**प्रारम्भिक जमा 01.04.2020**	**अनुवृद्धियाँ**	**sकटौतियाँ**	**अंतिम शेष 31.03.2021**	**मूल्यह्रास प्रारम्भिक जमा**	**दर**	**ऋणमुक्ति वर्ष के लिए**	**कटौतियाँ/ समायोजन कुल**	**ऋणमुक्ति/ समायोजन**	**31.03.2021**	**31.03.2020**
18	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	51,38,495	8,80,331	-	60,18,826	46,46,314	40.00%	7,98,025	-	54,44,339	5,74,487	4,92,181
19	ई–पुस्तकें	3,98,41,404	2,36,56,172	-	6,34,97,576	2,53,79,316	40.00%	2,03,16,525	-	4,56,95,841	1,78,01,735	1,44,62,088
20	पेटेंट्स	-	-	-	-	-	9yrs	-	-	-	-	-
कुल (ग)		**4,49,79,899**	**2,45,36,503**	**-**	**6,95,16,402**	**3,00,25,630**		**2,11,14,550**	**-**	**5,11,40,180**	**1,83,76,222**	**1,49,54,269**
कुल योग (क+ख+ग)		**27,85,55,803**	**40,67,11,585**	**71,990**	**68,51,95,398**	**10,07,73,107**		**3,47,12,392**	**40,744**	**13,54,44,755**	**54,97,50,643**	**17,77,82,696**

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम
31 मार्च 2021 को अनुसूचियां बनाने का भाग

(राशि ₹ में)

अनुसूची 4B परियोजनाओं/अन्य अनुदानों से संपत्तिया

क्रमांक	सम्पत्तियों के शीर्षक	सकल संपत्तियां				वर्ष 2020-21 के लिए मूल्यह्रास				शुद्ध संपत्तियां	
		प्रारम्भिक जमा 01.04.2020	अनुवृद्धियां	कटौतियां	अंतिम शेष 31.03.2021	मूल्यह्रास आरंभिक जमा	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	कटौतियां/ समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2021	31.03.2020
1	भूमि	शून्य									
2	साइट का विकास										
3	भवन										
4	सड़कें एवं पुल										
5	ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति										
6	सीवरेज एवं जलनिकासी										
7	विद्युत स्थापन एवं उपकरण										
8	प्लांट एवं मशीनरी										
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण										
10	कार्यालय उपकरण										
11	श्रव्य दृश्य उपकरण										
12	कंप्यूटर एवं उपकरणळ										
13	फर्नीचर्स, फिक्सचर्स एवं फिटिंग्स										
14	वाहन										
15	पुस्तकालय की पुस्तकें										
16	छोटे मूल्य की संपत्तियाँ										
	कुल(क)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17	**चालू कार्य में पूंजी (ख)**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क्रमांक	अमूर्त संपत्तिया	प्रारम्भिक जमा 01.04.2020	अनुवृद्धियाँ	sकटौतियाँ	अंतिम शेष 31.03.2021	मूल्यह्रास प्रारम्भिक जमा	ऋणमुक्ति वर्ष के लिए	कटौतियाँ/ समायोजन कुल	ऋणमुक्ति/ समायोजन	**31.03.2021**	**31.03.2020**
18	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	शून्य									
19	ई–पुस्तकें										
20	पेटेंट्स										
	कुल (ग)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल योग (क+ख+ग)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम
31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट की अनुसूचियां बनाने का भाग

(राशि ₹ में)

अनुसूची 4ग – अमूर्त संपत्तियां

क्रमांक	सम्पत्तियों के शीर्षक	सकल संपत्तिया				वर्ष 2020-21 के लिए मूल्यहास					शुद्ध संपत्तियां	
		प्रारम्भिक जमा 01.04.2020	अनुवृद्धियां	कटौतियां	अंतिम शेष 31.03.2021	मूल्यहास/ ऋणमुक्तियों का प्रारम्भिक जमा	दर	वर्ष के लिए मूल्यहास/ ऋणमुक्ति	कटौतियां/ समायोजन	कुल मूल्यहास/ ऋणमुक्ति	31.03.2021	31.03.2020
1	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	51,38,495	8,80,331	-	60,18,826	46,46,314	40.00%	7,98,025	-	54,44,339	5,74,487	4,92,181
2	ई–जर्नल्स	3,98,41,404	2,36,56,172	-	6,34,97,576	2,53,79,316	40.00%	2,03,16,525	-	4,56,95,841	1,78,01,735	1,44,62,088
3	पेटेंट्स एवं कॉपीराइट्स	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग	**4,49,79,899**	**2,45,36,503**	**-**	**6,95,16,402**	**3,00,25,630**		**2,11,14,550**	**-**	**5,11,40,180**	**1,83,76,222**	**1,49,54,269**

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम

31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट की अनुसूचियां बनाने का भाग

(राशि ₹ में)

अनुसूची4(ग) (i) पेटेंट्स एवं कॉपीराइट्स						
विवरण	प्रारम्भिक जमा 01.04.2020	अनुवृद्धियां	सकल	ऋणमुक्ति	शुद्ध संपत्तियां 2020-21	शुद्ध संपत्तियां 2019-20
क.पेटेंट प्रदत्त	-	-	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-	-	-
विवरण	प्रारम्भिक जमा 01.04.2020	अनुवृद्धियां	Gross	पेटेंट प्रदत्त/ अस्वीकृत	शुद्ध संपत्तियां 2020-21	शुद्ध संपत्तियां 2019-20
ख.आवेदित पेटेंट के संबंध में लंबित पेटेंट्स	-	-	-	-	-	-
योग	-	-	-	-	-	-
C. कुल योग(क+ख)	-	-	-	-	-	-

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम

31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट के लिए अनुसूचियाँ बनाने का भाग

(राशि ₹ में)

अनुसूची 4D अन्य (संपत्तियां–अनुदान)

क्रमांक	सम्पत्तियों का शीर्षक	सकल संपत्तिया				वर्ष 2020-21 के लिए मूल्यह्रास				शुद्ध परिसंपत्तियां	
		प्रारम्भिक जमा 01.04.2020	अनुवृद्धिया	कटौतिया	अंतिम शेष 31.03.2021	मूल्यह्रास प्रारम्भिक जमा	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	कटौतियां/ समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2021	31.03.2020
1	भूमि	242	-	-	242	-	-	-	-	242	242
2	साइट का विकास	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3	भवन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4	सड़कें एवं पुल	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6	सीवरेज एवं जलनिकासी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	विद्युत स्थापन एवं उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8	मशीनरी एवं उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
10	कार्यालय उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
11	श्रव्य दृश्य उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12	कंप्यूटर एवं उपकरणळ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
13	फर्नीचर्स, फिक्सचर्स एवं फिटिंग्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
14	वाहन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
15	पुस्तकालय की पुस्तकें और वैज्ञानिक जर्नल्स	2,50,749	-	-	2,50,749	88,958	25,075	-	1,14,033	1,36,716	1,61,791
16	छोटे मूल्य की संपत्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल	**2,50,991**	**-**	**-**	**2,50,991**	**88,958**	**25,075**	**-**	**1,14,033**	**1,36,958**	**1,62,033**

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम
31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट के लिए अनुसूचियाँ बनाने का भाग

(राशि ₹ में)

अनुसूची 4D अन्य (संपत्तियां–अनुदान)

क्रमांक	सम्पत्तियों का शीर्षक	सकल संपत्तिया				वर्ष 2020-21 के लिए मूल्यह्रास				शुद्ध परिसंपत्तियां	
		प्रारम्भिक जमा 01.04.2020	अनुवृद्धिया	कटौतिया	अंतिम शेष 31.03.2021	मूल्यह्रास प्रारम्भिक जमा	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	कटौतियां/ समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.2021	31.03.2020
17	चालू कार्य में पूंजी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल योग	**2,50,991**	**-**	**-**	**2,50,991**	**88,958**	**25,075**	**-**	**1,14,033**	**1,36,958**	**1,62,033**

टिप्पणी:	वर्ष के दौरान अनुवृद्धियां निम्न से अनुवृद्धियों सहित:	
	प्राप्त उपहार	–
	निर्धारित निधि	–
	प्रायोजित परियोजनाए	–
	स्वयं की पूंजी	–
	कुल	-

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम

31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट के लिए अनुसूचियाँ बनाने का भाग

(राशि ₹ में)

अनुसूची 5 निर्धारित/अक्षय निधि से निवेश

विवरण	वर्तमान वर्ष 2020-21	पिछला वर्ष 2019-20
1. बैंकों में सावधि जमा		
दीर्घकालिक	-	2,20,96,893
अंशकालिक	4,45,97,042	-
योग	**4,45,97,042**	**2,20,96,893**

अनुसूची 5(ए) निर्धारित/अक्षय निधियों से निवेश (निधिवार)

(राशि ₹ म)

विवरण	वर्तमान वर्ष 2020-21	पिछला वर्ष 2019-20
1. अक्षय निधि निवेश – भवन	2,15,88,566	2,00,00,000
2. अक्षय निधि निवेश – स्वर्ण पदक	22,63,050	20,96,893
3. निर्धारित निवेश – ग्रेज्युटी और अवकाश नकादिकर्ण – एलआईसी *	2,07,45,426	-
योग	**4,45,97,042**	**2,20,96,893**

* अनुसूची 3 के अंतर्गत प्रावधानों के विरुद्ध निवेश

अनुसूची 6 निवेश – अन्य

(राशि ₹ म)

विवरण	वर्तमान वर्ष 2020-21	पिछला वर्ष 2019-20
1. केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-
2. र्राज्य सरकार की प्रतिभूतियों म	-	-
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
4. शेयर्स	-	-
5. डिबेंचर्स एवं बोण्ड्स	-	-
6. अन्य	-	-
योग	**-**	**-**

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम

31 मार्च 2021 को बैलेंस शीट के लिए अनुसूचियां बनाने का भाग

(राशि ₹ में)

अनुसूची 7 चालू संपत्तियां		
विवरण	वर्तमान वर्ष 2020-21	पूर्व वर्ष 2019-20
1. स्टॉक	**8,05,999**	**8,96,258**
a) चिकित्सा	34,923	37,183
b) विद्युत	15,611	38,806
c) स्टेशनरी	7,55,465	8,20,269
2. विविध देनदार	**72,13,842**	**90,43,893**
a) छह माह से अधिक समय से बकाया देनदारी	-	-
b) अन्य	**72,13,842**	**90,43,893**
- एमडीपी	-	36,56,393
- पीजीपी	2,54,814	-
- पीजीपीईएक्स	1,98,000	-
- पीजीपीडीजीएम	67,61,028	53,87,500
3. नकद एवं बैंक बैलेंस	**1,54,91,65,834**	**1,10,15,73,870**
a) अनुसूचित बैंकों के साथ	**1,54,91,65,834**	**1,10,14,84,287**
- चालू खाते में	-	10,175
- सावधि जमा खातों में	1,54,16,33,852	1,08,69,65,743
- बचत खातों मे	57,26,982	21,15,369
- फ्लेक्सी खातों में	18,05,000	1,23,93,000
b) गैर–अनुसूचित बैंकों के साथ	-	-
c) नकद हाथ में (इम्प्रेस्ट)	-	89,583
4. पोस्ट ऑफिस बचत खाते	-	-
5. अन्य चालू संपत्तियाँ	**22,81,017**	**1,18,208**
a) सीजीएसटी प्राप्तियाँ (इनपुट टैक्स क्रेडिट)	-	12,002
b) एसजीएसटी प्राप्तियाँ (इनपुट टैक्स क्रेडिट)	-	12,002
c) टीडीएस प्राप्तियाँ	22,81,017	94,204
कुल	**1,55,94,66,692**	**1,11,16,32,229**

(राशि ₹ म)

परिशिष्ट A	वर्तमान वर्ष 2020-21	पूर्व वर्ष 2019-20
I. बैंक बचत खाता	57,26,982	21,15,369
II. फ्लेक्सी खाता	18,05,000	1,23,93,000
III. चालू खाता	-	10,175
IV. अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमा	1,54,16,33,852	1,08,69,65,743
कुल	**1,54,91,65,834**	**1,10,14,84,287**

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम
31 मार्च 2021 की बैलेंस शीट के लिए अनुसूचियां बनाने का भाग

(राशि ₹ में)

अनुसूची 8 ऋण, अग्रिम राशियां और जमा		
विवरण	वर्तमान वर्ष 2020-21	पूर्व वर्ष 2019-20
1. कर्मचारियों को अग्रिम: गैर ब्याज धारक – वापसी योग्य	29,450	2,07,525
2. कर्मचारियों को दीर्घकालिक अग्रिम: (ब्याज धारक)	-	-
3. आपूर्तिकर्ताओं को अग्रिम राशियाँ या अन्य वापसी योग्य राशियाँ नकद या वस्तु या उनका मूल्य वापसी योग्य	49,79,133	4,66,348
4. पूर्व भुगतान व्यय	**1,07,38,490**	**1,04,49,550**
a) प्रतिष्ठान	12,72,546	13,42,167
b) शैक्षणिक	78,93,237	73,35,567
c) प्रशासन	3,57,900	4,09,353
d) मरम्मत एवं रखरखाव	12,14,807	13,62,463
5. जमा	**16,65,049**	**2,68,304**
a) टेलीफोन एवं इंटरनेट	21,500	21,250
b) किराया	70,000	70,000
c) विद्युत	15,26,400	26,400
d) यात्रा (मेक माई ट्रिप)	47,149	1,50,654
6. उपार्जित आय	**2,32,54,902**	**1,66,37,543**
a) समग्र/पूंजी निधि से निवेश पर	88,69,147	72,73,023
b) निर्धारित/अक्षय निधि से निवेश पर	14,17,179	16,81,613
c) अन्य निवेशों पर	35,40,234	47,64,701
d) अप्रयुक्त पूंजी अनुदान	94,28,342	29,18,206
7. अन्य – यूजीसी/प्रायोजित परियोजनाओं से वर्तमान प्राप्य संपत्तियां	-	-
8. उद्यमिता उद्भव अधिगम एवं विकास के लिए आईआईएमवी फाउंडेशन से प्राप्तियाँ (आईआईएमवी क्षेत्र)	8,57,731	-
कुल	**4,15,24,755**	**2,80,29,270**

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम
31 मार्च 2021 को आय और व्यय का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 9 शैक्षणिक प्राप्तियां		
विवरण	वर्तमान वर्ष 2020-21	पूर्व वर्ष 2019-20
शैक्षणिक		
1. शिक्षण शुल्क		
a) पीजीपी	15,02,61,139	13,43,82,988
b) पीजीसीईपी	-	89,15,625
c) पीजीपीईएक्स	2,45,83,000	92,13,000
d) पीजीपीडीजीएम	1,58,46,387	64,35,000
2. आवेदन / परीक्षण शुल्क	1,51,500	2,02,000
कुल (क)	**19,08,42,026**	**15,91,48,613**
परीक्षाओं	-	-
कुल (ख)	-	-
अन्य शुल्क		
1. विविध / लेखा परीक्षा पाठ्यक्रम शुल्क	1,80,939	84,529
कुल (ग)	**1,80,939**	**84,529**
प्रकाशनों की बिक्री	-	-
कुल (घ)	-	-
अन्य शैक्षणिक प्राप्तियां – कार्यशालाओं के लिए पंजीकरण शुल्क	-	-
कुल (ङ)	-	-
समग्र योग (क+ख+ग+घ+ङ)	**19,10,22,965**	**15,92,33,142**

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम
31 मार्च 2021 को आय और व्यय का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 10 अनुदान/सब्सिडी (प्राप्त किए गए अपरिवर्तनीय अनुदान)		
विवरण	वर्तमान वर्ष 2020-21	पूर्व वर्ष 2019-20
शेष ख/च	70,38,61,010	28,67,08,736
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियां	63,46,27,215	61,42,79,708
राजस्व अनुदान	**18,80,00,000**	**15,55,00,000**
पूंजी अनुदान	-	1,35,00,000
पूंजीगत अनुदान (स्थायी परिसर)	44,66,27,215	44,52,79,708
जोड़ें: अनुपयोगी अनुदान पर ब्याज	4,86,13,693	2,67,42,993
राजस्व अनुदान	-	-
पूंजी अनुदान	22,86,132	29,99,510
पूंजीगत अनुदान (स्थायी परिसर)	4,63,27,561	2,37,43,483
कुल(क)	1,38,71,01,918	92,77,31,437
कम: व्यय के लिए प्रयुक्त		
राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त	**18,80,00,000**	**15,55,00,000**
पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त	3,70,30,742	3,07,87,032
पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग (स्थायी परिसर)	36,96,08,853	3,75,83,395
कुल (ख)	59,46,39,595	22,38,70,427
शेष ग/च (ग = क– ख)	79,24,62,323	70,38,61,010
अप्रयुक्त राजस्व अनुदान	-	-
अप्रयुक्त पूंजी अनुदान	1,49,60,284	4,97,04,894
अप्रयुक्त पूंजी अनुदान (स्थायी परिसर)	77,75,02,039	65,41,56,116

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम
31 मार्च 2021 को आय और व्यय का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 11 निवेश से आय

विवरण	वर्तमान वर्ष 2020-21		पिछला वर्ष 2019-20		वर्तमान वर्ष 2020-21	पिछला वर्ष 2019-20
	कॉर्पस/पूंजी निधि	बंदोबस्ती निधि	कॉर्पस/पूंजी निधि	बंदोबस्ती निधि	अन्य निवेश	
1. सावधि जमा पर ब्याज	40,17,687	73,110	48,98,391	-	1,08,63,026	52,40,290
2. अर्जित आय लेकिन सावधि जमा पर देय नहीं	88,69,147	14,17,179	72,73,023	16,04,948	35,40,234	47,64,701
3. अन्य – एलआईसी निवेश	-	-	-	-	3,70,105	-
कुल	**1,28,86,834**	**14,90,289**	**1,21,71,414**	**16,04,948**	**1,47,73,365**	**1,00,04,991**
संबंधित निधि में स्थानांतरित	1,28,86,834	14,90,289	1,21,71,414	16,04,948	-	-
शेष राशि	**-**	**-**	**-**	**-**	**1,47,73,365**	**1,00,04,991**

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम
31 मार्च 2021 को आय और व्यय का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 12: अर्जित ब्याज

विवरण	वर्तमान वर्ष 2020-21	पूर्व वर्ष 2019-20
a) अनुसूचित बैंकों के बचत खातों पर	4,13,288	1,68,523
b) देनदारों और अन्य प्राप्य (टीडीएस प्राप्य) पर	2,934	23,676
कुल	**4,16,222**	**1,92,199**

अनुसूची 13 अन्य आय

विवरण	वर्तमान वर्ष 2020-21	पूर्व वर्ष 2019-20
a) भूमि और भवनों से आय	-	-
b) संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री	-	-
c) अधिसंपत्ति से आय		
1. वार्षिक समारोह/खेल कार्निवाल से सकल प्राप्तियां/ आईसीओआरडीएस/एआईबी	84,177	12,72,704
d) अन्य		
1. प्रबंधन विकास कार्यक्रमों से आय	1,95,80,688	82,73,929
2. सीएटी अधिशेष शेयर	48,77,436	-
3. अनुसंधान परियोजना से आय	2,59,780	2,11,846
4. विविध रसीदें (स्क्रैप की बिक्री, आरटीआई शुल्क आदि)	31,676	10,998
5. कमरे का किराया	-	28,900
6. कर्मचारियों, विक्रेताओं आदि से वसूली	43,275	87,685
7. परिसंपत्ति की बिक्री/निपटान पर लाभ – स्वामित्व वाली संपत्ति	2,104	-
कुल	**2,48,79,136**	**98,86,062**

अनुसूची 14 पूर्व अवधि आय

विवरण	वर्तमान वर्ष 2020-21	पूर्व वर्ष 2019-20
a) अन्य आय	3,43,687	34,625
कुल	**3,43,687**	**34,625**

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम
31 मार्च 2021 को आय और व्यय का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 15- कर्मचारी भुगतान और लाभ (संस्थान व्यय)		
विवरण	वर्तमान वर्ष 2020-21	पूर्व वर्ष 2019-20
a) वेतन और मजदूरी	**7,19,30,015**	**5,88,75,159**
1. शिक्षण	4,26,47,314	3,05,91,580
2. गैर शिक्षण	2,92,82,701	2,82,83,579
b) भत्ते और बोनस	**2,20,22,274**	**1,03,11,615**
1. शिक्षण	1,94,04,931	88,09,923
2. गैर शिक्षण	26,17,343	15,01,692
c) पीएफ (शिक्षण) में अंशदान	**3,79,080**	**3,75,030**
d) अन्य फंड में अंशदान (एनपीएस)	**72,00,586**	**50,66,942**
1. शिक्षण	55,28,441	38,44,451
2. गैर शिक्षण	16,72,145	12,22,491
e) कर्मचारी कल्याण व्यय	**21,05,548**	**20,28,677**
f) सेवानिवृत्ति और सेवा समाप्ति लाभ	**58,71,075**	**67,52,450**
g) भर्ती और प्रशिक्षण	**25,43,269**	**37,26,252**
1. शिक्षण	22,14,856	28,76,794
2. गैर शिक्षण	3,28,413	8,49,458
h) अन्य – संकाय विकास व्यय	**16,29,157**	**17,70,441**
कुल	**11,36,81,004**	**8,89,06,566**

अनुसूची 15 A- कर्मचारी सेवानिवृत्ति और सेवा समाप्ति लाभ			
विवरण	उपदान	छुट्टी के बदले नक़द भुगतान	कुल
01-04-2020 के अनुसार प्रारंभिक शेष राशि	70,00,074	59,42,582	1,29,42,656
संयोजन: अन्य संगठनों से प्राप्त योगदान का पूंजीकृत मूल्य	-	-	-
कुल(a)	70,00,074	59,42,582	1,29,42,656
कम : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (b)	-	14,04,477	14,04,477
31.03.2021 को उपलब्ध शेष राशि (c) = (a -b)	70,00,074	45,38,105	1,15,38,179
बीमांकिक मूल्यांकन और आंतरिक अनुमान के अनुसार 31.03.2021 को आवश्यक प्रावधान (d)	**76,60,984**	**97,48,270**	**1,74,09,254**
वर्तमान वर्ष में किया जाने वाला प्रावधान (d -c)	6,60,910	52,10,165	58,71,075
कुल	**6,60,910**	**52,10,165**	**58,71,075**

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम

31 मार्च 2021 को आय और व्यय का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 16 शैक्षणिक व्यय

विवरण	वर्तमान वर्ष 2020-21	पूर्व वर्ष 2019-20
a) संगोष्ठियों/कार्यशालाओं पर व्यय (अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन)	-	59,00,273
b) अतिथि संकाय को भुगतान (यात्रा एवं आवास सहित)	53,47,685	1,00,86,260
c) परीक्षा	14,35,973	7,83,527
d) छात्र गतिविधियां और कल्याण व्यय	30,13,570	83,82,240
e) प्रवेश व्यय	-	21,74,077
f) दीक्षांत समारोह खच	-	1,21,380
g) प्रकाशन/पाठ्यक्रम सामग्री	1,05,36,699	73,03,870
h) छात्रवृत्ति/योग्यता छात्रवृत्ति–वित्तीय सहायता	34,25,000	33,15,000
i) सदस्यता व्यय	1,43,77,766	1,24,39,871
j) प्लेसमेंट व्यय	23,30,030	27,01,255
k) छात्रों के छात्रावास का खर्च	3,26,54,282	3,40,87,969
l) कार्यक्रम शुरू करने का खर्च	21,624	10,69,528
m) अन्य कार्यक्रम व्यय	**1,80,72,587**	**2,14,98,486**
सम्मेलन (आईसीओआरडीएस और एआईबी)	15,272	14,10,738
एफपीएम/पीएचडी	48,64,210	30,28,757
एमडीपी	67,68,345	49,38,432
पीजीसीईपी	-	37,96,927
पीजीपीईएक्स	37,59,318	19,88,415
पीजीपीडीजीएम	25,78,464	60,09,602
डब्ल्यूएसपी	86,978	3,25,615
कुल	**9,12,15,216**	**10,98,63,736**

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम
31 मार्च 2021 को आय और व्यय का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 17 प्रशासनिक और सामान्य व्यय		
विवरण	वर्तमान वर्ष 2020-21	पूर्व वर्ष 2019-20
क आधारिक संरचना	**88,38,137**	**68,16,109**
a) बिजली और शक्ति	19,97,981	20,46,359
b) बीमा	1,22,230	71,135
c) किराया, दरें और कर (संपत्ति कर सहित)	33,53,834	30,51,268
d) सुरक्षा प्रभार	33,64,092	16,47,347
ख संचार	**15,60,894**	**4,96,278**
e) डाक और लेखन सामग्री	3,28,809	1,95,737
f) टेलीफोन, फैक्स और इंटरनेट प्रभार	12,32,085	3,00,541
ग अन्य	**73,06,720**	**1,37,92,315**
g) मुद्रण और स्टेशनरी (खपत)	5,95,563	12,22,823
h) यात्रा और परिवहन व्यय	3,63,233	10,70,242
i) लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक	3,77,600	7,50,008
j) व्यावसायिक शुल्क	5,56,385	3,33,973
k) विज्ञापन और प्रचार	15,71,705	23,76,493
l) पत्रिकाएं और पत्रिकाएं	1,02,656	1,33,922
m) संस्थान के कार्य	4,61,679	3,75,473
n) बैठक व्यय (बीओजी, बीडब्ल्यूसी, एफआईएसी और अन्य समितियां)	8,84,943	53,32,605
o) कार्यालय का व्यय	19,06,826	15,05,467
p) सदस्यता व्यय (सदस्यता)	1,09,848	3,82,107
q) अन्य	**3,76,282**	**3,09,202**
i) बैंक शुल्क	52,457	1,65,636
ii) वेबसाइट/पोर्टल व्यय	3,21,325	1,41,066
iii) व्यवसाय कर	2,500	2,500
कुल	**1,77,05,751**	**2,11,04,702**

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्नम

31 मार्च 2021 को आय और व्यय का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 18 परिवहन व्यय

विवरण	वर्तमान वर्ष 2020-21	पूर्व वर्ष 2019-20
a) वाहन (टैक्सी) किराया खर्च	18,27,611	51,86,535
कुल	**18,27,611**	**51,86,535**

अनुसूची 19 मरम्मत एवं अनुरक्षण

विवरण	वर्तमान वर्ष 2020-21	पूर्व वर्ष 2019-20
a) भवन और परिसर	5,99,495	4,92,489
b) संयंत्र और मशीनरी	56,232	40,064
c) कार्यालय उपकरण	60,594	46,782
d) कंप्यूटर	33,81,439	26,15,824
e) ऑडियो और वीडियो उपकरण	19,90,463	14,50,463
f) सफ़ाई सामग्री	2,45,599	2,42,567
g) इलेक्ट्रिकल्स और अन्य उपभोग्य वस्तुएं	7,22,106	4,57,179
कुल	**70,55,928**	**53,45,368**

अनुसूची 20 वित्तीय लागत

विवरण	वर्तमान वर्ष 2020-21	पूर्व वर्ष 2019-20
a) बैंक शुल्क	-	-
कुल	**-**	**-**

अनुसूची 21 अन्य व्यय

विवरण	वर्तमान वर्ष 2020-21	पूर्व वर्ष 2019-20
a) खराब और अनैतिक ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान	-	-
b) अपूरणीय शेषराशि बट्टे खाते में डालना	-	-
c) अन्य संस्थानों/संगठनों को अनुदान/सब्सिडी	-	-
कुल	**-**	**-**

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम

31 मार्च 2021 को आय और व्यय का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 22 पूर्व अवधि व्यय		
विवरण	वर्तमान वर्ष 2020-21	पूर्व वर्ष 2019-20
a) शैक्षणिक व्यय	1,80,521	3,85,723
b) प्रशासनिक व्यय	57,682	10,373
c) मरम्मत, रखरखाव और अन्य	2,450	1,987
कुल	**2,40,653**	**3,98,083**

अनुसूची –23 महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. **लेखा तैयार करने का आधार**

केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थाओं के लिए एमओई (कब्ड) दिशानिर्देशों, तथा लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार, वित्तीय विवरण लेखांकन के ऐतिहासिक लागत करार पद्धति के अंतर्गत तथा उपचय आधार पर तैयार किए जाते हैं।

2. **राजस्व मान्यता**

2.1 छात्रों से शुल्क (ट्यूशन शुल्क को छोड़कर) तथा बचत बैंक खाते पर ब्याज, अन्य आय (प्रबंधन विकास कार्यक्रमों से आय को छोड़कर) को नकद आधार पर हिसाब में लिया जाता है। प्रत्येक सेमेस्टर के लिए अलग से एकत्र की गई ट्यूशन फीस का हिसाब उपचय के आधार पर किया जाता है।

2.2 बैंकों में मीयादी जमाराशियों पर ब्याज, एलआईसी के पास जमाराशि और प्रबंधन विकास कार्यक्रमों से आय का लेखा उपचय के आधार पर किया जाता है।

3. **अचल आस्तियां और मूल्यह्रास**

3.1 अचल संपत्तियों को अधिग्रहण की लागत पर बताया जाता है जिसमें आवक भाड़ा, शुल्क और कर तथा अधिग्रहण, स्थापना और कमीशन से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्च शामिल हैं। प्रगति में पूंजीगत कार्य में पूंजीगत परिसंपत्तियों पर होने वाली ऐसी लागत शामिल है, जो रिपोर्टिंग तिथि पर उनके वांछित उपयोग के लिए तैयार नहीं हैं।

3.2 सरकारी अनुदान के रूप में नि:शुल्क प्राप्त भूमि का मूल्यांकन आईसीएआई द्वारा जारी लेखांकन मानक – 12 के सिद्धांतों के अनुसार नाममात्र मूल्य पर किया गया था, तथा इसे पूंजीगत निधि में क्रेडिट द्वारा रखा गया और अचल संपत्तियों के अंतर्गत शामिल किया गया।

3.3 उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों का मूल्यांकन पुस्तकों पर छपे विक्रय मूल्य पर किया जाता है, जहां कीमत मुद्रित नहीं हैं, वहां मूल्यांकन के आधार पर मूल्य निर्धारण किया जाता है।

3.4 अचल संपत्तियों का मूल्यांकन लागत में से संचित मूल्यह्रास घटा कर किया जाता है। अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास एमओई निर्धारित अनुसूची (नीचे दी गई) में निर्दिष्ट लागू दरों पर सीधी रेखा पद्धति (एसएलएम) पर किया जाता है। तथापि, भवन और विद्युत स्थापनाओं और उपकरणों के मामले में, मूल्य आंध्र विश्वविद्यालय के साथ किए गए पट्टा समझौते के अनुरूप परिशोधित है।

मूर्त आस्तिया:

1	भूमि	0%
2	साइट का विकास	0%
3	ावन/ इमारतें (लीजहोल्ड भवन की नवीनीकरण लागत)	टीसी* – लीज़ करार के अनुरूप पीसी* ट्ट 02.00%
4	लीजहोल्ड बिल्डिंग पर विद्युत स्थापना और उपकरण	
5	नलकूप और जल आपूर्ति	02.00%
6	मलप्रवाह एवं जलनिकासी	02.00%
7	मशीनरी एवं उपकरण	05.00%
8	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला के उपकरण	08.00%
9	कार्यालयीन उपकरण	07.50%
10	दृक् श्राव्य उपकरण	07.50%
11	कंप्यूटर एवं सहायक उपकरण	20.00%
12	फर्नीचर, फिक्सचर तथा फिटिंग्स	07.50%
13	वाहन	10.00%
14	पुस्तकालय की पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं	10.00%

*टीसी = पारगमन कैंपस; पीसी = स्थायी कैंपस

अमूर्त आस्तियां (परिशोधन) :

1	ई–जर्नल	40.00%
2	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40.00%

3.5 वर्ष के दौरान परिवर्धन पर पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

3.6 जहां एक परिसंपत्ति का पूरी तरह से मूल्यह्रास किया जाता है, इसे बैलेंस शीट में ₹ 1/ के अवशिष्ट मूल्य पर ले जाया जाता है और आगे मूल्यह्रास नहीं किया जाता है। इसके बाद, प्रत्येक वर्ष में जोड़ी गई आस्तियों पर मूल्यह्रास की गणना उस परिसंपत्ति शीर्ष के लिए लागू मूल्यह्रास की दर पर अलग से की जाती है।

3.7 परिसंपत्तियां, जिनमें से प्रत्येक का व्यक्तिगत मूल्य ₹ 2000/– या उससे कम है (पुस्तकालय की पुस्तकों को छोड़कर) को छोटे मूल्य की संपत्ति के रूप में माना जाता है। ऐसी संपत्तियों के अधिग्रहण के समय उनके संबंध में 100% मूल्यह्रास लगाया जाता है। हालांकि ऐसी संपत्ति के धारकों द्वारा भौतिक लेखांकन और नियंत्रण जारी रखा जाता है।

4. अमूर्त परिसंपत्ति:

4.1 ई–जर्नल्स और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त परिसंपत्ति के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है।.

4.2 इलेक्ट्रॉनिक जर्नल्स (ई–जर्नल्स), जिन्हें प्रदत्त ऑन–लाइन एक्सेस से प्राप्त किया जा सकता है, के सीमित लाभ को ध्यान में रखते हुए इन्हें लाइब्रेरी बुक्स से अलग किया जाता है। ई–जर्नल्स मूर्त रूप में नहीं हैं, किंतु इन परिसंपत्तियों पर व्यय की मात्रा तथा इनसे प्राप्त लाभों की प्रकृति स्थायी होने को ध्यान में रखते हुए इन्हें पूंजीकृत किया जाता है। ई–पत्रिकाओं के संबंध में मूल्यह्रास का प्रावधान निर्धारित उच्चतर दर पर किया जाता है।

4.3 सॉफ्टवेयर के अधिग्रहण पर होने वाले व्यय को कंप्यूटर और बाह्य उपकरणों से अलग कर दिया जाता है, क्योंकि अमूर्त संपत्ति होने के अलावा, इनके संबंध में अप्रचलन की दर बहुत अधिक है। सॉफ्टवेयर के संबंध में निर्धारित उच्चतर दर पर मूल्यह्रास किया जाता है।

4.4 सॉफ्टवेयर, ई–डेटाबेस, ई–जर्नल्स आदि, जिनका जीवन 1 वर्ष के बराबर या उससे कम है, को उपयोग के अनुसार लेखांकन अवधि के बीच विभाजित किया जाता है और राजस्व व्यय के रूप में माना जाता है तथा सदस्यता शुल्क के समूह में रखा जाता है

5. स्टॉक:

स्टॉक की खरीद पर व्यय को राजस्व व्यय के रूप में लेखांकित किया गया है, सिवाय इसके कि 31 मार्च 2021 को बंद स्टॉक के मूल्य को संबंधित विभागों से प्राप्त जानकारी के आधार पर संबंधित राजस्व व्यय को कम करके मालसूची के रूप में रखा जाता है। उनका लागत पर मूल्य लगाया जाता है।

6. सेवानिवृत्ति लाभ:

6.1 सेवानिवृत्ति लाभों में योगदान अर्थात नई पेंशन योजना (एनपीएस) और भविष्य निधि को वास्तविक दायित्व के आधार पर मान्यता दी जाती है और राजस्व में प्रभारित किया जाता है।

6.2 उपदान का प्रावधान बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है और राजस्व के लिए प्रभारित किया जाता है।

6.3 छुट्टी के नकदीकरण का प्रावधान बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है और राजस्व पर प्रभारित किया जाता है।

6.4 वित्त वर्ष 2020–21 से उपदान और छुट्टी नकदीकरण की राशि को भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में ग्रुप ग्रेच्युटी स्कीम (जीजीएस) और ग्रुप लीव एनकैशमेंट स्कीम (जीएलएस) में निश्चित निवेश के रूप में निवेश किया गया है। उक्त योजनाओं के लिए वर्ष के अंत में प्राप्त ब्याज को राजस्व में जोड़ा जाता है, तथा अगले वर्ष देय राशि को प्राप्त ब्याज में से समायोजित किया जाएगा।

7. निवेश:

7.1 दीर्घतर अवधि के निवेश उनकी लागत या अंकित मूल्य, जो भी कम हो, पर किए जाते हैं। तथापि, तुलन–पत्र की तारीख को उनके मूल्य में किसी भी प्रकार के स्थायी ह्रास के लिए प्रावधान किया जाता है।

7.2 अल्पावधि निवेश उनकी लागत या बाजार मूल्य (यदि उद्धृत किया गया हो), जो भी कम हो, पर किया जाता है।

7.3 निधियां, जिनकी व्यय के लिए तत्काल आवश्यकता नहीं होती है, को परिचालन बैंक अर्थात् यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में अल्पावधि आधार पर फ्लेक्सी जमा के रूप में निवेश किया गया है, बचत बैंक खाते में न्यूनतम शेष राशि छोड़ दी गई है।

8. कॉर्पस/पूंजीगत निधि:

पूंजीगत निधि वर्ष के दौरान पूंजीकृत अचल संपत्तियों की सीमा तक बनाई गई है। निधि मुख्यत: भारत सरकार से अनुदान, तथा अन्य अनुदान/दान से बनाई गई है।

बीओजी द्वारा समय–समय पर दिए गए दिशा–निर्देशों के आधार पर राजस्व और पूंजीगत व्यय, दोनों के लिए कॉर्पस फंड का उपयोग किया जाता है। कार्पस फंड से सृजित परिसम्पत्तियों को पूंजी कोष में उतनी ही राशि जमा करके संस्था की परिसम्पत्तियों में मिला दिया जाता है। आय और व्यय से किसी भी अधिशेष या घाटे को कॉर्पस फंड में ले जाया जाता है। कॉर्पस फंड में शेष राशि, जिसे आगे ले जाया जाता है, को बैंक में सावधि जमा द्वारा दर्शाया जाता है तथा निवेश से उपचय के आधार पर प्राप्त होने वाली आय को निधि में जमा किया जाता है।

9. निश्चित / धर्मार्थ निधि:

इन निधियों को दान (एंडोमेंट निधि) के माध्यम से विनिर्दिष्ट उद्देश्यों के लिए निर्धारित किया जाता है। बड़ी शेष राशि वालों के पास बैंकों में सावधि जमा में भी निवेश होता है। धर्मार्थ निवेश से उपचय के आधार पर होने वाली आय को संबंधित निधि में जमा किया जाता है। निधि में से व्यय और अग्रिम डेबिट किए जाते हैं। धर्मार्थ निधि से सृजित जिन आस्तियों का स्वामित्व संस्था में निहित है, को पूंजी निधि में समान राशि जमा करके संस्था की परिसंपत्तियों में विलय किया गया है। संबंधित निधियों में शेष राशि को आगे लाया जाता है, तथा बैंक, निवेश और उपचित ब्याज में शेष राशि को परिसंपत्तियों में दर्शाया जाता है।

फैकल्टी कम्पेंसेशन रिजर्व (ऊइढ) हर वर्ष अधिशेष से बनाया जाता है, जो वित्त वर्ष 2020–21 से निश्चित फंड के रूप में शुरू किया गया है। एफसीआर बीओजी अनुमोदित वार्षिक खातों के आधार पर अधिशेष का 10%; या ₹ 200.00 लाख, जो भी कम हो, होगा।

10. सरकारी अनुदान

10.1 सरकारी अनुदान (एमओई) का हिसाब वसूली के आधार पर किया जाता है। तथापि, जहां वित्तीय वर्ष से संबंधित अनुदान जारी करने की मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त होती है, और वास्तव में अनुदान अगले वित्तीय वर्ष में प्राप्त होता है, तो अनुदान को उपचय के आधार पर लेखांकित किया जाता है और उसके समान राशि को अनुदानकर्ता से वसूली योग्य राशि के रूप में दिखाया जाता है।

10.2 पूंजीगत व्यय (उपचय के आधार पर) के लिए प्रयुक्त सीमा तक, सरकारी अनुदानों को पूंजीगत निधि में अंतरित किया जाता है।

10.3 राजस्व व्यय (उपचय के आधार पर) को पूरा करने के लिए प्रयुक्त सीमा तक सरकारी अनुदान को उस वर्ष की आय के रूप में माना जाता है, जिस वर्ष उन्हें प्राप्त किया जाता है।

10.4 अप्रयुक्त अनुदानों को आगे लाया जाता है तथा तुलन–पत्र में वर्तमान देयता के रूप में प्रदर्शित किया जाता है।

11. आयकर

संस्थान की आय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10(23सी) के अंतर्गत आयकर से मुक्त है। इसलिए खातों में कर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

अनुसूची : 24

आकस्मिक देयताएं तथा लेखा पर टिप्पणियां

1. पूंजीगत प्रतिबद्धताएं :

1.1 पूंजी खाते पर निष्पादित किए जाने के लिए शेष तथा प्रावधान न किए गए अनुबंधों का मूल्य (अग्रिमों का निवल) 31 मार्च 2021 को ₹ 1925.68 लाख था (जो पिछले वर्ष 31 मार्च 2020 को ₹ 2318.11 लाख था)।

2. स्थिर परिसंपत्तिया:

2.1 वर्ष में ₹ 4066.40 लाख की स्थिर संपत्तियों में निवल वृद्धि में एमओई फंड से खरीदी गई संपत्ति (₹ 4066.40 लाख) शामिल हैं। परिसंपत्तियों को पूंजी कोष में जमा के द्वारा स्थापित किया गया है।

2.2 सरकारी अनुदान के रूप में प्राप्त भूमि का नि:शुल्क मूल्यांकन आईसीएआई द्वारा जारी लेखा मानक–12 के सिद्धांतों के अनुसार नाममात्र मूल्य पर किया गया था। मूल्यांकन ₹ 1/– प्रति एकड़ या उसके भाग (241.5 एकड़) की दर से किया गया।

2.3 संस्थान ने अपने परिचालनों के लिए परिसर का एक हिस्सा, जिसका कुल क्षेत्रफल लगभग 18360 वर्ग फुट है, 21 सितंबर 2015 को 3 वर्ष की अवधि के लिए पट्टे पर लेने के लिए आंध्र विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन में प्रवेश किया। उक्त पट्टे को 14 दिसंबर 2017 को 20 सितंबर 2023 तक और 5 वर्षों की अवधि के लिए बढ़ाया गया है। आंध्र विश्वविद्यालय के साथ किए गए विस्तारित पट्टा समझौते के अनुरूप भवन और विद्युत स्थापना और उपकरण के लिए वर्ष के दौरान किए गए परिवर्धन का मूल्यह्रास किया गया है।

2.4 सतत उपयोग के लिए खरीदे गए सॉफ्टवेयर, ई–डेटाबेस, ई–जर्नल आदि को अमूर्त संपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और तदनुसार उनका परिशोधन किया जाता है। सॉफ्टवेयर, ई–डेटाबेस, ई–जर्नल्स आदि, जिनका जीवन 1 वर्ष के बराबर या उससे कम है, को उपयोग के अनुसार लेखांकन अवधि के बीच विभाजित किया गया है, जबकि 1 वर्ष या 1 वर्ष से कम की अवधि के लिए नवीनीकरण समझौतों को राजस्व व्यय माना जाता है तथा सदस्यता शुल्क के अंतर्गत समूहन किया गया है।

3. **विदेशी मुद्रा में व्यय:**

क्रमांक	ब्योरा	राशि ₹ म
1	आईटी, पुस्तकालय तथा अकादमिक	1,61,21,103

4. **चालू आस्तियां, ऋण, अग्रिम और जमाराशियां**

4.1 सामान्यत: चालू आस्तियां, ऋण, अग्रिम और जमा का मूल्य वसूली पर होता है, जो कम से कम तुलन पत्र में दर्शाई गई कुल राशि के बराबर होता है।

4.2 भारत सरकार के दिशानिर्देशों और संस्थान की निवेश नीति के अनुसार अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में ₹ 15,416.34 लाख की सावधि जमाराशियां रखी गईं।

5. **निश्चित/ धर्मार्थ निवेश:**

5.1 संस्थान ने वर्ष 2018–19 के दौरान ₹ 222.00 लाख का दान प्राप्त किया है और इसका प्रकटीकरण अनुसूची 2ए ट्र धर्मार्थ निधि के अंतर्गत किया गया है।

5.2 एलआईसी में जीजीएस और जीएलएस योजनाओं के तहत निवेश को अनुसूची –3 के अंतर्गत उपदान और छुट्टी नकदीकरण जैसे अंतिम लाभों के लिए बनाए गए प्रावधान के माध्यम से निश्चित निवेश के रूप में माना जाता है और इसका प्रकटीकरण अनुसूची 5 ए – निर्धारित निवेश के अंतर्गत किया जाता है।

6. **सरकारी तथा यूजीसी के अनुदान:**

6.1 एमओई से तीन 'सहायता–अनुदान' शीर्षों के अंतर्गत अनुदान प्राप्त होते हैं, अर्थात् जीआईए–35 (पूंजीगत आस्तियों का निर्माण), जीआईए –31 (सामान्य) और जीआईए –36 (वेतन)।

6.2 प्राप्त पूंजीगत अनुदान में से वर्ष के दौरान पूंजीगत व्यय के लिए खर्च की गई राशि ₹ 4066.40 लाख है और इसे पूंजीगत निधि में अंतरित किया गया है।

6.3 सामान्य और वेतन व्यय ₹ 1,880.00 लाख के लिए प्राप्त अनुदान को आय के रूप में माना जाता है तथा इसे आय और व्यय खाते में दर्शाया जाता है।

6.4 संस्थान को पूंजीगत और राजस्व व्यय, दोनों को पूरा करने के लिए केवल एमओई अनुदान द्वारा वित्तपोषित किया जाता है।

7. बैंकों के पास बचत बैंक खातों, चालू खातों और सावधि जमा खातों में शेष राशि का विवरण चालू परिसंपत्तियों की अनुसूची के अनुलग्नक 'ए' के रूप में संलग्न है।

8. अनुसूची 3 के अंतर्गत 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए स्थायी परिसर के निर्माण के लिए ₹ 44,500 लाख की मंजूरी में से एचईएफए ऋण तथा उस पर ₹ 16.31 लाख के ब्याज सहित वर्तमान देनदारियां, प्रावधान और ऋण दर्शाए गए हैं।

9. जहां कहीं आवश्यक हो, पिछले वर्ष के आंकड़ों का फिर से समूहन किया गया है।

10. अनुसूची 1 से 24 संलग्न हैं तथा 31 मार्च 2021 को तुलन–पत्र तथा उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का एक अभिन्न हिस्सा हैं।

11. संस्थान के सभी कर्मचारी नई पेंशन योजना (एनपीएस) में शामिल किए गए हैं और उन्हें नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) – सेंट्रल रिकॉर्ड कीपिंग एजेंसी (सीआरए) द्वारा पीआरए नंबर आवंटित किए गए हैं। वर्ष 2020–21 के दौरान संस्थान द्वारा एनपीएस फंड के लिए नियोक्ता के योगदान के रूप में ₹ 72.01 लाख का योगदान दिया गया है। ग्रहणाधिकार के आधार पर कार्यभार ग्रहण करने वाले कर्मचारियों के संबंध में, संस्थान के भविष्य निधि अंशदान के साथ–साथ ग्रहणाधिकार अवधि के दौरान कर्मचारी के अंशदान को उनके संबंधित प्रधान कार्यालयों में, जहां पीएफ खाता रखा गया है, अंतरित किया गया है।

12. संस्थान को आकलन वर्ष 2019–20 से आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80 जी के तहत छूट का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है।

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम के लिए:

Sd/-		Sd/-	Sd/-
जी. नन्दिता अधीक्षक	सी.पी. विट्ठल सलाहकार	प्रो. नीना पाण्डेय समन्वयक (प्रबंधन)	प्रो. एम. चंद्रशेखर निदेशक
(वित्त एवं लेखा)			

दिनांक: 05-7-2021
स्थान: विशाखापट्टनम

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापट्टनम

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान खाता

(राशि ₹ में)

प्राप्तियां			भुगतान	2020-21	2019-20
I. प्रारंभिक जमा			I. Expenses		
a) नकद शेष राशि	89,583	78,195	a) संस्थान व्यय	10,91,42,525	8,11,51,072
b) बैंक शेष राशि			b) शैक्षणिक व्यय	8,01,48,416	10,93,56,650
i) चालू खातों में	10,175	73,388	c) प्रशासनिक व्यय	1,75,89,494	2,17,93,141
ii) सावधि जमा खातों में	1,08,69,65,743	-	d) परिवहन खर्च	18,27,611	51,86,535
iii) बचत खातों में	21,15,369	79,35,598	e) मरम्मत और रखरखाव व्यय	68,85,077	51,65,948
iv) फ्लेक्सी खातों में	1,23,93,000	2,05,000	f) पूर्व अवधि के व्यय	2,40,653	3,98,083
			II. अचल संपत्तियों और पूंजीगत कार्यों पर व्यय – प्रगति पर		
II. अनुदान प्राप्त			a) अचल संपत्ति	3,67,43,732	5,17,13,381
a) भारत सरकार (एमओई) की ओर से			b) पूंजी का कार्य – मे – प्रगति	36,99,67,853	1,66,57,046
i) राजस्व व्यय	18,80,00,000	15,55,00,000		(13,55,03,348)	(2,07,83,514)
ii) पूंजीगत व्यय	-	1,35,00,000	III. विविध लेनदारों, सांविधिक और अन्य देनदारियों में वृद्धि / कमी		
iii) पूंजीगत व्यय (स्थायी परिसर)	44,66,27,215	44,52,79,708			
b) राज्य सरकार से	-	-			
c) अन्य स्रोतों से	-	-	कुल पूंजी और राजस्व भुगतान (I+II+III)	**48,70,42,013**	**27,06,38,342**
III. शैक्षणिक प्राप्तियां	21,30,91,039	15,11,52,159	IV. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि के प्रतिकूल भुगतान	-	66,345
IV. निर्धारित/बंदोबस्ती निधि के प्रति प्राप्तियां	66,345	-	V. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के लिए भुगतान	17,98,092	13,58,365
V. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के बदले प्राप्तियां	1,10,95,582	24,27,605	VI. प्रायोजित फैलोशिप/छात्रवृत्ति के लिए भुगतान	1,13,07,500	26,25,000
VI. प्रायोजित अध्येतावृत्तियों/छात्रवृत्ति के बदले प्राप्तियां	1,13,07,500	26,25,000	VII. किए गए निवेश और जमा		
VII. निवेश पर आय से			a) निर्धारित / बंदोबस्ती निधि में से	2,25,00,149	96,893
a) निर्धारित/बंदोबस्ती निधि	17,54,723	-	b) स्वयं की निधि में से (निवेश – अन्य)	-	-
b) अन्य निवेश	6,93,92,099	4,35,85,134			
VIII. ब्याज प्राप्त			VIII. परिगणित बैंकों के साथ सावधि जमा	-	-
a) बैंक जमा	-	-			
b)ऋण और अग्रिम, अन्य प्राप्य राशियाँ	-	23,676			
c) बचत बैंक खाता	4,16,222	1,92,479	IX. अनुदान की वापसी	-	-

(राशि ₹ में)

प्राप्तियां			भुगतान	2020-21	2019-20
IX. निवेश नकद बनाना			X. जमा और अग्रिम		
a) निर्धारित/बंदोबस्ती निधि में से	-	-	a) छात्रों के लिए जमानती जमाराशि	23,37,834	12,85,205
b) स्वयं की निधि में से (निवेश – अन्य)	-	-	b) छात्रों की ओर से मैस एडवांस	95,74,797	1,37,91,660
X. अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमा का नकदीकरण किया गया	-	54,44,47,258	c) छात्रों को अन्य भुगतान	65,000	9,16,911
			d) ईएमडी/एसडी धनवापसी	5,97,987	10,38,891
			e) जमा और किए गए अग्रिम (छात्रों के अलावा)	67,67,261	4,76,491
XI. अन्य आय (पूर्व अवधि की आय सहित)	2,89,10,462	74,90,613	XI. कोई अन्य भुगतान (एचईएफए ऋण)	23,49,88,518	2,40,65,088
XII. जमा और अग्रिम			XII. अंतिम शेष राशि		
a) छात्रों से जमानती जमाराशि	32,35,000	25,85,000	a) नकद शेष राशि	-	89,583
b) छात्रों की ओर से मैस एडवांस	73,45,885	1,60,84,117	b) बैंक शेष राशि		
c) विद्यार्थियों से अन्य प्राप्तियां	59,48,247	6,20,000	i) चालू खातों में	-	10,175
d) कर्मचारी अग्रिम वसूली	1,78,075	-	ii) सावधि जमा खातों में	1,54,16,33,852	1,08,69,65,743
e) EMD/SD received	8,80,992	1,87,774	iii) बचत खातों में	57,26,982	21,15,369
XIII. सांविधिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां	-	10,78,609	iv) फ्लेक्सी खातों में	18,05,000	1,23,93,000
XIV. कोई अन्य रसीदें (एचईएफए ऋण)	23,63,21,729	2,28,61,748			
कुल	**2,32,61,44,985**	**1,41,79,33,061**	कुल	**2,32,61,44,985**	**1,41,79,33,061**

भारतीय प्रबंधन संस्थान विशाखापत्तनम के लिए

Sd/-
जी. नन्दिता — अधीक्षक
सी.पी. विट्ठल — सलाहकार
(वित्त एवं लेखा)

Sd/-
प्रो. नीना पाण्डेय
समन्वयक (प्रबंधन)

Sd/-
प्रो. एम. चंद्रशेखर
निदेशक

दिनांक 05-7-2021
स्थान: विशाखापट्टनम

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) का कार्यालय
सैफाबाद, हैदराबाद - 500 004.

OFFICE OF THE
DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL)
SAIFABAD, HYDERABAD - 500 004.

No.DGA(C)/CEA/Unit-1/PA/IIMV/SAR.2020-21/2021-22/ Date: 12.10.2021

सेवामें
सचिव,
भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय,
उच्च शिक्षा विभाग, 'सी' विंग, शास्त्रीभवन, डॉ. राजेन्द्रप्रसादरोड
नईदिल्ली -110 001

महोदय,

विषय: भारतीय प्रबंधन संस्थान, विशाखापत्तनम, के वर्ष 2020-21, लेखों पर पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

******

Separate Audit Report (SAR) on the Accounts of Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV), for the year 2020-21, Annexure thereof and one copy of the Annual Accounts for the year 2020-21, are forwarded herewith.

The dates of presentation of Separate Audit Report in both the Houses of Parliament may please be intimated.

Receipt of this letter along with the enclosures may kindly be acknowledged.

भवदीय,

Sd/-

संल:यथोपरि

Director General of Audit (Central)

Endt. No.DGA(C)/CEA/Unit-1/PA/IIMV/SAR.2020-21/2021-22/ 76 Date:12.10.2021

Copy to Prof. M. Chandrasekhar, Director, Indian Institute of Management Visakhapatnam, Andhra Bank School of Business Building, Andhra University Campus, Visakhapatnam– 530 003, Andhra Pradesh, along with one copy of Annual Accounts for the year 2020-21(English version), with a request to furnish Hindi version of the approved Annual Accounts 2020-21 (2 sets), to this Office.

संल:यथोपरि

Dy. DIRECTOR/ CEA

Phone Nos. : 040-23236811 to 23236819 E-mail : pdachyderabad@cag.gov.in Fax No. : 040-23232294

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) का कार्यालय
सैफाबाद, हैदराबाद - 500 004.

OFFICE OF THE
DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL)
SAIFABAD, HYDERABAD - 500 004.

No.DGA(C)/CEA/Unit-1/PA/IIMV/SAR.2020-21/2021-22/ Date: 12.10.2021

सेवामें
सचिव,
भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय,
उच्च शिक्षा विभाग, 'सी' विंग, शास्त्रीभवन, डॉ. राजेन्द्रप्रसादरोड
नईदिल्ली -110 001

महोदय,

विषय: भारतीय प्रबंधन संस्थान, विशाखापत्तनम, के वर्ष 2020-21, लेखों पर पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

******

Separate Audit Report (SAR) on the Accounts of Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV), for the year 2020-21, Annexure thereof and one copy of the Annual Accounts for the year 2020-21, are forwarded herewith.

The dates of presentation of Separate Audit Report in both the Houses of Parliament may please be intimated.

Receipt of this letter along with the enclosures may kindly be acknowledged.

भवदीय,

Sd/-

संल:यथोपरि

Director General of Audit (Central)

Endt. No.DGA(C)/CEA/Unit-1/PA/IIMV/SAR.2020-21/2021-22/ 76 Date:12.10.2021

Copy to Prof. M. Chandrasekhar, Director, Indian Institute of Management Visakhapatnam, Andhra Bank School of Business Building, Andhra University Campus, Visakhapatnam– 530 003, Andhra Pradesh, along with one copy of Annual Accounts for the year 2020-21(English version), with a request to furnish Hindi version of the approved Annual Accounts 2020-21 (2 sets), to this Office.

संल:यथोपरि

Dy. DIRECTOR/ CEA

Phone Nos. : 040-23236811 to 23236819 E-mail : pdachyderabad@cag.gov.in Fax No. : 040-23232294

iv. We further report that:

A. Receipt and Payments

A.1 Payments

A.1.1 Increase/Decrease in Sundry Creditors, Statutory and other liabilities- (-) ₹ 13.55 crore

As per the prescribed format, the Receipts and Payments Accounts should be prepared on cash basis. However, the Receipts and Payments account has included non-cash item such as increase and decrease in Sundry Creditors, Statutory and other liabilities to the tune of (-) ₹ 13.55 crore which is not correct. Non-cash item should not be shown in Receipt and payment account.

B. General:

B.1 This includes investment of an amount of ₹ 1,52,97,175 earmarked towards Faculty Compensation Reserve (FCR) and accounted for under Schedule 2: Designated/Earmarked/Endowments Funds in Current Assets (Schedule 7) instead of classifying the same under Schedule 5: Investments from Earmarked/Endowments Fund. The misclassification needs to be rectified.

B.2 According to the prescribed formats of financial statements/uniform of accounts, the Institutions shall disclose under Schedule 24: Contingent Liabilities and Notes to Accounts, the Capital Commitments/Value of Contracts remaining to be executed on Capital Account and not provided for (Net of Advances). Contracts valuing ₹ 414.22 crore was to be indicated against amount still remaining to be executed on Capital Account in 1.1 of Schedule 24 : Contingent Liabilities and Notes to Accounts : Capital Commitments. However only ₹ 19.26 crore (₹ 1925.68 lakh) was indicated. This needs to be rectified.

B.3 Government of Andhra Pradesh, Municipal Administration and Urban Development (M) Development vide G.O.Ms.No. 187 dated 26.10.2020 issued orders for waiving off charges pertaining to statutory fees payable to Local Bodies in respect of 7 National Level Institutions. Out of the 7, Indian Institute of Management, Visakhapatnam was also included vide Sl.No. (b) of the said Government orders. Accordingly, the charges were waived by the Visakhapatnam Metropolitan Region Development Authority (VMRDA) for an amount of ₹ 14,60,91,177. As the VMRDA charges but for exemption form part of Work in Progress/Project cost, the exemption of VMRDA charges needs to be shown in the Note on Accounts under Schedule-24 of the Annual Accounts.

C. Grants-in-aid: Out of total grants-in-aid of ₹ 63.46 crore received during the year from Government of India (Revenue Grant ₹ 18.80 crore, capital grant ₹44.66 crore), together with opening balance of ₹.70.38 crore and interest earned ₹ 4.86 crore, totaling to ₹ 138.7 crore, the institute utilized ₹ 59.46 crore (Revenue ₹ 18.80 crore & capital ₹ 40.66 crore) leaving a balance of ₹ 79.24 crore.

D. Management letter: Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of the Director/ IIMV through a management letter issued separately for remedial / corrective action.

vii. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account dealt with by this Report are in agreement with the books of accounts.

viii. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report, give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV), as at 31 March 2021; and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the ***Surplus*** for the year ended on that date.

Director General of Audit (Central)

ANNEXURE

1. **Adequacy of Internal Audit System:** Internal Audit was entrusted to M/s Rao and Kumar, a Chartered Accountants firm, which completed the internal audit for the year 2020-21.

2. **Adequacy of Internal Control System:** Internal Control System was not adequate as non cash item was shown in Receipt and Payment account.

3. **System of Physical verification of fixed assets:** Physical verification of fixed assets was completed for the year 2020-21.

4. **System of Physical verification of inventory:** Physical verification of Inventory was completed for the year 2020-21.

5. **Regularity in payment of statutory dues:** Statutory dues were paid regularly.

Dy. Director /Central Expenditure Audit

जितेंद्र एस्. करपे,
Jitendra S. Karape, IA&AS

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)
सैफाबाद, हैदराबाद - ५०० ००४
Director General of Audit (Central)
Saifabad, Hyderabad - 500 004

No.DGA(C)/CEA/Unit-1/PA/IIMV/SAR.2020-21/2021-22/ Date:12.10.2021

Dear Prof. Chandrasekhar,

Audit of Annual Accounts of The Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV) for the year 2020-21, was conducted in July-August, 2021. Significant comments on accounts are included in the Separate Audit Report issued separately to the Government of India, Ministry of Education, New Delhi and a copy marked to you. Some of the observations, which were not included in the Separate Audit Report, meriting the attention of the Management are detailed below to enable your office to take necessary corrective action:

(i) An amount of ₹ 64.46 lakh (credited in the Union Bank of India A/c No. 105610100057740 on 01.03.2021) was released towards Mahatma Gandhi National Fellowship (MGNF) Project by Ministry of Skill Development and Entrepreneurship, New Delhi and taken to Schedule 3 (a)- Sponsored Projects of the Balance Sheet. However, an amount of ₹ 60.81 lakh was shown against MGNF Project under Schedule 3(a) instead of ₹ 64.46 lakh. This resulted in understatement of Liabilities and Provisions and understatement of Current Assets to the extent of ₹ 3.65 lakh.

With Regards,

Yours sincerely,

Prof. M. Chandrasekhar,
Director,
Indian Institute of Management Visakhapatnam.

Off. Phone No.: 040-23232069 E-mail : pdachyderabad@cag.gov.in Fax No. : 040-23232294

विद्या परं दैवतम्

IIM
भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम
Indian Institute of Management Visakhapatnam

Indian Institute of Management Visakhapatnam

6th Annual Report 2020-21

Contents

Chairperson's Message		2
Director's Message		3
1.	Governing Bodies	4
2.	Programs	6
3.	Executive Education	16
4.	Faculty	16
5.	Research and Publications	18
6.	Entrepreneurship	20
7.	Infrastructure	23
8.	Alumni Activities	25
9.	Policy and Initiatives	25
10.	Personnel and Administration	26
11.	Financial Position	28
12.	Statements	29
13.	Director's Report	46
14.	Statement of Accounts	60

Chairperson's Message

Hari S. Bhartia

Dear Stakeholders,

Despite the unprecedented dislocation caused by this 'once-in-a-century' pandemic, the Institute proved its mettle in the year gone by, with grit, determination, and perseverance, adjusting and adapting itself admirably to the new normal.

I acknowledge here with gratitude, the enabling support by the Central and State Governments to the progress, growth, and smooth functioning of the Institute.

The various initiatives of the Institute are well thought-through and are being supported by a discerning Board. I take this opportunity to thank my fellow members on the Board, for the immense value-add they bring to the table.

Just five-years since inception and only three years since the IIM Act 2017 came into force, although small in the life-span of an Institute, are nevertheless an important milestone.

It is heartening that the Institute enjoys today first-mover advantage on many fronts, maintaining a distinct place in the comity of its peers. It is widely acknowledged that this Institute has earned a good name in quick-time. The Director and his team of teaching and non-teaching staff therefore deserve compliments for their efforts in laying solid foundations and shaping this as a fine institution.

With varied academic programs that address the management-education ambitions of the young, the experienced and the research-oriented aspirants, the Institute is building a rich pipeline of managerial talent endowed with the right mix of policy, precepts, and practice.

With 32% girl students, 28% women faculty and 51% students from disadvantaged sections, the Institute has been paying high attention to inclusivity and gender equity.

The construction of the permanent campus of the Institute is progressing well, despite the many challenges posed by the pandemic. It is expected that the lost time would be made good, and the campus would be fully ready as a Five-Star GRIHA rated facility by the middle of 2022.

The Institute is paying due attention to the emerging dimensions of management education such as the ESG (Environment, Society and Governance). With digitalization at the core of its strategy, the focus has been to provide unique learning experience to varied knowledge-seekers, with distinct value-addition, leveraging the robust hybrid or "phygital" infrastructure of the Institute. There has also been deepening of commitment to social entrepreneurship and nurturing technology-based and women-led start-ups, in a big way.

In sum, the Institute is constantly innovating to reach greater heights of performance and scale newer peaks of excellence, positioning itself way beyond its "new generation" tag.

The goodwill that the Institute earned over the past five years in the government, business and the society has placed it on a perfect launchpad to rededicate itself to achieving the objects set out in the IIM Act 2017, with sincerity of purpose and a deep sense of commitment.

Hari S. Bhartia
Chairperson, Board of Governors
IIM Visakhapatnam

Date: 29-10-2021

Director's Message

Prof. M. Chandrasekhar

Dear valued patrons,

The Institute crossed many more key milestones during 2020-21. We are proud that year-on-year, an increasing number of students are preferring us over competition to realize their management-education aspirations, an affirmation of what we are, and what we stand for.

Our faculty-team has been the highest among our new-age peers. It brings into the classroom, new knowledge and learning-opportunities borne out of a judicious amalgam of impressive credentials in academics, research, and experience from top-notch institutions.

This commitment finds reflection in the learning outcomes of our students when they win competitions pan-India and record 100% placements.

Our customized MBA Program for experienced professionals is set to enter the third year. These participants coming from reputed enterprises, are successfully leveraging the new and experiential learning being imparted, to hone their leadership skills. Their encouraging feedback is available in the public domain, an attestation of the value we deliver.

Our specialized MBA Program in Digital Governance & Management, the first-of-its kind initiative sponsored by the National e-Governance Division, Ministry of Electronics & IT, GOI, is building managerial capacities covering the full life-cycle of Digital India projects, from conceptualization to commissioning. Senior Government Officers, including from the IAS, are part of this prestigious Program. Gratitude is therefore in order, to MeitY, for the confidence and trust reposed in us.

We are also obliged to the Ministry of Skill Development & Entrepreneurship for choosing us to conduct the two-year Mahatma Gandhi National Fellowship Program. Our task is to train youth in public policy and management to play a facilitating role in skill-development in every district of our own State – Andhra Pradesh, along with Bihar and Arunachal Pradesh.

Yet another significant milestone is the establishment of IIMV-FIELD, the IIMV Foundation for Incubation, Entrepreneurial Learning & Development, a Section-8 Company which gained good traction in a short time. Also, as a Technology Incubation & Development of Entrepreneurship (TIDE) Centre under MeitY, the Company is giving impetus to technology-based ventures and women-led Start-ups.

The Institute has emerged as a much sought-after source for capacity-building, for the government and the business. During the reporting year, we delivered as many as 16,250 participant-hours of training, for 619 beneficiaries.

The IIM Act encourages us to collaborate with institutions in India and abroad to advance management education and research. Towards this end, we entered into agreements with IIM Bangalore and the Andhra University School of International Business.

We are also a trend-setter in good-governance practices. To exemplify, we are the first to publish the Regulations under the IIM Act, that served as a model for others. We are hosting on our website, a drone-captured video of the progress of our campus-construction, every fortnight.

Future holds immense promise for us. In pursuit of the objects of the IIM Act and the New Education Policy 2020, our commitment remains steadfast to building human capital, endowed with good citizenship, knowledge, and skills.

For catalysing our committed endeavour, I and my team at the Institute are ever so grateful to the Central and State Leadership, our Board, the Committees that contribute to our good functioning, and all the stakeholders, for their continued patronage and partnership in our progress and success.

Prof. M. Chandrasekhar
Director, IIM Visakhapatnam

Date: 29-10-2021

1. Governing Bodies (updated as on the date of publication)

1.1 Board of Governors

Chairperson Hari S Bhartia Co-Chairman and Founder, Jubilant Bhartia Group

Members	
P K Banerjee, ISS Joint Secretary (Mgt, MC & Scholarship), Ministry of Education, Govt. of India	Satish Chandra, IAS Spl. Chief Secretary, Higher Education, Govt. of Andhra Pradesh
Uma Sudhindra Security Strategist and Founder & Managing Partner Go Magic Trails; Co-Founder, I'm Every Woman	Prasad Dahapute Managing Director The Varhad Group
Satish Reddy Chairman Dr. Reddy's Laboratories	Naushad D Forbes Co-Chairman Forbes Marshall Group of Companies
G Raghuram Former Director Indian Institute of Management Bangalore	Rajeev Kapoor, IAS (Retd.) Former Secretary to the Govt. of India & Former Director, LBSNAA
Malavika Harita Distinguished Alumna, IIM Bangalore Founder, Brand Circle	Ameeta Chatterjee Managing Trustee, Ekam Foundation Mumbai
B Srirangacharyulu Associate Professor, IIM Visakhapatnam	Deepika R Gupta Assistant Professor, IIM Visakhapatnam
M Chandrasekhar Director Indian Institute of Management Visakhapatnam	

Kaleem V Khan, Secretary of the Board, IIM Visakhapatnam

1.2 Building & Works Committee

Chairperson
Satish Reddy
Chairman, Dr Reddy's Labs & Member (BoG), IIM Visakhapatnam

Members

Uma Sudhindra Security Strategist & Founder, "Go Magic Trails" & Member (BoG)	Ligy Philip, FNAE, FRSC Institute Chair Professor, Dept. of Civil Engineering & Dean (Planning), IIT Madras
Rajiv Mishra Principal, Sir J J School of Architecture University of Mumbai	V Nagadevara Formerly Professor, Dean & Director (i/c) Chairman, Building Committee; IIM Bangalore
K. Venkata Ramana Reddy, IAS Metropolitan Commissioner, Visakhapatnam Metropolitan Region Development Authority	M Chandrasekhar Director, IIM Visakhapatnam

Amit Baran Chakrabarti Assistant Professor, IIM Visakhapatnam	R Sayikrishna Raju Head (Projects), IIM Visakhapatnam (Member-Convenor)
Invitees: 1. Sushant Baliga (Formerly: Addl. Director General, CPWD), Advisor (Building & Works), IIM Visakhapatnam 2. Prof. B. Srirangacharyulu, Faculty-in-Charge (Building & Works), IIM Visakhapatnam	

1.3 Finance, Investment & Audit Committee

Chairperson

Ameeta Chatterjee

Managing Trustee, Ekam Foundation Mumbai & Member (BoG), IIM Visakhapatnam

Members

Darshana M Dabral Joint Secretary & Financial Advisor Ministry of HRD, Govt. of India	Prasad Dahapute Managing Director, The Varhad Group & Member (BoG)
Padmini Srinivasan Associate Professor (Finance & Accounts) IIM Bangalore	A Radha Krishna Financial Controller & Company Secretary Barclay's Shared Services
Srinivas Kumar Alamuru, IA&AS (Retd.) Former Accountant General (A&E), Andhra Pradesh	M Chandrasekhar Director IIM Visakhapatnam
Deepika Gupta Chief Audit Executive, IIM Visakhapatnam & Member (BoG)	Nandita Gundala Superintendent (Finance & Accounts) IIM Visakhapatnam (Member-Convenor)
Invitee Neena Pandey, Coordinator (Admn.)	

The details of the meetings of the Board of Governors, Building & Works Committee and Finance, Investment & Audit Committee are appended in Statement 1.

2. Programs

Overview

The Indian Institute of Management Visakhapatnam currently offers four long-duration programs – the Post Graduate Program in Management (PGP), the PhD Programme, the Post Graduate Program for Experienced Professional (PGPEx) and Post-Graduate Program in Digital Governance & Management (PGP-DGM).

2.1 PhD Program

PhD Programme of the Indian Institute of Management Visakhapatnam (IIMV) is a research-intensive doctoral programme aimed at imparting high-quality training in research. IIMV has been under the mentorship and guidance of Indian Institute of Management Bangalore (IIMB), the acknowledged leader in management education.

The PhD programme of the Institute aims primarily at training prospective scholars to excel in their chosen areas of research through high-quality publications. This programme would also groom scholars to be highly skilled teachers.

The second batch of PhD Program was inaugurated on July 20, 2020. A total of 6 students were admitted into the Program.

2.1.1 Academics

Areas of Specialization

The PhD Program admitted students in four areas of specialization i.e., Decision Sciences (1 student), Finance & Accounting (2 students), Marketing (1 student) and Production & Operations Management (2 students) in the year 2020.

Structure of the PhD Program

The Program comprises two phases, i.e., Coursework and Thesis. The normal duration of the programme is five years, comprising two years of course work, a comprehensive examination and thesis work consisting of a thesis proposal defence; and a final thesis evaluation and defence.

Phase 1 – Coursework

This phase covers the first two years of the PhD Program. This phase includes coursework and independent study. Successful completion of the first phase requires passing the Comprehensive Examination (Written & Viva) at the end of the second academic year.

Phase 2 - Thesis Work

On completion of Phase 1, the students begin thesis work consisting of a thesis proposal and a final thesis-evaluation and defence.

2.1.2 Institutional Support

The Institute provides substantial financial and infrastructural support. PhD Program students in good standing will receive a stipend of Rs. 30,000 per month in the first year with a 10% annual increment up to a maximum of five years in addition to the tuition fee waiver.

Other financial support available to students include:

- Contingency Grant of Rs. 75,000/- (in Year 1) and Rs 25,000/- (annually from Year 2 to Year 5)
- HRA for students with families who live off-campus, monthly Rs. 7,500/ or equivalent rent.
- International Conference grants of up to Rs. 3,00,000/- and National Conference grants of up to Rs. 60,000/- towards accepted papers.

2.2 Post Graduate Program for Experienced Professionals (PGPEx)

The Post Graduate Program for Experienced Professionals (PGPEx) leading to the award of Master of Business Administration (MBA) degree is a non-residential weekend program. It is an excellent opportunity for experienced professionals located in and around the City of Visakhapatnam to acquire new knowledge and skills and advance their careers.

The overarching goal of the Program is to help the participants enhance their managerial competencies and leadership skills for professional growth and development; and through that advanced learning, contribute more effectively to their organizations.

Salient features of the PGPEx (MBA) Program:

- PGPEx leading to the award of MBA degree
- 2-year (non-residential) program

- Classes are held on Friday evenings and Weekends
- Value-added Course Pack (25 courses)
- Capstone Project
- IIM Visakhapatnam Alumni Status

The second batch was inaugurated on Sept 5, 2020. Thirty-two students were admitted in PGPEx 2020-22 batch.

2.2.1 Academics

The curriculum at IIMV is benchmarked against the best in the world to ensure that best-in--class business education is imparted based on dynamic pedagogic practices while focusing on the Indian context. Due importance is attached to improving the course curriculum constantly, that helps nurture and transform an exceptional pool of students into dynamic business leaders under the guidance of distinguished faculty.

Courses are delivered and evaluated through a combination of lectures, classroom discussions, case-studies, individual and group projects, term papers, role plays, business (simulation) games, etc. Guest lectures by various academicians, industrialists, and eminent personalities also enrich the student experience.

During 2020-21, twenty-two elective courses were offered. The list of courses is appended as Statement 2.

2.2.2 Director's Merit List

The top 5% students in the batch, based on academic performance (Cumulative Grade Point Average) at the end of the first year, are included in the Director's Merit List. Three students of PGPEx 2019-21 were selected for the Director's Merit List. Each eligible student received a book grant of INR 10,000/- and a Certificate of Merit.

2.2.3 Merit Certificate

Students who are ranked first based on academic performance (Term GPA) at the end of Terms 1, 2 and 3 are included in Merit Certificate List. Three students of each term of PGPEx 2019-21 are selected for Merit Certificates. Each eligible student received a book grant of INR 6000/- and a Certificate of Merit.

2.3 Post Graduate Program in Digital Governance and Management (PGP-DGM)

Post Graduate Program in Digital Governance and Management (PGP-DGM), leading to the award of Master of Business Administration (MBA) degree was launched in 2019, under the aegis of the National e-Governance Division (NeGD), Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY), Govt. of India (GOI).

This customized Program is designed with a view to enhancing the digital-management capacities in participants, which include government functionaries as well as professionals from private and public enterprises. It is envisaged that the graduating candidates would catalyse the footprint and impact of Digital India growing more pervasive and profound, thereby contributing to quantitative and qualitative transformation in the delivery of services to end-users.

After the successful start of the first batch, 114 applications across states and departments were received during the admission process for the second batch. However, owing to complications arising because of COVID-19, the admission process got delayed. The second batch of the program will be inaugurated in April-May 2021.

The Institute looks forward to the partnership with NeGD growing from strength to strength, in scale and scope for the benefit of all stakeholders. It is hoped that the government officials as well as the professionals from private and public enterprises graduating from the Program would lead as champions of change and managers of digital-transformation projects with improved focus on efficiency of service-delivery to citizens and effectiveness of governance.

2.3.1 Academics

The Program is spread over 4 semesters over two years. It is a blended-learning model with a judicious combination of traditional and virtual class-room modes. This is in tune with the importance and rising trend of such (on-line) programs being offered by educational institutions nationally and internationally. Blended-mode of course-delivery addresses the constraints of working professionals in having to be away from work for extended durations of time, typically necessitated by fully on campus, residential programs.

The Program is designed for an immersive and active learning experience for participants. The

selected candidates will be required to complete the 'Domestic component' as well as the 'International component' of about 2 weeks at an international institution/university.

In addition, participants would be required to carry out a Capstone Project of practical importance, with potential for implementation in the Digital Governance & Management space.

During 2020-21, three elective courses were offered. The list of courses is appended as Statement 3.

2.3.2 Academic Honour

The students who score the maximum marks based on academic performance (Semester GPA) at the end of Semesters 1 and 2 are the first rank holders and they are awarded a book grant of INR 6000/- and a Certificate of Merit.

2.3.3 Distinguished Lecture Series

To complement the in-class learning with practical experience of working with digital technologies, a unique series of talks were initiated. The distinguished personalities with extensive experience in the field of Digital Governance and Management were invited to share their expertise with our students. The first such a kind of a lecture was held on October 31, 2020, by Shri J Satyanarayana, IAS (R), former Secretary, MeitY. He enriched the cohort with the topic - "Digital Transformation – Challenges and Opportunities". The second illustrious speaker was Ms. S Radha Chauhan, IAS [UP:88] (Currently with UP Govt. Earlier P&CEO, NeGD); she addressed the audience on "Disruptive e-governance platforms" on February 6, 2021.

2.4 Post Graduate Program in Management (PGP)

The flagship two-year full-time residential Post Graduate Program, leading to a Master of Business Administration (MBA) degree, is designed to equip students to take up leadership roles in an increasingly complex and dynamic global scenario. Spread over three terms in a year with a summer internship between the two years, the Program lays the foundation for conceptual and analytical reasoning and gives students an insight into the dynamics of the business environment.

2.4.1 Academics

The curriculum of MBA is benchmarked against the best in the world to ensure that best-in-class business education is imparted based on dynamic pedagogic practices, while focusing on the Indian context. Due emphasis is laid on formulating a course curriculum that helps nurture and transform an exceptional pool of students into dynamic business leaders under the guidance of faculty with impressive academic and research credentials. Guest lectures by various renowned academicians, industrialists, and eminent personalities also enrich the student-experience.

Courses are delivered and evaluated through a combination of lectures, classroom discussions, case studies, individual and group projects, term papers, role plays, business (simulation) games etc.

A total of 153 students were admitted to the PGP batch of 2020-22. A snapshot of the class profile indicates that there were 28 SC students, 11 ST Students, 49 women students, 85 students with work experience, and 117 students with an engineering background.

During 2020-21, forty-eight elective courses were offered. The list of courses is appended as Statement 4.

2.4.2 Director's Merit List

The top 5% students in the batch, based on academic performance (Cumulative Grade Point Average) at the end of the first year, are included in the Director's Merit List. Seven students of PGP 2019-21 were selected for the Director's Merit List. Each eligible student received a book grant of INR 10,000/- and a Certificate of Merit.

2.4.3 Merit Certificate

Students who are ranked first based on academic performance (Term GPA) at the end of Terms 1, 2 and 3 are included in Merit Certificate List. Seven students of each term of PGP 2019-21 are selected for Merit Certificates. Each eligible student received a book grant of INR 6000/- and a Certificate of Merit.

2.4.4 Financial Aid

The Institute extends aid to students in need of financial assistance. The objective of the Financial Aid Policy is to ensure that no student is deprived of education at the Institute for financial reasons. All students whose annual household income is below INR 6,00,000/- are eligible to apply. Other students with financial difficulties are also considered.

The Financial Aid Committee undertakes a two-step process for deciding the number of awardees and quantum of aid. In the first stage, the applicants are rated on two criteria – income (family income + personal income before joining IIMV) and outstanding loans (provided they were not taken for conspicuous consumption). Based on this rating, they are called for a personal interaction with the faculty panel.

During these interactions, the faculty panel evaluates each applicant's liquidity, credit worthiness and financial situation to arrive at a rank order of applicants. Based on the weighted average scores of these parameters, applicants are provided financial aid as per the Committee's recommendations.

During the year 2020-21, an amount of INR 34.25 Lakh was made available to 16 students as financial aid in terms of waiver of program fees.

The break-up of beneficiaries is appended below:

Financial Aid 2020-21			
Category	Applied	Sanctioned	Amount Sanctioned
EWS	16	8	INR 34,25,000/-
General	2	1	
NC-OBC	7	2	
SC	5	1	
ST	2	3	
DAP	1	1	
Total	33	16	

2.4.5 Award of Degrees

The Annual Convocation Ceremony was not held during the year 2020-21 due to the ongoing Covid-19 pandemic. All the students eligible to receive their degrees will be awarded Degrees/Certificates in the next Annual Convocation.

2.4.6 Placements

The Office of Career Development Services (CDS) in coordination with the students' Placement Committee facilitated the Summer and Final placements during the year.

2.4.7 Summer Placements – PGP 2020-22

IIM Visakhapatnam has lived up to its name once again and completed 100% summer placement for the MBA batch of 2020-2022. The students have been offered niche roles with industry leaders and few have even gone ahead to create a record with respect to the stipends and the roles offered. Sustained success is a way of life at IIM Visakhapatnam and its students have proved this once again.

Held on a rolling basis, the summer placement season witnessed more than 50 companies participating in the process and making multiple offers.

With the highest stipend at Rs.2.0 lakh, stipend for the for the top quartile at Rs.1.17 lakh and the top 10 percentile at Rs.1.46 lakh, the Institute witnessed a steep increase of 20.4% in the average stipend offered compared to last year at Rs.62,264. These figures broke all previous records and set new benchmarks.

The season witnessed participation from companies from high-growth sectors like IT, BFSI, EdTech, Manufacturing, FMCG, Hospitality, and Infrastructure to name a few. Some of the prominent recruiters who participated and hired from IIM Visakhapatnam are Bosch, Dalmia Bharat, ICICI Lombard, IOCL, Lubrizol, MTR, Modern Foods, Outlook, RBI, TAFE, TATA AIG, V-Guard, Yes Bank, to name a few. All the recruiters offered roles in different management functions ranging across various domains like Sales & Marketing, Product Management, Analytics, HR, Finance & Operations.

Key Highlights

- Highest Stipend: ₹ 2.0 Lakh
- Average Stipend of Top 10%: ₹ 1.46 Lakh
- Average Stipend of Top 25%: ₹ 1.17 Lakh
- Average Stipend: ₹ 62,264
- Total No. of Recruiters: 52
- No. of New Recruiters: 39
- Students Placed: 100%

The continued trust and confidence reposed in the students at the Institute even in such testing times is an exemplification of their ability to face the toughest challenges and prove their mettle, even when the going gets tough.

2.4.8 Final Placements – PGP 2019-21

The Institute has successfully completed the final placements for the batch of 2019-21 for its flagship Post Graduate Programme (PGP). Despite challenges posed by the COVID-19 pandemic and the market slowdown this year, the recruiters showed continued faith in the institute, and the final processes was conducted entirely on virtual mode. This legacy of 100% placements has been possible only through the unwavering support of our esteemed recruiters and the efforts of our students.

Held on a rolling basis, the placement season witnessed more than 100 companies participating in the process and making multiple offers.

Amazon, Amul, Deloitte, Franklin Templeton, ICICI Lombard, ICICI Prudential, Inmobi, KPMG, MTR, NCR Corporation, TATA AIA, TVS Motors, YES Bank, Zetwerk - counted among the who's who of the corporate world, were the prime recruiters.

Sector-wise break-up

With 36%, IT/ITES continued to bet big on new talent, followed by BFSI (11%). The other sectors were Manufacturing (9%), FinTech (6%), Consulting (5%), EdTech (4%), Logistic Services (4%), FMCG (3%), E-commerce (2%), Luxury (1%) and Digital Media (1%).

The continued trust and confidence reposed in the students at the Institute resulted in several top-notch recruiters hiring this year too. KPMG recruited students for consultant role, while Franklin Templeton hired for General Management profile. TATA AIA and Zetwerk extended offers for their Management Trainee programs. ICICI Prudential recruited for roles in finance and marketing, and InMobi in Account Management. The season also witnessed participation from companies from various high-growth sectors.

2.4.9 Student Achievements

Students at the Institute take pride in participating in various competitions conducted by B-Schools and other Institutes/Companies and bring laurels to the Institute. This year too they left no stone unturned to win some of the best national level competitions in various domains.

A list of their achievements in appended at Statement 5.

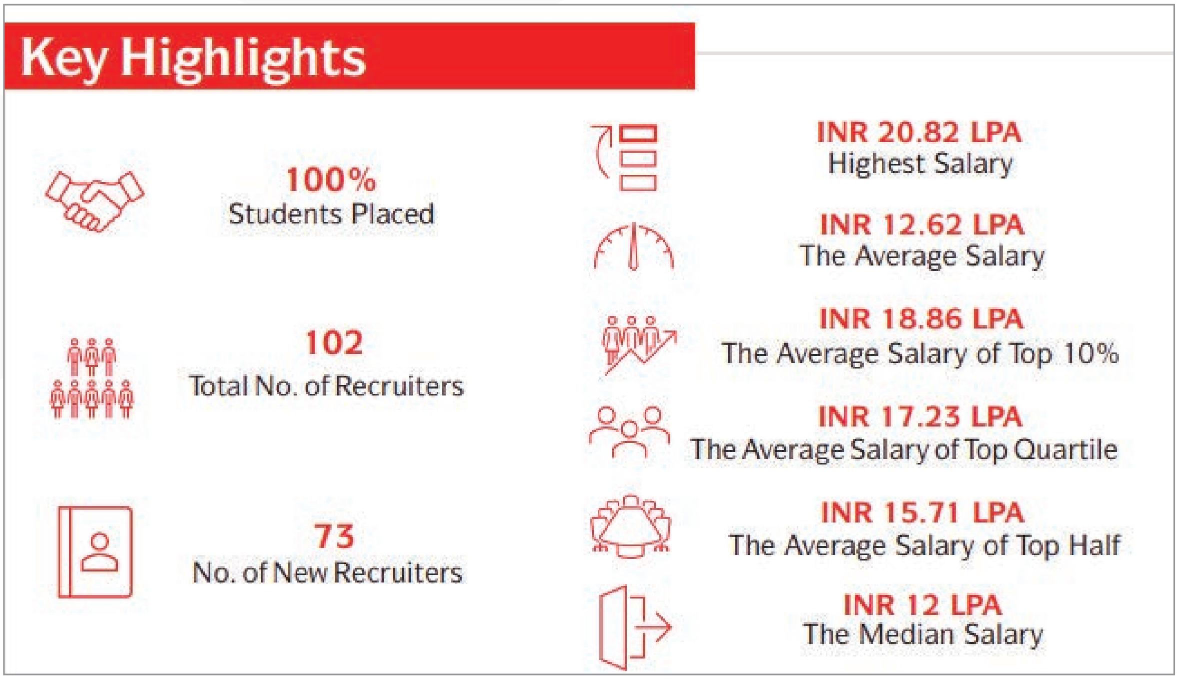

2.4.10 Activities organised by various Student Clubs

Leadership Talks

- Mr. Saurabh Bajaj - Marketing Head, Dairy Britannia Industries Limited

  Topic: The practical marketeer

  The speaker provided insights on brand tasks, whether a brand needs to grow or steal a category. He also spoke about understanding the consumers through STP analysis and getting consumer insights. Finally, he discussed about brand ladder-why should consumer buy your product and the components of marketing brand.

- Mr. Narayan T V – Head of Marketing, PayPal India

  Topic: Effective Marketing communication

  The speaker provided insights on the Sequential Process of Marketing Communication, Brand Building, the importance of the Storytelling approach in targeting customers, and Contextual Messaging in changing times of the pandemic.

- Mr. Ashray Sudhir, Product Manager Gofood Gojek, for the 26th episode of The Leadership Talks Series.

  The esteemed guest addressed the students on the topic “Product Management: From Problems to Solutions” wherein he tackled the common myths about the Product Management roles, the role of Product Managers, and conveyed how to steer through from problems to solutions.

- Ahmed Aftab Naqbi - CEO & Co-founder, Gzoop

  Topic - We are going get tough, the tough get innovative.

  He talked about innovative comes when we come across any tough situations.

- Nitin Vishwas - Co-founder, Moonshine

  Topic - An Entrepreneur journey - From job seeker to job giver.

  He talked about his journey to become an entrepreneur.

- Avinash Jhangiani - CEO, Play2transform

  Topic - Design Thinking

  He talked about design thinking and growth.

- Gavin Van Wyk

  Topic: The Ultimate Magic 8 Ball – Analytics

  He spoke about understanding the field of analytics from various perspectives and how to proceed in the field of analytics.

- Umesh Joshi, Associate Director- Perfetti Van Melle,

  He talked about the problems and ways of optimizing inventory. He explained the 3 things obsolescent inventory can face, namely, Technology, Quality and Velocity.

- Shrinivas Gondhalekar, Director of Kanzen Institute of Asia Pacific

  He talked about the quality of a product or service as the fitness of that product or service for meeting or exceeding its intended use as required by the customer.

- Mrs Archana Venkat, Director and Head of Marketing, Financial Advisory Services Company, Deloitte Touche Tohmatsu, India

  Topic - Women At Work: Effective Career Management

  The session was replete with learning about ‘How to begin the professional journey and carve it out successfully.’ She focussed upon not just the dynamics of the workplace for women and the skill expectations but also gave a cogent framework on how to track success for effective career management. She acquainted the students with her experience of leading women entrepreneurs and helped them understand the significance of nurturing the personal and professional life balance.

- Mr Victor Cheng, Founder of caseinterview.com – World renowned case-prep expert

  Topic – Consulting Case interview preparation.

  He focussed upon not just the dynamics of the consulting during pandemic times but also gave a cogent framework on how to handle case-based interviews and guesstimates.

  He acquainted the students with his own experience of screening the resumes and made them realise the best ways to represent themselves by balancing both the soft and hard skills and showcasing their uniqueness. His attitude on channelising failures into feedback was inspiring.

- Mr Dhiraj Sood, Managing Director at Videojet Technologies - India & South Asia at Danaher Corporation

  Topic – Growth Strategy in the Modern Era

  The working of VideoJet as an organization, the changes in the entire strategic process, the change of mindset embracing the modern era with respect to technology, digitization, and its adoption were the aspects touched upon.

- Mr Pankaj Rai, Senior Vice-President Strategy at Wells Fargo

  Topic – Making a Right Choice in Strategy Domain!

  He discussed the 5 C framework he created: Curiosity, Compassion, Conviction, Creativity, and Communication which can be used in both personal and professional situations. He also stated that everyone should have his/her own framework and that decision-making is up to the person. Following that, he discussed how firms such as Wells Fargo are adopting new strategies in the face of pandemic.

- Mr Marc Cosentino, Founder at Case Questions and Author of Case in Point

  Mr Evan Piekara, Co-Author of Case in Point and Sr Manager, Change Management at Acumen Solutions

  Topic – Management Consulting Skills and Prospects

  The interactive session involved elucidation on the essentials of cracking a consulting interview and about what it takes to ace NGOs and non-profit companies.

- Amol Nagar, Director of operation and supply chain

  He talked about Lean and Six Sigma approach for optimisation which helps to know what the valid activities are to focus and discuss; and about how the digitization Journey which moves from manual data to predictable execution.

- Mr Srinivasan Kannan, Head South – Corporate Client Banking & Specialized Industries @ JP Morgan

  Topic: The New Paradigm of Banking & Risk Management

  The session involved a Q&A session wherein the discourse ranged from the basics on banking to more nuanced takes on the differences between the outlook of PSBs and private sector banks. The effect and implications on banking in view of COVID-19 with a focus on NPA resolution via IBC, the government's PSB capitalisation drive, and fundraising capacities of certain banks vis-à-vis others were the topics discussed.

- Mr Jaykumar Shah, CA, CFO @ Tata Capital Financial Services

  Topic: NBFCs: The Way Forward Post-Shadow-banking Crisis & COVID-19

  The talk delved deep into the Indian shadow-banking crises, right from IL&FS downfall to the knock-on effect and the spread of contagion risk among NBFCs. Additional implications for the allied housing sector was a central talking point. COVID-19-related moratoriums on housing loans, and their eventual impact on collections in the near-term and medium timeframe were discussed.

- Mr Ankit Jindal, CGST Inspector

  Topic: Portfolio Management using Financial Instruments

  It was a lucid talk on the jargon-heavy world of derivatives, right from introducing Futures & Options to understanding payoffs. Anecdotal accounts of his investment journey, how he explored the stock market, the risks associated with investing, and how to hedge them using financial derivatives were the subjects discussed.

- Mr Aswini Bajaj, CA, CS, CFA, FRM, CAIA, CIPM, CCRA, CEO @ Leveraged Growth

  Topic: Career Opportunities in Finance Domain

  He covered many topics from the world of finance, urging the participants to look beyond conventional accounting profiles. With the advent of technology, newer roles in 'quantitative analysis' and 'alternate investments' are changing the landscape. He spoke about the benefits of a global charter and the value addition they bring to the table over and above an MBA. Finally, he stressed the importance of upholding ethics of the highest order to navigate the terrain successfully.

Colloquium 2020 – Series 1: Day 1 of the event was organized by Prakriya - Operations Club along with the Consulting Club on the subtheme "Re-thinking the Supply Chain strategy". The panellists were:

- Mr. Pramod Kumar, Business Head, Supply Chain Operations, GATI-KWE India.
- Mr. Manoj Bhatia, Vice President (Asia Head), Morgan Stanley India.
- Dr. Anish Agarwal, Director - Data & Analytics, NatWest Group India

The First Panel Discussion of "COLLOQUIUM 2020" provided a fresh perspective towards changing supply chain strategies.

The event commenced with the inaugural speech of the Director, Prof M. Chandrasekhar. The panellists engaged in a stimulating discussion on how the Supply Chain is the fine balance between demand and supply. They further explained the need to rethink on the supply chain strategy by getting into vendor relation management and future strategies that companies will take in warehouse investment.

The event witnessed invigorating participation from students. The Q&A from the students followed the discussion. The enthralling session of Day 1 concluded with a vote of thanks from the Business Cluster.

Day 2 of the event was organized by MarkAdZ on the subtheme "Digital Wave of 2020"

Day-two explored the panel discussions on how COVID-19 will accelerate change, the growth of new consumers in the online market, and the emergence of new India with the increasing penetration in tier 2 and 3 cities. The day began with a welcome address by Coordinator (Admn.) Prof. Deepika Gupta. The panellists engaged the audience with stimulating discussion on the digital transformation post-COVID for businesses and their stories of adapting to change. The panellists were:

- Mr. Harshavardhan Chauhaan- Vice President - Marketing & Omni Channel, Spencer's Retail & Nature's Basket
- Ms. Dola Halder- Brand Head - Doritos, PepsiCo India
- Mr. Sahil Puri- Business Development Manager - Flipkart
- Mr. Anurag Iyer- Head of Marketing - RSPL Group
- Mr. Sumanta Ganguly- Executive Director - MullenLowe Lintas Group

Keynote Speaker: Member of Parliament and India's Sherpa to the G20 & G7, Shri Suresh Prabhu. He spoke on the topic: Re-Shaping India: Role of Business Enterprise Post Pandemic.

The challenge is to learn from good times instead of clinging on to them and remain tough during bad times, was the advice of Shri Suresh Prabhu. He highlighted what the students must learn from the pandemic and explore what kind opportunities. They must prepare to deal with diverse contingencies for the post-COVID-19 world while being good citizens, was his advice.

Colloquium 2020 – Series 2: Organized by E.P.I.C Club on the subtheme "Duality of Crisis"

The 3rd Panel Discussion as a part of COLLOQUIUM 2020 on topic "Duality of Crisis" by the Entrepreneurial Passion and Innovation Club explored the threats and opportunities that came along with the pandemic and how the correct amalgamation of vision, mission and sound idea are the base of a successful start-up. The panellists were:

- Asha sampath – Founder, Brand Horizon
- Yeshwanth nag mocherla – Founder, The Thickshake Factory
- Dr. Rakesh Sinha - CEO & Founder, Reflexive Supply chain
- Shivkalaa S – Founder, Things Etc, ACT Talks

They discussed on the positive side of COVID-19 and how business could convert a crisis into an opportunity to build value. Mrs. Shivkalaa S moderated the event.

Keynote Speaker: Mr. Anil Kumar Chaudhary, Chairman, SAIL.

He gave an interesting talk on the "Future of PSUs".

Vriddhi 2021

Day-1 of the conclave was co-hosted by the Finance & Economics Club, along with the Consulting Club. There was a Panel Discussion on Thriving in Uncertain Markets: A Financial-Strategy Perspective.

1. Mr Rambhushan Kanumuri, Chief Strategy & Operations Officer @ Investec India shared a wealth of information on the tectonic shifts the pandemic had brought upon and talked about the changing executive mindset, right from cost efficiencies to experimentation and innovation. The significance of data/

tech behind both traditional and start-up organizations, the new focus on ESG by the top executives, and the blend of traditional and digital as the best solution forward were the discussion points. Useful tips were shared on reaching customers effectively, efficiently and seamlessly.

2. Mr Varun Dhingra, Founder @ Renous Consulting, talked about valuations with a focus on companies from the tech sector and their larger-than-life multiples. He spoke about the dynamic interplay between acquirers and target companies that had arisen during the new normal. The tussle between acquirer and target companies and the dynamics of under/over valuation were discussed. The almost impossible valuation of new-tech companies with the existing multiples was also explained. Adaptability is the key, was the key takeaway.

3. Dr Saswata Sahoo, Director of Data Science @ Gartner, spoke about the 360-degree perspective of how clients are figuring out uncertainties concerning themselves and setting into motion various action plans towards recovering and renewing the focus on multi-channel experiences enabled through agile transformation. His experience from working with numerous clients provided a new perspective on how these clients were figuring out how to respond to the uncertainties and plan forward i.e., responding, recovering, renewing. The emerging focus towards multichannel experience was also discussed.

Day-2 of the conclave was co-hosted by MarkAdZ – Marketing Club along with the Prakriya - Operations Club. The Panel Discussion was on the sub-theme “Reigniting Business: Innovative, Inclusive, and Invincible”

1. Mr. Ashish Kumar, Co-founder & CEO at NearStore. He discussed about the Current trends of increase in intent of using technology, mapping of stores and methodologies used for order allocation with important metrics being time of delivery, distance, and fill-rate. He discussed about the risks associated with supply-chain namely long-term play, financial support, and sustainability of costs.

2. Mr. Kartik Gurumurthy, Vice-president of Grocery (Instamart) at Swiggy. He spoke about organizing hyperlocal format; difficulties in cost structure in hyperlocal; evolution of ecommerce in tier 2 and tier 3 cities and ensuring minimum earnings for gig workers. He also spoke about the retention and repeat for the consumers and fill rate being indicator of customer experience and finally about purchase decisions shifting to the point of purchase.

3. Mr. Sarabjeet Matharu, Manager of Retail, Innovation and Omni channel at Bridgestone, India. He shared how end-consumer delivery operates and omnichannel as a solution for extending the hyperlocal model to rural India. He spoke about the importance of service infrastructure for customers and finally about the behaviour changes of consumers post the demonetization namely the reduced dependence on cash and shift to cashless economy.

4. Lokesh Natoo, Director of Operations, 21North Europ talked about as online shopping became more and more prevalent, consumers faced some major challenges, such as a delay of 3-4 days in order fulfilment and a distinct lack of trust for the online medium. This exactly is where hyperlocal marketplaces come into the picture to save the day for e-commerce. By marrying the convenience of online shopping with the comfort and trust factor of a neighbourhood brick-and-mortar store, these marketplaces have become the answer to the online shopping concerns of the country’s discerning consumer base.

Keynote Sessions

Vridhhi – Annual Business Conclave in its second edition, has been home to some of the biggest stalwarts in the Business domain.

The keynote session for day 1 of VRIDDHI 2.0 was addressed by Lakshmi Iyer, President CIO - debt and head-Products Kotak Mahindra Asset Management Co on ‘Changing Tides of Financial World – A rewarding Career for Women to Grow’. She spoke about 360-degree changes in the financial business landscape in the past months and emphasized the fact that only the technology enabled organizations could sail through these changes. Ms. Iyer called for a commitment to focus more on women working in the middle levels and beyond.

The keynote session for the second day of VRIDDHI

2.0 was addressed by Shams Jasani (Group Managing Director, South Asia, Isobar) and Malavika R Harita (Founder and CEO, Brand Circle & Member, Board of Governors) on the topic: The New Age Marketing. The speakers shared their personal experiences on handling situations with a positive attitude, the importance of resilience and flexibility and how digital transformation has impacted brand marketing and business and what the future holds for young brand marketers.

HRIDAYA 5.0

The HR flagship event of the Institute is HRidaya 5.0. The theme of the conclave was 'Change Management'. The keynote speaker Capt. Pranav Prasoon, Head of HR- Renault India Private Limited, introduced the topic "HR as Crusader" and provided his insights on the topic followed by a panel discussion on the topic "Towards a new HR philosophy-Do the changing times mandate a changing role for the HR?".

The panellists included:

- Aditya Adyar [Head of HR- Piramal Realty]
- Capt Pranav Prasoon [Head of HR- Renault India Private Limited]
- Dr. Ankita Singh [Senior VP & Global Head of HR- CIGNEX Datamatics]
- Jyoti Singh [HR Head- DataFoundry AI]
- Sudipto Mandal [VP & CHRO- Star Cement Ltd.]
- Vipra Babbar [Head HR India- Meero]
- Yashwant Chauhan [Senior Manager HR-GAIL]

The panel was moderated by Prof. Anupama Sharma of IIM Visakhapatnam. The discussion touched upon how the role of HR had evolved over years, as not only that of an enabler but also of a crusader. It is essential to have a healthy relationship between the employer and the employee, the two central pillars of this being empathy and trust. Another crucial point is being humane. The focus was also on the process and techniques being employed for change management. Focusing on values and integrity to create a great workplace with a great culture is important. It can be built with CARE, viz. in terms of Communication, Adaptiveness, Responsiveness, and Empathy. Another important aspect was that current and future HR leaders need to take care of their employees' hearts (HRidaya)and minds. Having a 'manthan' of business, market, people, and the enabling functions will lead to transformation.

On Day-2, the keynote address was on "Future of Jobs - Embrace the Change" delivered by Shri Sorabh Bajaj, Skill Transformation Consultant APAC-Coursera.

The panel discussion was on "Changing Nature of the Workforce of the Future". The panellists included:

- Sorabh Bajaj [Skill Transformation Consultant APAC- Coursera]
- Atulaya Goswami [HR Head India Region-UPL Limited]
- Sanjay Chandel [Senior VP & Head of HR-Sterling]
- Sneha Jain Paul [Associated VP HR-Manyavar]
- Sushil Tripathi [HR Head Garment Division-Siyaram Silk Mills Ltd.]

The panel was moderated by Prof. Bishakha Majumdar of IIM Visakhapatnam. There was an emphasis on the art of learning. The next step would be developing a growth mindset, effective listening skills, and applying the learning. Developing competency is another crucial factor. Having the ability to manage oneself and upgrading oneself is equally important to embrace change. The motivation for change is always intrinsic. The discussion touched upon the application of technology in transforming the current workforce. The panel also touched upon the need for a liquid workforce and the concept of digital Darwinism.

3. Executive Education

The Institute has been offering a variety of custom- and open-executive education programs.

As enshrined in the IIM Act 2017, the objectives of the Institute, inter alia, are to educate and support leaders who can contribute as professional managers, entrepreneurs, and stewards of existing and emerging enterprises in the private, public, and social sectors; to provide management education of high quality and to promote allied areas of knowledge as well as interdisciplinary studies; to support and develop programs promoting social and gender equity; to develop educational programs and faculties that advance the cause of education, teaching and learning, across disciplines.

A list of the programs conducted during this period 2020-21 is appended as Statement 6.

4. Faculty

The Institute stood tall in its recruitment activities by actively making offers to faculty members with high standing and impressive teaching and research credentials. With the support, guidance and hand- holding of members of various recruitment committees, the Institute completed the fifth round of Faculty recruitment and a Special Recruitment drive for hiring faculty candidates from disadvantaged sections. A total of eleven new faculty joined the Institute in the year FY 2020-21, while two faculty members left the Institute. With this, the Institute has a cumulative faculty strength of 30 members, including the Director, as at the end of the FY 2020-21. The Institute has ambitious plans to hire and retain competent faculty on an ongoing basis.

4.1 Appointments

- Dr. Saroj Kumar Pani was appointed as Associate Professor on April 06, 2020, in the Entrepreneurship area.
- Dr. Vishal Singh Patyal was appointed as Assistant Professor on August 31, 2020, in the Production & Operations Management area.
- Dr. P Raja Sekhara Sarma was appointed as Associate Professor on October 07, 2020, in the Production & Operations Management area.
- Dr. Srinivas Josyula was appointed as Associate Professor of Practice on December 17, 2020, in the Information Systems area.
- Dr. Sunitha Tumkur was appointed as Assistant Professor on January 08, 2021, in the Management Communication area.
- Dr. Aalok Kumar was appointed as Assistant Professor on January 18, 2021, in the Production & Operations Management area.
- Dr. Vinay Yadav was appointed as Assistant Professor on January 25, 2021, in the Decision Sciences area.
- Dr. Balaji Subramanian was appointed as Assistant Professor on February 01, 2021, in the Organizational Behaviour & Human Resources area.
- Dr. Rohit Titiyal was appointed as Assistant Professor on February 22, 2021, in the Production & Operations Management area.

- Dr. Sushil Kumar was appointed as Assistant Professor on February 25, 2021, in the Entrepreneurship area.
- Dr. Ankit Kumar was appointed as Assistant Professor on March 31, 2021, in the Economics & Social Sciences area.

4.2 Resignations

- Dr. Anirban Ghatak, Assistant Professor, Decision Sciences Area was relieved from the services of the Institute with effect from June 15, 2020, AN.
- Dr. Jayasankar Ramanathan, Assistant Professor, Marketing Area was relieved from the services of the Institute with effect from February 04, 2021, AN.

Apart from the above, industry experts and visiting faculty from IIM Bangalore and other reputed business schools taught courses across various programs. A list of faculty members is appended as Statement 7.

4.3 Guest Lectures

The Institute takes pride in its high-quality guest lectures delivered by eminent personalities drawn from the industry, academia and the government. Guest lectures complement the learning process of the students in understanding the dynamics of the corporate world.

The list of Guest lectures conducted during the year is appended as Statement 8.

4.4 AIB India Chapter Conference 2020

The Academy of International Business (AIB) is a leading association of scholars and specialists in the field of international business and international policy. Its current headquarters is on the campus of Michigan State University, USA. It is an organization dedicated to nurturing and empowering a global community of scholars focused on creating, advancing, and disseminating knowledge in international business research, education, policy, and practice; AIB transcends the boundaries of single academic disciplines and managerial functions. Established in 1959, AIB today has 3548 members in 93 different countries around the world. AIB also houses 17 chapters around the world as well as 2 Shared interest Groups: Women in AIB (WAIB); and Research Methods.

AIB India Chapter (http://www.aib-india.org/) is active in the domain of International Business advocacy and fostering research. Professor S Raghunath (Strategy Area), IIM Bangalore is the Chair of the AIB India Executive Board. Every year, AIB India Chapter organizes Annual Conferences in coordination with IIMs, Deemed Universities, etc.

IIM Visakhapatnam partnered with AIB India Chapter for its 3-day Annual Conference originally planned in the month of April 2020. However, due to the COVID-19 pandemic, the Conference was converted into a virtual one from December 20 to 22, 2020. It is a matter of pride and good learning experience for the Institute to host such a prestigious conference seamlessly and efficiently, especially in the virtual mode, for the first time ever.

The theme of the Conference 2020 was “The Impact of International Business on Economic Growth and Revival”. The Conference invited competitive papers under various tracks, interactive and plenary sessions. The Conference also included Case Writing and Paper Development Workshops spread during the 3-days. Doctoral students who registered for the Conference were given free AIB annual membership to promote scholarly work in the international business domain. The Conference 2020 Chair was Prof G Shainesh, (Marketing Area), IIM Bangalore with Co-Chair as Prof Deepika Gupta (Strategy Area), IIM Visakhapatnam.

A total of about 103 papers were received, out of which, after due screening, around 40 papers were blind-reviewed and selected for various tracks and interactive sessions. There were a total of around 50 registered participants for the Conference.

The Conference witnessed successful and energetic participation by the academic fraternity, research scholars and students from across the globe. The Conference, though virtual, was highly effective; and appreciated and acknowledged as such by all the participants, faculty and academia, in general.

5. Research and Publications

Faculty at the Institute always excelled in their research pursuits. With its expanding scale and scope, the Institute gained traction in its research pursuits also. The Institute's faculty have added to the expanding body of scholarly publications through their outstanding research from time to time. Their research output is as follows:

Journal Articles

1. Ashaduzzaman, M., Jebarajakirthy, C., Das, M., & Shankar, A. (2021). Acculturation and apparel store loyalty among immigrants in Western countries. Journal of Marketing Management, 37(5-6), 488-519.
2. Baron, M., Ye, S., & Chattopadhyay, B. (2021). Limited Fluctuation Credibility With Uncertain Priors. Variance Journal, 25970.
3. Bilson Darku, F., Konietschke, F., & Chattopadhyay, B. (2020). Gini index estimation within pre-specified error bound: Application to Indian household survey data. Econometrics, 8(2), 26.
4. Chakrabarti, P., Jawed, M. S., & Sarkhel, M. (2021). COVID-19 pandemic and global financial market interlinkages: a dynamic temporal network analysis. Applied Economics, 53(25), 2930-2945.
5. Chattopadhyay, B. (2020). Accuracy in insurance billing error estimation using auxiliary information. South African Statistical Journal, 54(2), 153-162.
6. Chattopadhyay, B., & Banerjee, S. (2021). Estimation of location parameter within pre-specified error bound with second-order efficient two-stage procedure. South African Statistical Journal, 55(1), 45-54.
7. Islam, H., Jebarajakirthy, C., & Shankar, A. (2021). An experimental based investigation into the effects of website interactivity on customer behavior in on-line purchase context. Journal of Strategic Marketing, 29(2), 117-140.
8. Jalali, H., Ansaripoor, A., Ramani, V., & De Giovanni, P. (2021). Closed-loop supply chain models with coopetition options. International Journal of Production Research, 1-29.
9. Jawed, M. S. Tapar, A. V., & Dhaigude, A. S. (2020). Cross-listed Futures Index and Price Discovery. The Empirical Economics Letters, 19(6).
10. Jawed, M. S., Tapar, A. V., & Dhaigude, A. S. (2020). Public Sentiments & Performance of Industrial Indices: Evidence from Twitter Happiness Index. Indian Journal of Industrial Relations, 56(1).
11. Jawed, M. S., Vinod Tapar, A., & Dhaigude, A. S. (2021). Crisis, firm characteristics and stock performance: evidence from Hospitality and Tourism sector. Tourism Recreation Research, 1-18.
12. Jebarajakirthy, C., & Shankar, A. (2021). Impact of online convenience on mobile banking adoption intention: A moderated mediation approach. Journal of Retailing and Consumer Services, 58, 102323.
13. Krishnan, K., Mukherji, A., & Basu, S. (2020). Market responses to increased transparency: An Indian narrative. International Review of Economics & Finance, 69, 663-677.
14. Kumar, A. (2021). Transition management theory-based policy framework for analyzing environmentally responsible freight transport practices. Journal of Cleaner Production, 294, 126209.
15. Majumdar, B., Basu, S., Jain, S. (2021). Digital empowerment and indian handlooms case-based policy recommendations, Economic and Political Weekly, 56(8), pp. 52-59.
16. Mondal, A., & Chakrabarti, A. B. (2021). Entrepreneurial orientation during adversity: differences across ownership categories. International Journal of Entrepreneurial Behavior & Research.
17. Mondal, A., & Chakrabarti, A. B. (2021). Information and Communication Technology Adoption Strategies of Emerging Multinationals From India. Journal of Global Information Management (JGIM), 29(5), 161-175.
18. Pandey, N., & Pal, A. (2020). Impact of digital surge during Covid-19 pandemic: A viewpoint on research and practice. International journal of information management, 55, 102171.
19. Pani, S. K., & Pathak, A. A. (2021). Managing plastic packaging waste in emerging economies: The case of EPR in India. Journal

of Environmental Management, 288, 112405.

20. Rai, A., Patyal, V. S., & Maheshwari, S. The Mediating Role of Self-efficacy between Job Challenges and Work Engagement: Evidence from Indian Power Sector Employees. Journal of Public Affairs, e2494.

21. Shankar, A. (2021). How does convenience drive consumers' webrooming intention? International Journal of Bank Marketing.

22. Shankar, A., & Jain, S. (2021). Factors affecting luxury consumers' webrooming intention: a moderated-mediation approach. Journal of Retailing and Consumer Services, 58, 102306.

23. Shankar, A., & Rishi, B. (2020). Convenience matter in mobile banking adoption intention? Australasian Marketing Journal (AMJ), 28(4), 273-285.

24. Shankar, A., Datta, B., Jebarajakirthy, C., & Mukherjee, S. (2020). Exploring mobile banking service quality: A qualitative approach. Services Marketing Quarterly, 41(2), 182-204.

25. Shankar, A., Tiwari, A. K., & Gupta, M. (2021). Sustainable mobile banking application: a text mining approach to explore critical success factors. Journal of Enterprise Information Management.

26. Uniyal, S., Mangla, S. K., Sarma, P. R., Tseng, M. L., & Patil, P. (2021). ICT as "Knowledge management" for assessing sustainable consumption and production in supply chains. Journal of Global Information Management (JGIM), 29(1), 164-198.

27. Vijayashekhar, S. S., Bhatt, J. S., & Chattopadhyay, B. (2020). Virtual Dimensionality of Hyperspectral Data: Use of Multiple Hypothesis Testing for Controlling Type-I Error. IEEE Journal of Selected Topics in Applied Earth Observations and Remote Sensing, 13, 2974-2985.

Case Studies

1. Anuradha, M. V., Rajan, C. R., & Ganduri, U. R. (2020). Changing the quality mindset at Ashok Leyland (Parts A and B). The CASE Journal.

2. Baid, P., & Chakrabarti, A. B. (2020). Mahindra & Mahindra: Surviving the Oil Crises, The Case Centre, UK

3. Revathi K., Chakrabarti, A. B. (2020). Vedanta: The CSR Challenge, The Case Centre, UK

Book

- Deb, S., Sunny, A. M., & Majumdar, B. Disadvantaged Children in India: Empirical Evidence, Policies and Actions. Springer Nature.

Book Chapter

- Majumdar, B. (2020). Food justice in a welfare state: Dynamics of the public distribution system in India. In Upholding Justice (pp. 54-76). Routledge India.

6. Entrepreneurship

IIMV- Foundation for Innovation, Entrepreneurial Learning and Development (IIMV-FIELD)

IIM Visakhapatnam has moved a step further to support the budding entrepreneurs whose ventures are either in the ideation or in the prototype stage. To encourage the spirit of entrepreneurship not only among its students but also among the people of the region, the institute has set up a Section 8 Company with the name IIMV Foundation for Innovation, Entrepreneurial Learning and Development (IIMV FIELD). The foundation was set up on 17th July 2020 under the Chairmanship of Mr. Prasad Dahapute, Member on the Board. The Board of Directors of the Company include Prof. M Chandrasekhar as the MD & CEO, Prof. Mohammad Shameem Jawed as the Director & COO and Prof. Deepika Gupta as the Director (CFO & Company Secretary). It is envisaged that the IIMV-FIELD will provide a platform for the growth of successful entrepreneurs and facilitate establishment ventures that will contribute to the society.

Women Start-up Program (Cohort - 2)

One of the major focus areas of the incubation centre is to promote women-led start-ups. With this in view, the Institute partnered with the N S Raghavan Centre for Entrepreneurial Learning (NSRCEL) at IIM Bangalore, to conduct the Women Start-up Program (WSP). This Program is funded by IIMB, which in turn is being supported by Kotak Mahindra, and the Department of Science & Technology (DST), Government of India. The Institute is providing incubation facility to the women entrepreneurs. During the incubation phase, the participants report their progress once in a fortnight. These meetings happen both in-person and through Video Conferencing.

IIMV and IIMV-FIELD welcomed the cohort of Women Start-up Program 2020-21, with a launch event on 10 March 2021. Dr. Anita Gupta (Scientist -G/Adviser and Head -NSTEBD, DST) was the chief guest for the occasion and addressed the women entrepreneurs by drawing their attention to the various central government schemes that support start-up ecosystems in the country.

Key resources provided during the incubation included:

1. Structured Mentoring
2. Access to entrepreneurship-related events, workshops, seminars being conducted by IIMV FIELD
3. Networking opportunities
4. Infrastructure facility for incubation support
5. Access to the library and knowledge resources
6. Funding support (as per the mandate of the incubation program under which the start-up is incubated).

The incubation period for the cohort commenced in Feb 2021. In this Cohort, there were 20 start-ups led by women entrepreneurs from the states of Andhra Pradesh and Telangana. Some of the start-ups are:

Kula Studio, Visakhapatnam, Andhra Pradesh

Kula provides refashion and repair services over a digital responsive platform for clothes. The venture's focus is on refashion-upcycling and selective customization using the various feasible services listed as design filters, that enable the users to draw inspiration from the gallery, play around on the responsive website, drag and drop features onto the product template to build a final look to their liking.

Hapup, Hyderabad, Telangana

Hapup makes natural and nutritionally diverse millet-based premium baby food to suit Indian tastes. The venture's proprietary nutri mixes are backed by scientific research and rooted in the wisdom of traditional Indian recipes suited to meet local nutritional needs.

School Radio, Visakhapatnam, Andhra Pradesh

School Radio provides a digital platform to the children and the youth where they come together to create their own content and find solutions to the issues they are facing. The process of School Radio production creates an opportunity for them to identify, engage, explore and empower themselves.

Sugarshell, Hyderabad, Telangana

The venture aims at designing useful, innovative and affordable products for mastectomy survivors (breast cancer survivors).

Projoy Foods Pvt Ltd, Hyderabad, Telangana

The venture, FeelGood@ Probiotic Cafe is an innovative food and beverage brand which serves food in a unique way. The venture is expanding into the e-commerce space and provides a bouquet of probiotic products like immunity-boosting powders, flavoured drinks, sauces, dips, and chocolates.

Learning Buffet, Hyderabad, Telangana

Children with learning difficulties and developmental delays have specific learning needs, which is currently not catered to. Learning Buffet is an e-commerce platform dedicated to designing and curating learning tools and resources for children with learning difficulties and developmental delays, focused on their potential development.

Cocoa Buzzz, Visakhapatnam, Andhra Pradesh

CocoaBuzz focuses on making value-addition to the products made out of cocoa and improvises the bean quality through the fermentation method.

All is Well, Visakhapatnam, Andhra Pradesh

'All is Well' provides mental wellbeing solutions for new hires in an organization to emotionally empower them, make them self-aware and equip them with self-help techniques. The services are offered during the first six months of the employee joining the organization.

Flow Experiences, Hyderabad, Telangana

Flow experiences enables popular educational institutions to impart impeccable arts education programs to their students by providing them with highly proficient trained teachers for eight different art forms, implementing exceptional curriculum and assessment methods in accordance with CBSE guidelines, all at an affordable pricing.

People of Prints, Hyderabad, Telangana

People of Prints is a personalized and social design printing company. The venture helps people relive their memories in the most creative ways and provides an array of technologically advanced print services to photo-lovers, photographers, artists, and emerging businesses.

TIDE 2.0

The Institute is a recognized TIDE 2.0 (Technology Incubation and Development of Entrepreneurship) Centre by the Ministry of Electronics & IT (MeitY), Govt. of India. It is a scheme to promote tech-entrepreneurship by providing financial and technical support to promising ideas.

The start-ups which are at ideation or prototype stage, preferably using electronics & IT technologies such as IoT, AI/ML, Blockchain, Robotics and work in any of the following focus areas are eligible for support in domains such as:

- Agriculture
- Clean Energy
- Education
- Environment and Clean Technology
- Financial Inclusion including digital payments.
- Healthcare
- Infrastructure and Transportation
- Other emerging areas, such as Fintech, Electric Mobility, Skill Development and Women Safety and Women & Children Nutrition.

Applications were invited under the grants and the Entrepreneur-in-residence categories, respectively. The last date for applying was 18 May 2020. Out of the 123 applications received, 71 in Grants and 52 in EiR (Entrepreneur-in-Residence). 24 applications were shortlisted for the final selection cum pitch event. Of the 24 applications, 12 were selected for the EiR category and 12 were selected for grants. The final selection cum pitch event was held on 11 July 2020.

Selected Candidates in the EiR Category:

(i) Sagar Mukherjee (Visakhapatnam) – [ProSafe]

- A digital pill which when consumed by a subject (useful for women safety) at a time of utter distress can act as the broadcaster of the real-time location of the victim to their emergency contacts with the Police authorities in the loop too.

(ii) Raja Kumar Bollem (Visakhapatnam) – [INOVMAC Pvt. Ltd.]

- Using machine modularity and IoT with robust hardware, the solution helps to provide visibility on machine failures, and

quickly resolve the issues, thus reducing the machine's downtime.

(iii) Ayush Pateria (Hyderabad) – [Snazzyalign]

- An AI and IoT based solution, aligners are 3D printed, thin, removable, transparent plastic trays that pop into the mouth, fit snugly over the teeth and move the teeth gradually into the correct position.

Selected candidates in 'Grants' category:

(i) Prasad Muddam (Hyderabad) – [Heamac Healthcare Pvt. Ltd]

- A point of care - non-invasive, diagnostic, first to market AI monitoring tool predicting treatment & discharge in new-borns.

(ii) Jainam Nileshkumar Mehta (Ahmedabad) – [Urban Naps]

- A napping pod with an optimal sleeping environment which will be equipped with sensors to monitor and analyse sleep data and provide predictive analysis report to the user.

Each venture selected under the EiR category received Rs.2,66,667 and ventures selected under grants category received Rs.7,00,000 each.

ACHIEVEMENTS UNDER TIDE 2.0

1. Invomac Private Limited (Visakhapatnam, Andhra Pradesh) was selected for CHUNAUTI - NextGen Start-up Challenge Contest, an online Challenge under Software Technology Parks of India - STPI's comprehensive incubation scheme - Next Generation Incubation Scheme (NGIS). Inovmac's solution of using machine modularity, and IoT with robust hardware helps provide visibility on machine failures and quickly resolve the issue thereby reducing a machine's down time.
2. Snazzy Care Private Limited (Hyderabad, Telangana), was selected for the Y-Combinator accelerator program and embarked on the process of raising early-stage financing for their venture. Snazzy makes the client's teeth straightening journey as comfortable and as affordable as possible by using invisible braces or clear aligners. The team has designed the system in such a way that the client can stay at home and get the same professional attention as with a top orthodontist by using tele-dentistry. Throughout the journey, the patient and the orthodontist are in touch through an app thus making the process very smooth and affordable.

Snapshot of the events conducted at IIMV-FIELD

1. An e-meet with Prof. M Shameem Jawed, Director and COO, IIMV-FIELD & Chair (Entrepreneurship Development), IIMV on 30 July 2020 and on 31 July 2020 was conducted. This was an interactive session where the WSP participants got to know more about the program and the Institute.
2. A virtual session "Women Who Ventured: Meet the successful entrepreneurs from IIM Visakhapatnam's Women Start-up Program cohort" was conducted on 18 August 2020. This session was an opportunity for the participants to e-meet some of the alumni women entrepreneurs and learn more about their journeys, understand the application process and the structure of the Women Start-up Program and get their queries and concerns clarified. A virtual introductory address by Shri. Prasad Dahapute, Chairman of IIMV-FIELD and Member BoG IIM Visakhapatnam, to the first cohort of TIDE 2.0 was conducted on 16 September 2020.

7. Infrastructure

7.1 Transit campus

The following infrastructure-related projects and facilities-upgrade were taken up and completed during the year:

- Fabrication of office furniture in the porta cabins.
- Procurement of furniture items in the Transit Campus.

7.2 Hostel

A hostel to house 60 students on twin-occupancy basis was hired and suitably furnished.

7.3 Permanent campus

- The construction of Permanent Campus (Phase - I) of the Institute has been awarded to Shapoorji Pallonji and Company Private Ltd.
- Site Office for Project Management personnel, a facility of about 3,650 square feet was completed. It includes a complete mock-up (exact replica) each of the Hostel Room, Guest Room and Faculty/HoD Cabin.
- All the pre-construction approval were obtained for the construction of permanent campus.
- Institute has applied 33KV power supply from APEPDCL and the work is underway.
- Institute has taken up the plantation work in permanent campus with the funds of Rashtriya Ispat Nigam Ltd. (RINL, Visakhapatnam Steel Plant) under their Corporate Environment Responsibility.

7.4 Library

IIMV library supported the teaching, learning and research activities of the institute extensively during the pandemic period. All e-resources were made accessible off-campus through RemoteXs and VPN services. Many publishers opened free access to electronic books, e-journals for the IIMV community. The library had organized several webinars during this time on utilizing e-resources optimally.

Following services are offered:

- Circulation of library material
- Research assistance and reference service
- Information literacy
- Periodical training sessions on databases

7.4.1 Circulation Statistics

Books added	03
Books issued	166
Books returned	167
Books renewed	110
Remote Access log-in Sessions	5759

7.4.2 Library E-Resource Usage

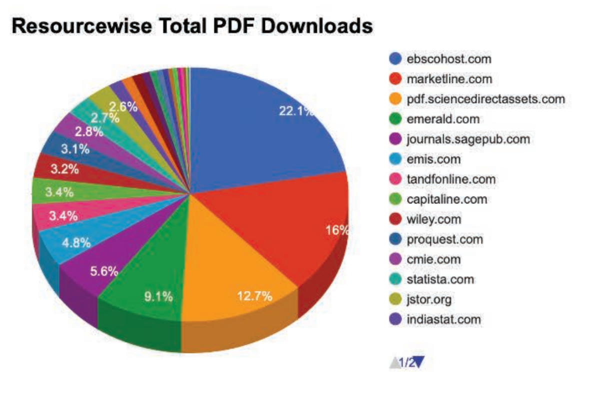

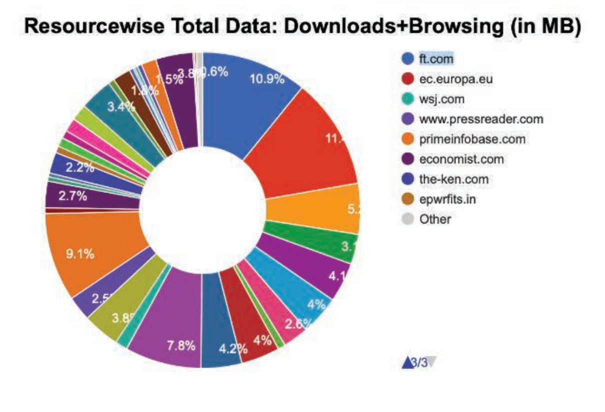

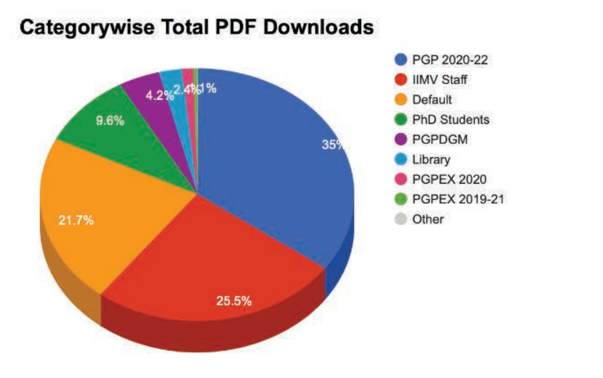

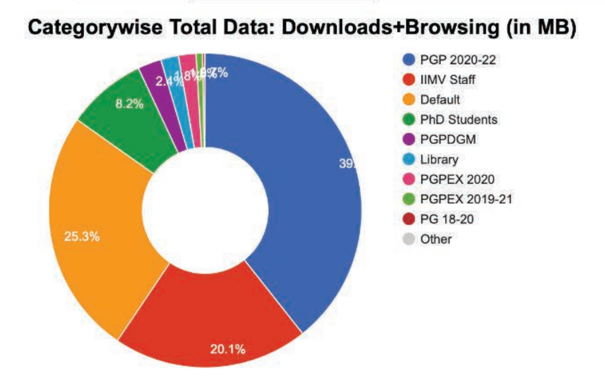

Library collection highlights are appended at Statement 9.

7.5 Computer Centre & IT Infrastructure

The highlights of the activities of the Computer Centre and details of IT infrastructure are:

- Purchase and Installation of Unified Communications (UC) Audio Visual Equipment for classrooms to conduct online classes under the Digital Transformation of Teaching and Learning process
- Purchase and Implementation of (ExamSoft, DigiExam) Online Examination Software to conduct online examinations under the Digital Transformation of Teaching and Learning process
- Annual Maintenance Contract (AMC) for Learning Management System (Moodle) and Moodle Server Administration and Maintenance. Purchase of Amazon Web Hosting services to host the Moodle Server
- Purchase of Bluetooth Pen Tablets and Headphones for the faculty to give the lectures from home under the Digital Transformation of Teaching and Learning process
- Purchase of additional Zoom licenses to conduct online classes
- Purchase of WebEx educational licenses to conduct online classes
- Procurement and implementation of cloud based Sanako Language Lab for students
- Implementation of centralized biometric attendance system for the outsourcing staff working in different locations
- Procurement of Wi-Fi and Network facilities for the new student hostel through GeM portal
- Renewal of High-speed internet backup lines
- Renewal of the Microsoft Campus Agreement
- Purchase of software to aid faculty research
- Purchase of computing equipment and peripherals for faculty and staff
- Renewal of other IT support services contracts

8. Alumni Activities

Academic institutions reach great heights on the active support of their alumni base. The student alumni committee of the Institute, in coordination with alumni office, strives to foster a strong bond with the students, past and present. Numerous sessions involving alumni-student interaction such as mentorship programs, knowledge-sharing webinars, placement-related guidance, etc. are held on regular basis to actively engage with the alumni. Such interactive sessions strengthen the brand image and visibility of Institute in the government, industry and the society at large (where the alumni are based) and also promote networking of the alumni within the Institute family.

List of Major Activities:

- 'Know it from your Alum': A series of alumni interaction Sessions with the students were conducted from May 2020 to March 2021
- 'Alumni Round Table Conference': Panel discussions to share alumni views on industry and their experiences, on 21st Aug 2020 and 13th Dec 2020.
- 'On-Campus Alumni Student Interaction': As part of the PGP 2020-22 Inauguration, alumni were invited to interact with the students on 25th July 2020.

9. Policy and Initiatives

9.1 Disability Services

The Institute continues to give priority to addressing the needs of specially-abled students. The goal of the Institute is to provide equal access for students with special-needs so that they get as good an educational experience as any other student. The Programs Office at the Institute works with the faculty and students to ensure that the needs of the students like accessibility to classrooms, seating arrangements for students with special requirements etc. are duly met. The Institute welcomes students with special needs and is committed to the continuing development of an enabling environment and a non-discriminatory culture.

Every student with special needs is taken through an assessment to identify the specific needs required by him or her. This is done well in advance to ensure that the office can work with the student at each step, starting from accommodation to accessibility of campus and any other support required.

During the Orientation Week, a session is included to build awareness and sensitization towards students with disabilities. Campus and hostel premises are installed with lifts, ramps, railings and accessible washrooms have been added to make the existing infrastructure more accessible. Improvements are being made every year based on inputs received from students and domain experts.

All available accessibility features in the tools are used for remote delivery of lectures and administering exams are made available based on the request of the participants.

Details of students with disability are appended as Statement 10.

9.2 Internal Complaints Committee

Gender equality is one of the cornerstones of an inclusive workplace. Following the provisions of the 2013 Prevention of Sexual Harassment of Women at Workplace Act, several activities were organized to develop awareness and sensitivity about equitable practices at work.

Professor Deepika Gupta, erstwhile Presiding Officer, Internal Complaints Committee (ICC), conducted a session about Gender Sensitivity, Prevention of Sexual Harassment of Women at Workplace, Grievance Redressal activities, and role of ICC its functionaries

and processes of grievance redressal mechanism, for all PGP and PGPEX student during orientation program on 5th September 2020.

A Workshop on Prevention of Sexual Harassment of Women at Workplace Act, 2013 was conducted for all students on 29th October 2020. "Ungender.in", a Corporate Advisory firm on gender laws was engaged for this workshop. Lectures were delivered by Advocate Suruchi Kumar and Workplace Diversity Expert Ms. Pallavi Pareek. Both the experts illustrated real life corporate scenarios to explain concepts. Lectures followed by question-and-answer session.

A Lecture on Prevention of Sexual Harassment at Workplace was organized in Telugu (the local language) for all Housekeeping and Security Staff working in the Institute on 19th December 2020. The lecture was delivered by Advocate Ms. Jaha Aara, ICC member, followed by Q&A.

No complaints pertaining to the Internal Complaints Committee were received during 2020-21.

10. Personnel and Administration

As on 31 March 2021, there were 11 officers, 26 administrative staff which includes 1 Library Intern and 13 Academic Associates, Project Aide and Academic & Admin. Aide, and 3 persons (in consulting/advisory) on retainership basis at the Institute.

The detailed status is given in Statement 11.

The list of personnel is appended as Statement 12.

10.1 Official Language Implementation

The Institute makes sincere endeavours in the usage of official language in every way possible. The Institute has implemented use of Hindi language in sign boards etc. The Institute has also conducted activities like Hindi speeches, poems and slogan competitions during the 'Hindi Day' celebrations. The Institute continues its endeavours on an ongoing basis to build greater awareness of the language and encourages use of Hindi in all its day-to-day operations.

Workshop

A workshop on 'Rajbhasha Policy, Rules and Annual Program and Quarterly progress report' was organized at IIMV on 19 February 2021. Smt. Suniti Sharma (Director, OL), Ministry of Education, addressed the faculty and staff of the Institute. She began the workshop by introducing the audience to the provisions of the 'Official Languages Act, 1963' and emphasised on the provisions of the clauses under Section 3. This was followed by highlighting the important directions regarding official language policy from the 'Annual Programme (2020-2021) for transacting the official work of the union in Hindi' document. In the final section of the workshop, she recommended the necessary steps that are to be taken for the promotion and progressive use of the Official Language Hindi at the Institute.

10.2 Digital Transactions and e-procurement

The Institute has always been at the forefront in embracing the digital technologies. Out of 6500 total transactions that took place in the Year 2020-21, 6448 (99.20%) were digital transactions, which surpassed the previous year record. The Institute has also embarked on purchase of goods through GeM (Government e-Market Place) portal and follows e-Procurement for sourcing of goods and supplies through Central Public Procurement Portal (CPPP) of the GOI.

10.3 Appointment of Part-time CVO

Following the communication dated 09/2/2021 from the Central Vigilance Commission, Prof. Deepika R Gupta, Assistant Professor, has been designated as part-time CVO in the Institute, with effect from 11/2/2021, in addition to her extant responsibilities.

11. Financial Position

The financial position of the Institute showing the income and expenditure for the year 2020-21, is given below:

Particulars		Rs. In Crore	
	RECURRING	**2020-21**	**2019-20**
1	**Income**		
	Govt, Grants	18.80	15.55
	Own Revenue	23.14	17.94
	Total	41.94	33.49
2	**Expenditure**	26.64	25.87
3	**Surplus / Deficit**	15.30	7.62
Less:	Transferred to/(from) Designated Fund	01.53	00.00
	Gross Surplus/Deficit	13.77	07.62
Add:	Fund (non-recurring) utilized to meet deficit	00.00	00.00
4	Net Savings transferred to Corpus/Capital Fund	13.77	07.62
	NON-RECURRING		
1	**Receipts**		
	Grants from MHRD	00.00	01.65
	Grants from MoE - HEFA related	49.52	46.90
2	**Expenditure**		
	Fixed Assets procured	03.70	03.08
	Revenue expenses met from Funds Non-recurring (as stated above)	36.96	3.76
	Revenue expenses met from Funds Non-recurring (as stated above)	00.00	00.00
3	**Total Expenditure met from Funds** (Non-recurring) **granted**	40.66	06.84

Other finance related details are appended in Statement of Accounts 2020-21.

12. Statements

Statement 1

Board of Governors

No. of meetings held during 2020-21	6

Meeting Number	Date
17th Meeting (9th Meeting of BoG under IIM Act, 2017)	08 May 2020
18th Meeting (10th Meeting of BoG under IIM Act, 2017)	07 August 2020
19th Meeting (11th Meeting of BoG under IIM Act, 2017)	16 October 2020
20th Meeting (12th Meeting of BoG under IIM Act, 2017)	06 November 2020
21st Meeting (13th Meeting of BoG under IIM Act, 2017)	08 January 2021
22nd Meeting (14th Meeting of BoG under IIM Act, 2017)	19 March 2021

Name of the Member	No. of Meetings Attended	Remarks
Hari S Bhartia (Chairperson)	5 (17th, 18th, 19th, 20th and 22nd)	Leave of absence for 21st
Sanjay Kumar Sinha	1 (19th)	Leave of absence for 21st and 22nd, representative attended for 17th, 18th and 20th
Subrat Pradhan	1 (17th)	Representative of JS (Management) MHRD, Govt. of India
M. Sridhar	1 (18th)	Representative of JS (Management) MHRD, Govt. of India
Rakesh Bhutani	2 (18th and 20th)	Representative of JS (Management) MHRD, Govt. of India
Satish Chandra, IAS	5 (18th, 19th, 20th, 21st and 22nd)	Leave of absence for 17th
Uma Sudhindra	6	
Prasad Dahapute	6	
Satish Reddy	6	
Naushad Forbes	4 (17th, 18th, 21st and 22nd)	Leave of absence for 19th and 20th
G Raghuram	6	
Rajeev Kapoor, IAS (Retd.)	5 (17th, 18th, 19th, 21st and 22nd)	Leave of absence for 20th
Malavika Harita	5 (17th, 19th, 20th, 21st and 22nd)	Chaired the meeting for 21st and Leave of absence for 18th
Ameeta Chatterjee	4 (17th, 18th, 19th and 21st)	Leave of absence for 20th and 22nd
M Chandrasekhar, Director	6	
In attendance (Faculty)		
B Srirangacharyulu	6	
Deepika Gupta	6	

Name of the Member	No. of Meetings Attended	Remarks
In attendance (Secretary of the Board)		
Kaleem V Khan	6	

Building & Works Committee

No. of meetings held during 2020-21	3

Meeting Number	Date
8th Meeting	23 June 2020
9th Meeting	02 July 2020
10th Meeting	29 December 2020

Name of the Member	No. of Meetings Attended	Remarks
Satish Reddy (Chairman)	3	
Ligy Philip	2 (8th & 9th)	Leave of absence for 10th
Rajiv Mishra	3	
V Nagadevara	3	
P Koteswara Rao, IAS	2 (9th & 10th)	Leave of absence for 8th
Amit Baran Chakrabarti	3	
M Chandrasekhar, Director	3	
R Sayikrishna Raju	3	
Invitees		
Sushant Baliga	3	Advisor (Building & Works), IIM Visakhapatnam
B Srirangacharyulu	3	Dean (Academics & Research), IIMV
A K Bharadwaj	1 (8th)	General Manager (Engg.) & Head - SBG (AP & Telangana), NBCC (India) Limited
Arun Kumar	2 (8th and 10th)	Addl. General Manager (Engg.), NBCC (India) Limited
Smit Malhi	1 (8th)	Arcop Associates Ltd.
Madhu Sudan	1 (10th)	General Manager (Shapoorji & Pallonji) & Coordinator, IIM Visakhapatnam Campus Project

Finance, Investment & Audit Committee

No. of meetings held during 2020-21	4

Meeting Number	Date
12th Meeting	28 July 2020
13th Meeting	08 October 2020
14th Meeting	26 December 2020
15th Meeting	17 March 2021

Name of the Member	No. of Meetings Attended	Remarks
Ameeta Chatterjee	4	
Prasad Dahapute	2 (14th and 15th)	Not a member for 12th and 13th
JS&FA, MoE, GOI	Nil	Leave of Absence for 12th, 13th, 14th and 15th
Padmini Srinivasan	4	
A Radha Krishna	4	
A Srinivas Kumar	4	
M Chandrasekhar	4	
C P Vittal	4	
In Attendance		
Deepika Gupta	4	
G Nandita	4	

Statement 2

List of electives offered in the year 2020-21 in PGPEx Program

S. No.	Course Title	Credits	Faculty
1	International Business	3.0	Amit Baran Chakrabarti
2	Project Management	3.0	PRS Sarma
3	Business to Business Marketing	3.0	Suryanarayana Valluri
4	Marketing Analytics	3.0	Amit Shankar
5	Corporate Valuation	3.0	Utkarsh Majumdar
6	Project Appraisal & Financing	3.0	Pratap Giri
7	Advertising Management	3.0	Vivek Madupu
8	Customer Relationship Management	3.0	Sandeep Puri
9	Leading Digital Transformation	3.0	Neena Pandey

S. No.	Course Title	Credits	Faculty
10	Corporate Investment Strategy	3.0	Pratap Giri
11	Financial Analytics and Trading Strategies	3.0	M S Jawed
12	Managing Operations in the Era of Disruptions	3.0	PRS Sarma
13	Supply Chain Management	3.0	G Srinivasan
14	Luxury Marketing	1.5	Sheetal Jain
15	Digital and Social Media Management	1.5	Amit Shankar
16	Conflict and Negotiation	1.5	Anupama Sharma
17	Emotional Intelligence	1.5	G N Radhakrishnan
18	Strategic Sourcing	1.5	L N Krishnan
19	Sustainable Operations for Circular Economy	3.0	PRS Sarma
20	International Finance	3.0	Vinod Kumar
21	Fintech for Smart Managers	1.5	Vijay Bhaskar Marisetty
22	Entrepreneurial Finance	3.0	Rajesh Madhavan

Statement 3

List of electives offered in the year 2020-21 in PGP-DGM Program

S. No.	Course Title	Credits	Faculty
1.	Foundations & Applications of Latest Technologies: Blockchain, Telematics & SMACI, Quantum Computing	3	Bhat Dittakavi
2.	Cybersecurity & Data Governance - Level-2	3	H Krishnamurthy
3.	Technology Services & Infrastructure Management	3	Upendra Rao

Statement 4

List of electives offered in the year 2020-21 in PGP Program

S. No	Course Title	Credits	Faculty
1	Advanced Analytics	3.0	V Nagadevara
2	Advertising Management	3.0	Vivek Madupu
3	Applications of AI in Business and Society	3.0	Sujoy Roychowdhury
4	B2B Management	3.0	Suryanarayana Valluri
5	Brand Management	3.0	Ramanujam Sridhar
6	Business Data Mining & Decision Models	3.0	V Nagadevara

S. No	Course Title	Credits	Faculty
7	Capstone Business Simulation	3.0	Saroj Kumar Pani
8	Corporate Valuation	3.0	Vinod Kumar
9	Data Science for Business Decisions	3.0	Shivshanker Singh Patel
10	Digital Marketing	3.0	Malavika R Harita
11	E-Commerce	1.5	Sunil Chandran
12	Emotional Intelligence & Leadership	3.0	Balaji Subramanyam
13	Financial Analytics using R	3.0	M S Jawed & K Kiran Kumar
14	Financial Derivatives	3.0	Kaveri Krishnan
15	Financial Statement Analysis	3.0	Prince Doliya
16	Fintech for Smart Managers	1.5	Vijay Bhaskar Marrisetty
17	Fixed Income Securities	1.5	Prasenjit Chakrabarti
18	HR Analytics	1.5	Purba Rao
19	Industry & Competitor Analysis	3.0	Amit Baran Chakrabarti
20	Innovation and New Product Development	3.0	Deepika Gupta
21	Innovative Business Models and Strategy	3.0	Saroj Kumar Pani
22	International Business	3.0	Amit Baran Chakrabarti
23	International Economics	3.0	Kalyan K
24	Introduction to Entrepreneurship	3.0	Sushil Kumar
25	Investment Banking	3.0	Pratap Giri
26	Investments	3.0	Sankarshan Basu
27	Legal Aspects of Business	3.0	Lionel Aranha
28	Luxury Marketing	3.0	Sheetal Jain
29	Management of Banks and Financial Institutions	3.0	Ashok Thampy
30	Management of Manufacturing Systems	3.0	B Srirangacharyulu
31	Marketing Analytics	3.0	Amit Shankar
32	Mergers, Acquisition & Corporate Restructuring	3.0	Utkarsh Majumdar
33	Monetary Policy Analysis and Evidence	3.0	Subrahmanyam Ganti
34	New Venture Creation	3.0	Sushil Kumar
35	Predictive Analytics	3.0	Bhargab Chattopadhyay
36	Pricing Strategy	3.0	Ashok P Arora
37	Project Appraisal and Financing	3.0	Pratap Giri
38	Project Management	3.0	V Nagadevara
39	Research for Marketing Decisions	3.0	Amit Shankar

S. No	Course Title	Credits	Faculty
40	Retail Management	3.0	Sunil Chandran
41	Sales & Distribution Management	3.0	Amit Shankar
42	Services Operations Management	3.0	L N Krishnan
43	Spanish Language	3.0	Aboli Chowdhary
44	Strategic Communication for Leaders	1.5	Chandreie Mukherjee
45	Strategic HRM	3.0	Bishakha Majumdar
46	Strategic Marketing	3.0	Vivek Madupu
47	Supply Chain Management	3.0	Milan Kumar
48	Total Quality Management and Six Sigma	3.0	Vishal Singh Patyal

Statement 5

List of student achievements for the year 2020-21

S. No.	Student Name	Contest/Event organized by	Position
1	Darshan Shukla	Anubhav – the Management Case Study Development Contest (2020), SAIL and National HRD Network	Second
2	Girija Sankar Dey	Anubhav – the Management Case Study Development Contest (2020), SAIL and National HRD Network	Second
3	Rukhsar Choudhary	Anubhav – the Management Case Study Development Contest (2020), SAIL and National HRD Network	Second
4	Chinmayee Chouhan	BizViz, The Entrepreneurship Cell of IIM Udaipur	First
5	Shalinee Sinha	BizViz, The Entrepreneurship Cell of IIM Udaipur	First
6	Urja Sawant	BizViz, The Entrepreneurship Cell of IIM Udaipur	First
7	Harshit Agarwal	Brain Squeezers, KIIT Bhubaneshwar	First
8	Itisha Tyagi	Brain Squeezers, KIIT Bhubaneshwar	First
9	Girija Sankar Dey	Brand Quest, Amity University	First
10	Pankhuri Agrawal	Brand Quest, Amity University	First
11	Shalinee Sinha	CHANAKYA-THE ECONOMICS CASE EVENT, SJMSOM IIT BOMBAY	First
12	Siddhartha Singh	CHANAKYA-THE ECONOMICS CASE EVENT, SJMSOM IIT BOMBAY	First
13	Vaibhav Khandelwal	CHANAKYA-THE ECONOMICS CASE EVENT, SJMSOM IIT BOMBAY	First
14	Sanyukta Sahi	Ecolution - A Green Business Competition, IIM Bangalore	Second
15	Vedant Bhalerao	Ecolution - A Green Business Competition, IIM Bangalore	Second

S. No.	Student Name	Contest/Event organized by	Position
16	Harshit Agarwal	Entropy Quizotic- TEDxIIMAhmedabad	Second
17	Itisha Tyagi	Entropy Quizotic- TEDxIIMAhmedabad	Second
18	Jaskirat Singh Bindra	Get Set Analyze, Goa Institute of Management	First
19	Ruchit Soni	Get Set Analyze, Goa Institute of Management	First
20	Bhawna Pritam	Invader, Great Lakes Inst of Mgt	Second
21	Sanket Awasarkar	Invader, Great Lakes Inst of Mgt	Second
22	Shalinee Sinha	Invader, Great Lakes Inst of Mgt	Second
23	Bhawna Pritam	Markitude - Marketing Competition, IIT Jodhpur	Second
24	Rupsikha Banerji	Markitude - Marketing Competition, IIT Jodhpur	Second
25	Utkarsh Rawat	Markitude - Marketing Competition, IIT Jodhpur	Second
26	Chythra Maheendran	On Your Mark, SJMSOM IIT BOMBAY	Second
27	Rupsikha Banerji	On Your Mark, SJMSOM IIT BOMBAY	Second
28	Urja Sawant	On Your Mark, SJMSOM IIT BOMBAY	Second
29	Harshit Agarwal	Optimus 20.1, IIM Shillong	First
30	Chythra Maheendran Thayyil	Prod-O-Mania, SJMSOM IIT BOMBAY	Second
31	Geovin Parol	Prod-O-Mania, SJMSOM IIT BOMBAY	Second
32	Najma Naurin V	Prod-O-Mania, SJMSOM IIT BOMBAY	Second
33	Chetanya Sharma	Rural to Frugal, Center for Research and Innovation in Frugal Technology- FORE School	Second
34	Sarthak Mittal	Rural to Frugal, Center for Research and Innovation in Frugal Technology- FORE School	Second
35	Shikha Khanna	Rural to Frugal, Center for Research and Innovation in Frugal Technology- FORE School	Second
36	Kanchan Krishan	Spark Season 1, Car Easy	First
37	Namit Chhatbar	Spark Season 1, Car Easy	First
38	Sagar Mukherjee	Spark Season 1, Car Easy	First
39	Kanav Mehra	Tata Crucible Campus Quiz 2021, Tata Group	Second
40	Siksha Rai	TechTonix - The Article Writing Competition, Indian Institute of Foreign Trade (IIFT), Delhi	First
41	Umesh Das	TechTonix - The Article Writing Competition, Indian Institute of Foreign Trade (IIFT), Delhi	First
42	Rajath Krishna	The Scam Night Rises, QUOD, SIBM Pune	First
43	Zeel Kotecha	The Scam Night Rises, QUOD, SIBM Pune	First
44	Atishay Jain	SRM University	First

S. No.	Student Name	Contest/Event organized by	Position
45	Ishita Ghosh	SRM University	First
46	Urja Sawant	SRM University	First
47	Divisha Agarwal	Shri Ram of College of Commerce (SRCC), Delhi University	First
48	Shubham Mittal	Shri Ram of College of Commerce (SRCC), Delhi University	First
49	Vaibhav Khandelwal	Shri Ram of College of Commerce (SRCC), Delhi University	First
50	Vijay Gaikwad	Simbite, Analytics Case Competition, IIM Shillong	Second
51	Abdul Akber Shaik	Simbite, Analytics Case Competition, IIM Shillong	Second
52	Kanishk Kumar Kain	Simbite, Analytics Case Competition, IIM Shillong	Second
53	Chinmayee Chouhan	SRM University	First
54	Chinmayee Chouhan	IIM Udaipur	First
55	Mihir Phadke	International Management Institute, New Delhi	Second
56	Krishnangini Kalita	International Management Institute, New Delhi	Second
57	Siddhartha Singh	Shri Ram of College of Commerce (SRCC), Delhi University	First
58	Kanchan Krishan	MAKE THE CASE	Third
59	Abinaya S	MAKE THE CASE	Third
60	Sagar Mukherjee	MAKE THE CASE	Third
61	Namit Chhatbar	MAKE THE CASE	Third
62	Kanchan Krishan	V Guard Big Idea Contest	Third
63	Abinaya S	V Guard Big Idea Contest	Third
64	Sagar Mukherjee	V Guard Big Idea Contest	Third

Statement 6

List of Executive Education Programs conducted during 2020-21

S. No	Name of the Program	Dates	No. of Participants
1	OFDP on Analytics	August 17-21, 2020	98
2	Certificate Program for Defence Research and Development Organization	August 20 - October 6, 2020	20
3	OFDP on AMOS & Process Macro	September 7-11, 2020	115

S. No	Name of the Program	Dates	No. of Participants
4	Certificate Program for Defence Research and Development Organization	October 8 - December 3, 2020	20
5	PDT under TEQIP-III for Project Institutions of NPIU	November 26-28, 2020	33
6	Leadership Development Program (SAKSHAM) for IOCL	November 30-December 5, 2020	23
7	Leadership Development Program (SAKSHAM) for IOCL	December 14-19, 2020	35
8	PDT under TEQIP-III for NPIU	December 7-9, 2020	31
9	PDT under TEQIP-III for NPIU	December 17-19, 2020	25
10	Certificate Program for Defence Research and Development Organization	December 28 - February 28, 2020	20
11	PDT under TEQIP-III for NPIU	January 11-13, 2021	33
12	Leadership Development Program (SAKSHAM) for IOCL	January 11-16, 2021	28
13	Leadership Development Program for Eisai Pharmaceuticals India Ltd.	January 23 to February 26, 2021	30
14	PDT under TEQIP-III for NPIU	January 27-29, 2021	25
15	PDT under TEQIP-III for NPIU	February 09-11, 2021	33
16	PDT under TEQIP-III for NPIU	February 17-19, 2021	25
17	PDT under TEQIP-III for NPIU	March 15-17, 2021	25

OFDP= Open Faculty Development Programs; PDT=Professional Development Training; TEQIP= Technical Education Quality Improvement Program; NPIU=National Project Implementation Unit, Ministry of Education, Govt. of India.

Statement 7

Faculty List as on March 31, 2021

Name	Affiliation
M Chandrasekhar, Director	IIM Visakhapatnam
Mohammad Shameem Jawed	IIM Visakhapatnam
B. Srirangacharyulu	IIM Visakhapatnam
Anupama Sharma	IIM Visakhapatnam
Amit Baran Chakrabarti	IIM Visakhapatnam
Kalyan Kolukuluri	IIM Visakhapatnam
Kaveri Krishnan	IIM Visakhapatnam
Milan Kumar	IIM Visakhapatnam
Deepika R Gupta	IIM Visakhapatnam
Bhargab Chattopadhyay	IIM Visakhapatnam
Vinay Ramani	IIM Visakhapatnam
Bishakha Majumdar	IIM Visakhapatnam
Vivekananda Madupu	IIM Visakhapatnam
Neena Pandey	IIM Visakhapatnam
Amit Shankar	IIM Visakhapatnam
Prince Doliya	IIM Visakhapatnam
Shivshanker Singh Patel	IIM Visakhapatnam
M. V. Anuradha	IIM Visakhapatnam
Chandreie Mukherjee	IIM Visakhapatnam
Saroj Kumar Pani	IIM Visakhapatnam
Vishal Singh Patyal	IIM Visakhapatnam
Pappu Raja Sekhara Sarma	IIM Visakhapatnam
Srinivas Josyula	IIM Visakhapatnam
Sunitha Tumkur	IIM Visakhapatnam
Aalok Kumar	IIM Visakhapatnam
Vinay Yadav	IIM Visakhapatnam
Balaji Subramanian	IIM Visakhapatnam
Rohit Titiyal	IIM Visakhapatnam
Sushil Kumar	IIM Visakhapatnam
Ankit Kumar	IIM Visakhapatnam

Name	Affiliation
Aboli Chowdhary	Visiting Faculty
Arnab Adhikari	Visiting Faculty
Ashok P Arora	Visiting Faculty
Ashok Thampy	Visiting Faculty
B Sundar, IFS	Visiting Faculty
G N Radhakrishnan	Visiting Faculty
G Srinivasan	Visiting Faculty
Garimella Suresh	Visiting Faculty
Govinda Bhattacharjee	Visiting Faculty
H Krishnamurthy	Visiting Faculty
K Kiran Kumar	Visiting Faculty
Krishna Mohan	Visiting Faculty
L N Krishnan	Visiting Faculty
Lionel Aranha	Visiting Faculty
Malavika R Harita	Visiting Faculty
Maneesh Mishra	Visiting Faculty
Manoj Rajan	Visiting Faculty
P D Jose	Visiting Faculty
Pallab Saha	Visiting Faculty
Prasenjit Chakrabarti	Visiting Faculty
Pratap Giri	Visiting Faculty
Purba Rao	Visiting Faculty
Rahul De	Visiting Faculty
Rajesh Madhavan	Visiting Faculty
Ramanujam Sridhar	Visiting Faculty
S Upendra Rao	Visiting Faculty
Sandeep Puri	Visiting Faculty
Sankarshan Basu	Visiting Faculty
Sheetal Jain	Visiting Faculty
Subrahmanyam Ganti	Visiting Faculty
Subrahmanyam Yadavalli	Visiting Faculty
Sujoy Roychowdhury	Visiting Faculty
Sunil Chandran	Visiting Faculty

Name	Affiliation
Suri Valluri	Visiting Faculty
Utkarsh Majumdar	Visiting Faculty
V N Sastry	Visiting Faculty
V Nagadevara	Visiting Faculty
Vijay Bhaskar Marisetty	Visiting Faculty
Vinod Kumar	Visiting Faculty

Statement 8

List of Guest Lectures held during 2020-21

S. No.	Name	Affiliation
1	Komal Shilpi Singh	Entrepreneur
2	Mr. Rajiv Lamba	Founder - Surveysensum and Neurosensum
3	Sriram Srinivasan	Adviser – Reliance Retail
4	Subhabrata Ghosh	Founder & CEO – Celsius 100 Consulting
5	Satender Kumar	NurseryLive.in
6	Vikas Bansal	Cure.fit
7	Ram Singh	IIFT
8	Deepak Verma	Amazon
9	Sri Priya C	Business Consultant
10	Siddharth Nagpal	Senior H.R. Professional - New Development Bank
11	Sanjay Shukla	Data Science Leader
12	Deepak Malghan	Faculty, IIM Bangalore
13	Rishi Khare	Guest Faculty
14	Shubhra	Guest Faculty
16	Kamalika Ghosh	Analyst, Talent & Culture at Lockton Companies
17	Sachin Kumar Mangla	Faculty, Plymouth Business School
18	Gaurav Bansal	Frederick E. Baer Professor in Business, Austin E. Cofrin School of Business
19	Gopal Naik	Faculty, IIM Bangalore
20	Amulya Gurtu	Faculty, Austin E. Cofrin School of Business

Statement 9

Library Collection Highlights

Print Collection:

Total library books as on 31/3/2021	2142
CD-ROM	9
Working papers	22
Government publications and reports	17
E-readers	2

E-collection:

Name of the Knowledge Resource	Number	Description
E-books	12000 +	ProQuest eBook Central
E-Journals	4963 +	Elsevier, SAGE, Taylor and Francis, Wiley etc.
Online reference sources	4	Wiley and Palgrave Encyclopaedias
Finance database (Company Financials, Annual reports, market data, industry, and company analysis, etc.)	14	1. Ace analyser, 2. Capitaline, 3. CMIE Prowess IQ, 4. CMIE Prowess Dx 5. CMIE Economic Outlook 6. EMIS Intelligence 7. S&P Global Market Intelligence 8. EPWRF Time Series 9. Prime Infobase 10. Prime Mutual Fund 11. Venture Intelligence 12. Eikon 13. MarketLine 14. Passport Euromonitor

Name of the Knowledge Resource	Number	Description
Other Databases	13	1. EBSCO Business Source Complete 2. JSTOR 3. ProQuest ABI Inform 4. CRISIL Research 5. Indiastat.com (India specific Statistical information) 6. WARC 7. Passport Euromonitor 8. Indiastat 9. District Metrics 10. EPWRF India Time Series 11. CMIE Industry Outlook 12. CMIE Capex 13. Statista
Research Assistance Tool	8	Grammarly.com, Turnitin, Stata, SPSS, NVIVO, MATLAB, Mathematica, Minitab
Online Newspapers / Magazines	6	1. FT.com, 2. The Economist 3. Wall Street Journal 4. Press reader 5. ET Prime 6. The Ken
Print Newspapers	9	Business Line, Business Standard, Economic Times, Deccan Chronicle, The Hindu, Times of India, The New Indian Express, Saakshi and Eenadu
Print magazines and journals	38	Including HBR, MIT Sloan Management Review, California Management Review, The Economist, Time etc.

Statement 10

Details of students with Disability – PGP 2020-22

Total No. of Students	4
Students with Specific Learning Disability (Dyslexia)	1
Students with Low Vision	1
Students with CTEV (Congenital Talipes Equinovarus)	1
Students with Physical Impairment	1

Statement 11

Faculty & Personnel

Period	Regular Faculty	Visiting Faculty	Total
As of March, 2020	20	24	44
Additions during 2020-21	11	39	50
Deletions during 2020-21	2	24	26
As of March, 2021	29	39	68

Officers

Period	Strength (*)
As of March, 2020	13
Additions during 2020-21	8
Deletions during 2020-21	10
As on March, 2021	11

(*) = Including Contractual and Regular terms.

Other Staff

Period	Strength (*)
As of March, 2020	22
Additions during 2020-21	6
Deletions during 2020-21	2
As on March, 2021	26

(*) = Including Contractual and Regular terms.

Statement 12

List of Officers (*)

S. No.	Name	Designation
1	Biswanath Behera	Senior Administrative Officer (Academic Programs)
2	Ramesh Kumar Sethuraman	Senior Superintendent (Academic Programs)
3	R Sayikrishna Raju	Head (Projects)
4	Navnath Pawar	Assistant Library & Information Officer
5	K V L N Murty	Officer on Special Duty – Director's Office

S. No.	Name	Designation
6	Kamal Keerthi	Technical Superintendent (Systems)
7	Gundala Nandita	Superintendent (Finance & Accounts)
8	V Bhaskar Ram	Medical Officer
9	Saladi Krishna Kanth	Senior Assistant Engineer
10	Kaleem V. Khan	Senior Administrative Officer
11	Somashekara M N	Assistant Manager (CDS & Alumni Relations)

(*) = Listed as per date of joining. All on regular terms except OSD, Medical Officer and Assistant Manager (CDS), on contract terms.

List of other Staff (*)

S. No.	Name	Designation
1	Sunil Kumar Sinha	Junior Superintendent (Academics)
2	M S Subrahmanyam	Junior Superintendent (Admin. & Stores)
3	Viswanath T	Accountant
4	Deepa Mohan	Counsellor
5	Indu P	Junior Superintendent
6	A. Jayasimha Reddy	Junior Superintendent (HR & Admin.)
7	Devoshri Mukherjee	Junior Superintendent (Academic Programs)
8	C P Vittal	Consultant (Finance & Accounts)
9	Kavya Gedela	Academic Associate
10	Subhasree Nayak	Academic Associate
11	Kesava Kumar Madam	Academic Associate
12	Moturu Venkata Raja Sekhar	Academic Associate
13	T Suneetha	Academic Associate
14	Jetti Siva Kumar	Academic Associate
15	Srinivas Dinakar Nethi	Academic Associate
16	V Siva Sankar	Library Intern
17	Kush Dabral	Office Assistant
18	Shashi Bhushan Kaushik	Advisor - Administration
19	Kota Varuna Devi	Junior Engineer - Civil
20	Bagde Dilip Kumar	Academic Associate
21	Krishan Kumar	Project Assistant
22	Jeremiah Sunadh Polimetla	Academic & Administrative Aide

S. No.	Name	Designation
23	Harika Madhupriya Peethala	Project Aide
24	R Rahul	Project Aide
25	Anurag Banerjee	Academic & Administrative Aide
26	B Nayashaily	Project Aide

(*) = Listed as per date of joining. All on contractual terms, except for S. No. 1 to 7, on regular terms.

13. Director's Report

A. Clause (a), Sub-section (1), Section 26:

The State of Affairs of the Institute:

Under the guidance of its distinguished Board of Governors, the Institute continued to make rapid progress. The Institute also benefitted from the policy- and decision-support advice provided by the Board sub-committees and the Board-constituted committees.

In the wake of the Coronavirus [COVID-19] pandemic, the Board led by the Chairperson (BoG) strategized in April 2020 itself on the:

(a) New approaches to teaching-learning processes.

(b) Adopting and strengthening distance learning and digitalized mode of teaching

(c) Short-term and long-term implications for the Institute.

(d) Implementing COVID-appropriate behaviour such as frequent hand-sanitizing, wearing of masks, maintaining physical distancing; SOPs were issued to students, staff and faculty for strict compliance to contain the spread of COVID-19.

(e) Coping with tougher times on the horizon as regards slowing down of employment opportunities for the students by focusing more on entrepreneurship development (both in the society as well as in the students at the Institute) and nurturing a spirit and culture of entrepreneurship.

(f) Developing new knowledge and learning on the new business models that would evolve post COVID-19.

(g) Fostering collaborations with reputed business schools abroad and getting well-known faculty to deliver guest lectures in online mode, as significant value-add.

The Institute quickly shored up its digital infrastructure with substantial investment and commenced the virtual way of class-delivery and imparting of online learning. The proven Learning Management System helped the Institute conduct multiple courses of multiple programs and sections simultaneously; as well as multiple modes of pedagogy [quiz, group-based project, online (proctored) exam etc.].

It adapted itself well to delivering fully online content, engaging the class actively (as in a class with physical presence), addressing and ensuring that the learning objectives are fulfilled as envisaged. The Institute had also drawn upon the experience of Ms Malavika Harita, Distinguished Alumna of IIM Bangalore and Member (BoG) as regards teaching in virtual mode, in view of her teaching engagements with reputed business schools in the country.

The online student-engagement included discussions as single-group and in sub-groups, conducting online webinars; online sharing of courseware and case studies; ensuring online sessions are participative, interactive, collaborative and experiential in nature with exposure to real-life functioning of business enterprises, government and society for impactful and practical learning; conducting preparatory (foundational courses) in quantitative techniques, principles of accounting, economics, communication skills etc.; sharing of case-study like videos; providing access to online learning resources (such as MOOCs) and conducting orientation on the suggested practices in management learning.

With students coming from all over the country, availability of access to internet facilities was an issue at the respective domiciles of some of the students. As a public institution with the mandate to provide opportunities in an inclusive, equitable and socially-responsible manner, the Institute effectively addressed the connectivity challenges of low-internet penetration and concomitant challenges of availability, accessibility and adequacy of bandwidth that remote learning with bulky audio-video content necessitated, by providing the students handsome subvention to upgrade their internet facilities, switch service providers, upgrade their mobile and computing devices, availing the facility of e-courseware and for taking hardcopies at their end, as needed.

Though online teaching cannot be an exact equivalent to in-person teaching, the experience was made interesting and effective by the faculty members concerned through better preparedness; innovations brought in; intensive engagement and interactions; promoting student participation actively; streaming case-study like videos; conducting webinars and simulations; giving the students short-projects that challenge their knowledge and skills; and regularly monitoring student attentiveness.

Whenever faculty members delivered lectures from home, it was ensured that they have good internet bandwidth and also a back-up facility, for fall-back and fail-safe operations.

Academics and Research

The Institute significantly expanded its activity profile, in scale and scope. The following exemplify the progress achieved:

A. MBA (2020-22) and PhD 2020 Batches

The new batches of MBA (153 students) and PhD (6 students) were inaugurated (virtually) on 15/7/2020. Shri P Vidyasagar, CMA, CA, CPA (USA), Managing Director, Credit Portfolio Management, Commonwealth Bank, Australia, delivered the inaugural address.

Candidate Profile – MBA:

Of the 153 students enrolled in PGP-1 (last year 123), 32% are girls (last year 36%). The cohort represents 22 states (last year 19) of India (out of a total of 28), including 4 states of the North-Eastern Region. About 48% of students come from 4 states i.e., Andhra Pradesh (15%); Maharashtra (14%); Uttar Pradesh (12%); and Madhya Pradesh (7%). Representation from Delhi, Karnataka, Kerala, Tamil Nadu and Telangana is about 6% each.

Like in the previous batch, majority of the candidates (65 out of 153) are Engineers. 59 out of 153 are Science graduates. 7 students have already completed a master's degree. One student has a CS qualification, and 10 students are from IITs/NITs.

As regards work experience, the batch is slightly more experienced this year. 40% of the candidates are freshers (last year 50%). The average work experience of the batch is 25 months (21.5 months last year). 21 students (last year 14) have work experience up to 3 years; and 21 students (last year 6) have work experience greater than 3 years.

In the industry break up, IT background dominates 41 out of 153 (last year 40 out of 123). Students have worked in diverse fields such as tech start-ups, market research, data analytics, consultancy, media etc. It is envisaged that they would bring interesting/diverse viewpoints into the classroom.

It was heartening to note from the postings on LinkedIn that scores of students, despite having admission offers from many other IIMs (incl. of 2nd Generation), joined IIM Visakhapatnam.

Candidate Profile – PhD:

124 applications were received this year (42 last year). The applications were 27 in Finance & Accounting (last year 23); 35 in Productions & Operations Management (last year 19); 27 in Marketing (started from this year only); and 35 in Decision Science (started from this year only). The candidates were subjected to strict pre-interview screening in pre-determined algorithm. A total of 70 students qualified for the interview (last year 14): 17 in F&A (last year 6); 19 in POM (last year 8); 15 in Mktg; and 19 in DS. Out of the 70 candidates, 67 attended the online interviews. In the final aggregate score, which incorporated their profile as well as interview scores, 25 candidates qualified for admissions. The offers were rolled out in the order of merit. Finally, there are 6 students in the PhD Batch of 2020 (last year 3). Of the 6 students, 2 students are in F&A (last year 1); 2 students in POM (last year also 2); and 1 each in DS and Mktg.

B. MBA (for Experienced Professionals)

62 applications were received this year (last year 54). In the initial scrutiny 53 candidates were found eligible. The online proctored IIMV test was conducted on 12/7/2020. The 120-minute test was a multiple-choice type with three sections (logical reasoning, quantitative ability & English proficiency). 49 candidates appeared for the online IIMV test (last year 37).

The Personal Interviews were also held online this year on July 18-19, 2020. 51 candidates appeared in the interviews (last year 43). This included those who cleared other qualifying exams.

The merit list was prepared based on a composite score comprising the performance in the Admission Test, nature and extent of work experience, SOP, Personal Interview as well as past academic performance. Initial offers were made to 32 students (last year 27).

Of those offered admission, 2 candidates are from the Central Govt. (last year 3), 22 are from the Private Sector (last year 16), 7 are from the Public Sector (last year 8), and 1 from the State Govt. 13 candidates are below 30 years of age (same as last year); 13 candidates are below 40 years of age (8 last year); and 6 candidates are below 50 years of age (same as last year). 7 offers have been made to female candidates (8 last year).

Of the 32 offered admission this year, 6 candidates already have a master's degree. The offered candidates are mostly engineers with one candidate having a BBA degree and one having an LLB degree. The average work experience of the candidates is 9.6 years with the highest experience being 25.8 years and the lowest being 3.4 years.

The registration and orientation were scheduled on 05/9/2020. Classes started from 06/9/2020.

C. MBA in Digital Governance & Management

This first-ever endeavour in the country, a specialized MBA Program in Digital Governance & Management in blended learning mode, under the aegis of and sponsored by the Ministry of Electronics & IT (MeitY), Govt. of India, continued successfully in online mode, a shift from the blended-learning mode due to the pandemic and the resulting lockdown. Despite the challenges posed by the pandemic, wholesome learning could be imparted, leveraging the power of digital platforms.

The Program fills the much felt need to build managerial capacities in professionals and practitioners in the successful implementation of digitalization projects, from concept to commissioning.

The courses are designed to accommodate both the technical and managerial aspects of digital technologies. They cover all functional areas of management, digital governance and exposure to latest technologies, tools and techniques like: AI, ML, Blockchain, Social Media, Analytics, Cloud Computing, Mobile Computing, Internet of Things; Cybersecurity.

To complement the in-class learning with experience, the Institute has been organizing Distinguished Lectures, delivered by the doyens in the field of Digital governance. The following persons of eminence have delivered the talks as on date, in the given chronological order:

- Shri J. Satyanarayana, IAS (R), former Secretary, MeitY - Digital Transformation – Challenges and Opportunities (31/10/2020)
- Ms. Radha Chauhan, IAS, Additional Chief Secretary, Govt. of U.P. - Disruptive e-governance platforms (06/02/2021)

As regards the admission process for the second batch of the Program, the Secretary (MeitY), GOI addressed a letter dated 18/6/2020 to the Secretaries of the line Ministries/Departments of the Government of India, as well as to the Chief Secretaries of the States and UTs, encouraging participation in the Program.

In his cited letter, he conveyed: "The programme is into its second successful year. The feedback from the participants of the first batch, which includes several officers from the Central Ministries and States, has been highly encouraging, about the programme meeting the objectives envisaged of it."

The President & CEO addressed a Webinar about the Program on 17/7/2020, highlighting the positive aspects of the Program and how it would build capacities to strengthen the digitalization initiatives in the country. The Webinar was well attended by the current and prospective students of the Program.

In his letter dated 22/7/2020, the President & CEO conveyed:

"I must compliment IIM Visakhapatnam for conceptualizing and implementing this programme which will go a long way in filling the gaps in availability of government resources with skills in e-Governance.

I also had a review of the 1st Batch and the feedback of the participants of the 1st Batch of the programme has been very encouraging.

D. Certificate Program of NSTL, DRDO

Naval Science & Technological Laboratory (NSTL), Visakhapatnam, is a laboratory under the Defence Research Development Organization (DRDO), GOI, The Lab approached the Institute to conduct capacity building programs for its scientists on R&D Management. Accordingly, a Certificate Program was worked out, in consultation with the Lab and the Institute for Technology Management (ITM) at Mussoorie, the training outfit of DRDO.

This Program underscored the importance of high-performance, cross-functional teams oriented to design thinking and using agile methodologies which are the order of the day. Thus, the aim was to ensure that the DRDO scientists benefit by imbibing such knowledge and skills imparted in the Program.

The 3-month course in R&D Management envisaged enhancing the capacities of participants in managing an R&D environment

involving design of systems, development of technologies, prototypes and products leading to their productionization. It built on the knowledge and skills of participants in planning R&D programs, developing and applying technologies for utilisation, and managing human and other organisational resources in R&D systems.

The Program aimed at enabling participants to enhance their capacities in: (a) Formulating and implementing R&D strategies and programs; (b) Applying new perspectives on R&D, technology development, evaluation, deployment, and commercialisation/valorisation; and (c) Applying the acquired skills and knowledge in managing human and other organisational resources in R&D systems.

The salient features of the Program were that it had 3 batches of 20 participants in each. There were 10 modules (courses) such as (a) Concepts & Principles of R&D Management; (b) Project Management; (c) Project Costing; (d) OB & HR in R&D Environment; (e) R&D Process; (f) R&D Support Functions; (g) Technology Management, Commercialization and Utilization; (h) Nurturing Creativity & Innovation in an R&D Environment; (i) Risk Management; and (j) Capstone Project. There were a total of 70 classroom sessions (105 contact hours) and a Capstone Project of 30 hours. The Program commenced in Aug.2020 and ended in Dec. 2020.

E. Executive Education Programs

The Institute performed well in 2020-21 on the EEP front, steadily emerging as a sought-after source for management development programs (MDPs) and faculty development programs (FDPs) by the Government and the Public Sector.

These included open (announced) programs as well as programs customized and delivered to specific clientele such as Indian Oil Corporation Ltd. and Eisai Pharmaceuticals India (P) Ltd. These capacity-building engagements were on-campus as well as online.

Many FDPs were conducted under the Technical Education Quality Improvement Program (TEQIP) component of the National Project Implementation Unit, Ministry of Education, GOI. The participant-cohorts included faculty and academic administrators from engineering colleges (TEQIP project institutions) across the country.

The Certificate programs were conducted for the Naval Science and Technological Lab, Defence Research and Development Organization, GOI.

The summary of programs conducted is as under:

Capacity-building Programs	Students (Participants)	Participant-Hours
Teaching (Non-Degree granting Programs: e.g., Certificate Programs)	60	6210
MDPs and FDPs	559	10040
Total	619	16250

F. Internal Revenue Generation

The progress and position of Internal Revenue Generation (IRG) from academic activities has been as follows:

₹. in Lakh

Internal Resource Generation (IRG)		
Programme	**2020-21 *(Actual)***	**2019-20 *(Actual)***
PGP (Flagship Program)	**1502.61**	**1343.83**
PGP for Experienced Professionals (evening MBA)	**245.83**	**181.29**
PGP DGM *(under the aegis of MeitY, GOI)*	**158.46**	**64.35**
MDP, FDP & Consultancies	**198.41**	**84.86**
Others *(viz. Application / Regn. Fee for Institute events etc.)*	**57.15**	**17.21**
Total	**2162.46**	**1691.54**

G. *Entrepreneurship Development - Technology Incubator*

One of the objectives of the Institute, as enshrined in the IIM Act, 2017 is "to educate and support leaders who can contribute as professional managers, entrepreneurs, and stewards of existing and emerging enterprises in the private, public, and social sectors".

With a view to enhancing the realization of this objective, the Institute established the IIMV Foundation for Incubation, Entrepreneurial Learning and Development (IIMV-FIELD) which came into existence on 17/7/2020, as a Section-8 company.

As requested by the Company, recommended by the Finance, Investment and Audit Committee (FIAC) of IIMV, and approved by the Board in its meeting on 06/11/2020, a subvention of Rs.32.0 lakh was provided towards budgetary support for the Year 2020-21 as interest-free loan with a moratorium period of five years and repayable in five equal yearly instalments thereafter by the 31 March of every year.

Drawing thereupon, the Company has been progressing well in its activities. In the editions 1 and 2 of the Women Start-up Programs (conducted in collaboration with and under the aegis of IIM Bangalore), the IIM Visakhapatnam (and now IIMV-FIELD) extended/offered incubation facilities and mentoring, knowledge transfer, master classes, structured interactive sessions, networking, and hand-holding support to a total of 45 entrepreneurs. Of them, 34 entrepreneurs have succeeded in their ventures and generated a revenue of about Rs. 260 lakh and provided employment to about 145 personnel.

To exemplify, in the 2020-21 edition of WSP, of the 890 applicants who applied to IIM Bangalore selecting IIM Visakhapatnam as the incubation-base (All-India: 10000), 36 reached the stage of Launchpad (All-India: 345) and 20 were finally selected for Incubation (All-India: 210). This expanded the entrepreneurship-development footprint of the Company.

As the Technology Incubation and Development of Entrepreneurship (TIDE 2.0) centre of MeitY-GOI, the Company extended EiR (Entrepreneur-in-Residence) support to three entrepreneurs with a grant of about Rs.2.66 lakh each. Similarly, Proto-type Grant Support was extended to two entrepreneurs for a sum of Rs.7.0 lakh each. Two start-ups were provided with all other facilities, except the financial support. Apart from this, IIMV-FIELD had trained more than 1000 entrepreneurs through Master Classes and Workshops on various aspects of entrepreneurship and venture management.

Thus, the Institute is slowly, steadily, and successfully expanding its footprint in entrepreneurship development and making a mark for itself. All the cited activities are now being channelized through IIMV-FIELD, after the incorporation of the Company.

The activities of the Company are attaining good traction on the strength of contribution by Members (BoG, IIMV) - Ms. Malavika Harita, Ms. Ameeta Chatterjee and Shri Prasad Dahapute (also Chairman, IIMV-FIELD), who have been conducting workshops and interactive sessions for the entrepreneurs, from time to time. The Members have also been endorsing the posts of the Company on social media platforms, bringing them added credibility, visibility and popularity. Their constructive interventions have contributed to the Company's outreach and to the building of its image and identity.

The Company faculty are conducting a number of FREE Master Classes for entrepreneurs and making them open for any aspirant in the country to participate in and avail benefit from.

Thus, IIMV-FIELD, in its very first year of inception, is working with committed endeavour towards innovation and entrepreneurship development, so that the sustainability of incubated ventures is ensured. This in turn helps IIMV (the parent) stand out in the league of management institutions, as regards fulfilment of objectives enshrined under the IIM Act, as well as the larger national development goals identified by the Ministry of Education, Govt. of India.

H. *MOU with IIM Bangalore*

An MOU was signed with IIM Bangalore to avail its expertise in the strengthening of the doctoral programs at the Institute. Under the MOU, the Institute would send its doctoral students to IIM Bangalore for pursuing one or two terms of their course work in the second year, so as to benefit from the large number of doctoral level courses offered by the latter as well as its research ambience.

I. MOU with Andhra University

Responding to the request from Andhra University, the Institute signed an MOU, under the ambit of which, the Institute would contribute by way of academic support and capacity-building, with a view to enhancing the quality of an integrated BBA-MBA program launched by the University under the Rashtriya Uchhathar Shiksha Abhiyan (RUSA 2.0) in the context of the (New) National Education Policy 2020. The Program was being offered by the University under its newly established Andhra University School of International Business (AUSIB), with predominant focus on admitting students from abroad. It is envisaged by AU that the Program would have skill-based curriculum design that focuses on employability; offer learning through practical training and case studies; offer opportunity for cross-cultural exchange; and facility of online lectures by eminent faculty.

Student Placements

i. Summer Placements (2020-22 Batch)

a) The Institute completed 100% summer placements for the MBA (flagship program) batch of 2020-2022. The students won niche roles in the industry, and few have even gone ahead to create new records with respect to the stipends and the roles acquired.

b) With the highest stipend at Rs.2.0 lakh, stipend for the for the top quartile at Rs.1.17 lakh and the top 10 percentile at Rs.1.46 lakh, the Institute witnessed an increase of 20.4% in the average stipend offered compared to last year, at Rs.62,264.

ii. Final Placements

The record of final placements was as under:

Academic Year	2020-21	2019-20
No. of students	123	100
No. of Recruiters Participated	102	75
No. of New Recruiters	73	40
The Highest CTC	20.82	27
The Average CTC of Top 10%	18.86	22
The Average CTC of Top Quartile	17.23	18.67
The Average CTC of Top Half	15.71	15.73
The Average CTC - Overall	12.62	13.08
The Median CTC	12	12
Percentage of Work Experienced	50%	71%

As can be seen, the recruitments were impacted to an extent by the pandemic, with placements across IIMs undergoing stress.

Visioning Exercise

As advised by the Board, the Institute started a Visioning Exercise in Jan 2020, availing the guidance of two BoG Members - Ms. Malavika Harita and Shri Rajeev Kapoor. They, along with the Chair (FDEC) Professor Nagadevara [Retired Professor & Dean of IIM Bangalore] conducted a Workshop with the faculty held on 24-25 Jan. 2020. The Workshop helped the faculty understand and appreciate the importance and process of drawing up the vision, mission and value statements for the long-term stability and success of the Institute as an entity of eminence and distinction.

The workshop's activities centred around building the "Golden Circle", as presented by Ms. Malavika Harita. The Golden Circle included three concepts namely, Why, How and What of the Institution's existence.

The participants discussed in detail, the strengths (S), weaknesses (W), opportunities(O) and threats (T) to the Institute. Based on the SWOT analysis, keywords were identified that resonate the most with all the participants and the stakeholders, as possible components of the 'WHY' and 'HOW' for the Institute. Finally, the participants brainstormed to arrive at three outputs: 1) six keywords for the WHY statement 2) six keywords for the HOW statement, and 3) Tentative Plan of Action and Timeline for achieving the WHY state.

The Workshop concluded with the formation of a Steering Committee (a set of faculty members), responsible for analysing the deliberations conducted during the Workshop and summarising the output to arrive at the Vision statement.

Over a series of meetings, the Steering Committee carried out the said exercise and based thereon, a set of tentative WHY statements was formulated. In addition, recommendations were made for future course of action.

The exercise holds high importance for the Institute in terms of its purpose (raison d'Œtre); its strengths and how it could leverage them; its differentiating value proposition; its positioning in the future; and its contribution to and impact on the management education and research ecosystem at large.

The Visioning Exercise was adversely impacted because of the COVID-19 situation. The Institute is progressing on the matter, with the collective views and wisdom of all stakeholders (external and internal) duly factored in.

Permanent Campus Project

Following due tendering process by NBCC (I) Ltd., the Project Management Consultants, the campus construction contract was awarded to Shapoorji & Pallonji Company Private Ltd. (SPCPL) 12/11/2020 at a cost of Rs.392.48 Cr. The contractor commenced work on 22/11/2020, with stipulated date of completion of target buildings viz., Academic buildings, Hostels, Dining Centre as 21/11/2021 (i.e., 12 months from commencement) and stipulated date of completion of entire project (i.e., Phase-I) as 21/05/2022.

It is a matter of pride for the Institute that GRIHA (Green Rating for Integrated Habitat Assessments) Council awarded on 26/11/2020, the FIVE STAR GRIHA Rating for the campus Master Plan (Large Development)

Only two IIM campuses as on date were GRIHA 5-Star rated, i.e., IIM Kozhikode and IIM Udaipur. There is none among the new IIMs.

The rating reflects successful assessment by the GRIHA Council that the campus will benefit the community at large with improvement in the environment by reducing GHG (greenhouse gas) emissions, reducing energy consumption and the stress on natural resources.

Thus, the Rating speaks well about the eco-friendly planning of the campus and that the Institute is more than confident that it would honour all the commitments made.

A dedicated team has been deployed by NBCC to foster and monitor compliance with GRIHA 5-Star Rating.

Work has been progressing well, with 2.50 lakh cubic meters of earth having been excavated. The progress included jungle clearance, carriage of material, earth work, PCC (Plain Cement Concrete) in footing and RCC (Reinforced cement Concrete) for the academic blocks, dining centre, student hostel blocks, administration and faculty blocks, Learning Resource Centre (Library), Main Receiving Station (MRS), HVAC Plant (Heating, Ventilation and Air Conditioning), Sewage Treatment Plant (STP) and Water Treatment Plant (WTP) and Auditorium.

Due health and safety precautions are being taken on site. Top-soil preservation was being done (GRIHA Rating requirement). NBCC deployed a suitable complement of experienced engineers on site. Procurement timelines (incl. delivery schedules on site) for long-lead items are being finalized.

A dedicated Quality Cell has been established by NBCC to ensure adherence to specifications. The laboratory on site has been testing and clearing all material for construction, including water. Progress monitoring is being done by NBCC on a three-tier basis, i.e., at Zonal (site) level on day-to-day basis; weekly by the State Business Group Head; and monthly by the Project Management Group headed by an Executive Director at the Head Office and also by the Director (Projects), at regular intervals.

It is highlight-worthy that all statutory approvals as well as designs and drawings were in place even before commencement of the work.

It is also worthy of mentioning that the structural stability was vetted and cleared by NIT Warangal and NBCC. The MEP designs were vetted and cleared by IIT Delhi and NBCC. The robustness, stability and maintainability of the buildings have thus been addressed at the stage of architectural designing. As regards landscaping and plantations, advice of Botany Dept. of Andhra University was availed to ensure that only native species that consume minimal water, which could withstand cyclones, are chosen. Facilities for drip irrigation and also alternative ways of ensuring watering of the plants and landscape has been provided. There are water bodies provided in the campus away from the main blocks, to store the harvested water for ground-water recharging.

The Institute has been hosting on its website, a drone-taken video of construction, every fifteen days, so that all stakeholders could see the progress for themselves. This initiative is the first-ever, among the IIMs.

Site Office

Further, a Site Office for Project Management personnel, a facility of about 3,650 square feet was completed. It includes a complete mock-up (exact replica) each of the Hostel Room, Guest Room and Faculty/HoD Cabin. The Office also has around it, the exact typology of plants (at least one each) as are going to be planted in the campus. This is to give 'real-life' feel of the infrastructure and flora that are going to take shape.

Plantations on the Permanent Campus – Funding by RINL (Vizag Steel Plant)

Rashtriya Ispat Nigam Ltd. (RINL), the corporate entity of Visakhapatnam Steel Plant expressed willingness to fund (in the form of a grant) plantation of trees on the permanent campus of the Institute, to the tune of Rs.40.0 lakh. This is part of their efforts under Corporate Environment Responsibility (CER), Natural Resources Augmentation Plan (NRAP)/ Remediation Plan (RP). Accordingly, RINL would fund the plantation of about 4500 trees of 23 species comprising fruit-bearing, flowering, medicinal, wood varieties or a combination thereof. The proposal has been vetted by M/s Arcop, the architects of the Institute as well as the relevant departments of AP; and the Botany Department of Andhra University with due regard to the local conditions, needs and varieties, longevity of plantations, suitability for the soil/terrain etc.

This lot of 4500 plantations adds to the stock of 2610 trees that the Institute has already planned on the campus and 1000 trees that the project contractor is required to plant.

It is therefore expected that the Institute would have good green cover, contributing to healthy surroundings.

Institute's Foundation Day

The 7th Foundation Day of the Institute was celebrated on 17 Jan. 2021. Shri P K Gupta, Chairman and Managing Director, NBCC (India) Ltd. delivered the Foundation Day Lecture.

Five-Year Journey Coffee Table Book

A 'Five-Year Journey' Coffee Table Book (2015-2020) was brought out by the Institute. The Book captures the important events, activities and milestones crossed by the Institute since the commencement of functioning in Sep. 2015.

Regulations

As required under the IIM Act, 2017, the Institute finalized the Regulations with the approval of the Board, concurrence of the Ministry of Education and due clearance by the Ministry of Law and Justice, Govt. of India.

The Institute was the first among the IIMs to finalize the Regulations. The Regulations dated 11/2/2021 were gazette-notified on 26/3/2021.

B. Clause (b), Sub-section (1), Section (26):

The Amounts the Institute proposes to carry to Surplus Reserves in its Balance Sheet.

In accordance with the Accounts for the Year 2020-21 approved by the Board and audited by the Office of the Comptroller & Auditor General, the excess of Income over Expenditure for the year ending 31/3/2021 (Rs. 1529.72 lakh) was proposed to be disposed of as transfer to the Faculty Compensation Reserve (Rs. 152.97 lakh) and Corpus Fund (Rs. 1376.75 lakh).

C. Clause (c), Sub-section (1), Section 26:

The extent to which understatement or overstatement of any surplus of income over expenditure or any shortfall of expenditure over income has been indicated in the auditor's report and the reasons for such understatement or overstatement.

- The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account dealt with by the Report are in agreement with the books of accounts;
- In their opinion and to the best of their information and according to the explanations given to them, the financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report, give a true and fair view in

conformity with accounting principles generally accepted in India:

- In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the Institute, as at 31/3/2021; and
- In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the Surplus for the year ended on that date.

D. Clause (d), Sub-section (1), Section 26:

The productivity of research projects undertaken by the Institute measured in accordance with such norms as may be specified by the Board.

i) Research on COVID-19 Spread

An activity worthy of highlighting is the COVID-19 related data-analysis and research that the Institute pursued. The research findings were hosted on the website of the Institute. This research, on prevention, prediction and control of the pandemic, portrayed state-wise scenarios. It factored in the work being done by ICMR; the University of Michigan; the Centre for Disease Dynamics, Economics and Policy (CDDEP); Johns Hopkins University; Cambridge University et al. The research focused on the SIR (susceptible; infected; and recovered); and its variants SIER ("E" - exposed); SIERS models of studying the spread of the pandemic.

An exclusive webinar was also conducted on the research work, for Board Members and other stakeholders interested in the theme to gain better appreciation of the model and its usefulness. The suggestions emerging from the webinar led to new pointers and dimensions that improved the research in scope, focus and impact.

Development of a dashboard where parameters like percentage of people being tested, level of quarantine, level of isolation can be varied and the resultant prediction of COVID-19 in various states/districts of India could be visualized is a key output of the research [COVID-19 Predictive Dashboard - a unique differentiator on many accounts. (Refer http://covid-tracker.iimv.ac.in:3939/covid/)]

It is a unique dashboard that not only predicted the peak infection, but also warned against a second wave of infection if restrictions are not maintained. It also suggested control assistance alongside prediction of COVID-19 spread. The Dashboard is self-explanatory from navigation and managerial aspects. It helps understand many other nuances of the eSIR (extension of the Susceptible-Infected-Removed) model.

A research article was also brought out that drew upon the extension of standard epidemiological models for COVID-19. This extension incorporates the transmission due to pre-symptomatic or asymptomatic carriers of the virus. The model also captures the spread of the disease due to the movement of people to/from different administrative boundaries within a country. The model describes the probabilistic rise in the number of confirmed cases due to the concomitant effects of (incipient) human transmission.

A presentation (webinar) was also made to BoG Members in May 2020 on the prediction / containment of COVID-19, with a state-wise analysis for 15 of the most affected states.

ii) Research Conference

The Academy of International Business (AIB) is a leading association of scholars and specialists in the field of international business and international policy. Its current headquarters is on the campus of Michigan State University, USA. It is an organization dedicated to nurturing and empowering a global community of scholars focused on creating, advancing, and disseminating knowledge in international business research, education, policy, and practice; AIB transcends the boundaries of single academic disciplines and managerial functions. Established in 1959, AIB today has 3548 members in 93 different countries around the world. AIB also houses 17 chapters around the world as well as 2 Shared interest Groups: Women in AIB (WAIB); and Research Methods.

AIB India Chapter (http://www.aib-india.org/) is active in the domain of International Business advocacy and fostering research. Professor S Raghunath (Strategy Area), IIM Bangalore is the Chair of the AIB India Executive Board. Every year, AIB India Chapter organizes Annual Conferences in coordination with IIMs, Deemed Universities, etc.

AIB India Chapter Conference 2020

IIM Visakhapatnam partnered with AIB India Chapter for its 3-day Annual Conference originally planned in the month of April 2020.

However, due to the COVID-19 pandemic, the Conference was converted into a virtual one from December 20 to 22, 2020. It is a matter of pride and good learning experience for the Institute to host such a prestigious conference seamlessly and efficiently, especially in the virtual mode, for the first time ever.

The theme of the Conference 2020 was "The Impact of International Business on Economic Growth and Revival". The Conference invited competitive papers under various tracks, interactive and plenary sessions. The Conference also included Case Writing and Paper Development Workshops spread during the 3-days. Doctoral students who registered for the Conference were given free AIB annual membership to promote scholarly work in the international business domain. The Conference 2020 Chair was Prof G Shainesh, (Marketing Area), IIM Bangalore with Co-Chair as Prof Deepika Gupta (Strategy Area), IIM Visakhapatnam.

A total of about 103 papers were received, out of which, after due screening, around 40 papers were blind-reviewed and selected for various tracks and interactive sessions. There were a total of around 50 registered participants for the Conference.

The Conference witnessed successful and energetic participation by the academic fraternity, research scholars and students from across the globe. The Conference, though virtual, was highly effective; and appreciated and acknowledged as such by all the participants, faculty and academia, in general.

iii) Research Publications

The faculty of the Institute substantially ramped up the research output in ABDC (ABDC: Australian Business Deans Council) listed journals. Publication in ABDC journals is considered as a high quality. The achievements of the Institute on the research output front are as follows:

Category	2019-20	2020-21
ABDC - A*	-	1
ABDC - A	2	15
ABDC - B	4	7
ABDC - C	1	3
Others (e.g., SCOPUS)	3	1
Books	-	1
Book Chapters	-	1
Case Studies (Emerald, Case Centre UK)	2	3
Total	12	32
No. of faculty	20	29
Publications per faculty	0.60	1.10

E. Clause (e), Sub-section (1), Section 26

Appointments of the Officers and Faculty Members of the Institute

Faculty Appointments

Paying due attention to the guidelines of the GOI as regards reservation for disadvantaged sections in faculty positions, a Special Recruitment Drive was conducted by the Institute and suitable faculty selected.

The list of faculty who have been onboarded during the year are as follows:

S. No.	Name (Prof.)	Area	Date of Joining
1	Saroj Kumar Pani	Entrepre-neurship	06/4/2020
2	Vishal Singh Patyal	Decision Sciences	31/8/2020
3	P R S Sarma	Production & Operations Mgmt.	07/10/2020
4	Srinivas J	Information Systems	17/12/2020
5	Sunitha Tumkur	Management Communication	08/1/2021
6	Aalok Kumar	Production & Operations Mgmt.	18/1/2021
7	Vinay Yadav	Decision Sciences	25/1/2021

S. No.	Name (Prof.)	Area	Date of Joining
8	Balaji Subramanian	OBHR	01/2/2021
9	Rohit Titiyal	Production & Operations Mgmt.	22/2/2021
10	Sushil Kumar	Entrepre-neurship	25/2/2021
11	Ankit Kumar	Economics & Social Sciences	31/3/2021

With the joining of the above faculty, the strength of the teaching-staff (belonging to 15 states by domicile) stood at 30, including the Director. This arguably is the largest faculty-cohort among all new generation IIMs.

Appointment of Officers

Following the provisions of the IIM Act 2017 and the BoG-approved Regulations, the Institute inducted by lateral movement, 14 officers on the rolls of the Institute, in various cadres.

F. Clause (f), Sub-section (1), Section 26

Performance indicators and internal standards set by the Institute, including the nature of innovations in teaching, research and application of knowledge.

- ***Faculty Work Norms***

The extant Faculty Work Norms were in force since June. 2018. Since then, the scale and scope of activities of the Institute have grown tremendously. As on date the Institute conducts five long-duration academic-title granting programs viz., PGP (flagship); PGPEx (evening MBA), PGP-DGM (sponsored by MeitY, GOI), PhD and MGNF (sponsored by MSDE, GOI).

The IIM Act 2017 enjoins the Institute to attain standards of global excellence in teaching, research and allied areas of knowledge. It is therefore of paramount importance that the Institute should not only set high standards of performance but also should motivate the faculty to reach greater heights of excellence.

The Institute has accordingly embarked on the exercise of revision of faculty work norms, in due consultation with the Faculty Development Evaluation Committee. It is envisaged that the revised norms would not only set higher benchmarks of performance for the faculty but would also reward those who are high-performers.

- ***Presentations to the Board by the Faculty***

Faculty of the Institute, Area-wise, have bene making presentations to the Board on their contribution under the four pillars of the Work Norms: (i) Teaching (including online content development); (ii) Research; (iii) Service to the Institute; and (iv) Service to the Profession.

The presentations highlight, inter alia:

a. Innovations in teaching, research and application of knowledge;

b. Research outputs, outcomes and productivity.

c. Trends and developments in their domain.

d. Work in progress.

Strategy Area, Decision Sciences Area and Economics & Social Sciences Area made presentations to the Board during the year.

- ***Innovations in Teaching & Research***

The faculty of the Institute designed a pedagogy that is a judicious mix of:

- Instruction: Class-room discussions, role plays, tutorials, workshops, group work, case study analyses, simulation games, industry-interaction and outreach activities in functional and sectoral management by: (i) Policy Makers from the Government; and (ii) Professors; Professionals & Practitioners from the Industry and Institutions;
- Evaluation: Surprise tests, quizzes, group and individual assignments; minor and major exams etc. to ensure focused learning and assessment;
- Stock-taking and goal-setting: Review of experiences, imbibing learnings and planning for the next term.
- Faculty-mentorship for students to provide guidance, handholding and facilitating effective knowledge-transfer and learning outcomes as envisaged.

Examples of innovative practices adopted by faculty towards making the learning immersive and impactful are:

- Preparing web-applications to teach, simulate and help students visualize basic concepts.
- Using applications that are based on open-source software.
- Conducting interactive online simulation games for the elective courses to help the students experience a real-time environment.
- Using lab sessions or doodle/recorded videos for various concepts in shared mode with the participants either before introducing a concept to develop interest in the students, or after the session, to give additional information/concepts.
- Introducing "optional reading series" to improve the understanding of the developments in the subject while keeping it out of the purview of the examinations. These included series of articles; research papers written by accomplished practitioners and academicians to provide a much deeper understanding of the subject and for students to develop deeper interest.
- Using Mini-cases based on real-life news and seminal research designs.
- Introducing questions in case analysis to simulate scenarios such as searching the Internet about the case at hand, link it to the theory taught in class and exploration of solutions. Students are also required to report the web links from which they found the information. It ensured that in an open book, non-proctored exam scenario too, there could be orderly learning for the students.

- ***Performance of the Institute vis-à-vis MOU Targets for the Year 2020-21***

The Memorandum of Understanding (MOU) on performance to be signed with MHRD was approved by the BoG on 30/6/2020. Approval for the same was received from the Ministry on 30/7/2020. The Institute achieved for the year, an overall score of 81.40 out of 100, a "Very Good" rating, as per the norms of the Ministry of Education.

G. Sub-section (2) of Section 26:

Statement showing the names of the five officers including faculty members and other employees of the Institute who received the highest remuneration (including allowances and other payments made to such employees) during the financial year and the contributions made by such employees during the financial year.

The statement is as given below:

Employee Gross Salary for the Year 2020-21

S No	Emp ID	Employee Name	Desig-nation	Date of Joining	Total Gross Annual Salary (Rs.)
1	20001	M Chandra-sekhar	Director	22-Mar-17	38,08,342
2	20014	Vinay Ramani	Asso. Prof.	18-Jan-19	34,89,178
3	20004	B. Sriranga-charyulu	Dean (A&R)	29-Nov-17	34,30,862
4	20017	Vivekananda Madupu	Asso. Prof.	23-Aug-19	33,11,907
5	20006	Amit Baran Chakrabarti	Asst. Prof.	11-Dec-17	30,67,578

Established in Sep. 2015, the Institute is in the sixth year of its operation in FY 2020-21.

The faculty members have been contributing significantly to the good functioning of the Institute. Since the Institute is in the formative years (in project mode) each of the members is not only handling multiple academic responsibilities, but also delivering good results towards the development and growth of the institution. They have been providing leadership in their respective roles and are ably addressing matters of academic and administrative support. Their performance under teaching, research, service to the Institute and service to the profession and to institution building at large, has been note-worthy.

H. Sub-section (3) of Section 26:

The statement referred to in sub-section (2) shall indicate whether any such employee is a relative of any member of the Board or Academic Council of the Institute and if so, the name of such member; and such other particulars as may be

determined by the Board.

To the best of knowledge and belief of the Institute, as on the date of the report, none of the officers figuring in the statement of employees receiving high remuneration is a relative of any member of the Board or Academic Council of the Institute.

I. Sub-section (4) of Section 26:

The Director shall also be bound to give the complete information and explanations in the report referred to in sub-section (1) on every reservation, qualification or adverse remark contained in the auditors' report.

The CAG communicated the Separate Audit Report to the Ministry of HRD (with a copy to the Institute) vide the SAR, upon audit of the Accounts of the Institute for Year 2020-21. It reports that:

A. Receipts and Payments

A.1 Payments

A.1.1 Increase/Decrease in Sundry Creditors, Statutory and other liabilities- (-) ₹ 13.55 crore

As per the prescribed format, the Receipts and Payments Accounts should be prepared on cash basis. However, the Receipts and Payments account has included non-cash item such as Increase/Decrease in Sundry Creditors, Statutory and other liabilities to the tune of (-) ₹ 13.55 crore which is not correct. Non-cash item should not be shown in Receipt and Payment account.

Institute's explanation: -

It is submitted that the inclusion of Sundry Creditors, and Statutory and Other Liabilities in the Receipts and Payments Statement is in accordance with the practice being followed by the Institute over the years, which has been found acceptable by the CAG Office. It is merely a matter of presentation, for better clarity and traceability.

B. General:

B.1 This includes investment of an amount of ₹ 1,52,97,175 earmarked towards Faculty Compensation Reserve (FCR) and accounted for under Schedule 2: Designated / Earmarked / Endowments Funds in the Current Assets (Schedule 7) instead of classifying under Schedule 5: Investments from Earmarked / Endowment Fund. The misclassification needs to be rectified.

Institute's explanation: -

The surplus as of 31st March will be in the form of Term Deposits/Bank balances/Receivables and any disposal of surplus will be as approved by the Board of Governors (BoG) and the resultant investment if any will have to be made in the subsequent period. In the given case this being the first such transfer, the investment related to FCR of Rs.1,52,97,175 was shown under Schedule-7 - Current Assets along with all other investments and will be moved under Schedule 5: Investments from Earmarked/Endowments Fund in the subsequent year, i.e., 2021-22, when the BoG accords its approval. Thus, there is no misclassification.

B.2 According to prescribed formats of financial statements/uniform of accounts, the Institutions shall disclose under Schedule 24: Contingent Liabilities and Notes to Accounts, the Capital Commitments/Value of contracts remaining to be executed on Capital Account and not provided for (Net of Advances). Contracts valuing ₹ 414.22 Crore was to be indicated against amount still remaining to be executed on Capital Account in 1.1 of Schedule 24: Contingent Liabilities and Notes to Accounts: Capital Commitments. However only ₹ 19.26 crore (₹ 1925.68 Lakh) was indicated. This needs to be rectified.

Institute's explanation: -

The audit comment is noted for compliance from the Year 2021-22.

B.3 Government of Andhra Pradesh, Municipal Administration and Urban Development (M) Development vide G.O.Ms. No.187 dated 26.10.2020 issued orders for waiving off charges pertaining to statutory fees payable to Local Bodies in respect of 7 National Level Institutes. Out of the 7, Indian Institute of Management Visakhapatnam was also included vide Sl. No. (b) of the said Government Orders. Accordingly, the charges were waived by the Visakhapatnam Metropolitan Region Development Authority (VMRDA) for an amount of ₹ 14,60,91,177. As the VMRDA charges but for the exemption form part of Work in Progress/Project cost, the exemption of VMRDA charges needs to be shown in the

Notes on Accounts under Schedule 24 of the Annual Accounts.

Institute's explanation: -

The Institute had duly disclosed the cited exemption given by the Government of AP to Building & Works Committee (BWC) of the Institute in its meeting held on 29/12/2020; and to the Board of Governors (BoG) in its meeting held on 08/1/2021. The same was noted by the BWC and the BoG, as was reflected in the Minutes of the said Meetings. The said Minutes were shared with the CAG Audit Officers. The audit comment is noted for compliance from the Year 2021-22.

Since the reported items as above of the CAG was about presentation and disclosure, the Institute will duly consider the comments contained in the final SAR, while crystallizing its Accounts for the Year 2021-22 and onward.

The SAR, inter alia, observed that:

- They have obtained all the information and explanations which to the best of their knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;
- The Balance Sheet and Income & Expenditure A/c, Receipts & Payment A/c dealt with by the Report have been drawn in the Revised Format of Accounts, prescribed by Government of India, Ministry of Human Resource Development, for Central Educational Institutions.
- In their opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Institute, in so far as it appears from their examination of such books.
- Subject to their observations in the preceding paragraphs, they report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account dealt with by the Report were in agreement with the books of accounts.
- In their opinion and to the best of their information and according to the explanations given to them, the financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to the Audit Report, give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

  1. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the Institute, as at 31/3/2021; and
  2. In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the Surplus for the year ended on that date.

In the Annexure to the SAR, the CAG stated, inter alia, that:

- Adequacy of Internal Audit System: Internal Audit was entrusted to M/s Rao and Kumar, a Chartered Accountants firm, which completed the internal audit for the year 2020-21.
- Adequacy of Internal Control System: Internal Control System was not adequate as non- cash item was shown in Receipt and Payment account.
- System of physical verification of fixed assets: Physical verification of fixed assets was completed for the year 2020-21.
- System of physical verification of inventory: Physical verification of Inventory was completed for the year 2020-21.
- Regularity in payment of statutory dues: Statutory dues were paid regularly.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

14. Statement of Accounts

2020-2021

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Balance Sheet as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SOURCES OF FUNDS	Schedule	2020-21	2019-20
CORPUS/CAPITAL FUND	1	1,09,33,41,301	53,61,40,302
DESIGNATED/EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	2	4,05,65,970	2,37,12,161
CURRENT LIABILITIES, PROVISIONS & LOANS	3	1,06,15,68,818	77,98,50,657
TOTAL		**2,19,54,76,089**	**1,33,97,03,120**

APPLICATION OF FUNDS	Schedule	2020-21	2019-20
FIXED ASSETS	4	54,98,87,600	17,79,44,728
Tangible Assets		14,23,83,482	14,38,30,416
Intangible Assets		1,83,76,222	1,49,54,269
Capital Works-In-Progress		38,91,27,896	1,91,60,043
INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	5	4,45,97,042	2,20,96,893
Long Term		-	2,20,96,893
Short Term		4,45,97,042	-
INVESTMENTS - OTHERS	6	-	-
CURRENT ASSETS	7	1,55,94,66,692	1,11,16,32,229
LOANS, ADVANCES & DEPOSITS	8	4,15,24,755	2,80,29,270
TOTAL		**2,19,54,76,089**	**1,33,97,03,120**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	23		
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES TO ACCOUNTS	24		

For Indian Institute of Management Visakhapatnam

Sd/-
G. Nandita, Superintendent
C.P.Vittal, Consultant
(Finance & Accounts)

Sd/-
Prof. Neena Pandey
Coordinator (Admn.)

Sd/-
Prof. M. Chandrasekhar
Director

Date: 05-7-2021
Place: Visakhapatnam

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Income and Expenditure Account for the Year ended 31st March 2021

(Amount in ₹)

Particulars	Schedule	2020-21	2019-20
INCOME			
Academic Receipts	9	19,10,22,965	15,92,33,142
Grants / Subsidies	10	18,80,00,000	15,55,00,000
Income from Investments	11	1,47,73,365	1,00,04,991
Interest earned	12	4,16,222	1,92,199
Other Income	13	2,48,79,136	98,86,062
Prior Period Income	14	3,43,687	34,625
TOTAL (A)		41,94,35,375	33,48,51,019
EXPENDITURE			
Staff Payments & Benefits (Establishment Expenses)	15	11,36,81,004	8,89,06,566
Academic Expenses	16	9,12,15,216	10,98,63,736
Administrative and General Expenses	17	1,77,05,751	2,11,04,702
Transportation Expenses	18	18,27,611	51,86,535
Repairs and Maintenance	19	70,55,928	53,45,368
Finance Costs	20	-	-
Depreciation	4	3,47,37,467	2,78,78,515
Other Expenses	21	-	-
Prior Period Expenses	22	2,40,653	3,98,083
TOTAL (B)		**26,64,63,630**	**25,86,83,505**
Balance being excess of Income over Expenditure (C=A-B)		**15,29,71,745**	**7,61,67,514**
Transfer to Faculty Compensation Reserve (FCR) (D)		1,52,97,175	-
Balance Being Surplus / (Deficit) Carried to Corpus/ Capital Fund (Sch-1) (E=C-D)		**13,76,74,570**	**7,61,67,514**
Significant Accounting Policies	23		
Contingent Liabilities and Notes to Accounts	24		

For Indian Institute of Management Visakhapatnam

Sd/-		Sd/-	Sd/-
G. Nandita Superintendent (Finance & Accounts)	C.P.Vittal Consultant	Prof. Neena Pandey Coordinator (Admn.)	Prof. M. Chandrasekhar Director

Date: 05-7-2021
Place: Visakhapatnam

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE - 1 CORPUS/CAPITAL FUND

Particulars	2020-21		2019-20	
Balance at the beginning of the year = A + C		**53,61,40,302**		**37,94,24,412**
Opening balance of Capital Fund for Fixed Assets (A)	**27,88,06,794**		**21,04,29,832**	
Add: Grants from Government of India to the extent utilized for capital expenditure	40,66,39,595		6,83,70,427	
Add: Assets - Donations/Gifts	-		6,535	
Closing balance of Capital Fund for Fixed Assets (B)	**68,54,46,389**		**27,88,06,794**	
Opening balance of Corpus Fund (C)	**25,73,33,508**		**16,89,94,580**	
Add: Income from Investments made out of the funds	1,28,86,834		1,21,71,414	
Add: Excess of Income over expenditure transferred from Income & Expenditure Account	13,76,74,570		7,61,67,514	
Closing balance of Corpus Fund (D)	**40,78,94,912**		**25,73,33,508**	
Balance at the end of the year = B + D		**1,09,33,41,301**		**53,61,40,302**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE-2 DESIGNATED/ EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS

Particulars	Current Year 2020-21				Previous Year 2019-20		
	Designated / Earmarked Funds	Endowment Fund Donations		Total	Endowment Fund Donations		Total
	Faculty Compensation Reserve (FCR)	Building	Gold Medal		Building	Gold Medal	
A.							
a) Opening balance	-	2,15,23,404	21,88,757	2,37,12,161	2,00,69,345	21,04,213	2,21,73,558
b) Additions during the year	1,52,97,175	-	66,345	1,53,63,520	-	-	-
c) Income from investments made of the funds	-	65,162	7,948	73,110	-	-	-
d) Accrued Interest on Investments/ Advances	-	12,84,000	1,33,179	14,17,179	14,54,059	1,50,889	16,04,948
Total (A)	**1,52,97,175**	**2,28,72,566**	**23,96,229**	**4,05,65,970**	**2,15,23,404**	**22,55,102**	**2,37,78,506**
B.							
Utilisation/Expenditure towards objectives of funds							
i) Capital Expenditure	-	-	-	-	-	-	-
ii) Revenue Expenditure	-	-	-	-	-	66,345	66,345
Total (B)	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**66,345**	**66,345**
Closing balance at the year end (A - B)	**1,52,97,175**	**2,28,72,566**	**23,96,229**	**4,05,65,970**	**2,15,23,404**	**21,88,757**	**2,37,12,161**
Represented by							
Cash and Bank Balances	-	-	-	-	-	-	-
Investments *	1,52,97,175	2,15,88,566	22,63,050	3,91,48,791	2,00,00,000	20,96,893	2,20,96,893
Interest accrued but not due	-	12,84,000	1,33,179	14,17,179	15,23,404	91,864	16,15,268
Total	**1,52,97,175**	**2,28,72,566**	**23,96,229**	**4,05,65,970**	**2,15,23,404**	**21,88,757**	**2,37,12,161**

* Investments under Schedule - 5 (Rs. 2,15,88,566 & Rs. 22,63,050) & Schedule - 7 (Rs. 1,52,97,175)

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 2A DESIGNATED/ EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS

Sr. No.	Name of the Endowment	Opening Balance		Additions during the Year		Total		Expenditure on the Object during the year	Closing Balance		Total (10+11)
		Endowment	Accumulated Interest	Endowment	Interest	Endowment (3+5)	Accumulated Interest (4+6)		Endowment	Accumulated Interest	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	Designated/ Earmarked Funds										
1	Faculty Compensation Reserve (FCR)	-	-	1,52,97,175	-	1,52,97,175	-	-	1,52,97,175	-	1,52,97,175
	Endowment Fund - Donations										
1	Vani Roja Foundation - Building Corpus	2,00,00,000	15,23,404	-	13,49,162	2,00,00,000	28,72,566	-	2,00,00,000	28,72,566	2,28,72,566
2	Vani Row Memorial Gold Medal - Corpus *	20,96,893	91,864	66,345	1,41,127	21,63,238	2,32,991	-	21,63,238	2,32,991	23,96,229
	Total	**2,20,96,893**	**16,15,268**	**1,53,63,520**	**14,90,289**	**3,74,60,413**	**31,05,557**	**-**	**3,74,60,413**	**31,05,557**	**4,05,65,970**

*** Addition of Rs. 66,345 is reversal of advance amount which was given in previous year 2019-20.**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3 CURRENT LIABILITIES, PROVISIONS & LOANS

	Particulars	Current Year 2020-21	Previous Year 2019-20
A.	**CURRENT LIABILITIES**		
	1. Deposits from staff	-	-
	2. Deposits from students	**97,95,639**	**1,06,50,385**
	a) Caution Deposits	**55,48,371**	**46,51,205**
	i) From current students	54,96,961	45,99,795
	ii) From former students	51,410	51,410
	b) Mess advance	**32,74,268**	**55,03,180**
	i) From current students	32,45,429	54,74,341
	ii) From former students	28,839	28,839
	c) Other deposits	**9,73,000**	**4,96,000**
	i) Alumni Fund	5,44,000	2,48,000
	ii) Convocation Fund	2,72,000	1,24,000
	iii) Student Welfare Fund	1,57,000	1,24,000
	3. Sundry Creditors (Goods & Services)	17,26,47,275	3,75,17,256
	4. Deposit-Others (including EMD, Security Deposit)	**15,61,013**	**12,78,008**
	5. Statutory Liabilities (GPF, TDS, WC TAX, CPF, GIS, NPS)	**76,30,478**	**49,57,390**
	a) Overdue	-	-
	b) Others	76,30,478	49,57,390
	6. Other Current Liabilities	**83,75,46,414**	**70,93,14,245**
	a) Receipts against sponsored Projects	1,06,57,490	13,60,000
	b) Receipts against sponsored fellowships & scholarships	-	-
	c) Unutilised Grants	**79,24,62,323**	**70,38,61,010**
	i) Revenue Grants	-	-
	ii) Capital Grants	1,49,60,284	4,97,04,894
	iii) Capital Grants (Permanent Campus- HEFA Loan repayment)	77,75,02,039	65,41,56,116
	d) Fee received in Advance	2,50,19,816	11,25,400
	e) Other liabilities	**94,06,785**	**29,67,835**
	i) Payable to Students	61,43,656	10,00,409
	ii) Payable to Faculty	27,82,799	13,64,007
	iii) Payable to Staff	1,98,927	1,85,066
	iv) Payable - Others	2,81,403	4,18,353
	Total (A)	**1,02,91,80,819**	**76,37,17,284**

SCHEDULE 3 CURRENT LIABILITIES, PROVISIONS & LOANS			
B.	**PROVISIONS**		
	1. Gratuity	76,60,984	70,00,074
	2. Accumulated Leave Encashment	97,48,270	59,42,582
	3. Others - Outstanding liabilities for staff payments etc	1,33,47,477	28,92,660
	Total (B)	**3,07,56,731**	**1,58,35,316**
C.	**LOAN - HEFA**		
	1. Loan	-	-
	2. Interest	16,31,268	2,98,057
	Total (C)	**16,31,268**	**2,98,057**
	Total (A+B+C)	**1,06,15,68,818**	**77,98,50,657**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE - 3 (a) SPONSORED PROJECTS

Sr. No.	Name of the Project	Opening Balance as on 01.04.2020		Receipts/ Recoveries during the year	Total	Expenditure during the year	Closing Balance as on 31.03.2021	
		Credit	Debit				Credit	Debit
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Corporate Data Management	-	-	5,57,760	5,57,760	5,57,760	-	-
2	TIDE	13,60,000	-	20,57,000	34,17,000	12,40,332	21,76,668	-
3	MGNF	-	-	60,80,822	60,80,822	-	60,80,822	
4	RINL	-	-	24,00,000	24,00,000	-	24,00,000	-
	Total	**13,60,000**	**-**	**1,10,95,582**	**1,24,55,582**	**17,98,092**	**1,06,57,490**	**-**

SCHEDULE 3 (b) SPONSORED FELLOWSHIPS AND SCHOLARSHIPS

(Amount in ₹)

Sr. No.	Name of Sponsor	Opening Balance as on 01.04.2020		Transactions during the year		Closing Balance as on 31.03.2021	
		Credit	Debit	Credit	Debit	Credit	Debit
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Ministry of Social Justice and Empowerment	-	-	1,06,57,500	1,06,57,500	-	-
2	Ministry of Tribal Affairs	-	-	6,50,000	6,50,000	-	-
	Total	**-**	**-**	**1,13,07,500**	**1,13,07,500**	**-**	**-**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3 (c) UNUTILISED GRANTS FROM UGC, GOVERNMENT OF INDIA AND STATE GOVERNMENTS

Particulars	Current Year 2020-21	Previous Year 2019-20
A. Government of India		
Balance B/F	70,38,61,010	28,67,08,736
Add: Receipts during the year	**63,46,27,215**	**61,42,79,708**
Revenue Grants	18,80,00,000	15,55,00,000
Capital Grants	-	1,35,00,000
Capital Grants (Permanent Campus)	44,66,27,215	44,52,79,708
Add: Interest on Unutilised Grants	**4,86,13,693**	**2,67,42,993**
Revenue Grants	-	-
Capital Grants	22,86,132	29,99,510
Capital Grants (Permanent Campus)	4,63,27,561	2,37,43,483
Total (a)	**1,38,71,01,918**	**92,77,31,437**
Less: Refunds	-	-
Less: Utilized for Expenditure		
Utilised for Revenue expenditure	18,80,00,000	15,55,00,000
Utilized for Capital Expenditure	3,70,30,742	3,07,87,032
Utilized for Capital Expenditure (Permanent Campus)	36,96,08,853	3,75,83,395
Total (b)	**59,46,39,595**	**22,38,70,427**
Unutilized carried forward (a-b) = A	**79,24,62,323**	**70,38,61,010**
Unutilised Revenue Grants	-	-
Unutilised Capital Grants	1,49,60,284	4,97,04,894
Unutilised Capital Grants (Permanent Campus)	77,75,02,039	65,41,56,116
B. UGC grants		
Unutilized carried forward = B	**-**	**-**
C. Grants from State Govt.		
Unutilized carried forward = C	**-**	**-**
Grand Total (A+B+C)	**79,24,62,323**	**70,38,61,010**

SCHEDULE 4 FIXED ASSETS	
Under this head, classification and disclosures shall be as follows:	
1. Land	Includes freehold land and leasehold land, to be shown distinctly
2. Site Development	
3. Buildings	Include Institution's buildings like college buildings, office buildings,staff residential buildings, hostel buildings, temporary structures and sheds.
4. Plant and machinery	Include air conditioners, water/air coolers, generator sets, television sets, fire extinguishers, etc.
5. Electrical Installation	Include electrical fixtures and fittings such as fans, and tube light fittings
6. Tube wells & water supply system	Tubewells and water supply systems may be shown as a distinct category
7. Office equipment	Include such items as fax machines, photocopiers, EPABX, typewriters, duplicating machines, Refrigerators etc.
8. Laboratory & Scientific Equipment	Include such items as microscopes, telescopes, dissection equipment, glass apparatus,measurement instruments and other types of laboratory equipment,
9 . Audio Visual Equipment	Include Television sets, overhead projector, Tape Recorders. DVD/ VCD Player, Camera,Movie Projectors etc
10. Furniture, fixtures and Fittings	Include items such as desks/benches, cabinets, almirahs, tables, chairs, partitions, etc
11. Computers/Peripherals	Include computers, printers and other peripherals like , UPS etc.
12. Sports Equipment	Include items such as table tennis table, gym equipment.
13. Vehicles	Include Buses, lorries, vans, Cars, scooters, etc.
14. Library Books and Scientific Journals	Library books will include books/ Scientific Journals
15. Intangible assets	Include computer software, patents & trade marks, E Journals specified separately.
16. Capital Work-In-Progress	Fixed assets in the course of construction should be shown against this head till they are ready for their intended use. Plant, machinery and equipment acquired and pending installation and commissioning should also be included here.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4 FIXED ASSETS (Total of 4A + 4B + 4D)

S.No	Assets Heads	Gross Block				Depreciation for the Year 2020-21				Net Block	
		Op Balance 01.04.2020	Additions	Deductions/ Adjustments*	Cl Balance 31.03.2021	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Deductions/ Adjustments^	Total Depreciation	31.03.2021	31.03.2020
1	Land	242	-	-	242	-	-	-	-	242	242
2	Site Development	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3	Buildings	10,25,89,144	-	-	10,25,89,144	3,22,91,036	28,38,403	-	3,51,29,439	6,74,59,705	7,02,98,108
4	Roads & Bridges	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	Tubewells & Water Supply	4,81,997	-	-	4,81,997	9,640	9,640	-	19,280	4,62,717	4,72,357
6	Sewerage & Drainage	5,71,472	-	-	5,71,472	11,429	11,429	-	22,858	5,48,614	5,60,043
7	Electrical Installation and equipment	1,67,64,975	5,10,678	-	1,72,75,653	1,12,48,699	11,88,329	-2,450	1,24,39,478	48,36,175	55,16,276
8	Plant and Machinery	1,03,56,951	-	-	1,03,56,951	21,08,734	5,17,848	-	26,26,582	77,30,369	82,48,217
9	Scientific & Laboratory Equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	Office Equipment	39,04,377	4,28,567	-	43,32,944	7,61,067	3,24,972	-	10,86,039	32,46,905	31,43,310
11	Audio Visual Equipment	3,36,73,921	60,97,142	-	3,97,71,063	94,96,199	29,82,830	-	1,24,79,029	2,72,92,034	2,41,77,722
12	Computers & Equipment	1,45,06,395	31,10,853	71,990	1,75,45,258	75,92,855	30,68,194	43,194	1,06,17,855	69,27,403	69,13,540
13	Furniture, Fixtures & Fittings	2,83,55,424	20,00,368	-	3,03,55,792	61,00,050	22,76,683	-	83,76,733	2,19,79,059	2,22,55,374
14	Vehicles	43,000	-	-	43,000	20,700	4,300	-	25,000	18,000	22,300

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4 FIXED ASSETS (Total of 4A + 4B + 4D) Contd.

S.No	Assets Heads	Gross Block				Depreciation for the Year 2020-21				Net Block	
		Op Balance 01.04.2020	Additions	Deductions/ Adjustments*	Cl Balance 31.03.2021	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Deductions/ Adjustments^	Total Depreciation	31.03.2021	31.03.2020
15	Library books & Scientific Journals	34,18,954	1,363	-	34,20,317	11,96,027	3,42,031	-	15,38,058	18,82,259	22,22,927
16	Small Value Assets	-	58,258	-	58,258	-	58,258	-	58,258	-	-
	Total (A)	**21,46,66,852**	**1,22,07,229**	**71,990**	**22,68,02,091**	**7,08,36,436**	**1,36,22,917**	**40,744**	**8,44,18,609**	**14,23,83,482**	**14,38,30,416**
17	**Capital Work In Progress (B)**	**1,91,60,043**	**36,99,67,853**	**-**	**38,91,27,896**	**-**	**-**	**-**	**-**	**38,91,27,896**	**1,91,60,043**
S. No	**Intangible Assets**	**Op Balance 01.04.2020**	**Additions**	**Deductions**	**Cl Balance 31.03.2021**	**Dep Opening Balance**	**Amortization for the year**	**Deductions/ Adjustments**	**Total Amortization/ Adjustments**	**31.03.2021**	**31.03.2020**
18	Computer Software	51,38,495	8,80,331	-	60,18,826	46,46,314	7,98,025	-	54,44,339	5,74,487	4,92,181
19	E-Journals	3,98,41,404	2,36,56,172	-	6,34,97,576	2,53,79,316	2,03,16,525	-	4,56,95,841	1,78,01,735	1,44,62,088
20	Patents	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total (C)	**4,49,79,899**	**2,45,36,503**	**-**	**6,95,16,402**	**3,00,25,630**	**2,11,14,550**	**-**	**5,11,40,180**	**1,83,76,222**	**1,49,54,269**
Grand Total (A+B+C)		**27,88,06,794**	**40,67,11,585**	**71,990**	**68,54,46,389**	**10,08,62,066**	**3,47,37,467**	**40,744**	**13,55,58,789**	**54,98,87,600**	**17,79,44,728**

Note: *
Deductions/Adjustments are based on disposal of asset
^ Deductions/Adjustments are based on rectification (Rs. 2,450) & disposal of asset (Rs. 43,194)

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4A - Assets from MoE Grants

S. No	Assets Heads	Gross Block				Depreciation for the Year 2020-21					Net Block	
		Op Balance 01.04.2020	Additions	Deductions/ Adjustments	Cl Balance 31.03.2021	Dep Opening Balance	Rate	Depreciation for the year	Deductions/ Adjustments	Total Depreciation	31.03.2021	31.03.2020
1	Land	-	-	-	-	-	00.00%	-	-	-	-	-
2	Site Development	-	-	-	-	-	00.00%	-	-	-	-	-
3	Buildings	10,25,89,144	-	-	10,25,89,144	3,22,91,036	Varies	28,38,403	-	3,51,29,439	6,74,59,705	7,02,98,108
4	Roads & Bridges	-	-	-	-	-	02.00%	-	-	-	-	-
5	Tubewells & Water Supply	4,81,997	-	-	4,81,997	9,640	02.00%	9,640	-	19,280	4,62,717	4,72,357
6	Sewerage & Drainage	5,71,472	-	-	5,71,472	11,429	02.00%	11,429	-	22,858	5,48,614	5,60,043
7	Electrical Installation and equipment	1,67,64,975	5,10,678	-	1,72,75,653	1,12,48,699	Varies	11,88,329	-2,450	1,24,39,478	48,36,175	55,16,276
8	Plant and Machinery	1,03,56,951	-	-	1,03,56,951	21,08,734	05.00%	5,17,848	-	26,26,582	77,30,369	82,48,217
9	Scientific & Laboratory Equipment	-	-	-	-	-	08.00%	-	-	-	-	-
10	Office Equipment	39,04,377	4,28,567	-	43,32,944	7,61,067	07.50%	3,24,972	-	10,86,039	32,46,905	31,43,310
11	Audio Visual Equipment	3,36,73,921	60,97,142	-	3,97,71,063	94,96,199	07.50%	29,82,830	-	1,24,79,029	2,72,92,034	2,41,77,722
12	Computers & Equipment	1,45,06,395	31,10,853	71,990	1,75,45,258	75,92,855	20.00%	30,68,194	43,194	1,06,17,855	69,27,403	69,13,540

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4A - Assets from MoE Grants Contd.

S. No	Assets Heads	Gross Block				Depreciation for the Year 2020-21					Net Block	
		Op Balance 01.04.2020	Additions	Deductions/ Adjustments	Cl Balance 31.03.2021	Dep Opening Balance	Rate	Depreciation for the year	Deductions/ Adjustments	Total Depreciation	31.03.2021	31.03.2020
13	Furniture, Fixtures & Fittings	2,83,55,424	20,00,368	-	3,03,55,792	61,00,050	07.50%	22,76,683	-	83,76,733	2,19,79,059	2,22,55,374
14	Vehicles	43,000	-	-	43,000	20,700	10.00%	4,300	-	25,000	18,000	22,300
15	Library Books	31,68,205	1,363	-	31,69,568	11,07,068	10.00%	3,16,956	-	14,24,024	17,45,544	20,61,137
16	Small Value Assets	-	58,258	-	58,258	-	-	58,258	-	58,258	-	-
	Total (A)	**21,44,15,861**	**1,22,07,229**	**71,990**	**22,65,51,100**	**7,07,47,477**	**-**	**1,35,97,842**	**40,744**	**8,43,04,575**	**14,22,46,525**	**14,36,68,384**
17	**Capital Work In Progress (B)**	**1,91,60,043**	**36,99,67,853**		**38,91,27,896**	**-**		**-**	**-**	**-**	**38,91,27,896**	**1,91,60,043**
S. No	**Intangible Assets**	**Op Balance 01.04.2020**	**Additions**	**Deductions**	**Cl Balance 31.03.2021**	**Dep Opening Balance**	**Rate**	**Amortization for the year**	**Deductions/ Adjustments**	**Total Amortization/ Adjustments**	**31.03.2021**	**31.03.2020**
18	Computer Software	51,38,495	8,80,331	-	60,18,826	46,46,314	40.00%	7,98,025	-	54,44,339	5,74,487	4,92,181
19	E-Books	3,98,41,404	2,36,56,172	-	6,34,97,576	2,53,79,316	40.00%	2,03,16,525	-	4,56,95,841	1,78,01,735	1,44,62,088
20	Patents	-	-	-	-	-	9yrs	-	-	-	-	-
	Total (C)	**4,49,79,899**	**2,45,36,503**	**-**	**6,95,16,402**	**3,00,25,630**		**2,11,14,550**	**-**	**5,11,40,180**	**1,83,76,222**	**1,49,54,269**
	Grand Total (A+B+C)	**27,85,55,803**	**40,67,11,585**	**71,990**	**68,51,95,398**	**10,07,73,107**		**3,47,12,392**	**40,744**	**13,54,44,755**	**54,97,50,643**	**17,77,82,696**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4B Assets from Projects/ Other Grants

S. No	Assets Heads	Gross Block				Depreciation for the Year 2020-21				Net Block	
		Op Balance 01.04.2020	Additions	Deductions	Cl Balance 31.03.2021	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Deductions/ Adjustments	Total Depreciation	31.03.2021	31.03.2020
1	Land	NIL									
2	Site Development										
3	Buildings										
4	Roads & Bridges										
5	Tubewells & Water Supply										
6	Sewerage & Drainage										
7	Electrical Installation and equipment										
8	Plant and Machinery										
9	Scientific & Laboratory Equipment										
10	Office Equipment										
11	Audio Visual Equipment										
12	Computers & Equipment										
13	Furniture, Fixtures & Fittings										
14	Vehicles										
15	Library Books										
16	Small Value Assets										
	Total (A)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17	**Capital Work In Progress (B)**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
S.No	**Intangible Assets**	**Op Balance 01.04.2020**	**Additions**	**Deductions**	**Cl Balance 31.03.2021**	**Dep Opening Balance**	**Amortization for the year**	**Deductions/ Adjustments**	**Total Amortization/ Adjustments**	**31.03.2021**	**31.03.2020**
18	Computer Software	NIL									
19	E-Journal										
20	Patents										
	Total (C)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Grand Total (A+B+C)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4C - INTANGIBLE ASSETS

SL No.	Asset Heads	Gross Block				Depreciation for the Year 2020-21					Net Block	
		Op Balance 01.04.2020	Additions	Deduc-tions	Cl Balance 31.03.2021	Depreciation/ Amortizations Opening Balance	Rate	Depreciation/ Amortization for the year	Deductions/ Adjustments	Total Depreciation/ Amortization	31.03.2021	31.03.2020
1	Computer Software	51,38,495	8,80,331	-	60,18,826	46,46,314	40.00%	7,98,025	-	54,44,339	5,74,487	4,92,181
2	E - Journals	3,98,41,404	2,36,56,172	-	6,34,97,576	2,53,79,316	40.00%	2,03,16,525	-	4,56,95,841	1,78,01,735	1,44,62,088
3	Patents & Copyrights	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total	**4,49,79,899**	**2,45,36,503**	**-**	**6,95,16,402**	**3,00,25,630**		**2,11,14,550**	**-**	**5,11,40,180**	**1,83,76,222**	**1,49,54,269**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4(C) (i) PATENTS AND COPYRIGHTS

Particulars	Op Balance 01.04.2020	Addition	Gross	Amortization	Net Block 2020-21	Net Block 2019-20
A. Patents Granted	-	-	-	-	-	-
Total	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**

Particulars	Op Balance 01.04.2020	Addition	Gross	Patents Granted/ Rejected	Net Block 2020-21	Net Block 2019-20
B. Patents Pending in respect of Patents applied for	-	-	-	-	-	-
Total	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
C. Grand Total (A+B)	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM
Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4D Others (Assets-Donations)

S.No	Assets Heads	Gross Block				Depreciation for the Year 2020-21				Net Block	
		Op Balance 01.04.2020	Additions	Deduc-tions	Cl Balance 31.03.2021	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Deductions/ Adjustments	Total Depreci-ation	31.03.2021	31.03.2020
1	Land	242	-	-	242	-	-	-	-	242	242
2	Site Development	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3	Buildings	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4	Roads & Bridges	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	Tubewells & Water Supply	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6	Sewerage & Drainage	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	Electrical Installation and equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8	Machinery & Equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9	Scientific & Laboratory Equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
10	Office Equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
11	Audio Visual Equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12	Computers & Peripherals	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
13	Furniture, Fixtures & Fittings	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
14	Vehicles	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
15	Lib. Books & Scientific Journals	2,50,749	-	-	2,50,749	88,958	25,075	-	1,14,033	1,36,716	1,61,791
16	Small Value Assets	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Total	**2,50,991**	**-**	**-**	**2,50,991**	**88,958**	**25,075**	**-**	**1,14,033**	**1,36,958**	**1,62,033**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 4D Others (Assets-Donations)

S.No	Assets Heads	Gross Block				Depreciation for the Year 2020-21				Net Block	
		Op Balance 01.04.2020	Additions	Deduc-tions	Cl Balance 31.03.2021	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Deductions/ Adjustments	Total Depreci-ation	31.03.2021	31.03.2020
17	Capital Work In Progress	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Grand Total	**2,50,991**	**-**	**-**	**2,50,991**	**88,958**	**25,075**	**-**	**1,14,033**	**1,36,958**	**1,62,033**

Note:	The additions during the Year include additions from:	
	Gifted	-
	Earmarked Funds	-
	Sponsored Projects	-
	Own Funds	-
	Total	-

(Amount in ₹)

SCHEDULE 5 INVESTMENTS FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS

Particulars	Current Year 2020-21	Previous Year 2019-20
1. Term Deposits with Banks		
Long Term	-	2,20,96,893
Short Term	4,45,97,042	-
Total	**4,45,97,042**	**2,20,96,893**

SCHEDULE 5 (A) INVESTMENTS FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS (FUND WISE)

(Amount in ₹)

Particulars	Current Year 2020-21	Previous Year 2019-20
1. Endowment Fund Investments - Building	2,15,88,566	2,00,00,000
2. Endowment Fund Investments - Gold Medal	22,63,050	20,96,893
3. Earmarked Investments-Gratuity & Leave encashment-LIC *	2,07,45,426	-
Total	**4,45,97,042**	**2,20,96,893**

* Investments against Provisions under Schedule -3

SCHEDULE 6 INVESTMENTS-OTHERS

(Amount in ₹)

Particulars	Current Year 2020-21	Previous Year 2019-20
1. In Central Government Securities	-	-
2. In State Government Securities	-	-
3. Other approved Securities	-	-
4. Shares	-	-
5. Debentures and Bonds	-	-
6. Others	-	-
Total	**-**	**-**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 7 CURRENT ASSETS		
Particulars	**Current Year 2020-21**	**Previous Year 2019-20**
1. Stock	**8,05,999**	**8,96,258**
a) Medical	34,923	37,183
b) Electrical	15,611	38,806
c) Stationery	7,55,465	8,20,269
2. Sundry Debtors	**72,13,842**	**90,43,893**
a) Debts Outstanding for a period exceeding six months	-	-
b) Others	**72,13,842**	**90,43,893**
- MDPs	-	36,56,393
- PGP	2,54,814	-
- PGPEX	1,98,000	-
- PGPDGM	67,61,028	53,87,500
3. Cash and Bank Balances	**1,54,91,65,834**	**1,10,15,73,870**
a) With Scheduled Banks	**1,54,91,65,834**	**1,10,14,84,287**
- In Current Accounts	-	10,175
- In Term Deposit Accounts	1,54,16,33,852	1,08,69,65,743
- In Savings Accounts	57,26,982	21,15,369
- In Flexi Accounts	18,05,000	1,23,93,000
b) With Non-Scheduled Banks	-	-
c) Cash in Hand (Imprest)	-	89,583
4. Post Office Savings Accounts	-	-
5. Other Current Assets	**22,81,017**	**1,18,208**
a) CGST Receivable (Input Tax Credit)	-	12,002
b) SGST Receivable (Input Tax Credit)	-	12,002
c) TDS Refund Receivable	22,81,017	94,204
Total	**1,55,94,66,692**	**1,11,16,32,229**

(Amount in ₹)

ANNEXURE A	Current Year 2020-21	Previous Year 2019-20
I. Savings Bank Accounts	57,26,982	21,15,369
II. Flexi Account	18,05,000	1,23,93,000
III. Current Account	-	10,175
IV. Term Deposits with Scheduled Banks	1,54,16,33,852	1,08,69,65,743
Total	**1,54,91,65,834**	**1,10,14,84,287**

Schedules forming part of Balance Sheet as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 8 LOANS,ADVANCES & DEPOSITS		
Particulars	**Current Year 2020-21**	**Previous Year 2019-20**
1. Advances to employees: Non-interest bearing - Recoverable	29,450	2,07,525
2. Long Term Advances to employees: (Interest bearing)	-	-
3. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received: to suppliers	49,79,133	4,66,348
4. Prepaid Expenses	**1,07,38,490**	**1,04,49,550**
a) Establishment	12,72,546	13,42,167
b) Academic	78,93,237	73,35,567
c) Administration	3,57,900	4,09,353
d) Repairs & Maintenance	12,14,807	13,62,463
5. Deposits	**16,65,049**	**2,68,304**
a) Telephone & Internet	21,500	21,250
b) Rent	70,000	70,000
c) Electricity	15,26,400	26,400
d) Travel (Make My Trip)	47,149	1,50,654
6. Income Accrued	**2,32,54,902**	**1,66,37,543**
a) On Investments from Corpus/Capital Fund	88,69,147	72,73,023
b) On Investments from Earmarked/ Endowment Funds	14,17,179	16,81,613
c) On Investments-Others	35,40,234	47,64,701
d) Unutilised Capital Grants	94,28,342	29,18,206
7. Others - Current assets receivable from UGC/sponsored projects	-	-
8. Receivable from IIMV FOUNDATION FOR INCUBATION ENTREPRENEURIAL LEARNING AND DEVELOPMENT (IIMV FIELD)	8,57,731	-
TOTAL	**4,15,24,755**	**2,80,29,270**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 9 ACADEMIC RECEIPTS

Particulars	Current Year 2020-21	Previous Year 2019-20
Academic		
1. Tuition fee		
a) PGP	15,02,61,139	13,43,82,988
b) PGCEP	-	89,15,625
c) PGPEx	2,45,83,000	92,13,000
d) PGPDGM	1,58,46,387	64,35,000
2. Application/Test Fee	1,51,500	2,02,000
Total (A)	**19,08,42,026**	**15,91,48,613**
Examinations	**-**	**-**
Total (B)	**-**	**-**
Other Fees		
1. Miscellaneous/Audit Course Fee	1,80,939	84,529
Total (C)	**1,80,939**	**84,529**
Sale of Publications	**-**	**-**
Total (D)	**-**	**-**
Other Academic Receipts - Registration fee for workshops	**-**	**-**
Total (E)	**-**	**-**
GRAND TOTAL (A+B+C+D+E)	**19,10,22,965**	**15,92,33,142**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 10 GRANTS/SUBSIDIES (IRREVOCABLE GRANTS RECEIVED)		
Particulars	**Current Year 2020-21**	**Previous Year 2019-20**
Balance B/F	70,38,61,010	28,67,08,736
Add: Receipts during the year	63,46,27,215	61,42,79,708
Revenue Grants	**18,80,00,000**	**15,55,00,000**
Capital Grants	-	1,35,00,000
Capital Grants (Permanent Campus)	44,66,27,215	44,52,79,708
Add: Interest on Unutilised grants	4,86,13,693	2,67,42,993
Revenue Grants	-	-
Capital Grants	22,86,132	29,99,510
Capital Grants (Permanent Campus)	4,63,27,561	2,37,43,483
Total (A)	1,38,71,01,918	92,77,31,437
Less: Utilised for Expenditure		
Utilised for Revenue Expenditure	**18,80,00,000**	**15,55,00,000**
Utilized for Capital Expenditure	3,70,30,742	3,07,87,032
Utilized for Capital Expenditure (Permanent Campus)	36,96,08,853	3,75,83,395
Total (B)	59,46,39,595	22,38,70,427
Balance C/F (C = A - B)	79,24,62,323	70,38,61,010
Unutilised Revenue Grants	-	-
Unutilised Capital Grants	1,49,60,284	4,97,04,894
Unutilised Capital Grants (Permanent Campus)	77,75,02,039	65,41,56,116

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 11 INCOME FROM INVESTMENTS						
Particulars	**Current Year 2020-21**		**Previous Year 2019-20**		**Current Year 2020-21**	**Previous Year 2019-20**
	Corpus/ Capital fund	**Endowment fund**	**Corpus/ Capital fund**	**Endowment fund**	**Other Investments**	
1. Interest on Term Deposits	40,17,687	73,110	48,98,391	-	1,08,63,026	52,40,290
2. Income accrued but not due on Term Deposits	88,69,147	14,17,179	72,73,023	16,04,948	35,40,234	47,64,701
3. Others - LIC Investment	-	-	-	-	3,70,105	-
Total	**1,28,86,834**	**14,90,289**	**1,21,71,414**	**16,04,948**	**1,47,73,365**	**1,00,04,991**
Transferred to Respective Funds	1,28,86,834	14,90,289	1,21,71,414	16,04,948	-	-
Balance	**-**	**-**	**-**	**-**	**1,47,73,365**	**1,00,04,991**

Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 12: INTEREST EARNED

Particulars	Current Year 2020-21	Previous Year 2019-20
a) On Savings Accounts with scheduled banks	4,13,288	1,68,523
b) On Debtors and other receivables (TDS Receivable)	2,934	23,676
Total	**4,16,222**	**1,92,199**

SCHEDULE 13 OTHER INCOME

Particulars	Current Year 2020-21	Previous Year 2019-20
a) Income from Land & Buildings	-	-
b) Sale of Institute's Publications	-	-
c) Income from holding events		
1. Gross Receipts from annual function/ sports carnival/ ICORDS/AIB	84,177	12,72,704
d) Others		
1. Income from Management Development Programs	1,95,80,688	82,73,929
2. CAT Surplus Share	48,77,436	-
3. Income from Research Project	2,59,780	2,11,846
4. Misc. receipts (sale of scrap, RTI fee etc.)	31,676	10,998
5. Room Rent	-	28,900
6. Recovery from Staff, Vendors etc.	43,275	87,685
7. Profit on Sale/Disposal of Asset - Owned assets	2,104	-
Total	**2,48,79,136**	**98,86,062**

SCHEDULE 14 PRIOR PERIOD INCOME

Particulars	Current Year 2020-21	Previous Year 2019-20
a) Other Income	3,43,687	34,625
Total	**3,43,687**	**34,625**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 15- STAFF PAYMENTS & BENEFITS (ESTABLISHMENT EXPENSES)		
Particulars	**Current Year 2020-21**	**Previous Year 2019-20**
a) Salaries and Wages	**7,19,30,015**	**5,88,75,159**
1. Teaching	4,26,47,314	3,05,91,580
2. Non Teaching	2,92,82,701	2,82,83,579
b) Allowances and Bonus	**2,20,22,274**	**1,03,11,615**
1. Teaching	1,94,04,931	88,09,923
2. Non Teaching	26,17,343	15,01,692
c) Contribution to PF (Teaching)	**3,79,080**	**3,75,030**
d) Contribution to Other Fund (NPS)	**72,00,586**	**50,66,942**
1. Teaching	55,28,441	38,44,451
2. Non Teaching	16,72,145	12,22,491
e) Staff Welfare Expenses	**21,05,548**	**20,28,677**
f) Retirement and Terminal Benefits	**58,71,075**	**67,52,450**
g) Recruitment & Training	**25,43,269**	**37,26,252**
1. Teaching	22,14,856	28,76,794
2. Non Teaching	3,28,413	8,49,458
h) Others - Faculty Development Expenses	**16,29,157**	**17,70,441**
Total	**11,36,81,004**	**8,89,06,566**

SCHEDULE 15 A- EMPLOYEES RETIREMENT AND TERMINAL BENEFITS			
Particulars	**Gratuity**	**Leave Encashment**	**Total**
Opening Balance as on 01-04-2020	70,00,074	59,42,582	1,29,42,656
Addition : Capitalized value of Contributions Received from other Organizations	-	-	-
Total (a)	70,00,074	59,42,582	1,29,42,656
Less: Actual Payment during the Year (b)	-	14,04,477	14,04,477
Balance Available on 31.03.2021 (c) = (a-b)	70,00,074	45,38,105	1,15,38,179
Provision required on 31.03.2021 as per Actuarial Valuation & internal estimate (d)	**76,60,984**	**97,48,270**	**1,74,09,254**
Provision to be made in the Current year (d-c)	6,60,910	52,10,165	58,71,075
Total	**6,60,910**	**52,10,165**	**58,71,075**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 16 ACADEMIC EXPENSES

Particulars	Current Year 2020-21	Previous Year 2019-20
a) Expenses on seminars/workshops (International Immersion)	-	59,00,273
b) Payment to visiting faculty (including travel & accomodation)	53,47,685	1,00,86,260
c) Examination	14,35,973	7,83,527
d) Student Acivities & Welfare Expenses	30,13,570	83,82,240
e) Admission Expenses	-	21,74,077
f) Convocation Expenses	-	1,21,380
g) Publications/Course Materials	1,05,36,699	73,03,870
h) Stipend/merit scholarship-Financial Aid	34,25,000	33,15,000
i) Subscription Expenses	1,43,77,766	1,24,39,871
j) Placement Expenses	23,30,030	27,01,255
k) Students Hostel Expenses	3,26,54,282	3,40,87,969
l) Programme Commencement Expenses	21,624	10,69,528
m) Other Programmes Expenses	**1,80,72,587**	**2,14,98,486**
Conferences (ICORDS & AIB)	15,272	14,10,738
FPM/PhD	48,64,210	30,28,757
MDP	67,68,345	49,38,432
PGCEP	-	37,96,927
PGPEx	37,59,318	19,88,415
PGPDGM	25,78,464	60,09,602
WSP	86,978	3,25,615
TOTAL	**9,12,15,216**	**10,98,63,736**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 17 ADMINISTRATIVE AND GENERAL EXPENSES		
Particulars	**Current Year 2020-21**	**Previous Year 2019-20**
A Infrastructure	**88,38,137**	**68,16,109**
a) Electricity and power	19,97,981	20,46,359
b) Insurance	1,22,230	71,135
c) Rent, Rates and Taxes (including property tax)	33,53,834	30,51,268
d) Security Charges	33,64,092	16,47,347
B Communication	**15,60,894**	**4,96,278**
e) Postage and Stationery	3,28,809	1,95,737
f) Telephone, Fax and Internet Charges	12,32,085	3,00,541
C Others	**73,06,720**	**1,37,92,315**
g) Printing and Stationery (consumption)	5,95,563	12,22,823
h) Travelling and Conveyance Expenses	3,63,233	10,70,242
i) Auditors Remuneration	3,77,600	7,50,008
j) Professional Charges	5,56,385	3,33,973
k) Advertisement and Publicity	15,71,705	23,76,493
l) Magazines & Journals	1,02,656	1,33,922
m) Institution Functions	4,61,679	3,75,473
n) Meeting Expenses (BOG,BWC,FIAC & other Committees)	8,84,943	53,32,605
o) Office Expenses	19,06,826	15,05,467
p) Membership Expenses (Subscription)	1,09,848	3,82,107
q) Others	**3,76,282**	**3,09,202**
i) Bank Charges	52,457	1,65,636
ii) Website/Portal Expenses	3,21,325	1,41,066
iii) Professional Tax	2,500	2,500
TOTAL	**1,77,05,751**	**2,11,04,702**

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Schedules forming part of Income & Expenditure Account as at 31st March 2021

(Amount in ₹)

SCHEDULE 18 TRANSPORTATION EXPENSES

Particulars	Current Year 2020-21	Previous Year 2019-20
a) Vehicle (Taxi) hiring expenses	18,27,611	51,86,535
Total	**18,27,611**	**51,86,535**

SCHEDULE 19 REPAIRS & MAINTENANCE

Particulars	Current Year 2020-21	Previous Year 2019-20
a) Buildings & Campus	5,99,495	4,92,489
b) Plant & Machinery	56,232	40,064
c) Office Equipment	60,594	46,782
d) Computers	33,81,439	26,15,824
e) AV Equipment	19,90,463	14,50,463
f) Cleaning Material	2,45,599	2,42,567
g) Electricals & Other Consumables	7,22,106	4,57,179
Total	**70,55,928**	**53,45,368**

SCHEDULE 20 FINANCE COSTS

Particulars	Current Year 2020-21	Previous Year 2019-20
a) Bank Charges	-	-
Total	**-**	**-**

SCHEDULE 21 OTHER EXPENSES

Particulars	Current Year 2020-21	Previous Year 2019-20
a) Provision for Bad and Doubtful Debts/Advances	-	-
b) Irrecoverable Balances Written- off	-	-
c) Grants/Subsidies to other institutions/organizations	-	-
Total	**-**	**-**

(Amount in ₹)

SCHEDULE 22 PRIOR PERIOD EXPENSES

Particulars	Current Year 2020-21	Previous Year 2019-20
a) Academic expenses	1,80,521	3,85,723
b) Administrative expenses	57,682	10,373
c) Repairs, Maintenance & Others	2,450	1,987
Total	**2,40,653**	**3,98,083**

SCHEDULE-23

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. **BASIS FOR PREPARATION OF ACCOUNTS**

The Financial Statements are prepared under the historical cost convention method and on the accrual basis of accounting, in accordance with the MoE Guidelines and Accounting Principles for Central Higher Educational Institutions.

2. **REVENUE RECOGNITION**

2.1 Fees from students (except Tuition Fees) and Interest on Savings Bank Account, Other Income (except Income from Management Development Programs) are accounted on cash basis. Tuition Fees collected separately for each semester is accounted on accrual basis.

2.2 Interest on term deposits with banks, deposit with LIC and Income from Management Development Programs are accounted on accrual basis.

3. **FIXED ASSETS AND DEPRECIATION**

3.1 Fixed Assets are stated at cost of acquisition including inward freight, duties and taxes and incidental and direct expenses related to acquisition, installation and commissioning. Capital work-in-progress comprises the costs incurred on capital assets that are not ready for their intended use at the reporting date.

3.2 Land received as government grant, free of cost, was valued at a nominal value as per principles of Accounting Standard - 12 issued by the ICAI and is set up by credit to the Capital Fund and included under Fixed Assets.

3.3 Books received as gifts are valued at selling prices printed on the books, where prices are not printed, the value is based on assessment.

3.4 Fixed assets are valued at cost, less accumulated depreciation. Depreciation on fixed assets is provided on straight line method (SLM), at the applicable rates as specified in MoE prescribed schedule (given below). However, in the case of Building and Electrical Installations & Equipment, the value is amortised in consonance with lease agreement entered into, with Andhra University.

Tangible Assets:

1	Land	0%
2	Site Development	0%
3	Buildings (Refurbishment cost of leasehold building)	TC* - Consonance with lease agreement PC* – 02.00%
4	Electrical Installation & Equipment on leasehold building	
5	Tube Wells & Water Supply	02.00%
6	Sewerage & Drainage	02.00%
7	Machinery & Equipment	05.00%
8	Scientific & Laboratory Equipment	08.00%
9	Office Equipment	07.50%
10	Audio Visual Equipment	07.50%
11	Computers & Peripherals	20.00%
12	Furniture, Fixtures & Fittings	07.50%
13	Vehicles	10.00%
14	Library Books & Scientific Journals	10.00%

*TC = Transit Campus; PC = Permanent Campus

Intangible Assets (Amortization):

1	E- Journals	40.00%
2	Computer Software	40.00%

3.5 Depreciation is provided for the whole year on additions during the year.

3.6 Where an asset is fully depreciated, it is carried at a residual value of ₹ 1/- in the Balance Sheet and is not further depreciated. Thereafter, depreciation is calculated on the additions of each year separately at the rate of depreciation applicable for that asset head.

3.7 Assets, the individual value of each of which is ₹2000/- or less (except library books) are treated as Small Value Assets. 100% depreciation is provided in respect of such assets at the time of their acquisition. However physical accounting and control are continued by the holders of such assets.

4. INTANGIBLE ASSETS:

4.1 E-Journals and Computer Software are grouped under Intangible Assets.

4.2 Electronic Journals (E-Journals) are separated from Library Books in view of the limited benefit that could be derived from the on-line access provided. E-Journals are not in a tangible form, but capitalized in view of the magnitude of expenditure and the benefits derived from these assets being perpetual in nature. Depreciation is provided in respect of E-journals at the prescribed higher rate.

4.3 Expenditure on acquisition of software has been separated from computers and peripherals, as apart from being intangible assets, the rate of obsolescence in respect of these is very high. Depreciation is provided in respect of software at the prescribed higher rate.

4.4 The Software, E-Databases, E-Journals etc. whose life is equal to or less than 1 year, is apportioned between the accounting periods as per utilisation and are considered as revenue expenditure and grouped under subscription fee.

5. **STOCK:**

Expenditure on purchase of stores is accounted as revenue expenditure, except that the value of closing stocks as on 31st March 2021 is set up as inventories by reducing the corresponding revenue expenditure on the basis of information obtained from the departments concerned. They are valued at cost.

6. **RETIREMENT BENEFITS:**

6.1 Contributions to retirement benefits i.e. New Pension Scheme (NPS) and Provident Fund are recognised and charged to Revenue on the basis of actual liability.

6.2 Provision for Gratuity is made on the basis of actuarial valuation and charged to Revenue.

6.3 Provision for Leave Encashment is made on the basis of actuarial valuation and charged to Revenue.

6.4 The Gratuity and Leave Encashment amounts are invested with Life Insurance Corporation of India (LIC) from FY-2020-21 as Earmarked Investments in Group Gratuity Scheme (GGS) & Group Leave Encashment Scheme (GLS). The interest received at the year end towards the said schemes are added to the revenue and the amount payable in the next year will be adjusted against the interest received.

7. **INVESTMENTS:**

7.1 Long term investments are carried at their cost or face value, whichever is lower. However any permanent diminution in their value as on the date of the Balance Sheet is provided for.

7.2 Short Term investments are carried at their cost or market value (if quoted), whichever is lower.

7.3 Funds which are not immediately required for expenditure are invested as flexi deposits on short-term basis with the operating bank i.e. Union Bank of India, leaving a minimum balance in Savings Bank Account.

8. **CORPUS/CAPITAL FUND:**

Capital Fund is created to the extent of Fixed Assets capitalized during the year. The Fund is created mainly out of Grant from Government of India, and other Grants/Donations.

The Corpus Fund is utilized for both Revenue and Capital expenditure based on the guidelines by the BoG from time to time. The assets created out of the Corpus Fund are merged with the assets of the Institute by crediting an equal amount to the Capital Fund. Any surplus or deficit from Income & Expenditure is carried to the Corpus Fund. The balance in the Corpus Fund which is carried forward is represented by the Fixed Deposits with the bank and the income from investments on accrual basis is credited to the Fund.

9. **EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS:**

These funds are earmarked for specific purposes through donations (Endowment Funds). Those with large balances also have investments in Term Deposits with banks. The income from Endowment investments on accrual basis is credited to the respective Funds. The expenditure and advances are debited to the Fund. The assets created out of Endowment Funds where the ownership vests in the Institution, are merged with the assets of the Institution by crediting an equal amount to the Capital Fund. The balance in the respective Funds is carried forward and is represented on the assets side by the balance at Bank, Investments and Accrued interest.

Faculty Compensation Reserve (FCR) is created out of the surplus every year, beginning from the Financial Year 2020-21 as Earmarked Fund. The FCR shall be 10% of the surplus based on BoG approved annual accounts; or ₹ 200.00 lakh, whichever is lesser.

10. GOVERNMENT GRANTS

10.1 Government Grants (MoE) are accounted on realisation basis. However, where a sanction for release of grant pertaining to the financial year is received before 31st March and the grant is actually received in the next financial year, the grant is accounted on accrual basis and an equal amount is shown as recoverable from the Grantor.

10.2 To the extent utilised towards Capital Expenditure (on Accrual Basis), Government Grants are transferred to the Capital Fund.

10.3 Government Grants for meeting Revenue Expenditure (on Accrual Basis) are treated, to the extent utilised, as income of the year in which they are realised.

10.4 Unutilised grants are carried forward and exhibited as a current liability in the Balance Sheet.

11. INCOME TAX

The income of the Institute is exempt from Income Tax under Section 10(23c) of the Income Tax Act, 1961. No provision for tax is therefore made in the accounts.

SCHEDULE: 24

CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES TO ACCOUNTS

1. CAPITAL COMMITMENTS :

1.1 The Value of contracts remaining to be executed on Capital Account and not provided for (Net of Advances) amounted to ₹ 1925.68 lakh as on 31st March 2021 (Previous year ₹ 2318.11 lakh as on 31st March 2020).

2. FIXED ASSETS:

2.1 Net Additions in the year to Fixed Assets of ₹ 4066.40 lakh include Assets purchased out of MoE Funds (₹ 4066.40 lakh). The Assets have been set up by credit to Capital Fund.

2.2 Land received as government grant, free of cost, was valued at a nominal value as per principles of Accounting Standard-12 issued by the ICAI. The valuation was at the rate of ₹ 1/- per acre or part thereof (241.5 Acres)

2.3 The Institute has entered into an MoU with Andhra University to take a part of its campus on lease for a period of 3 years, with total area measuring about 18360 Sq. ft. w.e.f. 21st September 2015 for its operations. The said lease was extended on 14th December 2017 for a further period of 5 years up to 20th September 2023. Additions made during the year for Buildings and Electrical Installation & Equipment are depreciated in consonance with the extended lease agreement entered into, with Andhra University.

2.4 The Software, E-Databases, E-Journals etc. bought for perpetual use are classified as Intangible Assets and they are amortized accordingly.

Software, E-Databases, E-Journals etc. whose life is equal to or less than 1 year have been apportioned between the accounting periods as per utilisation, whereas, renewal agreements for a period of 1 year or less than 1 year were considered as revenue expenditure and grouped under subscription fee.

3. EXPENDITURE IN FOREIGN CURRENCY:

Sl. No.	Particulars	Amount in ₹
1	IT, Library & Academic	1,61,21,103

4. CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES AND DEPOSITS

4.1 Current assets, Loans, Advances and Deposits have a value on realisation in the ordinary course, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

4.2 Term Deposits were made as per GOI Guidelines and the Institute's Investment Policy, in scheduled commercial banks to the tune of ₹ 15,416.34 lakh.

5. EARMARKED/ENDOWMENT INVESTMENTS:

5.1 The Institute has received a Donation of ₹ 222.00 Lakh during the year 2018-19 and the same is disclosed under Schedule 2A - Endowment Funds.

5.2 Investments with LIC under GGS & GLS Schemes are considered as Earmarked Investments through provision created for terminal benefits like Gratuity and Leave Encashment under Schedule-3 and the same is disclosed under Schedule 5A - Earmarked Investments.

6. GOVERNMENT AND UGC GRANTS:

6.1 Grants are received from MoE under three 'Grants-in-Aid' heads, viz. GIA-35 (Creation of Capital Assets), GIA-31 (General) and GIA-36 (Salaries).

6.2 Out of the Capital Grant received, the amount incurred during the year towards Capital Expenditure is for ₹ 4066.40 lakh and is transferred to Capital Fund.

6.3 Grant received towards General and Salary expenditure of ₹ 1,880.00 lakh is considered as income and shown in Income and Expenditure Account.

6.4 The Institute is funded by MoE grants only, for meeting both capital and revenue expenditure.

7. The details of balances in Savings Bank Accounts, Current Accounts and Fixed Deposit Accounts with banks are enclosed as Annexure 'A' to the Schedule of Current Assets.

8. Current Liabilities, Provisions & Loans including HEFA Loan and its interest of ₹ 16.31 lakh for the year ending 31st March 2021, against the sanction of ₹ 44,500 lakh towards construction of Permanent Campus, are shown under Schedule 3.

9. Previous year's figures have been regrouped wherever necessary.

10. Schedule 1 to 24 are annexed to and form an integral part of the Balance Sheet at 31st March 2021 and the Income & Expenditure Account for the year ended on that date.

11. All the employees of the Institute are covered by New Pension Scheme (NPS) and were allotted PRA numbers by the National Securities Depository Limited (NSDL) - Central Record Keeping Agency (CRA). During the Year 2020-21, ₹ 72.01 lakh has been contributed by the Institute towards contribution of employer for NPS fund. In respect of employees who joined on lien basis, the Institute's Provident Fund contribution along with employee's contribution during the lien period has been transferred to their respective principal offices, where the PF account is maintained.

12. The Institute has been granted Certificate of Exemption u/s 80G of Income Tax Act,1961 with effect from the Assessment Year 2019-20.

For Indian Institute of Management Visakhapatnam

Sd/-		Sd/-	Sd/-
G. Nandita	C.P.Vittal	Prof. Neena Pandey	Prof. M. Chandrasekhar
Superintendent	Consultant	Coordinator (Admn.)	Director
(Finance & Accounts)			

Date: 05-7-2021
Place: Visakhapatnam

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT VISAKHAPATNAM

Receipts and Payments Account for the year ended 31st March 2021

(Amount in ₹)

Receipts			Payments	2020-21	2019-20
I. Opening Balance			I. Expenses		
a) Cash Balances	89,583	78,195	a) Establishment Expenses	10,91,42,525	8,11,51,072
b) Bank Balances			b) Academic Expenses	8,01,48,416	10,93,56,650
i) In Current Accounts	10,175	73,388	c) Administrative Expenses	1,75,89,494	2,17,93,141
ii) In Term Deposit Accounts	1,08,69,65,743	-	d) Transportation Expenses	18,27,611	51,86,535
iii) In Savings Accounts	21,15,369	79,35,598	e) Repairs & Maintenance Expenses	68,85,077	51,65,948
iv) In Flexi Accounts	1,23,93,000	2,05,000	f) Prior Period Expenses	2,40,653	3,98,083
			II. Expenditure on Fixed Assets and Capital Works - in - Progress		
II. Grants Received			a) Fixed Asset	3,67,43,732	5,17,13,381
a) From Government of India (MoE)			b) Capital Works - in - Progress	36,99,67,853	1,66,57,046
i) Revenue Expenses	18,80,00,000	15,55,00,000	III. Increase/Decrease in Sundry Creditors, Statutory & other liabilities	(13,55,03,348)	(2,07,83,514)
ii) Capital Expenses	-	1,35,00,000			
iii) Capital Expenses (Permanent Campus)	44,66,27,215	44,52,79,708			
b) From State Government	-	-			
c) From other sources	-	-	**Total Capital and Revenue payments (I+II+III)**	**48,70,42,013**	**27,06,38,342**
III. Academic Receipts	21,30,91,039	15,11,52,159	IV. Payments against Earmarked/ Endowment Funds	-	66,345
IV. Receipts against Earmarked/ Endowment Funds	66,345	-	V. Payments against Sponsored Projects/ Schemes	17,98,092	13,58,365
V. Receipts against Sponsored Projects / Schemes	1,10,95,582	24,27,605	VI. Payments against Sponsored Fellowships/Scholarships	1,13,07,500	26,25,000
VI. Receipts against sponsored Fellowships/ Scholarships	1,13,07,500	26,25,000	VII. Investments and Deposits made		
VII. Income on Investments from			a) Out of Earmarked/Endowments funds	2,25,00,149	96,893
a) Earmarked/Endowment funds	17,54,723	-	b) Out of own funds (Investments - Others)	-	-
b) Other Investments	6,93,92,099	4,35,85,134			

(Amount in ₹)

Receipts			Payments	2020-21	2019-20
VIII. Interest received on			VIII. Term Deposits with Scheduled Banks	-	-
a) Bank Deposits	-	-			
b) Loans and Advances, Other receivables	-	23,676			
c) Savings Bank Accounts	4,16,222	1,92,479	IX. Refunds of Grants	-	-
IX. Investments encashed			X. Deposits and Advances		
a) Out of Earmarked/Endowment funds	-	-	a) Caution Deposit to Students	23,37,834	12,85,205
b) Out of own funds (Investments - Others)	-	-	b) Mess Advance to Students	95,74,797	1,37,91,660
X. Term Deposits with scheduled Banks encashed	-	54,44,47,258	c) Other Payments to students	65,000	9,16,911
			d) EMD/SD Refund	5,97,987	10,38,891
			e) Deposits and advances made (other than students)	67,67,261	4,76,491
XI. Other income (including Prior Period Income)	2,89,10,462	74,90,613	XI. Any other Payments (HEFA LOAN)	23,49,88,518	2,40,65,088
XII. Deposits and Advances			XII. Closing Balances		
a) Caution Deposit from Students	32,35,000	25,85,000	a) Cash Balances	-	89,583
b) Mess Advance from Students	73,45,885	1,60,84,117	b) Bank Balances		
c) Other receipts from students	59,48,247	6,20,000	i) In Current Accounts	-	10,175
d) Staff Advances recovery	1,78,075	-	ii) In Term Deposit Accounts	1,54,16,33,852	1,08,69,65,743
e) EMD/SD received	8,80,992	1,87,774	iii) In Savings Accounts	57,26,982	21,15,369
XIII. Miscellaneous Receipts including Statutory Receipts	-	10,78,609	iv) In Flexi Accounts	18,05,000	1,23,93,000
XIV. Any other Receipts (HEFA Loan)	23,63,21,729	2,28,61,748			
Total	**2,32,61,44,985**	**1,41,79,33,061**	**Total**	**2,32,61,44,985**	**1,41,79,33,061**

For Indian Institute of Management Visakhapatnam

Sd/-
G. Nandita, Superintendent; C.P.Vittal, Consultant
(Finance & Accounts)

Sd/-
Prof. Neena Pandey
Coordinator (Admn.)

Sd/-
Prof. M. Chandrasekhar
Director

Date: 05-7-2021
Place: Visakhapatnam

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) का कार्यालय
सैफाबाद, हैदराबाद - 500 004.

OFFICE OF THE
DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL)
SAIFABAD, HYDERABAD - 500 004.

No.DGA(C)/CEA/Unit-1/PA/IIMV/SAR.2020-21/2021-22/ Date: 12.10.2021

सेवामें
सचिव,
भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय,
उच्च शिक्षा विभाग, 'सी' विंग, शास्त्रीभवन, डॉ. राजेन्द्रप्रसादरोड
नईदिल्ली -110 001

महोदय,

विषय: भारतीय प्रबंधन संस्थान, विशाखापत्तनम, के वर्ष 2020-21, लेखों पर पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

******

Separate Audit Report (SAR) on the Accounts of Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV), for the year 2020-21, Annexure thereof and one copy of the Annual Accounts for the year 2020-21, are forwarded herewith.

The dates of presentation of Separate Audit Report in both the Houses of Parliament may please be intimated.

Receipt of this letter along with the enclosures may kindly be acknowledged.

भवदीय,

Sd/-

संल:यथोपरि

Director General of Audit (Central)

Endt. No.DGA(C)/CEA/Unit-1/PA/IIMV/SAR.2020-21/2021-22/ 76 Date:12.10.2021

Copy to Prof. M. Chandrasekhar, Director, Indian Institute of Management Visakhapatnam, Andhra Bank School of Business Building, Andhra University Campus, Visakhapatnam– 530 003, Andhra Pradesh, along with one copy of Annual Accounts for the year 2020-21(English version), with a request to furnish Hindi version of the approved Annual Accounts 2020-21 (2 sets), to this Office.

संल:यथोपरि

Dy. DIRECTOR/ CEA

Phone Nos. : 040-23236811 to 23236819 E-mail : pdachyderabad@cag.gov.in Fax No. : 040-23232294

Separate Audit Report on the Accounts of Indian Institute of Management, Visakhapatnam for the year ended 31 March 2021

We have audited the attached Balance Sheet of Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV), as at 31 March 2021, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971. These financial statements are the responsibility of the Institute's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i. We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii. The Balance Sheet and Income & Expenditure Account/ Receipts & Payments Account dealt with by this Report have been drawn in the Revised Format of Accounts, prescribed by Government of India, Ministry of Human Resource Development, for Central Educational Institutions.

iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Institute, in so far as it appears from our examination of such books.

iv. We further report that:

A. Receipt and Payments

A.1 Payments

A.1.1 Increase/Decrease in Sundry Creditors, Statutory and other liabilities- (-) ₹ 13.55 crore

As per the prescribed format, the Receipts and Payments Accounts should be prepared on cash basis. However, the Receipts and Payments account has included non-cash item such as increase and decrease in Sundry Creditors, Statutory and other liabilities to the tune of (-) ₹ 13.55 crore which is not correct. Non-cash item should not be shown in Receipt and payment account.

B. General:

B.1 This includes investment of an amount of ₹ 1,52,97,175 earmarked towards Faculty Compensation Reserve (FCR) and accounted for under Schedule 2: Designated/Earmarked/Endowments Funds in Current Assets (Schedule 7) instead of classifying the same under Schedule 5: Investments from Earmarked/Endowments Fund. The misclassification needs to be rectified.

B.2 According to the prescribed formats of financial statements/uniform of accounts, the Institutions shall disclose under Schedule 24: Contingent Liabilities and Notes to Accounts, the Capital Commitments/Value of Contracts remaining to be executed on Capital Account and not provided for (Net of Advances). Contracts valuing ₹ 414.22 crore was to be indicated against amount still remaining to be executed on Capital Account in 1.1 of Schedule 24 : Contingent Liabilities and Notes to Accounts : Capital Commitments. However only ₹ 19.26 crore (₹ 1925.68 lakh) was indicated. This needs to be rectified.

B.3 Government of Andhra Pradesh, Municipal Administration and Urban Development (M) Development vide G.O.Ms.No. 187 dated 26.10.2020 issued orders for waiving off charges pertaining to statutory fees payable to Local Bodies in respect of 7 National Level Institutions. Out of the 7, Indian Institute of Management, Visakhapatnam was also included vide Sl.No. (b) of the said Government orders. Accordingly, the charges were waived by the Visakhapatnam Metropolitan Region Development Authority (VMRDA) for an amount of ₹ 14,60,91,177. As the VMRDA charges but for exemption form part of Work in Progress/Project cost, the exemption of VMRDA charges needs to be shown in the Note on Accounts under Schedule-24 of the Annual Accounts.

C. Grants-in-aid: Out of total grants-in-aid of ₹ 63.46 crore received during the year from Government of India (Revenue Grant ₹ 18.80 crore, capital grant ₹44.66 crore), together with opening balance of ₹.70.38 crore and interest earned ₹ 4.86 crore, totaling to ₹ 138.7 crore, the institute utilized ₹ 59.46 crore (Revenue ₹ 18.80 crore & capital ₹ 40.66 crore) leaving a balance of ₹ 79.24 crore.

D. Management letter: Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of the Director/ IIMV through a management letter issued separately for remedial / corrective action.

vii. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account dealt with by this Report are in agreement with the books of accounts.

viii. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report, give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV), as at 31 March 2021; and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the ***Surplus*** for the year ended on that date.

Director General of Audit (Central)

ANNEXURE

1. **Adequacy of Internal Audit System:** Internal Audit was entrusted to M/s Rao and Kumar, a Chartered Accountants firm, which completed the internal audit for the year 2020-21.
2. **Adequacy of Internal Control System:** Internal Control System was not adequate as non cash item was shown in Receipt and Payment account.
3. **System of Physical verification of fixed assets:** Physical verification of fixed assets was completed for the year 2020-21.
4. **System of Physical verification of inventory:** Physical verification of Inventory was completed for the year 2020-21.
5. **Regularity in payment of statutory dues:** Statutory dues were paid regularly.

Dy. Director /Central Expenditure Audit

जितेंद्र एस्. करपे,
Jitendra S. Karape, IA&AS

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)
सैफाबाद, हैदराबाद - ५०० ००४
Director General of Audit (Central)
Saifabad, Hyderabad - 500 004

No.DGA(C)/CEA/Unit-1/PA/IIMV/SAR.2020-21/2021-22/ Date:12.10.2021

Dear Prof. Chandrasekhar,

Audit of Annual Accounts of The Indian Institute of Management, Visakhapatnam (IIMV) for the year 2020-21, was conducted in July-August, 2021. Significant comments on accounts are included in the Separate Audit Report issued separately to the Government of India, Ministry of Education, New Delhi and a copy marked to you. Some of the observations, which were not included in the Separate Audit Report, meriting the attention of the Management are detailed below to enable your office to take necessary corrective action:

(i) An amount of ₹ 64.46 lakh (credited in the Union Bank of India A/c No. 105610100057740 on 01.03.2021) was released towards Mahatma Gandhi National Fellowship (MGNF) Project by Ministry of Skill Development and Entrepreneurship, New Delhi and taken to Schedule 3 (a)- Sponsored Projects of the Balance Sheet. However, an amount of ₹ 60.81 lakh was shown against MGNF Project under Schedule 3(a) instead of ₹ 64.46 lakh. This resulted in understatement of Liabilities and Provisions and understatement of Current Assets to the extent of ₹ 3.65 lakh.

With Regards,

Yours sincerely,

Prof. M. Chandrasekhar,
Director,
Indian Institute of Management Visakhapatnam.

Off. Phone No.: 040-23232069 E-mail : pdachyderabad@cag.gov.in Fax No. : 040-23232294

IIM

विद्या परं दैवतम्

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम
Indian Institute of Management Visakhapatnam

भारतीय प्रबंध संस्थान विशाखपट्टणम

आंध्रा बैंक स्कूल ऑफ बिजनेस बिल्डिंग, आंध्र विश्वविद्यालय कैम्पस, विशाखपट्टणम 530 003.

आंध्र प्रदेश, भारत वेबसाइट : www.iimv.ac.in

Indian Institute of Management Visakhapatnam

Andhra Bank School of Business Building, Andhra University Campus, Visakhapatnam 530 003

Andhra Pradesh, India Website: www.iimv.ac.in

E-mail: info@iimv.ac.in; Phone: +91 891 282 4444